NOV. 55

रिजिस्ट्री संवधी---(🐗 📫)---73

Sq Sh

AUGISTERED NO. B-10 773

अस्ति की राजपत्र

The Gazette of India

ANIMANE & MANIMICE

H • 44]

मई दिस्ली, शनिवार, नवम्बर 2, 1985 (कार्तिक 11, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1985 (KARTIKA 11, 1907)

ैइस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संशलत के रूप में रखा जा सके (Sephitio paging is given to this Past in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

कुष न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Solic Service Commission, the Indian Government Radiways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंघ लोक सेवा ग्रायोग

🕦 दिल्ली-110011, दिनांक 19 सितम्बर 1985

सं ं ए-32013/1/83-प्रशा०-2-संघ लोक सेवा श्रायोग के अध्यक्ष एतद द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थायी इंजीनियर श्री प्रदीप मेहता को श्रायोग के कार्यालय में 1-9-1985 से 30-11-1985 की अवधि के लिए श्रथवा श्रायामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो वरिष्ठ इंजीनियर (ग्रुप क) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. वरिष्ठ इंजीनियर के पद पर उपर्युक्त श्रवधि के लिए श्री प्रदीप मेहता की नियुक्ति पूर्णतः तदर्य श्राधार पर हैं और इससे इनको इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति या वरिष्ठता का कोई हक प्राप्त नहीं होगा।

दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० ए-32014/1/85-प्रणा०-JII---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित नियमित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी स्रादेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ स्राधार पर स्रनुभाग स्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये सहप नियुक्त करते हैं:--

ऋ० नाम	तदय नियुक्ति की
सं०	_{∺ै.} ग्र वधि
मर्वश्री	
1. बसंत सिंह (श्र०जा०)	27-9-85 से 45 दिनों के लिए
2. एम० एल० वर्मा-1	27-9-85 से 45 दिनों के लिए

दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए-12025(II)/1/84-प्रणा०-III---संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० के० बंसल के कार्मिक एवं प्रणिक्षण विभाग के का० जा० सं० 5/11/85-सी० एस० 1, दिनांक 9-9-1985 द्वारा, पेट्रोलियम मंत्रीलय के के० स० से० संवर्ग में वर्ष 1984 के लिये अनुभाग अधिकारी ग्रेड (वरिष्ठता कोटा) की चयन मुची में सम्मिलित करने हेतु मनोनीत होने

के परिणामस्वरूप उन्हें, 1 मन्तूबर, 1985 के पूर्वाह्न से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

> एम० पी० जैन श्रवर सचिव (का० प्रशा०) सेवा लोक सेवा श्रायोग

का० और प्रशिक्षण, प्रेशा सु०, लोकणिकायत तथा पेंगन मंत्रालय का० एवं प्रणि० वि० केन्द्रीय अन्वेण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

सं० ए-12025/2/79-प्रणा०-5—निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद् - द्वारा निम्नलिखित श्रिधकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि में अगले आदेश होने तक नियमित श्राधार पर पुलिस उपाधिक नियुक्त करते हैं:--

ऋम	श्रधिकारी का नाम	भाखा	जिसमें	तैनात	पुलिस	उपा
सं०		किर	ा गया		धीक्षक के	रूप
				में	नियुक्ति ।	किया
					की ति	थ

सर्वश्री	-	
1. एच० सी० बिष्ट	देहरादून {	[18-4-84
2 डी०एन० घौधरी	सी व्याईव्यूव (ए)	3-9-85
3. एम० बी० गोदबोले	सा०ग्र०स्कंध/बम्बई	3-9-85
4. सतीम चन्द्र	सिल्चर	3-9-85
5. डी०के०चौधरी	सी०श्राई०यू०(ई०)-ा	3-9-85
6. जी०एन०गुष्त	विशाखापटनम	3-9-85
 गौरी प्रसाद 	एस० म्राई० सी०	3-9-85
हरभजन राम	एस०श्राई० सी०	3-9-85
9. श्रल्बर्ट कनेर ————————————————————————————————————	सा०म्र० स्कंध/बम्बई	3-9-85

दिनांक 9 प्रक्तूबर 1985

सं०ए-19036/9/77-प्रशा०-5---निवर्तन होने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति नियुक्ति पर आए श्री जी० एम० अम्बेडकर, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं 31 अगस्त, 1985 अपराह्म से महाराष्ट्र सरकार को सौंप दी गईथीं।

> म्रार० एस० नागपाल प्रशासन म्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय म्रन्वेषण ब्यूरी

गृह मंद्रालय

पुलिस श्रनुसंघान एवं विकास ब्यूरो नई विल्ली, विनांक 7 श्रम्तूबर 1985

सं० 18/20/85-प्रणा०-II—श्री ए० एस० संगामेण्यरन, सहायक केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान प्रयोगणाला, हैदराबाद को पुलिस ग्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली में 18 सितम्बर, 1985 पूर्वाह्म) से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्भ भ्राधार पर भ्रनुभाग भ्रधिकारी के पर पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 9 ग्रम्तूबर 1985

सं 13-1-83-प्रणा०—1——श्री पी० ग्रार० के० मूर्न, तदर्थ विष्ठ वैयक्तिक सहायक को 17-9-85 से नियमित ग्राधार पर विष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर कार्य करने र लिए नियुक्त किया जाता है। विष्ठ वैयक्तिक सहायक के पर कार्य केन पर का वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 है।

एस० के० मिलक महानिदेशक

महा निदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1985

सं० ई-32015(4)77/85-कार्मिक—-प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री वीरेन्द्र सिंह ने 30 ग्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015(4)/80/85-कार्मिक-I---प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर श्री एस० सी० जोशी, ने 2 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म में के० औ० सु० व० यूनिट, सी० पी० टी० कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-37015(4)/79:/85-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री ए० सी० दुवे ने 1 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब०, यूनिट एच० ई० सी०, रांची, में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 8 ग्रक्तूबर, 1985

सं० ई० 32015(4)/47/85 कार्मिक I—राष्ट्रपति, श्री एस० एन० बिस्वास को, प्रोन्नति पर, 29 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से, के० औं० सु० ब० यूनिट, के० सी० सी० खेतड़ी का सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ई० 32015(4)/78/85-ऋार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री भगवान सिंह ने 30 ग्रगस्त, 1985 के ग्रपराह, से के० औ० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, वुर्गापुर, के सहायक कमांडेंट, के पद का कार्यभार सभाज लिया।

दिनांक 9 श्रक्तूबर 1985

संग्रही संग्रही के प्रतस्वरूप, श्री गुरचरण संग्रह भुल्लर भाग पुरी से (पंजाब: 66) ने 13 सितम्बर, 1985 के श्रपराह्म से के श्री सुर ब्रुगियर, दुर्गापुर स्टील प्लाट, दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

सं० ई-31013(2)/1/85-कामिक-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों (सहायक कमांडेंट- तद्दर्थ |िनरीक्षक |
कार्यपालक) को 2-9-1985 से सहायक कमांडेंट, के रैंक में
नियमित आधार पर स्थानायन्त रूप से अन्य सहायक कमांडेंट
तद्ध |िनरीक्षक (कार्यपालक) जिनके सहायक कमांडेंट
तद्ध |िनरीक्षक (कार्यपालक) जिनके सहायक कमांडेंट, के
रैंक में नियमन |प्रोन्नित के आदेश अलग से जारी कि ये जा रहे
हैं, के दाबे पर बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले प्रोन्नत करते हैं।
इन प्रधिकारियों की परस्पर विष्ठता के बार्ण में, आदेश यथा
समय नारी किए जायेंगे:—-

- 1. श्री एस० एस० शुक्ला
- 2. श्री नथूनी राम
- 3. श्री पी० डी० खुल्लर
- 4. श्री कृष्ण चन्द्र
- श्री डी० भ्रार० जांगडा
- 6. श्री एम० छेत्री
- 7. श्री श्रार० एस०, खती।

म० ई-16013-(2)/1/81-कार्मिक-1—राज्य काडर को श्रे में पर, प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, श्री डी० एस० भुल्लर, भा० पु० से० (पंजाब: 64) को, 8-4-1985 से 14-9-1985 तक स्वीकृत छुट्टी बिताने के पश्चात, 14 सितम्बर, 1985 के श्रपराह्म से के० श्रौ० सु० ब०, यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के कमांडेंट, के पद का कार्यभार "छोड़ दिया" समझा जाएगा।

दिनांक 11 प्रक्तूबर, 1985

सं ुई-32015(4)/82/85-कामिक-I--प्रितिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री गुरबचन सिंह ने 23 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से के० श्री०सु० ब० पूनिट, बी० सी० सी० एल०, अरिया में, सहायक कमांडेंट, के पद का कार्यभार संभान लिया।

सं० ई-16013(1)/20/85-कार्मिक-1--प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० सी० डे, भा० पु० से० (उड़ीसा: 61) ने 10 श्रक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से उप महा-निरीक्षक (प्रशासन), के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> डी० एम० मिश्रा महानिदेशक/के०ग्नी०सु० व०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 श्रक्तुबर, 1985

स० 10/4/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महा रजिस्ट्रार के कार्यालय, के श्री ए०पी० गुप्ता, कंसील

आपरेटर को, उसी कार्यालय में पदोन्नति पर दिनांक 23 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर अस्थायी अवस्था में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री गुप्ता का मुख्यालय नई दिरुली में होगा।
- 3. वह दो वर्ष की श्रवधि के लिये परीवीक्षा श्रवधि रहेंगे।

वी० एम० वर्मा, भारत के महार्राजस्ट्रार

वित्त मंत्रालय भ्रार्थिक कार्य विभाग चलाग्र पल मुद्रणःलय

नासिक रोड दिनांक 19 सितम्बर, 1985

सं० ई० एस० ई०-1-21—महा प्रबन्धक चलार्थ पल मुद्रणालय, श्री सोहनलाल (प्रनु० जाति) भंडारी को, भंडार ग्रिधकारी (वर्ग "ख राजपितति) के पद पर ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 की वेतन श्रेणी में स्पष्ट रूप से तवर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति प्रारम्भिक रूप में दिनांक 19 सितम्बर, 1985 (ग्रपराह्न) ने 6 महीने की ग्रविध के लिये ग्रथवा नियमित नियुक्ति किये जाने की तारीख तक, जो भी पहले घटित हो तक की जारही है।

> सु० द० इंडगुंजी महाप्रबन्धक

भारतील लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय: निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

सं० प्रशासन 1/का० आ० सं० 268— इस कार्यालय के एक स्थाई लेखा परीक्षा प्रधिकारी श्री.एम० बी० रामाकृष्मन वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरुप 31 अक्तूबर, 1985 अपराह्म को, भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 5 अक्तूबर, 1927 है।

दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1985

सं० प्रशासन-1 का० भ्रा० सं० 262—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी भ्रनुभाग अधिकारियों (भ्रब महायक लेखा परीक्षा, अधिकारियों को 30-9-1985 पूर्वाह्म से भ्रगले भ्रादेश तक 840-1200 रू० के वेतन कम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा भ्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

कम नाम सं०

- 1. श्री सरदारी लाल
- 2. श्री सी० एत० गुलाटी

दिनांक 11 भ्रम्तूबर, 1985

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश सं० 271- निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य-1 इस कार्यालय के श्री श्रो० पी० बला स्थायी अनुभाग श्रधिकारी श्रव सहायक लेखा परीक्षा, श्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी के वेतन क्रम 840-1200 रु० में 8-10-85 पूर्वाह्म से आगे आदेश आने तक नियुक्त करतें हैं।

(ह०) अपठनीय उप निदेशक लेखा परीक्षा, (प्रशासन)

कार्यालय: निदेशक, लेखा परीक्षा बाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, विनांक 8 श्रक्तूबर, 1985

सं० प्रशासन-111/11—निदेशक, लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य एवं विविध, इस कार्यालय के निम्नलिखित अस्थाई लेखा परीक्षा, अधिकारियों को 840-1200 रुपयों के वेतनमान में उनके नाम के सामने दर्शायी गई तिथियों से स्थाई पद पर नियुक्त करते हैं।

सर्वे श्री:

1. ग्रार० बी० जौहरी---

1-4-1985

2. ग्रार० के० गप्ता--

1-7-1985

भ्रार० पी० सिंह उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्र०)

महालेखाकार लेखा का कार्यालय, आँन्ध्र प्रदेश हैदराबाद-500 463, दिनांक 1 अक्तूबर, 1985

सं० 120—महा लेखाकार (लेखा एवं ह०) ब्राँध प्रदेश, हैदराबाद सहर्ष निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थानापत्न लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000-द० री०-40-1200 र० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नित दी जाती है।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
ما در است با در این باده این برهاری این باده ای	نن مدر وساور، وسدور وسوست پسرون کو وید اندها کا بساختان ب ا باو استونی ویداند.

श्री के० ग्रप्पाराव

1-10-85 पूर्वाह्न

पदोन्नति के लिये दिये गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आँध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जायेंगे।

> (ह०) श्रठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

महालेखाकार (ले० वह) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम-695 039, दिनाँक 30 सितम्बर, 1985

सं० स्थापना/प्र०/5/9-86/खण्ड 2/188—श्री हे श्रीघरन (सं० 3), प्रनुभाग अधिकारी को 17-9-1985 पूर्वाह्न से अगले ब्रादेणों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार (ले० वह०) संतुष्ट हुए हैं।

यह नियुक्ति सिविल विविध भ्रार्जी सं० भ्रो०पी० 750/84 के पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा, जो भ्रादेश जारी किया जाए, उसके भ्रध्यधीन श्रगले श्रादेश तक भ्रस्थायी है।

> एस० बी० पिल्लै वरिष्ठ, उप महालेखाकार (प्रधासन)

कार्यालय: महालेखाकार (ले॰ प॰), महाराष्ट्र बम्बई-400020, दिनौंक 1 अक्तूबर, 1985

क्र०सं० प्रशा०-1/ले० प०/सामान्य/ले०प० घ०/1(1)/10-— महालेखाकार महोदय, ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा, ग्रिधकारियों को उनके नामों के समक्ष, लिखी गई तिथियों से प्रभावी पुनः ग्रादेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा, ग्रिधकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र० नाम सं०	ले० प० घ० पद पर नियुक्तिकी तिथि
 श्री ए० एस० मनोली श्री भ्रार० के० मालाडकर 	5-9-1985 पूर्वाह्न 2-9-1985 पूर्वाह्न
and the first part (and the part of the	(ह०) श्रठनीय व० उप महालेखाकार/प्रणासन

रक्षा मंत्रालय श्रायुध निर्माणी बोर्ड

डी० जी० भ्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700 001, दिनाँक 20 सितम्बर 1985

सं० 8/10/85/ए/ई-1(एत जी) --डी० जी० श्रो० एफ० महोदय, श्रीमती रानु दास स्थानापन्न सहायक की स्थानापन्न सहायक की स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रधिकारी (तदर्थ) के पद पर वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता परिवत्त प्रभावी दिनौंक 31-7-1985 से (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेश न होने तक पदोन्नत करते हैं।

 उक्त पदोन्नतियों मे माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई ग्रपील के परिणामानुसार पालन किया जाएगा ।

3 उपरोक्त ग्रधिकारी ने दिनाँक 31-7-1985 (ग्रपराह्न) से ए० एस० ग्रो० के रूप में उच्च पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> एस० दास गुप्ता, निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक श्राय्ध निर्माणियों

कलकत्ता-700001, दिनाँक 3 श्रक्तूबर 1985

सं० 09/85-ए/एम.─-राष्ट्रपति, महोदय, डा० श्रार० के० माह सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं को दिनाँक 13 सितम्बर, 1985 से उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के पद पर नियुक्त करते हैं।

ऋ∘ सं∘	नाम	तैनाती स्थान	दिनौंक
1.	डा० ग्रार० के० शाह	भायुधनिर्माणी बोर्ड	13-9-85

सी० एम० माथुर एडिशनल डी० जी०म्रो० एफ०/ ∙ सदस्य∤कार्मिक

्श्रमः महालय

ंकारखाना सलाह सेवा घ्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

सायन बम्बई-22, दिनाँक 11 श्रक्तूबर, 1985 -

सं ० 17/6/77-स्थापना - अधिवर्षिता श्रायु पर पहुंचने पर श्री एस० टी० स्वामी, प्रशासनिक श्रधिकारी, कारखाना सलाह सेवा प्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय, के ग्रधीनस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, मद्रास से दिनाँक 31 श्रगस्त, 1985 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति पाई।

> .**एस० बी० हेगडे** पाटिल, उप महानिदेशक श्रीर विभागाध्यक्ष

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नर्ध दिल्ली-110011, दिनाँक 10 सितम्बर, 1985 श्रायात एवं व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० 6/1203/77-प्रशा० (राज०)/588--इस कार्यालयं के भी एस० एल० भर्मा, नियन्त्रक, श्रामात-निर्यात, ने सेवा निवृत्ति की स्नायु होने पर, 31 श्रगस्त, 1985 के श्रपराह्न से सरकारी सेवासे भ्रवकाण ग्रहण कर लिया है।

दिनाँक 7 प्रक्तूबर 1985

सं० 6/1212/77-प्रभासन (राज०)/1014--संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात श्री जी० एच० मंधानी सेवा नियुत्ति की त्रायु प्राप्त कर लेने पर, 31 जुलाई, 1985 के अप्रयाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

शंकर चन्द

उप मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियीय

वस्स्र विभाग

कार्यालय संदाय श्रायुक्त

नई दिल्ली, दिनाँक 19 भ्रगस्त 1985

सं० 14(16)/85-सी० पी०--श्री विजय कुमार वर्मा, वाणिज्य मंत्रालय, के सी० एस० एस० एस० के ग्रेड "स" के पद भार से 'मुक्त होने पर, संदाय ग्रायुक्त, कार्यालय में वरिष्ठ व्यैक्तिक, सहायकके पद पर 650-1040 रु० के वेतनमान पर 1-8-1986 (पूर्वाह्न) में प्रति नियुक्ति के ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

प्रथमतः इनकी नियुक्ति की ग्रवधि एक वर्ष होगी। इस ग्रवधि के द्रौरान, श्री विजय कुमार वर्मा, की वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर यथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एफ 10(24)-ई-III/60, दिनाँक 4-5-1961 से निहित आदेशों द्वारा, श्रिभशायित किया जाएगा।

> **घरन दास** चीमा संदाय प्रायुक्त

वाणिज्य एवं अपूर्ति मंत्रालय

विहास ग्रायुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्लो-110066, दिनांक 30 सिसम्बर 1985 सं० 10(18)/82-रशर०-6--- प्रधिवर्षिता की प्रायु प्राप्त होने पर श्रा एम० डा० पटेल, निदेशक (पश्चिमी क्षीत्र), विष्टास प्रायुक्त (हम्प्रशिला) कार्यालय, 30 सितम्बर, 1985 के श्रवराह्म से तरहारी सेवा से नियुक्त हुए ।

> शिरोमणि शर्मा, विकास ग्रायुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

विकास प्रायुक्त (लघु उधोग) का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 8 स्रक्तूबर 1985

12(428)/64~प्रसा० (राज०)खण्ड-3---राष्ट्रपति, क्षेती । परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक, श्री एस० पी० निन्हा, ग्रेड-2 (धातुकर्म) को दिनांक 6-9-85 (पूर्वाह्न)

से श्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में निदेशक ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सी०सी० राय, उप निदेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं० ए०-1/1(1206)--राष्ट्रपिति, निदेशक पूर्ति कलकत्ता के हार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) श्रो पो० वंगरा को 23 श्रगस्त 1985 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में नियमित श्राधार पर सहायक निदेशक (प्रश०) (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्रा बेंगरा, दिनांक 23-8-1985 के पूर्वाह्न से दो वर्ष के लिए परिवोक्षाधोन रहेंगे।

राजबीर सिंह उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन ग्रनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1985

मं० ए०-6/247(537)-II---राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण ग्रिष्ठिकारी (ग्रिभि०) श्री जे० बी० जोईस को छः महीने की ग्रवधि के लिए ग्रथवा नियमित/वरिष्ठ ग्रिष्ठिकारी के कार्यभार संभालने तक इसमें जो भी पहले हो 700-40-900-द० रो०--40-1100-50-1300 रुपए के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण/ निरीक्षण ग्रिष्ठकारी (ग्रिभियांविकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III, ग्रूप "ए०") (ग्रिभियांविकी ग्राखा) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री जोइस ने 9 सितम्बर 1983 के पूर्वाह्म [से सहायक निरोक्षण श्रीधकारी (श्रीभ०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी दिन से निदेशक, निरीक्षण बम्बई के कार्यालय में निरोक्षण श्रीधकारी श्रीभयांत्रिकी के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

सं प्र प्र प्र पिकारी (इंजी) शि एस प्र पिका को तदर्थ ग्राधार पर का 700-40-900-दा रोज-40-1100-50-1300 के वेसनमान में 6 माह को ग्रवधि के लिए ग्रथवा नियमित वरिष्ठ ग्रिधकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रूप "ए०" (इंजी विश्वास) में सहायक निवेशक, निरीक्षण/निरीक्षण ग्राधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० मिश्रा ने निरोक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 9-9-1985 के प्रपराह्म से सहायक निरोक्षण प्रधिकारी (इंजी०) के पद का भार छोड़ दिया और उसी तारीख में उसी कार्यालय में निरोक्षण ग्रीध हारी (इंजी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ग्रार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात, खान ग्रौर कोयला मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985

सं० 4699-डी०/ए०-19012(3-जे० पी० एस०)/ 83-19बी०-भारतीय भुवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसाय-नज्ञ श्री जगवीग प्रसाद शर्मा को 13-2-85 (ग्रपराह्म) से त्यागपत्न पर मुक्त किया गया।

दिनांक 9 मन्तूबर 1985

सं० 9627-बो०/ए०-19012(ए० के० वाई०)/84/
19-ए०-भारतोय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री ग्रशोक कुमार यादव को भंडार श्रिधकारी के रूप में भारतोय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200/- ६० के वेतनमान के वेसन पर ग्रस्थाई क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 25-7-85 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 9636-भी०/ए०-19012(3-एस० ग्रार० पी०)/85-19-बो०-भारतीय भुनैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूनैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूनैशानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनोकी (सहायक (रसायन) श्री शांति रंजन पाल को सहायक रसायनश के रूप में भारतीय भूनैशानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 22 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्र से प्रोन्नित पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भुवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 प्रक्तूबर 1985

सं० ए०-19011(16)/70-स्था० ए०--श्री सीं० पो० एस० नायर, स्थायी क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरी ने इस विभाग में खान नियंत्रक के पद पर पदेश्रति होने पर सलाहकार (बिज्ञान ग्रीर तक्ष्मीकी) हिस्पात, खान ग्रीर कोयला मंत्रालय, नई दिल्लो के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा दिनांक 9--9-1985 के अपराह्म से आगामी ग्रादेश होने तक नई दिल्ला में खान नियंत्रक, के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

पी० पी० वादी
प्रशासन श्रिधिकारी
कृते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरी

भारताय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1985

मं० सो०-6270/718-ए०--निम्निलिखित प्रधिकारी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा प्रधिकारी (सा० मि० मेश प्रुप "बी०") के पर पद पर 840-40-21000-द० रो०-40-1200 रुगए के वेसनमान में उनके नाम के सामने दो गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है:---

क्र० सं० नाम ग्रीर पदनाम	युनिट/ कार्यालय	ता रोख !'
 श्रो बो० एम० गाजरे, कार्यालय प्रधोक्षक (वरिष्ठ वेतमान) 	दक्षिण पूर्वी सर्किल, भुवनेण्वर्।	7-8-85 (पूर्वाह्न)
	जी o	सी० ग्र ग्रवाल मेजर जनरल

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

न०प०वि०प० कालोनी, दिनांक 11 अक्तूबर 1985

कि न प वि प पिष्णा | प्रशा | प्रशा | 4(40) | 85 | एस | 11742 — अधिसूचना सं । न प प वि प | प | भर्ती | 12(2) | 84 — एस | — | 7138, दिनांक अगस्त 18, 1984 द्वारा अधिसूचित इस परियोजना के स्थायीवत सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पाल सिंह, की सुरक्षा अधिकारी के एद पर तदर्थ आधार पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति अगस्त 12, 1985 के अपराह्न से समाप्त की जाती है।

आर० के० बाली ११८६ अधिरी

भारत के महासर्वेक्षक

(नियुक्ति प्राधिकारी)

ऋय ग्रीर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 24 सितम्बर 1985

संदर्भ सं० क्रमंनि०/41/16/85-प्रशा०/26583-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशाक
ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री सी०
पीभैया, की इसी निदेशालय में दिनांक 14-5-85 (पूर्वाह्न)
से 15-6-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-401200 रुपए के वेननमान में सहायक भंडार अधिकारी के
पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया
है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी, श्री जी० आर०
जी० चौधरी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि
के लिये छुटी प्रदान की है।

दिनांक 3 अन्तूबर 1985

संदर्भ सं० क भंति०/2/1(7)/85-प्रशा०/6856-पर-माणु ऊर्जा विभाग, क्रय विभाग और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री एन० नाय० आरेकर, स्थायी भंडारी, को इसी निदेशालय सें दिनांक 13-8-1985 (पूर्वाह्न) से 31-12-1985 (अपराह्न) तक रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40 1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानावन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 अन्तूबर 1985

सं० कभंनि०/41/8/85-प्रशा०/6881—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रम और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री सी० जी० वेबी को इसी निदेशालय में दिनांक 6-5-1985 (पूर्वाह्म) से 7-6-1985 (अपराह्म) तक 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त ृकिया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी श्री आर० एन० प्रभु के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अविध के लिए छुट्टी प्रदान की है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

न्यूनलीयर विद्युत् बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

सं० एन० पी० बी०/3(40)/76-स्था०1/9576--निदेशाम (अभियांत्रिकी) न्यूमिलयर विद्युत् बोर्ड, बम्बई एतद-द्वारा सम्पदा प्रबन्धन निदेशालय के एक सहायक मुरक्षा अधिकारी (एस० जी०) श्री पी० सुरेन्द्र को अस्थाई रूप से इस बोर्ड को सुरक्षा अधिकारी के पद पर अक्तूबर 28, 1985

के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

> जी० ए० कॉलगुड सामान्य प्रणासन अधिकारी निदेशक (अभियांतिकी)

रिएक्टर अनुसंधान, केन्द्र

कलपानकम, दिनांक 3 सितम्बर 1985

सं०ए० 32023/1/85-अार०/429--निदेशक, रिए-महर अनुसंधान केन्द्र इस अनुसंधान केन्द्र के एक अस्थायी उप अधिकारी श्री विधान बिहारी रे को उसी केन्द्र में 8-7-85 में 7-12-85 तक की अवधि के लिए स्टेशन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० रायप्पा, स्टेशन अधिकारी के स्थान पर की गई है जो प्रशिक्षण के लिए गए हैं।

दिनांक 12 सितम्बर 1985

सं० आर० आर० सी०/ए० 32014/20/85-आर०/424—निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के उन अधिकारियों को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, 1 फरवरी, 1985 के पूर्वाह्म सं अगला आदेश होने तक के लिए ६०650-30-740-35-810-इ० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

ऋमसं० नाम	वर्तमान पद
1. श्री ए० थिरवेंकटसामी	स्थायी वैज्ञानिक हायक बी० तथा स्थानापन्न वैज्ञा- निक सहायक ''सी०''
2. श्री एम० गणपति	स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''बी०'' तथा स्थानापन्न' वैज्ञानिक सहायक' ''सी''
 श्री डी० क्र^{हण}म्ति 	स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''बो०'' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक ''सी०''
 श्री एन० विजयराघवन 	स्थानापन्न कारीगर ''ग०''
5. श्री के० शशीकुमार	स्थानाप प्त कारीगर "ग०"

कुमारी एस० गोपालकृष्णन् प्रशासनिक अधिकारी अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560 017. दिनांक, 30 सिहम्बर 1985

रां० 020/1(1584)/85-स्था०-इमरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर की श्रीमती के० उथा, वैज्ञानिक/अभियंता "एस० बी०" से प्राप्त त्याग पत्न को दिनांक 11 अप्रैल 1985 के अपराह्म से स्वीकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन अधिकारी-

महातिदेशक तागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1985

सं० ए० 31013/2/83-स्था०-1-राष्ट्रपति ,श्री आर० पी० सिंह को, जो कि इस समय निदेशक, प्रशिक्षण श्रीर अनुजापन के पद पर कार्यरत हैं, दिनांक 1-5-1983 से महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय में उप निदेशक विमान सुरक्षा (परिचालन) के पद पर स्थायी क्षमता रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 अक्सूबर 1985

सं० ए० 12025/3/83-स्था०-1--राष्ट्रपति, श्री बिमल कुमार श्रीवास्तव की दितांक 27 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्र) से भीर अन्य आवेश होने तक, 1100-50-1600 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में सहायक निदेशक (मैप्स एव चार्ट) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अक्तूबर 1985

सं० ए० 32013/12/83-स्था०-1--इस कायलय की दिनांक 26 सितम्बर, 1984 की अधिसूचना सं० ए० 32013/12/83-ई० 1 के कम में, राष्ट्रपति, श्री टी० सी० आहलूबालिया की निदेशक उड़न योग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 26-3-85 से 8-9-85 तक की अवधि के लिए जारी रखने की अनुमित प्रदान करते हैं।

दिनौंक 7 शक्तूबर 1985

सं० ए० 32013/9/84-स्था०-1--राष्ट्रपति,श्री एस० के० दास, उपनिदेशक, संचार को दिनौंक 19 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) से, ग्रन्य भादेश होने तक, निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित भाधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-32013/10/84-स्था०-1--राष्ट्रपति, सर्वेशी टी० सी० श्राहसुवालिया श्रीर एस० रंजन, तदर्थ निदेश उड़न योग्यता को दिनाँक 9-9-1985, से श्रन्य श्रादेश होंने तक, इसी ग्रेड में नियमित श्राबार पर नियुक्त करते हैं।

> जे० मी० गर्ग, संयुक्त निदेशाः (प्रशासन)

नई िल्लो, विनांक 3 अक्तूबर 1985

सं० ए०-32013/2/81-ई० सी०-इन विभाग की दिनाँक 27 श्रगस्त, 1984 की राजपव श्रिध्सचना सं० ए० 32013/2/81-ई० मी० दे कम में, राष्ट्रपति श्री डी० कृष्णामूर्ति की नागर विमानन विभाग में तकनीकी श्रिविकारी के पव पर तक्ष्यं आधार पर की गई निवृत्ति की श्रविध दिनाँक 31-7-1984 तक की श्रविध के लिए बढ़ाने की मंजूरी प्रदान करने है।

2 तकनीकी सिक्षिकारों के पद कर तदर्थ नियुक्ति की वहाई गई शबधि के फलन्तरूप, श्री बीठ त्रायमामूनि इक ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए दाबा करने के हक्दार नहीं होगे और कर्य साधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में वरीयना के उपोजन के लिए सोर न ही समले उच्चतर ग्रेड में पदीस्ति को पावता के लिए सीर जाएगी।

सी० जयचन्द्रभ उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूयर 1985

सं० ए० 12025/6/84-ई० एउ०--संघ लोह सेवा आयोग की अनुशंसा पंर, महानिदेशक नागर विमास श्री माहापार्टी रेही की दिनांक 10-9-85 के पूर्वाह्म श्रीर श्रन्य श्रादेश होने लग्न 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-3० रो०-40-1200 के वेतनमान में क्षेतीय निदेशक, बस्बई क्षेत्र, बस्बई ह्वाई श्रहा, बस्बई के कार्यालय में स्थानापन क्षगता से भण्डार श्रिकारी नियुक्त करते हैं।

बंद प्रकाश उपनिदेश ह

वन अनुमधान गंग्थान एवं महाविद्यालय

देहराहुन, दिना ह 7 अक्तूबर 1985

मं० 16/312/78-प्या०- --निया तिवृति की अवधि प्री हो जाने पर भी ए १० ए १० गैहरीट, सनुसंबा अधि- कारी, वन अनुसंबात संध्यात, एवं महाविद्यालय, देइसहून दिनाँ ए 30 जिनन्वर, 1985 के अपराह्म से मेबा निवृत्त हो गए है।

स० 16/224/72-भ्या०-1--मेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर भी पो० एस० पयाल, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, दिनाँक 30 सिलम्बर, 1985 के प्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

जे० एन० सर्वसना कुल सचिव वन ग्रनुसंझान संस्थान एवं तहाविद्यावय

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-66, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

मं० ए० 19012/1070/84-स्था०-पाँच--विभागीय पदोन्नित सिमित (पमूह-ख) की सिफारिशों पर, ग्रध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री चन्देश्वर सिंह पर्यवेक्षक की केन्द्रीय जल श्रायोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 31-12-1984 पूर्वाह्न में श्रन्य श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

 (2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में श्रिति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त नारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनाँक 9 श्रक्तूबर 1985

सं० ए० 19012/1079/85—स्थापना पाँच—इस आयोग की समसंख्यक अधिस्चना दिनाँक 17 जून, 1985 का अधिक्रमण करने हुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री प्रबीर कुमार बरमन, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीरियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द०-रो०—40—1200 रुपए के वेतनमान में 8—3—1985 की पूर्वीह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई आंग नहां ग्रीवार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई

सं० ए० 19012/1098/85-स्था०-पाच--विभागीय पर्वोद्यति समिति (समूह-ध) की निफारिणों पर, श्रध्यक्ष, केन्द्रोय जल श्रायोग, श्री रामपुकार चीधरी, पर्यवेक्षक को केन्द्रोथ जल श्रायोग में श्रीतिस्कित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200- के वेतन मान से 26-4-1985 पूर्विद्ध में श्रन्य श्रादगी को नियमित श्राधार पर पिकृक्त परिते हैं।

(2) एउटीका अधिकारी केन्द्रीय अने आयोग में श्रीन-रिक्त महायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में अपरोक्त अरीक से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। मीनाक्षी अरोडा प्रवर सचिव (समन्वय)

।वर साचव (समन्वय) केन्द्रीय जल श्रायोग

			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				
	Ι,	तमणि महानि	રશ) ભવ	1	2	3	4
		ीक निर्माण		2. पी	० पालानी	31 -8-8 5 (ऋपराह्न)	निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) लो०नि०
	3 2/ 3/ 8 5 ई∘	भी ० - 2	स्तूबर 1985 केन्द्रीय लोक निर्माण क्षंजीनियर (सिविस)			(वि० परिमण्डल-5, दिल्ली प्रणासन, नई दिल्ली।
भेणी ।	के ग्रेड के ग्रा सेवा से उनके	धकारी निवर्त	न की श्रायुहोने पर तारीख से सेवा निवृत	3. वी	० ग्रार० राव	3 <i>0</i> −9−85 (ग्रपराह्न)	कार्यपालक प्रभियता (मूल्यन) प्रायकर विभाग, हैदराबाद ।
ऋ० सं०	ग्रधिका री का नाम	निवृत्ति की नारीख	ग्रंतिम तैनाती का स्थान ग्रौर पदनाम	4. Ų	ति भी० मित्तल	30−9−85 (ग्रपराह्म)	कार्यपालक भ्रभियंता (सिविल) दीन दयाल उपाघ्याय
1	2	2	4				ग्रस्पताल परियोजना, लो० नि० विभाग,
स्ट	ৰ্গগী	+	,				दिल्ली प्रशासन,
1. एस	० बी० गोपालकुष		35 कार्यपालक स्रभियंता				नई दिल्ली।
		(भ्रपराह्न) (मूल्यन) श्रायकर विभाग, बंगलीर				के० सी० देहुरी प्रशासन उप निदेशक होते निर्माण महानिदेशक

ं **१७२१ वार्च**्डर्<mark>ग्, एव_ं एक्_{र, प्रशासन्तरास्तरः</mark></mark>}

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मितम्बर 1985

निर्देश सं० सी० ए० 145/85-86/51068 श्राई० ए० सी०/एमबी० रेंज $-1/\pi$ ल $\pi\pi$ ा--श्रत: मुझे, एस० के० बनर्जी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अभिक हैं

और जिसकी सं० 216 है तथा जो ग्राचार्य जगदींश चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधि-कारीं के कार्यालय सी० ए० ग्राई० ए० सी० ग्रजन रेज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रींकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख 26-2-85

- (क) मन्द्रस्य वं हुए स्थिती नाम की मान्स्, बन्द् अभिरीक्षम के स्थीन कर रोगे के सक्तरकः के बादित्व में क्यी क्यने ना क्यने नस्ते में बुद्धिना ने दिवस् नांद्र/मा
- (व) ऐसी किसी बार वा किसी धन वा अन्य बास्तिवाँ, का, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम या धनु-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सृष्धि। हो लिए;

नदः वय, अन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ग्रासगर ग्रालि गेगजीं, श्री हासान ग्रालि गगजी एवं, श्री सुलतान ग्रालि गगजी, जये सेस्ट कन्सट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविभ, से और नविभ बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब हैं
 .45 दिव के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवहुथ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव
 विवित में किस् वा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चुना है।

अनुसूचीं

216 ग्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता-27 में ग्रवस्थित सम्पत्ति का अंग जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक न्यायकर भ्रायकर भ्रायक निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 145 के ग्रनुसार 25-2-85 में रिजस्ट्री हुआ।

एम० के० बनर्जी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

नारीख: 23-9-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--कलरता

कलकत्ता, दिना 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सीं० $-13/\sqrt[3]{3}$ न-4/्रल $\circ/1985-86--$ श्रत: मुझे, शंकर कें। बनर्जी,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके परुचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. ने अधिक है

और जिसकीं संव 35 है तथा जो नकवित्त बेन ज्यान है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिदारी के वार्यात्य श्रास्तामान में रिजस्ट्रीकर्प श्रधित्यम 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन तारीख 20-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एंसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि कित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीशिक्ति व्यक्तियां, अर्थातः :-- (1) श्री मिलल चन्द्र चाटार्जी,

(अन्तरक)

(2) श्रीं नतन कुमार दत्त

(ग्रन्यिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तगरील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

जमीन 4.31 हाटा जमीन ा साथ मकान पता-35, चक्रवर्ती लेन, प्रापानमोज दिल्ल सं०-1985 का 1104 (एस० के० बनर्जी)

> सक्षम प्राविकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (अर्जन रेज-4, उलकना) 54, रफिग्रहमद किदवाई राड्

नारीख: 3-9-1985

माहर :

भूक्षण **बाड**ें. टी. स्न. पूस ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

भारत मर कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरोक्षण)

श्राजीन कींग्रे, पाना

पूजा, विजंस 13 जिसम्बर 1985

निर्देश मं० 37ईई/2/85 ·86----त्रा: मूबे. श्रामल कुमार

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' अहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मधाम प्राध्यक्षणी लगे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

प्राप्त जिस्ता निष्या भी० ही० एउ० तर 1745, मालिम पिताह झील प्राप्त - अ गरणा आमती, नामनी (क्षेत्रका 728 ची० मुद्र) है तथा जा जमनी में लियत हैहै (और इसि उपाबड़ आमूर्ती में एस पूर्ण चर न परिष्त है), रोजण्ड्री मी परिवासने के अभीरण सुध्य आयाप आसुका निरीक्षण सर्वे रहे में, विच्ही एक अधिनियम, 1908 (1908 से 16) कि अवीस मर्गर सूर्व 1985

का पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ५-न ता कारण है कि यथाप्याप्याप्य सम्पत्ति का उचित आजार मृन्य उमकी दश्यमान प्रतिफल से एसि उद्यमान प्रतिफल का नन्द्र प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (असरिशंतयों) के बाच एसि अन्तर्भ के लिए तम श्रमा गरा प्रात्त-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संशुर्ष किसी आप का बावल उपत आध-नियम थे अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में अपनी कारने या उससे बजने में सुविधा के लिए; बाक/या
- (क) एंसी किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तिया कर, अन्तुं अरसीय शासकार अधिनयन, 1922 (1922 का. 11) या उनसे अधिनयम, या. च्यु-कर प्राप्तयम, अन्ति । 1957 का 27) वे प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया पाना वाहिए था, कियाने में सुनिया के शिए:

शतः अवः अवतः अधिभिष्यः को भारत 269 म की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में कि ओ एजेन्सीज, 337, तारावर पेट, पूरा-30

(ग्रन्तरका)

(2) श्री रवीरात्र नेमस्या पेट्टी, 1282, मंत्रीय विवाह, रिवाला रोड्ड, खान त्राम, मंगली

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थाना अपनी कारक पश्चेक्त उष्टिक्त भी कर्णन के लिए सम्याबाहियां करता हों।

इयदा सम्पत्ति को बजन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेय:---

- (क) इस भूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनः की सामील से 30 दिन की व्यविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्स व्यक्तियों में से किसी न्यंक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताकारी के पास सिकिट में किए आ सकाये

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम में अध्याय 20-य में यथा परिकारित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यो

जैना ि रिक्ट्रीजन क० 37ईई/2/85-86 जो जून 85 को व्हाद क्षायुकर स्रायुक्त निरीक्षण स्पर्वन रेंच पूना के दमतर में लिखा गया है।

> श्रिति कुमार ाक्षम प्राधिकारी सहायक आधक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज पुना

नारीख: 13--9--85

भाहें 🐫

वक्त बाह्य, ही, युद्ध, धुर्व 🛶

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का:43) की भारा 269-प (1) के नधीन त्पना

ALC: SERVE

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन **रें**ज, पूना

पूना, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० 37ईई/2177/85-86--ग्रत: मुझे, श्रनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाड़ा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, विस्का उचित भाषार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० णाप मेहर ग्रपार्टमेंट में, 615 साचापीर स्ट्रीट, पूना (क्षेत्रफल 500 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री इर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायक (1908 का 16) के ग्रधींन, तारीख जलाई 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए नन्तरित की गर् €, बर विद्वास करन का कारण कि मधापुर्वाकत संपरित का उचित माजार मृल्य, असके रहसमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बीच ए**`से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल . निम्नलि**चित** उद्योष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कर्रीयत न्हीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरम हे हुई कियी भाग की शवत, उस्त अधिनियम में अधीन ऋद दोने के बन्तरम के राजित्म में कनी करने या उससे नमने से तृतिभा के सिद्द; व्योर/मा
- (क) एसी किसी बार्व वा किसी वन वा बन्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यक्ति बुवाड़ा प्रकट वृद्धी किया नवा थाय, किया जाना चाहिए था कियानं में बृद्धिना के जिल्हा

वर: इव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वें, वें, धक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मसर्स रमेश बिल्डर्स, 618. साचापीर स्ट्रीट, पूना

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मीना सुंदरजी पोपट, बी०/14, हरमम पार्क, 30 बन्ड गार्डन रोड़ पुना

(म्रन्तरितीं)

को बहु भूचना चारी कारके पृश्चोंनत संगतित के वर्षन के विव कार्यभाष्टियां कारता हुए।

उन्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाकार ड---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इतु सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हित्तवय्थ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या व्यक्ति।

स्वाकरणः -इतमे प्रयुक्त कव्यों और प्यों का, जा जक्क जीवनियम, के जध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नदा

मन्त्रची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई 2177/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ं ग्रनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण**) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 6−9−185

बोहर :

प्ररूप आहें. टी एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सित्मबर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1664/84-85--भन: मुझे, अनिल कमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जमीन सर्वे नं० 44-ए, हाउस नं० 1/1-ए, (पार्ट) अथवा सी.० एस० नं० 3090-ए (पार्ट) (क्षेत्रफल 17217 ची.० फुट) ई तथा जो कल्याण में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री जी अधिकारी के कार्यालय सहायक आरकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मैनम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरक से हुई किसी आध ो बाबता, उक्त अधि-भियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्व आस्तिकों करों जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अस्त, उक्त अधिनियमं की धारा 269-त के अन्सरण ने, मैं, उक्त यिधिनियमं की धारा 269-यं की उपभारा (1) के अधीयः निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मं० अलगुत कन्स्ट्रक्शन एन्ड इस्टेटस, प्रा० लि०, 219, साई विहास जिवाजी पैठ, में कल्याण

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पटेल ब्रदर्स,
4 महकार मदन, माकलाल इस्टेट
एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/16647/84-85 जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)ं. अर्जन रेंज, पुना

'तारीख: 5-9-85

प्रकार बाही, बी. ध्रम प्रमान कर

मायकार विधिनियम, 1961 (1961 ≐ा 43) की चारा 269 रा (1) में सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय , तहासक कासकर अध्यक्त (निर्माक्षक)

पूर्वा रेंत, पूरा पूरा, दिसांक 4 सिटम्बर 1985

निर्देण सं० 37ईई/13302/84—85—-शनः मुह्ने, अनिल कुमार,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान रामित, विसका उपित श्यार मूल्य 1,00,000/- राम विध्व हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट तं ० 48 जिला ख्यापार केंद्र, वासी नई बस्बई है तथा जो नई बस्बई वे वियन है (श्रोप उपये उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण कर ने गणित है), प्रजिल्ही- कर्ना अधिकारी के उपर्यावस, एडास ह आयक्य आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में व्यवस्ट्री इरण अधिकारम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिस्ति में शास्तिक रूप में किथा गया है:——

- (क) अन्सरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के उभीत कर, योने के अम्सरक में शाबित्य में कमी करन का अमर्स वचने में वृश्विका भीतिका; मारि/का
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी भन या क्या आस्टियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धार-केण अधिक्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का सा किया जाना चाहिये था, लिपाने सें परिवास के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, प्राप्तियमं की धारा 269-गं की उपभारा (1: -के अधीन, रिम्निसिस्त व्यक्तियमें, अर्थार् :--- (!) মৃত নিষ্টো ভন্নীত্তমীত পাত লিত ৪৪ টুম - গুছ (লাচ্যা), নুদ্ধতি ।

(এবল্যক্)

(2) मैं शर्म वर्धमान चिल्डर्स, 40→41, विष्णान गाणिंग सेटर, सर एग० बी० रोड़, ग्रंधेरी (ए) बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

इक्त संपति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन को अविधि, जो भी अविधि बाब में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त आक्रियों में से किसी व्यक्ति व्वारा:
- (ख) इस स्वात के शाक्षण में अञ्चाणन की तारीं से 45 दिन के भीतर पूर्वेक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किभी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पार निर्माखत में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :---!'समो प्रयुक्त शक्यों और पत्तों का जो उक्त अधिनियम, को राध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नवा है।

अन्मूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीक्टन कर 37ईई/16302/84-85 जो मई 85 की महाराज लागाए अपूरा के विधास अनेव रिज, पूना के क्सार में किया नग है।

> अंशत कुमार मञ्जय पाञ्चिकारी महाघड आरडण आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जग रीज, पूना

त्र **रीख** : यु--५--१९८५

भोहर :

प्रकृष कष्ड .टी. एन . एम . -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1797/84-85--अत: मुझे, अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 2010 ए० गकार बेग स्ट्रीट, काम्प प्लाट नं० 8, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीवकारी के कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वशाप्वींक्स संपरित का दिवत वाजार मृत्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल के ऐसे ध्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए द्रव नवा गया प्रतिफस, निक्तिविक रूप से कथित नहीं किया बचा है :—

- (b) जन्तरण से हुइ किसी जाय की नागत, उक्त जिथानिका के जजीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुन्तिभा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनसरण पं, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) ले अधीन, जिल्लीलिक क्वितमाँ तो अधीत :—— 3—306GI/85 (1) मैसर्स जैन शर्मा बिल्डर्स,
 5/66, मीरा कालोनी, शंकर पैठ रोड़,
 पूना ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती बीना आर० दासवानी कृष्णाकुंज प्लाट नं० 115, 2393, तिमथ्या रोड़, पूना

(अन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (भ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्थव्यक्तिकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कर सं० 37ईई/1797/85-86 जो अगस्त β5 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीतल कुमार पत्रग पाधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**व**: 2-9-85

सोहर :

प्रकम बाइं.टी. एन . एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 769-च (1) के वचीन स्वया

भारत सरकार

कार्यावन, बहुरमक बावकर वास्त्रत (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 3 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/1998/85-86--अत: मुझे, अनिल कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पर्यात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विध्वास करने का स्थारन है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 11 सर्वे नं 686/2 ए०, बिबवेबाडी, पूना (क्षेत्रफल 667 ची० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य ने कम के क्षत्रकान वितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये वह जिल्लास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके क्षयमान प्रतिकत से, एोसे क्षत्रकान प्रतिकत का विद्या प्रतिकत को विद्या प्रतिकत से निधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) जीव जन्तित्ती (जन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया नवा प्रति-क्षत उच्चेक्त से उच्चत अन्तरण कि सित में बारतिक क्ष्म ती कि नहीं किया नवा है हिल्ल

- (क) बन्तरण व हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनयत के वधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उत्तरे दखने में स्विधा के किए. बरि/या
- (क) एसी किसी लाग या किसी धन या अन्य जास्तियां का, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना थाहिए जा, क्रियाने के स्विधा के लिक्ट:

जत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग औं अनुसूरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारः (1) के अभीन, निस्तिजित व्यक्तियों, अर्थान :----

(1) मैं० बीवेक सिन्नरकर एन्ड एसोसिएटस, सर्वे नं० 686/2 ए/1, बिबवेवाडी रोड, पूना

(अन्तरक)

(2) रमेण मास्ती माने, बैंक आफ इंडिया, पिलीव ब्रान्च, ता० मालगीरस जि० सोलापुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से । किसी बन्य ज्यक्ति इवारा अभोहस्साक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध निवाह में किए वा सकांगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका क्या है।

अनसची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कु० 37ईई/1998/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्ष अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 3-9-85

इच्य बार्च . टी. व्य. युक्त. •---

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

माख तरकर

कार्यंतव, प्रद्वावक वावकर नावृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 4 सितम्बर 1985 निर्देश सं० 37ईई/10996/84-85--अत: मुझे, अनिल कुमार,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 3, दूसरा मजला, सब प्लाट

नं 11 एफ पी नं 85, सी टी एस नं 56
(क्षेत्रफल 1150 ची पुट) है तथा जो पूना में स्थित है
(भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित
है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985 को पूर्विक्स सम्मत्ति के बिषत नाचार मूस्च तं कथा क स्ववास प्रतिकास के सिए अंदरित की नई है और मुझे यह विश्वास सहने का कारण है कि वथापूर्विक्स सम्मत्ति का रिपत वाकार मूख, उसके स्थमान प्रतिकास में कि वथापूर्विक्स सम्मति का रिज का पन्तह भिराम स्थाप के बीच एसे सम्मति का रिज का पन्तह भिराम स्थाप के बीच एसे सम्मत्ति (सम्पर्का) और अस्परिती (सम्विधित सं अधिक है बीर सम्मत्त्व के सम्मत्ति के बीच एसे सम्मत्त्व के सम्मत्ति के सम्मत्ति के बीच एसे सम्मत्ति के सम्मत्ति के सम्मत्ति के बीच एसे सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति का सम्मत्ति के सम्मत्ति क्

- (क) बन्दाक्षम् व हार्ष विश्वी बाग की बान्ध्य, उनक विश्वीदश्य के वशीन का देने के बन्दारक के श्रीकरण् में कवी कहने या उन्हों बनने में सुविचा के क्यि; भार/मा
- (क) एंडी किसी बाब या किसी वन या अन्य अरिक्ताओं को, जिन्हों भारतीय सायकर स्थितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थितियन, या चन-कर अभिनियन, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनान सन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किना नवा या वा किसा बाना था, किमान में सुनिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, अधीत् क्रे—

(1) मै० सूमा इंजीनियरिंग प्रा० लि०, "विद्या" 93/2 ए, एरन्डवना पूना-4

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदू श्रीपाद भोरसकर के०/ग्रो० डा० अर्रावद संगमनेरकर, नरसिंग होम कालोनी 50-51 लक्ष्मी पार्क नवी पेठ पुना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनता संपत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्प्रति में हितबबुध किसी वृष्य व्यक्ति द्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्वयाकरण: -- इसमें प्रभूषत क्षयां नीर पदों का, जो उपत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं वर्ध होंगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्सू ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ़ 37ईई/10996/84-85 जो मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 4-9-1985

इक्द बार्ड : टो. एवं. एक :------

बाक्कर श्थितिनम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व् (1) के व्यीत क्यांग

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37 \$ \$ / 5.33 / 85 - 86 - 36 : मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी मं० प्लाट नं० बी-103, पहला मजला, मंगलम नवघट गांव, ता० वसई जिला थाना क्षेत्रफल 660 चौ० फूट हैं तथा जो थाना में स्थित हैं ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्नार पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन 1985

को प्वास्त सम्परित के जीवत बाकार मृत्य से कम के क्याप प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार बल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) को बाज एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिकित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण सिवित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम वं हुई फिली थाय की कायत उनक अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्क में कमी करने या उसते बचने में सुविभा की जिलाह और कि
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अधीत् क्र--- (1) मै॰ महाबीर कन्स्ट्रक्शन कंपनी लाल गोडामान वसई रोड़ (प०), ता० वसई जिला थाना

(अन्तरक)

(2) श्री एच० आर० मेहता, 101/ए०, श्रोम श्रीनाय को-आपरेटिव हार्जीसग सोसायटी लि०, सुभाष लेन एस० एम० रोङ, बांदिवली (वेस्ट) बम्बई

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यनाहिषां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काकोष 🥌

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाखन की तारीच वें
 45 दिन की बचीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की बचीध, वो भी
 बचीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा,
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुद किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धे और पर्दो का, को उनत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष कोगा, को उस अध्याय में दिवा क्या है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/533/85-86 जो जून 85 को सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्त र में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

तारीख: 2-9-1985

प्रकृप बाइ.टी.एन.एव.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सुचना

नारत चरकार

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/733/84-85--अत: मुझें, अनिल कुमार,

बायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 4, सर्वे नं० 712/1-6, गंगापुर हाउसिंग कालोनी, कालेज रोड़, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है धाँर इससे उपाधन्न अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता जिधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुख्डे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उधके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पामा गवा प्रति-क्ष विश्नसिक्ति उच्चेच्य से उक्त बंतरण कि चित्त में बास्तविक कम से कथित महीं किया नवा है है--

- (क) नन्तरण वे हुई किती नार की वावत, उक्त विधिनयथ के वर्जीय कर देने के वन्तरक की दानित्व में कर्नी करने वा उक्त व्यन में सुविधा के विए; बरि/मा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन या जम्ब जास्तिवाँ कों, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

मैं० डी० जे० बिल्डर्स,
 ऋषिकेश सोसायटी, कालेज रोड़,
 नासिक

(अन्तरक)

(2) श्री लोकेश के० शेरडे के/ग्रो सरगम इंडस्ट्रिज, एल०-40, सातपुर नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इंड सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तरस्वन्यी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी सन्धि नाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्रजेवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस ब्रुवना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबबुध किसी बन्य व्यक्ति इनारा नभोहस्ताक्षरी के पाथ किरवत में किस वा सकति।

स्पत्त्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त वश्कों और वकों का, को उक्क विभीनवम दें अध्याव 20-क में परिशाविक है, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्यास में दिवा गवा है।

नपुत्रकी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/733/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ूअर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-9-85

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन,एस.-----

नायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, पूना[.]

पूना, दिनांक 5 सितम्बर 1985

ि निर्देश सं० 37ईई/13120/84-85---अत: मुझे, अनिल --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, तक मजला लोक सिल्प, वसई, प्लाट नं० 59 सेक्टर नं० 17 छी० बी० सी० बम्बई (क्षेत्रफल 565 चौ० फुट) है तथा जो वसई, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्ति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त बंतरम निक्ति के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- 'क) अन्तरण संहुई फिसी अध्य की नावत, उक्त औध-निवन के वधीन कर दोने के अंतर्क के दागित्व के कनी करने या उससे नुषने में सुविधा के दिए; बीड्र/का
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा जन्य बास्तिवों को, विन्हें भारतीय वावकर वर्षिनिवय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वर्षिनिवय, वा धन-कर विश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रसेचनार्थ वन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिन्हें

सतः सब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ललीत सी० गांधी, मुख्य प्रमोटर लोक सिल्प को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, 14 विशाल शापिंग रोन्टर एम० वी० रोड, ग्रंधेरी (ई०) ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रो० पी० भाटिया,ए-22, आर० एच० II सेक्टर 6,वसई, नई बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपित्तवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, वो उद्युक्षभ्याय में दिवः नवा हैं।

मन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि॰ 37ईई/13120/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ेअनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-9-1985

प्रकृष बाह्य . टी. एन. एस. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 5 सितम्बर 1985

निर्द्रोग सं० 37६६/2184/85-86--- प्रतः मुझे, प्रनिल कुमार,

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या निर्मला श्रपार्टमेंटस, 43, भवानी पैठ, प्लाट नं० 7, तीसरा मजले पर, पूना 2 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पम्यूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की दावत, उक्त जिथानियम के जभीन कह दोने के जन्तरक के दावित्य में कनी कड़ने वा उससे वचने में सुविधा के निष्ठ, और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिंचिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. खिपाने में मृतिधा वै सिक्क

भतः सत्र, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिसिक व्यक्तिकों अस्ताति भ्रम्म

(1) मैं सर्भ महवाना कन्स्ट्रकशन कंपनी दिवाईन टारास, 913/914, साइनामाँग स्ट्रीट, पूना-1

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीपकुमार भ्रतराज ललवानी 681, मुक्तवार पेठ, पुना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह।सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमान्हियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अवधि, जो और जवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होयां को उस अध्याय में निया नवा है।

अन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/2184/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 5-9-1985

प्ररूप बाइ". टी. एन. एवं. ५ + -

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-च (1) के नभीन सुचरा

भारत सरकार

कार्यातय, उहायक वाधकार वाव्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाँक 6 सितम्बर 1985 निर्देश सं∘ 37ईई/2005/85-86--श्रत: मुझे, श्रनिल कुमार,

नारकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचार 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से मिथिक हैं

मौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 34, सर्वे नं० 26, कोषरड गाँव ता० हवेली जि० पूना डहाणुकर कालोनी क्षेत्रफल 6810 चौ० फुट), है तथा जो पूना सें स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद अनुसूची सें भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर आयुक्त निरीक्षण, भर्जन रेंज मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के अवसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उश्चके क्ष्यभान प्रतिकल से, एसे अवसान प्रतिकल का शंक्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरित्वारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "****

- (क) बन्तरण वं हुन् किसी बाब की बावह, उपर विधिययम के वृधीन कर देने के बन्तरक के शियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निता

बतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-प के अनुसरण मं, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिंबत व्यक्तियों, अभित्:—

(1) श्री अजय्या एम० मदन, 25, बालवंद टेरास तारदेव रोड़, बम्बई श्रीर अन्य,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० एस० मालगी हुले बिल्डिंग 404, शनिवारपेठ, पूना 30

(मन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के सर्वन के कि। कार्यवाहियाँ सुरु करता हुं।

उपरा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में श्रकावन की तारीख है 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की स्वीभ, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्त ब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/2005/85-86 जो जून 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण **ग्रर्जन** रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 6-9-1985

मोष्ठर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एव. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

HIST TOTAL

कायसिय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

श्रर्जन रेंज, पूना दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12444/84-85--- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कमार

बायकर कैपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 129, 1229, णुक्रवारपेठ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण बिकित के नाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से प्रूर्ण किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के शियत्व में काजी कारने या समये क्यमे में मिश्रिका के लिए; बॉर/या
- एेसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के सिष्;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियां, अर्थात् :—⇒ (1) श्री भरत कंशवलाल शाह, ई-90, श्रादीनाथ सहकारी गृह रचना लि०, पुना यतारा रोड़, पूना

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म गद्रे लिमये एसोमिएटस 626, नारायन पेठ, पूना-30

(ग्रन्तिरिती)

को वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप .----

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की व्यविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षद्री के नाक लिखित में किए जा सकोंगें।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

यम्बद्धाः

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कः 37ई1244418485जो मई 85 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 16-9-85

प्रकृष बार्ड . टी. इन. एस्.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज, पूना

पूना, दिनाँक 20 सितम्बर 1985

निर्देश मं० 37ईई/54/84-85—स्रत: मुझे, स्रनिल कुमार,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 262-इ के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जि्सका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या व्यंकटेश ग्रपार्टमेंट, 163/5, रेलवे लाईन्स, सोलापुर है तथा जो सोलापुर में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्नैल, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके सम्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का वन्द्रह, प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्ल्टरण से हुई किसी बाय की शावत, उनत विधिनिवस के जभीत कर दोने के अन्ध्रक के दावित्य में कभी करने वा उनसे वभने में सुविधा के सिए; क्रींड/वा
- (च) एसी किसी नाथ वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में स्थिमा के सिए;

भतः वद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ब्रॉ, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के ग्रापीन, निम्नीलियन व्यक्तियों, अभारत ।---- (1) श्री एम० एम० गैंडा, श्रासरा हाउसिंग सोमायटी, इंडस्ट्रियल स्टेट, सोलापुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिवलिंग तुकाराम कात्रे, पी० एन्ड डी० दुबल दुबई पोस्ट बाक्स नं० 3627 यू० ए० ई०।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी स्थिततार्थे पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्विभ, जा भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स त्यक्तियों में से किसी स्थितत ब्रागरा;
- (क) इस स्का के राजपण में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, को उस कथ्याय में दिवा गण हों।

बन संभी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/54/84-85 जो श्रप्रैल 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-9-85

प्रकर बाह्र . टी. एम्. एस.---

अग्रयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत सूचना

नारत वरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 20 सितम्बर 1985

निर्वेष सं० 37ईई/60/84-85-% सतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उपित वावार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए० 5 पहला मजला, तुकाराम श्रपार्टमेंट, 134, रेलवे लाईन्स, सोलापुर हैं तथा जो सोलापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्कों पत सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्थमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उतके स्थममान प्रतिकृत से, एसे स्थममान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत, निम्निलिंदित उच्च स्थ से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्तिभा के लिए; आंद/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा स्विधा

बतः थवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुसरण् की, मी, उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निन्धित व्यक्तिस्यों, वर्षात क्रि- (1) श्री विवेक तुग्राराम कोटा, राहुल बिरुडर्स, 134 रेलवे लाईन्स, सोलापुर जिला सोलापुर, ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विश्वरत्ना श्रार्य, हाउस नं० 134, तुकाराम श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० ए-3, रेलवे लाईन्स सोलापुर, . जिला सोलापुर, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🚐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति शो शो किया निर्मा के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा स्कोंगे।

ण्याच्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, कां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विश्वा गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० - 37ईई 160/84 - 85 जो प्रप्रैल 85 को सहायक प्रायकर धायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूता

तारीखा: 20-9-85

प्रकव बाह्र . टी. एत. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यां तथ, सहायक भायक दु नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/988/85-86---- ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा पथा है, की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसंका उचित बाजार बृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या श्रपार्टमेंट नं० 406, बिल्डिंग नं० 4, सर्वे नं० 27/1-बी०, एरन्डबना पूना 4 (क्षेत्रफल 1200 ची० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायकत निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तगरीख जुलाई 1985

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एंडे ख्रयमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और यह कि अखरक (जंतरकाँ) जोर बंडिरवी रिती (अन्तरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कि स्न नहीं किया गया है है—ो

- (क) जन्तरक से हुई किथी जाय की बाबट, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के सिए; और/जा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अत्र बब, उक्त कींभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त कींभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में बभीन, निम्निसिन्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) मैं मर्स संघवी असोसिएटस,318/19, चतूरश्वंगी रोड़,पूना-16

(श्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप ई० गनबोटे श्रीर श्रन्य,115 रास्ता पेठ, पूना-11

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सन्वन्धी स्थितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीच, को भी नविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी स्थित बुवाए;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

वनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/988/85~86 जो जुलाई 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-9-1985

मोहर 😢

__ ____

प्रस्य वार्ड.ट<u>ी.एन.एउ.</u>------

बायकार जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की नाहा 269-न (1) के नधीन बुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरीक्सण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2384/85—86—म्प्रतः मुझे, भनिल कुमार,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतयें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूस्य की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्जात बाजार मूस्य की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्जात बाजार मूस्य की कम के दश्यमान 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० सी०-1, पहला मजला बिल्डिंग नं० सी० 258 शुक्रवारपेठ पूना-2 (क्षेत्रफल 820 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची सें ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीक्षकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वीकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित्त बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिक्षत से मिथक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पादा गया प्रतिफल निम्नुसिवित स्वृद्धिक से स्वतं ब्लारण विश्वित में अस्तिक क्यू से कवित नहीं किया प्या है उ—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय का बाबत, उपक्त नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (व) ऐसी किसी जान या किसी वन या बन्ध आस्तिनी की, जिन्ही भारतीय जानकर निभिन्निया, 1922 (1922 की 11) वा उक्त निभिन्निया, या धन-कुछ अधिरिन्निया, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषकार्थ नन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया यया वा वा विकास वाना वाहिए था, कियाने के सुविदा के लिए?

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में के उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) वे अधीय के विम्यसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स उत्कर्स एन्टरप्राइजेस, 321/9, महात्मा फुले पेठ, गाँतीनगर पूना-2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामलाल टेकचंद राठोइ, 54/57, गुरुवार पेठ, पूना-2

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर संपत्ति के अर्थन के हिस्स कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त कम्परिष्ठ के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स ह---

- (क) इस सूत्रना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की ताबीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकांगे।

स्थानिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सबस बीधनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा स्या है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/2384/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक ग्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज; पुना

तारीख: 16-9-85

प्ररूप बाइं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धार 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूंना

पूना, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 37ईई/2385/85—86----- ग्रतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुसे अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं सी०-2, सी० 258, शुक्रवार पेठ पुना-2 (क्षेत्रफल 845 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबक्ष झनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यात्य सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिजित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है इ—

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रियित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वार प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः भाग, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन कि निम्मतिबित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

(1) मैसर्स उत्कर्ण एन्टरप्राइजेस, 321/9, महात्मा फुले पेठ पॉतीनगर, पूना-2

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रशोक वीरचंद पलेशा,314/2, रविवार पेठ,पूना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्मित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन करी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः० 37ईई/2385/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

<u></u><u></u>42रीखा : 16-9-1985

मोडङ 🔻

प्ररूप नाइं. टी. एव. एव.-----

नायकर नीभनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यास्त, सहायक नायकर वायकत (निर्देशक)

म्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 20 सिलम्बर 1985

निवेश सं० 37ईई/7/84-85-अतः मुझे, ग्रानिल कुमार भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० युनिट सं० 19, प्लाट सं० 250, टो० पी० एस०-III, पंचगनी है तथा जो पंचगनो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रीयकर श्रीयूक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनांक फरवरी 1985,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावए, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर बोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा औ आए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण अं, भं जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अक्ष अधिक निकासिक स्वाक्तियाँ, अर्थात रू--- (1) श्रो मोहम्मद इकबाल हुसैन इक्राहिम मन्द्रान पहला मजला, सेफ़ रीड़ बम्बई ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री ए० एन० धारिया पंचर्गना महाबलेण्यर

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान थारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन के निगर कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानता में से किसी स्थानत हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर पदों का, जो उल्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय शे दिया गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/7/84-85 जो फ़रवरी 85 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरोक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनोंक : 20-9-8**5**

ा रहेंच

प्ररूप बाह्र ही. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

पारत चहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 सिप्तम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/1803/84-85—- ग्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला किनत बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० निर्मागन्ध स्रपार्टमेंटस, सर्वे सं० 43/20/10, पर्वेतो पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद स्रनूसुको में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रं कर्ता स्रधिकारें के कार्यालय सहायक स्रायकर श्रायक्त निरोक्षण प्रजन रेंज में, रिजस्ट्रं करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जुन 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से धुद्द किसी बाय की वाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के क्षियित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) इसी किसी आव या किसी भन वा बन्ध वास्तिवों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः जनः उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्टिनिश्चित व्यक्तिस्यों, अधीत

- (1) मेक्षर्स के० गोभराज आजे कम्पनी
 . प्लाट सं० 23बी गुलटेकडी, लाली भवन पूर्ने
 (अन्तरिती)
- (2) श्रामतः हेमलता धत्ताव्रय कस्तुरे 431/3, माया श्रार्टमेंटम, गूलटेकडो, पूना---37 ।

(म्रन्तरिती)

को बहु स्वता बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यकाहियां कारवा हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ब) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विनृ को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष्ट किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस विभिनियमः के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिय नवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रोकृत क० 37ईई/1803/85-86 जो जुन 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निर्िक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के सफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रानिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 20-9-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजि. पूना

पूना, धिनां र 13 सितम्बर 1985

निदेश मं० 37ईई/2547/85-86--पतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जितक। सं० प्लाट मं० सः/9 सर्वो सं० 155/10/10/1/1/1/1/2 मी जे भ्रांध पूना में स्थित है (भ्रीर इस्ते उपाबद्ध भ्रतूभुक। में भ्रोर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रें। इसी श्रिधि ए। र के कार्यालय सहायक आयकर भ्रायुक्त निर्शेक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रें। इस्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के यासतिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त श्रीधनियाप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था त्रा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रांत :— 5---306GI/85

- (1) वास्तु सुन्दर सहणारः गृह रचना संस्था, सर्थादित केश्चर/श्चाफ बालचन्दनगर इण्डस्ट्रःज वि० 16एम, जः रोड, पूना । (श्वन्हरक)
- (2) श्री पी० बी० लोडे डब्ल्यु -2/4, भुख्य कालोनी बालचन्द्रनगर पूना जिला । (ग्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के रौजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि मा तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इससूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रेंकि: क० 37ईई/2547/85-86 जो जुलाई 85 को महायक सामकर ग्रामुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंक पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्वन रेज, पूना

दिनांक : 13-9-85

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, पूना पूना, दिनांक 16 सित्तस्वर 1985

निदेश मं० $37 \frac{$5}{12046} 84 - 85 - 40$ ा मुझे, ग्रानिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 13, साँ० टी० एस० सं० 1144 सदाणिय पेठ पेरूगेट पुलिस चौकी, पूना (क्षेत्रफल 790 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोज में, रजिस्ट्रीकरण श्रर्थन प्रशिवम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल 1985,

को धुवाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गए हैं हैं और मूफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तब पाया गया प्रतिक कल भिन्नितिवित उद्बोध्य से स्वतं अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप भ किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क्क) बन्दारण से हुई किसी बाय की बाबत, तकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्कि. के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी अने या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृतिभा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :——

- (1) श्रं/ एस० एम० गठाणं:
 612-बं/ा, नानापेठ लतेभ मोजायर्टः पूना ।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोः ह्वी० डी० करमरशर 2075, सदाणिवपेट पूना 30 । (ग्रन्तस्ति)

को क्य स्वान बारी करके पूर्वोक्त करवित के वर्षन के क्यि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

ग्रनुसुम्)

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/12046/84-85 जो प्रक्रैल 85 को सहायक प्रायकर ब्रायुक्त निरीक्षण घर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दिनांक : 16-9-85

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

शायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269 म्(1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड़

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांठ 16 सितम्बर 1985

निर्देश मं० 37%ई/668/85-86---यतः मने.

निदेश सं० 37ईई/668/85-86---यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट मं० बी-3 पहला मजला केणव लक्ष्मी अपार्टमेंटन, 1466, सदाणिय पेठ पूना 30 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष्म से विणत हैं), रिजस्ट्री अति अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त किर क्षण अर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्वा 16) के अधीन, दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्त्र्रकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप क्ष से किथित नहीं किया चया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा चे सिए।

बतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की वेन्सरण में, में, उक्त वीभीनयम की भारा 269-ए भी उपधारा (1) के वभीन निम्नतिवित न्यक्तियों, वर्णस्:—- (1) साने सरदेशमुख एसोसिएटन गंगाधर चेम्बर्स 314, नारायण पेठ पुना-30

(भ्रन्तरव्ः)

(2) श्री अमृत तुकाराम शिलीकुमार 37/530, नेताजी नगर, वानवडी पूना---2 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क०-37ईई/668/84-85-86 जो जून 85 को सहायक प्रायक्त प्रायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार मक्षम प्राधिवारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-9-1985

मोहर 😲

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व् (1) के स्थीन क्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेण सं० 37ईई/56/84-85—यतः मुझे, प्रनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्स इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं, की धारा 269-इं के नधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मृस्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रसाद सं ए ए- 7, पहला भंजला तुकाराम अपार्टमेंटम, 134, रेलवे लाइन्ए सालापुर में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिबस्ट्री- इतो अधिवार के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अप्रैल, 1985,

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया फल जिन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिपु; औड़/या
- ्षा) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

ः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेत्रर्स राहुल बिल्डर्स 134, रेलवे लाइन्स, सोलापुर । (प्रान्तरक)

(2) श्री रतनलाल पुष्पराज जैन हाउस सं० 134 तुकाराम श्रपार्टमेंट फ्लाट सं० ए-7, रेलवे लाईन्स सोलापुर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह भूकना कारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी।

स्पच्छीकरण:--इसस् प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होता, को उस कुध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/56/84-85 जो स्रप्रैल 85 को सहायक स्रायक्तर स्रायक्त निरीक्षण स्रर्जन रैंफ पूना के धपतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख** : 16-9-1985

प्ररूप बाइ. टी., एम., एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अचीन स्पना

भारत सरकार

न्दार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 सितम्बर 1985 निदेश मं० 37**ईई**/122/84-85-यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रह. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-10, दूसरा मंजला, तुजाराम प्रमार्टमेंटन 134 रेलवे लाईन्व सोलापुर में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध प्रमुख्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-लर्ती प्रधिकारी के वार्यालय सहायक प्रायकर प्रायक्षत निरीक्षण प्रजन रैंज में, रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द ही और पुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

क्षि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्षदिय से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी फिसी बाय या किसी धन को अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स राहुल बिल्डर्म134, रेल्वे लाइन्त सोलापुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुबोध कृष्णाकुमार श्रीवास्तव एच० सं० 134, तुकाराम श्रपार्टमेंट पलट सं० ए-10, दूसरा मजला, रेखे लाईन्स सोलापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करतो हुं।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कतीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति अर्थ द्वोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री गृत कि 37ईई/122/84-85 जो मई 85 को सहाय प्रश्नाय कर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रिनित कुमार नक्षम प्राधिकार सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोंज, पूना

दिनांक : 16-9-1985

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.------

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

मार्च सरकार

भ्यांसय, स**हायक जायकर जायुक्त (निद्रीक्षक)** अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 सितम्बर 1985 निदेण सं० 37ईई/12169/84-85-यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति, विस्का उचित वाचार मृख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिमीन सी उटी एस सं 129, कर्जा पेठ पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-हप से बर्णित है), रजिस्ट्रीज़र्ता अधिनारी के वार्यालय सहायक आयज़र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985,

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान वित्रण के लिए अन्तरित की गई है और मसे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत समपित का उचित बाजार बून्य, उसके स्थमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्ति तियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तम पाया पता प्रतिक्ष का निम्निनिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विविद्य के बालाएक प से कि भित्र नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्राष्ट्र वे हुई किसी शाम की वास्त, उनक क्षिप्रियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के स्वीतरण में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; थीर/या
- (व) श्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अहिंस्तरों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया का वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविध। है किए;

बक्त: बंब उक्त मिथियम की भाउ 269-न के वर्षेक्र की, की, उसत मिथियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुभाष मोरेक्वर हेरे। 129, कसबा पेठ पूना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दीपक टी० पुंडे987, सदाशिष्ठपेठ पूना 30

(भ्रन्तरिती)

श्वा श्रम्भ स्थान वारी करके प्रतिवृद्ध सम्मत्ति के अर्थन के विश कार्यनाहियां करता हुई।

बक्त सन्वति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विष की वयि। वा इत्युक्तन्थी व्यक्तिकों इर बूचना की तानीब से 30 दिन को अविष, वो भी नविष वाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिल के भीतर जनत स्थावर कथाति में हितनद्ध किसी अल्प व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के. पास निवित में किए वा क्केंगे।

स्वक्षीकरणः इसमें मृथुन्द् कर्षा क्षेत्र क्यां क्षेत्र क्यां क्षेत्र क्षेत्र क्यां क्षेत्र क्

प्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्री कि ऋ० 37ईई/12169/84-85 जो श्रप्रैल 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुभार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, पूना

दिनांक : 23-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/59/84-85—यतः मुझे, श्रनिल कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट सं० ए-8, पहला मजला, तुशाराम श्रपार्टमेंट 134, रेल्वे लाइन्स मोलापुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त तिरीक्षण श्रजंन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेशर्म राहुल बिरुडर्म 134, ^{रे}ल्वे लाइन्म, मोलापुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्र विनोदकुमार रत्नलाल जैन एच० सं० 134, तुकाराम श्रपार्टमेंट फ्लट सं० 8 रेलवे लाइन्स सोलापुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्री इत कि 37ईई/59/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्चनिल कुमार मक्षम प्राधिकारीं महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रैज, पूना

दिनांक : 23-9-185

मोहर

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कड़ी चाड़ा 269-ए (1) के अधीन स्चन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां र 24 सितम्बर 1985

निदेश मं० 37ईई/4726/85-86---- श्रतः मुझे, अनिल कुमार,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित गाजार मुख्य 1 00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 9, गाव और ता० पालवर, जि० था ना सर्वे सं० 50, हिस्सा सं० 1 से 81/3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीं-इर्ता अधिकारी के ार्यालय सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में रिजस्ट्रीं ज्या अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ए कर के खरमान मितिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि अभापकोंक्य बम्मित का उचित बाजार मून्य, उसके ब्रब्जमान प्रतिफल से, एसे अश्वमान प्रतिफल का पत्र्या प्रतिकत का पत्र्या प्रतिकत के पत्र्या प्रतिकत है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती मितिकत, निम्निलिशित उच्चेहियों से उक्त बन्सरण लिखित मे (अन्तिपत्रीं) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा नमा पास्तिया कर से से से से से कियत नहीं किया गया है :---

- (कां) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत उक्त अधि-विग्रम के अधीन कर वंशे के अध्ययक के दायित्व में कामी कारण या उपसे अधने में सुविधा के विक्; और/या
- (भ) एसी किसी जाम या किसी धन वा अन्य श्रास्तियः।
 की, जिन्हुं भारतीय आब-कर श्रीधनियम, 1922
 (19⊋2 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-के अशिनयम, 1957 (1957 का 27)
 के अशिकार्थ अत्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया
 गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सिवधा के लिए;

बतः बन्न, उपत किथिनियम की भारा 269-न के अनुसरण की, भी, स्वत्त विविधम की भारा 269-म की उपधारा (1) से अभीत, निम्नविधिष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् ५--- (1) श्रीं विनय एम० बोरकर अंधेरीं बम्बई ।

(भ्रन्तरक्)

(2) एम० एन० बोरकर हारा ह्वीं एम० बोरकर, प्रसाद बेनिफिट ट्रस्ट अंधेरीं बस्बर्ष ।

(भ्रन्तिरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामकाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, आरं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
 - (ख) इस ब्रुचना के राज्यत्र में प्रकायन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकीन।

स्पष्किकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ मौर पदाँ का, जो उक्त श्रीधनियम, को अभ्याम 20-क में परिभाजित ंही, बहु अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया पथा है।

अनुसूची

• जैमा कि रिजिस्ट्रीकृत फ० 37ईई | 4726 | 85 - 86 जो जुनाई 85 को प्रहाय के स्नाय कर सायुक्त निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ं श्रनिल कुमार स्थम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 24-9-85

and the second of the second o

इक्स बाहै.टी.एन.एस.-----

मध्यकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहस्रार

कार्यात्व , शहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-, पूना

पूना, दिनांक 24 सितम्बर 1985

निदेश सं० 37ईई/508/85-86-यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास अपन का कारण है कि स्थावर स्थापित, जिसका एकिन बाजार स्थापित 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं पलट सं 16, बिल्डिंग सं 4, राम एष्ण नगर थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीं हर्ता अधिकारों के कार्याक्य, सहायक आयक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रींहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स बाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बान्सिक कर से कियत बही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायरल में कमी करने या उससे अधन में मृजिधा में करी, और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्थियों को बिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के निए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए तो अनुसारण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भी सधीम जिल्लिमिकिन व्यक्तियों । स्ट्रान् कर्मान 6--306GI/85 (1) वास्तु विहास मंडल ःस्तूरवा विल्डिंग नंभाजी रोड, विष्णुनगर नवपाडा, थाना ।

(श्रन्तर ह)

(2) श्री िंगरींस मनोहर िंगम 15/228, सरदार नगर सं० 4 साय ह कोलींबाड़ा, बम्ब ξ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्वीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छोकरण :----इसमें प्रयक्त गन्दों और वर्षों का, वा उक्क व्यथितियम के तथ्याय 20-कं में परिभावित है, वही कर्ष होगा वो उस अध्याय में विका वश है।

अनुसुची

जैसा कि रजिन्द्रींकृत कः 37६६/508/85--86 जो जून 85 को सहाय 5 ग्राय कर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनित कुमार पक्षम प्राक्षिणारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांका : 24--9--85

प्रकल् बार्चा, टी पुरु पुरु पुरु -------

बायफर बरिपनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन स्वना

नारत वरकाड

कार्यनम, शहायक गामकार गामुक्त (निरोधान) ग्राजीन रेंज-2, नई दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनांकः 16 सितम्बर 1985 निदेश सं० धाई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस०-धार-1/2-85/816----ध्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं मं० क्वार्टर मं० सीं-79 एण्ड 80, है तथा जो रमेण नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध प्रनुसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ती प्रधिवारीं के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतींय रिजस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक फरवरीं 1985

को प्रॉक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि यथाप्चोंक्त तंपीत्त का उचित् बाजार बृध्य, उसके दृवयमान प्रतिफल से, एसे दृवयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल निम्निवित उद्योदय से उक्त बन्तरक किस्तित वे वास्तीयक क्य से कीवत नहीं किया वया है :—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में कबी करने या उत्तते वचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ वैतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिषाने पर सविधा के जिल्हा

नतः मंग, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण के अन्सरण वै, तै, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) कों अर्धान, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थान :---- (1) श्री ब्रिज भूषण भगत पुत्र श्री दर्शन दयाल भगत, निवासीं—सी-7 डीं० एस०, रमेण नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल दाप ग्रापन्द पुत्र श्री नाथु राम, निधासीं—-जे--4/13, राजौरीं गार्डन, नई दिल्लीं। (ग्रन्तरितीं)

को बहु सूचना वारी करके पृबांक्त कमित के अर्थन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकायन की तारीय से 45 दिन की वर्गीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्गीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकारेकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उन्न अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

ग्रनुसूची

डब्रल स्टोरी क्वार्टर मं० सीं--79 एण्ड 80, रमेश नगर, नई दिल्ली, दोनों की तादादीं--123.66 दर्ग गण।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधि गरीं सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

दिनांक : 16--9-1985

महिर :

प्ररूप आर्घ. दी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक आवकर वाजुकत (रिनरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०-एक्यू०-2/एस-श्रार-1/ 2-85/821--धन:, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं हाउस सं 31/3 है तथा जो वेस्ट पटेल नगय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अभैर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसं द्रश्यमान प्रतिफल के धन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं बार बंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अंतरित्तियाँ) के बीच एसं बन्तरण के निए तय पासा भवा प्रतिफल, निम्निकिस्ति उत्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्रवाह है है—

- (क) बन्तरण ते दुवं किती नाम की बावत, अनेव अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक थे बावित्य में कनी करने या उससे बचने भे सुविका के विक्षः जीव/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयक्तर बीधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियस, वा धनकर अधिनियस, वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नथा था वा किया जाता चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की चारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हैरीकिशन लाल, निवासी → 31/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (भन्तरक)
- (2) श्री चेतन देव एण्ड श्रीमती रामा चौपड़ा, निवासी--- 23/27, वेस्ट पंजाबी बाग, विल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त र्रंपि के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविधि ना तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीस है 30 विन की श्रवधि, को भी अविधि नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूबॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द स्थाक्त ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शाव किसी समें किस् का सकींगे।

नपृतुची

हाउस सं० 31/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० बासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

दिनोक : 16-9-198**5**

मोहर 🖫

निदेश सं०

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

म्राई० ए० सी०/एक्य०-2/एस-म्रार-1

2-85/822--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करन का करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स काम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्क न निम्निचित उद्वंषय से उच्य अंतरण निम्निचत में बास्तिषक स्थ से किथा नहीं किया वा है अल्ल

- (क) अन्तरण सं हुई भिन्नी आय की आवस , उस्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्यरक की दायित्व में करने या उससे बचने मीं सुक्षिश के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सोम प्रकाश शारदा पुत्र श्री मुन्शी राम शारदा, निवासी- एच-21, कीर्तिनगर, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)

TE (%) TO BOTH TO THE TOTAL TOT

(2) श्री राज कुमार सचदेवा पुत्र श्री मंगल दास भौर श्रीमती चन्दन सचदेवा पनी श्री भ्रमृतलाल सचदेवा, निवासी -- 63-सी, एस० एस० -- रमेश नगर, नई दिख्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना **पारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अपने के लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्ह सन्तृतिक के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकावन को ताड़ीं इंट्र 45 दिन की जनिश्य मा तत्त्रम्बन्धी क्रित्तकों कुर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वक्रितयों में से किसी स्यक्ति बुवारा ।
- (स) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन को तारोब स 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्परित में हितनपूर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसृची

प्लाट सं० एच/21, तादादी-200 वर्गगज, कीर्ति नगर, एरिया श्राफ ग्राम-बसई वारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुवेबन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्षे-

दिनांक : 16-9-1985

बोहर 🖫

संबंध अवर्ष_ः की , युग*्र* एत , n = = ====

भावकर वीचिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्र शक्त 269-म (1) के वर्धन क्षमा

कार्वालय, सहायक भावकर भावक्त (निरीक्षण)

SING GRANG

श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

वाबकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसेत विजिनसभ' कहा गया हैं), की भारत 269-ज के वभीन सभाव शांविकारी को यह विज्ञास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से विभिक्त हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 22, रोड 7 नं हैं तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूषी में और पूर्णरूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी 1980,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूस्य से कह के ध्यमनान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिन्सास करने का कारण है कि यथम्पूर्णेक्त सम्मित का उचित बामार मूक्य, सबके ध्यमनान प्रतिफल से एंडे ध्रमनान प्रतिकल का पंडह प्रतिक्षा अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अविकल, निम्निसिक उद्योग्य से उक्त बन्तरण विकल में बास्यविक रूप से अधिन नहीं किया गमा है दिन्न

- (क) करायन से इन्द्री किसी नाम की नामता, उनसे अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में क्सी करते का जबके जनमें में मुनिया के सिए अदि/वा
- (व) इसी किसी नाय या किसी धन वा नाय नास्तिनों को चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या वास्त्राण अधिनियम, या वास्त्राण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्ज अस्ति एकारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था. किया हो सी सी सी की रिजए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की पाय 269 व के अबुसुरण में, जी, उक्त अभिनियम की पास 269-म जी सपपाच (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री हरबंश सिंह एण्ड जोगिन्दर सिंह पुक्त श्री निर्मेल सिंह निवासी---7/22, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (मन्तरक)
- (2) एस/श्री सुन्दर लाल, भीम सेन, शिव कुमार पुत्र स्व० श्री ताले राम, निवासी-बी-2/95, पश्चिम बिहार, नई दिस्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह कृषमा पारो करके प्रशिक्त संपत्ति के जर्मन के किए कार्यमहिया करता हुई।

उक्त कम्मित के वर्षम के इंबंध में कोई भी बाबांध :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में त्रकाखन की तारीख ते 45 चिन की जन्निथ या तत्संथंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की नवचि, जो और क्विंश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रमेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस कृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 किन के भीतर उक्त स्वावर सम्बन्धि में हित-बह्भ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा व्यक्तिकारी के भास निवित में किए का सकेंगे।

त्वस्वीक्षरण ज्य-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो सक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में नुका परिभाषिक हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिशा गवा है।

वन्स्ची

प्रो० (रियर प्रोशन) बना हुआ घर, प्लाट सं०-22 रोड सं० 7, तादादी -180.89 वर्ग गज, टोटल एरिया 361.78 वर्ग गज) पंजाबी बाग, नई दिस्ली।

> कें वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-1985

प्रकृप बाहाँ, टाँ, एन, एस, ------

नायकर विधिमियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस-ग्रार-1/2-85/824---ग्रतः मुझे, के० वासुदेव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट मं ० 162, ब्लाक एफ है तथा जो मान सरोवर गार्डन, एरिया ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावड प्रनुभूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधियनम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1985,

का पृथेक्ति सपित्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित नाजार मृश्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तीवक रूप स कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से क्रूड़ किन्ती बाय की बाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाक्टिश में कनी करने वा उन्नचे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जिनाने में तृतिका खें आए;

तरः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-गं के वनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मेलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ए---

- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र स्व० श्री बीर सिंह, निवासी---प्लाट सं० 131, सत्या नगर, न्यू कैपीटल, भुवनेश्वर, जिला पुरी, (उड़ीसा) (अन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार सेठी पुत्र श्री ठाकुर दास सेठी निवासी---एफ-158, मानसरोवर, गार्बन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्त्रस्वन्धी व्यक्तितयों पर शूचना की तामीच से 30 दिन की व्यक्ति था भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इत त्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकारी के पाड निकित में किए वा क्योंने।

वन्स्यी

प्लाट सं ० 162, ब्लाक एफ तादावी-29, वर्गगज, कालोनी मान सरोवर गार्डन 4, एरिया आफ ग्राम, बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-9-85

The state of the control of the state of the

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

शास्त्रकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांतन, सहानक जानकर आयुक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-मार- 1/2-85/ 825---भ्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसर्वे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मुख्य 1,00,000/-रा. से विभक्त ही

और जिसकी सं ० ई-78, है तथा जो मानसरोवर गार्डन, एरिया झाफ ग्राम बसई वारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

🛸 । पुर्वेक्स सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कन के करवनान वितिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीसमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तब नाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त जन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी नाग की, बाबत, उस्त निधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी अपने वा उससे वचने में सुविधा के तिर; और/ना
- (च) इोसी किसी माथ या किसी धन या जन्म कास्सिनी को जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अभिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बाधन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, अक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिनिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् :----

- (1) श्री तरलोचन सिंह पूत्र श्री छत्तर सिंह, निवासी- नई- 78, मानसरोवर , गार्डन नई दिल्ली, (भ्रन्तरक)
- (2) 1 श्री भगवान दास सनुजा पुत्र श्री राम प्रकाश 2. श्रीमती चेतन सलुजा पत्नी श्री जोगिन्दर नाय सलुजा 3 श्रीमती रिटा सलुजा पत्नी स्व० श्री महेन्द्र नाथ सलुजा, निवासी-चूना महा-, जी० टी० रोड, सासाराम बिहार ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के चित्र कार्यवाहिमां शुरू करता हो।

उपस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ड भी आकाप :---

- (क) इस तुमना के रामभन्न ते प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाको तामील से 30 दिन की बद्धि । जो नी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यॉक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इसत्चना के राजवत्र में प्रकालन की सारीच ते. 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए का सक वे।

ल्पक्तीकरण:—-इतमें प्रयुक्त कर्का और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिकारिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका यथा हैं:

अनुसूची

प्रो० सं० ई- 78, तादादी- 297. 5 वर्ग गण, मानसरोबर गार्डन, एरिया श्राफ ग्राम--बमई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸2, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 16-9-85

भोष्ठर 🕙

्राज्या अर्था स्त्री हम् । **ए**क्षः न्यारन्यसम्बद्धाः

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यासय सहायक बायकर बायकर (िंगरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 16 सितम्बर 1985 देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस-ग्रार-1/2-4 6--श्रतः,मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्ल अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार बृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्रो० नं० 1/146 है तथा जो गन्वा नाला, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसौंक फरवरी 1985,

को प्रॉंक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निसित उद्वेश्य से स्मत जन्तरक मिथित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अस्तरक संध्य (कार्य) आम की वावल, उक्त अधिनियंत्र के कथीन कर पंत्रे के बन्तरक के यासित्य में कभी करने था उससे वचने में सुविधा के जिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, शिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्कर अधिनियम, विशेषा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किए। नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने च बुविधा के विष्

अतः वय, अवस विधिनियम, की भारा 269-गृ के बनुकारण हों, मी, उत्कल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रिखी चन्द खन्ना,
 निवासी--51/46, नया गंज, कानपुर ।
 (श्रन्तरक)
- (2) मैं० सोपो आटो कोरपोरटीक्रो, 146, मीरी गेंट, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के अम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ३--

- (क) इस स्थान के द्रायपन में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति वाह में समाप्त होती हो। अभील प्रविधित दे
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितनक्ष किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्राक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वष्टिकरण: ---इसमें प्रयात शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं० 1/146, गन्दा नाला, मोरी गेट, दिल्लो ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली-110002

दिनांक: 16~9-1985

प्रकप बाई .टी .एन .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० स्नाई०ए० सी०/एक्यू०/2 एम-प्रार-1/2-85827--स्रतः म्झे, के० वास्देवन,

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- कि. से बिधिक हैं

स्रोर जिसकी सं शो० नं ० एम-68, कीर्ति नगर, है तथा जो एरिया स्नाक ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेंट, दिल्ली में स्थित है (ग्रीरइससे उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता स्निधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्निधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्निधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकृत, निय्नलिखित उद्देश्य से उपता अन्तरण व्योक्तित को वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया प्रतिकृत के वास्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दामित्व में कमी काने या उससे ग्चने में सरिक्षा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मृविधा के निए;

बत: सब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक में. मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) ग्रिशन: निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-7—306G 1/85

- (1) श्री अमर सिंह पुत्र सोहन सिंह, एम-68, कींद्रिनगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुर प्रसाद सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी—28/76, वेस्ट पटेल नगर. नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 4.5 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन्य की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की ठाररित स 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपन्ति कित बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस जिस्ति में किस् वा धकीन

स्वकाकरण:--- इसमे प्रयुक्त अधी और पटा का, भा उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका एया ही।

वनुसूची

प्रो० सं० एम-68, ाादी-200 वर्ग गज, श्राबादी श्राफ कीर्ति नगर, एरिया श्राफ ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली- 110002

दिनाँक : 16-9-85

अरूप् **बार्ध**ः टी. एन्, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-थ (1) के अधीन सुषता

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 पितस्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०- 2/एस०--श्रार-- 1/ 2--85/830---श्रतः, मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० डी०—14ए/20 है तथा जो माडल टाउन, एरिया श्राफ ग्राम मालीक पुर चाहोती, दिष्टि में स्थित है (श्रौर इतमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिट्टीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिट्टीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक फरवरी 1985,

- (कां) कलारक सं हुए फिन्मी भाग की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक को अधिरक में कमी कारने या उससे बचने में मुक्तिधा के लिए; और/या
- स) एमी किसी जाय या किमी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अ.र. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त उधिनियम की धारा 269-ो की उपधारा /० के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थक ——

- (1) श्रो नरिबर ६ वर सिंह, भगवान सिंह, नरधीर इन्दरसिंह पुत्र श्री सूबेदार नन्द सिंह, निवासी—एफ-14/44, माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्रो जय देव महलौता (2) श्री राकेश महलोता, (3) श्री मुकेश महलोता पुत्र श्री बां० एन० महलोता, निवासी → 1/3, माडल टाउन, दिल्ली । ं (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीयत संपरित के अर्जन के लिए क्रिया करता हो ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध के कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रीध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकिस स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में अकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उच्क स्थावर सप्रतिस में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षण के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, को इस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनसर्चा

एम० एम० हाउम आन प्लाट सं० डी-14 V/20, तादादी-455 वर्ग गज, माडल टाउन, एरिया आफ् ग्राम, माली ag v चाहौनी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

विनाँक: 16-9-85

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँग 16 सितम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं हाउस सं 3 सी । 9 है तथा जो न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपंक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पता गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्कसे अचने में सुविधा के लिए; आर/या
- ंदा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अथ,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात : (1) श्रीमतो रिमन्दर कौर सोढ़ा, निवासी---3सी। १, न्यू रीहतक रोड, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री ग्रानिल चांधरी (2) श्री संतोष चांधरी (3) श्री जनक चांधरी,
 निवासी → 892; जोशी रोड, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विगल स्टोरी हाउस मं० 3सी/9, त्यू रोहनक रोड; नई दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली--110002

दिनाँक : 16-9-85

प्रक्ष आईं.टी.एन.एस------

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 16 सिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०~श्रार~1/2— 85/832—-श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भ्रौर जिसकी सं व वैकेण्ट प्लाट सं 0-7, है तथा जो केवल पार्क, एरिया आफ ग्राम भ्राजादपुर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन् भूवों पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली से भारतीय रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिहत में बास्तिक क्य से किवत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियरें को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया अया था वा किया थाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

जलः जलः, उन्त जिथितियम की धारा 269-म के मनुतरण में, भैंं, उपन्न जिथितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चै मधीश, निम्मसिविश महिन्दमों, जर्धार :---- (1) श्रोमती कान्ता रानी पत्नी श्री दौलत राम श्राहूजा निवासी--गली सेठ मोहनलाल ककड़, फाजिलका जिला पंजाब ।

(ग्रन्तरक)

(2) एस०/श्री बिशम्बर दयाल अग्रवाल, जय किशन श्रग्रवाल, पुत्र स्व० श्री नाहना राम अग्रवाल, निवासी—-ग्रांम-सराय पिपल थला, दिल्ली (हाउस सं० 221)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींच, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त प्रस्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गवा हैं।

अनुसूची

वैकेण्ट प्लाट सं०च7, तादादीच300 वर्ग गज, केवल पार्क, एरिया श्राफ ग्रामच्य्राजादपुर, विद बाऊनडिड दिवार ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिन**ांक :** 16-9-85

मोहर 📗

रक्य वार्ड्टी<u>. एन्. एष</u>्ट------

नायकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यामय, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी0|एस्यू0|2|एस0-श्रार-1|2-85|833--श्रतः मुझे, के० वास्देवन,

नायकर अभिनयन, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के जभीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्भित, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3, मैटकैंफे रोड, है तथा जो 3, शकराचा मार्ग, सिविल लाईन, दिल्ली-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक फरवरी 1985,

को पूर्वोशत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्स) जन्तरण सं हुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के बायित्व में कमी करने या उसते बचाने में सुविधा के लिए: और/या
- (थ) देवी किसी जाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा के निक्;

काश्च सम, उपल अभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण द², वें. तक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीत,, निम्तिसिस व्यक्तियों, अभीत्:— (1) श्री मलोपी प्रसाद बन्सल पुत्र स्व० श्री राम किशोर निवासी—सं०-5-जी, विश्वा एपार्टमेंटेस, 3, शंकराचार्य मार्ग, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री डी० एन० सिन्गानिया पुत्र टोडर मल, 2. श्रीमती भुनता सिन्गानिया, पत्नी श्री डी० एन० सिन्गानिया, निवासी—सं०-70, लेक्क एवेन्यू, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को मंबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविष वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, ब्लाक सं०-5, ग्रुप हाउसिंग विश्वा एपार्ट-मेण्ट, 3 मैटकारूफ रोड, 3, शंकराचार्य मार्ग, सिविस लाईन, दिस्ली, तादादी -210.14 वर्ग मीटर ।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक : 16-9-85

್ .__ ಬಹಾದಗ್ರಹ್ ಕರ್ನಾ ಮಾಗಳ ಸಂಚಿತ್ರಗಳ ಸಂ

प्रकृप आहु । टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीव स्चना भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक कामकर भागकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाँक 16 सितम्बर 1985

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2'एस०-आर-1/ [ि2-85/834--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रोर जिन्नको सं ० क्यार्टर सं ० 19/3, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली म न्यित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक फरवरी 1985,

को प्वंक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित अज़र मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक एप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरम से हुई किती जाय की वावत, उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीह/वा
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिकों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, वा धनस्यर अधिनियम, वा धनसर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियौ इवारा प्रसट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए:

बतः थवः, उक्त विधिनियम कौ भारा 269-ग के वनुसर्क गों, मी, जनत् अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधील, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थून्

- (1) श्री युधिष्ठर लाल निवासी---19/3, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री कुलबीर सिंह 2. श्रमरीक सिंह भल्ला, निवासी—23/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिश्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की शामीन से 30 दिन की अविध , को भी अंविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षाया;
- (क) इस स्वना के राज्यन के प्रकाशन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितवषभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति को किए जा सकींगे।

क्वार्टर सं० 19/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

्के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼2,दिल्ली. नई दिल्ली~110002

दिनौंक : 16-9-85

er (1970) - 1. Caret et delicitat station en la calcalitation

प्ररूप आहू .टी .एन .एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, दिल्ला

नई दिल्लं ℓ , दिनांक 16 सिहम्बर 1985 सं० ग्राई० ए० स ℓ ०/एक्यू०-2/एस-ग्रार०-1/2-85/837:—अस म्झे, के० बासुदेवन,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हूँ), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 'लाट नं० 45, ब्लाक डी' है, तथा जो खारा नं० 85, 88, 89, 92 रे 107, ग्राम-मादीरा कलों सत्यवती नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसमे उगाबद्ध अतुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजिल बाजार बूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिथिनियम के अभीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., द्विधाने जे स्वैद्या के सिए;

क्तः अत्रा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैंं, उक्त अधिनियम की धारा 260-छ की उपधन्य (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—— (1) श्री गंगाधर पुत्र श्री रघुनाथ प्रशाद, निवासी--ए-सी-श्राई/145-बी, णालीमार बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर कानुलिया चौधरी (माईनर) द्वारा पिना श्रा सत्या देव चौधरी, एन/जो पुत्र श्री महावीर प्रसाद चौधरी, निवासी:---49, राजस्थानी उद्योग नगर, जाठ टीठ करनाल रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह बृषमा पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वृष्य के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुई।

उन्दे सम्पर्ति के नुर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किसे आ सकेंगे।

स्वाकारण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्रें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, भी उस अध्याय में विशा क्वा है।

अनुसूची

तादादी—150 वर्ग गज, प्लाट नं० 45 ब्लाक 'डी' सत्यावती नगर, घाउट श्राफ़ खसरा नं० 86, 88, 89, 92 में 107, ग्रामं—सादोरा कलॉ, दिल्ली।

के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

मारीखा: 16-9-1985

मोहरः

प्ररूप बार्च, टी. एन. एवं,-------

बाशकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, तहारक मायकर भाग्वत (निरीक्षण)

धर्जन रें ज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सिसम्बर, 1985

निदेश मं० म्राई० ए० मी०/एक्य्०/2/एस० म्रार-1/2-85/838—म्रातः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर शिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जी बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जित्तको सं० प्रो० नं० है तथा जो एक-14/12ए, माङल-टाउन, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुचा में ग्रीर पूर्व का न वर्णित है), एजिस्ट्रांकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, नई-दिल्ला में रजिस्ट्रांकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, नारोख फरवरां 1985

को पूर्वेवित सम्पन्ति के उभित नाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान ब्रिटिफस के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्चास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पन्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिफल का उन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निग्नलिकित उन्देश्य से उभन्त अंतरण निभिन्त में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है के----

- (क) अन्तरण वं हुई किती बाव की वावत, उपत विभिनियम के विभीत कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए; वर्षित्या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपान में स्विधा के लिए;

सबा क्षेत्र उत्त स्थितियम की भारा 269-ए के अनुसरक में, में, उक्त स्थितियम की भारा 269-ए की उपभारा (१) के अभीत, निम्नसिक्ति स्थितियों, स्थाति :--- (1) एस० मनमोहन सिंह डिसुजा घौर श्रं:मित प्रोती डिसूजा, निवासं:—-गोगिया विला, के० बी० रोड़, पटना (बिहार)।

(भ्रत्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द्र बेरी।
केशव चन्दर बेरी,
धौर श्री गूरदयाल सिंह वेरी,
(एच० यु० एफ़०)
निवासी-वी-7/140, बेरी बिल्डिंग, लाकर बाजार,
लुधियाना (पंजाब)।

(भन्तरितः)

को बहु सूचना बारी करके प्रांचित कम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकावन की तारी के 45 दिन की श्रवीत या तत्संत्री व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की श्रवीत, वो भी ब्रवीत नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकते।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिवियम के अध्याय 20-क में परिभाविस ही, कही वर्ष होगा जो उक्त सध्याय में विया नवा है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ़-14/12-ए, माङल टाउन, दिल्ली सादादो-233.3 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सह्ायक भायकर भ्रायुक्त (निर्मक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-9-1985

प्रक्य नाइं.टी.एन.एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985
निर्देश सं० श्राई० ए० मीरें०/एक्यू/2/एम-श्रार-1/2-85/841---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जो फ्लेट नं 101 है तथा जो 100 बनारमी दास इस्टेट; तिमारपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, लारीख फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बायान मूल्य से कम के धरवमान प्रतिफाल को सिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के सिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण विश्विक के बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण विश्विक के बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण विश्विक के बाया गया है :---

- (ग) अध्यारण स हार्ड किसी बाब की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कशी करने या उससे बचने में सविधा से किहा कोह /बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अपित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, सा धन-अन्य अधिनियम, १०६७ (1957 का 27) के प्रधोणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना की उप था, क्षिपान में सुविध्य अभिन्य।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 8—306GI/85 श्रीमति सरोज बाला गुप्ता, परिन स्व० श्री ओम प्रकाश गुप्ता, निवासी-बी-जे-71, शालीमार बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2) श्री किशोर शुमार पुत्र स्व० श्री तीरथ दास, निवासी—फ्लेट नं०-101, मैजनिन फ्लोर नं० 100, बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (सं) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तिकों एवं सुखना की तामीस से 30 दिन की अविध, को औं जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वें का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा:
- (क्ष) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी त त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शक्त लिस्टिए में किए आ सकीयो।

स्वक्षीकरणः--इसमें प्रयुवक शब्दों और पवाँ का, वां अक्स विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 101, मैजिनिन फ्लिं ℓ र, तादादी-963.0246, वर्ग फिट, बालकानी तादादी-103.1875 वर्ग फिट, प्रो० कैंप्सि नं० 100, बनारसी दास, इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 16-9-1985

मांहर :

अक्य आहीत् ही, एन, एस., - - - --

नायकर निधिनियय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन स्वना

HIGH TEMP

कार्यांतव, तहायक बायकर आयुक्त (निर्शाक्त)

मर्जन रें ज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस-ग्रार-1/2-85/844—श्रतः सुझे, कें० वासुदेवन,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर बज्यति, जिसका जीवत नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिधक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 182 है तथा जो खसरा नं० 2237, क्लाक सी, मानसरीवर गार्डन, नई बिल्ली में स्थिष्ठ हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फ़रवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिक के निष्ण अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विद्यास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिक सं से, एसे दृश्यमान प्रतिक सं के वश्रद प्रतिशत से विभक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-कम निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) विराण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त विधित्वम के स्वीव करू दोने के अंतुरक के बादित्व में क्ली करने या उत्तरे वचने में सुविधा में लिए; बरि/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्ये प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गय. वा वा किया बाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा वी लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं: अन्त अधिमियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें बें बधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्रोमति पुष्पा वती पत्निश्री बाला राम निवासी—3268, रनजीत नगर, नई दिल्ली, एट परेसन्टई-20 मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमित कृष्णा गुष्ता पत्नि श्रो बाबु लाल गुष्ता, निवासी—ए-१, विशाल इन्क्लेब, नई दिल्ली।

(मन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थापर;
- (ख) इस स्वना के राक्पत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

ल्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अधीं होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

- ननुसूची

प्लाट नं 182, क्षादादी-220 वर्ग गज, पार्ट श्राफ़ खसरा नं 2237, ब्लाक 'सो' सानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 16-9-1985

प्रकृष् आर्द्रः सी. एत. एस. ------

भावकर निर्धाणियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भागकर सायुक्त (निरुक्तिण) शर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक-6 सितम्बर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार-1/2-85/ 845—श्रतः मुझे, के० वास्टेवन,

वायकर विधिविषय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त विभिन्न में कहा गया हैं), की शाल 269-व के वृधीन स्क्रम् प्रधिकारों को वह हैन्यवाद कहा का कारण हैं कि स्थावर स्म्मित, जिसका उन्निक कावाद मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्रौ० नं०-14/6299 (न्यू) है तथा जो कुसुब-पुरा, दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबस अनुसूची में झौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के समझान प्रिक्षिण के लिए बंदरित की गई है और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उप्वित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिस्त से भौजक है और बंतरक (बंदरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरन के लिए तम पाया नवा प्रति-क्त निम्मतिबित उद्देश्य से उक्त बंदरण निष्ति में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उपल अधितृत्व के स्थीन कह दोने के बंदहक के शक्तिक के सभी कहने वा उद्दर्श कराने के वृधिका के सिए; बॉट√वा
- (क) इसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा वै विदः

कतः, अव, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक वो, मी उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बचीन, रिक्निसिखित व्यक्तियों, वर्मात् हिल्ल

- (1) श्री एन० एन० भवनाचलम पुत्र श्री एम० नारायना, निवासी----153, ग्राम- रोड़, मद्रास-34 (भन्तरक)
- (2) 1. चौ० हरनाम सिंह पुत्र चौ० बुद्ध सिंह,
 निवासी—27/10, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।
 2. चौ० सुरिन्द्र सिंह पुत्र चौ० हरनाम सिंह
 कर्ता ग्राफ चौ० सुरेन्द्र सिंह (एच-यू-एफ)
 एस-37, ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली।
 3. चौ० जगजीत सिंह पुत्र चौ० हरनाम सिंह,
 27/10, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।
 (शन्तरिती)

कारे वह जुलना आही कृतके नुवींकत कस्मीत की नर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बब्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए वा स्कॉने।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धां बाहु पर्यो का, यो सम्ब विधिनियम के अध्याय 20-अ में परिधाविक है, वही अर्थ होगा, यो उस अध्याय बी दिवा गया है।

वपृत्त्वी

प्रों नं ०-14/6299 (न्यू) तादावी-600 वर्ग मीटर, कुसुब पुरा, विल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2,[दिस्सी, नई दिस्सी#110002

तारीख: 16-9-1985

प्रकृप आई. दी. एन. एस . -----

. कॉब्किंग अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत बहुबहर

श्रापालय, सहायक वायकर शासुक्त (नियोक्तण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

ादेश सं० नोटिस नं० 46390/85-86---ग्रतः मुझे, श्रार**्भारद्वा**ज,

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की भाइा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को सह निश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित याजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

शौर जिसकी सं० 39 है तथा जो कनकपुरा रोड, वसवनगुडि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रोत्तिक से, एसे स्थमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अदि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न्निखिख स्थ्वेंडिय से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्य बिक्क स्था से क्रियंड नहीं किया गया है :---

- (क) मच्छरण वे हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मीधीनयज के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्म में कनी नकने या उत्तवे अधने में सृविधा के निक्ह; आदि/बा
- (व) इसी जिस्सी आव का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-साथ अधिनियम, 19... (1922 का 11) का उचत अधिनियम, या धनकार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को का किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा
- अंतः वद, उक्त अभिनियम की भाषा 269-म के अक्फरण मं, में, उक्त अधिनियम की शास 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) गोल्डन लोटस, पार्टनरियप फर्म, इसके प्रतिनिधि श्री के० ईश्यरी प्रसाद है। 4503, है पाइन्ट 45, व्यालेस रोड, वेंगलूर। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स क्रेस्ट डेवलपमेंट ग्रौर लीसिंग लि०, नं० 29,राजाजी साल, मद्रास-1,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साह में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास;
- (स) इत सूलना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपाल मा किल्ल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्की

(दस्ताबेज सं० 4713/85-86 तारीख 25-2-1985) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 39 जो कनकपुरा रोड, बसवन-गुडि बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 27-9-1985

मोर:

ाक्षम् वाद्यौत् द्वौत् प्रवत् प्रवाह च न न नन्न

बायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के वर्गीन क्वारा

HIGH TENS

कार्यालय, सङ्ख्यक बावकर जावुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 1 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० नोटिस सं० 1602/37ईई—प्रतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियन' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शब्दार सूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक ही

अगैर जिसकी सं० 26 श्रीर 27 प्राना सं० 37 श्रीर 37 ए हैं तथा जो 26, एम० जी० रोड,

बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाब अनुमूची में ग्रीर पूर्ण-स्प्रा के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंगलूर, कें.रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-2-1985

को पूर्वेक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेया से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:---

- (का) अध्यारण से सुर्व किसी बाय की बाबस , उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करूने या उत्तवे बचने में सुनिया के लिए जॉर/था
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियभ, का अनकर अधिनियभ, का अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वाच प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था किया में स्विधा से किहा;

बतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तिकों, अर्थात् ः— (1) वेद्य सेल्स श्रीर सर्विसेज प्रा० लि० न० 26, महात्मा गाँधी रोड, बंगलूर-560001

(अन्तरक)

(2) मेससं के० रहेजा डिवलपमेंट कारपोरेशन नं० 28, महात्मा गाँधी रोड, बंगलूर-560001

(भ्रन्तरिती)

को सह स्थान जारी करके प्रतिकत संपत्ति क कर्यन के लिय कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्पृतित के नर्पन के संबंध में कोर्द भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक धें 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-क्युध किसी अन्य व्यक्ति द्याच अधांष्ठस्ताक्षरी के पास निवित में किय का सकोंगे।

स्वरूपिकरण — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को उक्त वीधनियम के अध्याय 20-क में पीट्रिशावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या वदा है।

कासूची

(दस्तावेज सं० 1362/84-85 तारीख 23-2-1985) सम्पत्ति है जिसका नया सं० 26 ग्रौर 27 (पुराना सं० 37 ग्रौर 37ए) स्ट्रक्चर के साथ जो नं० 26, महात्मा गाँधी रोड, बंगलूर-56001 में स्थित है। जिसका नापना 6286.58 स्केवर मीटर्स (67668.70 स्केवर फीट)।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंग्रलर

नारीख: 1-8-1985

प्रकार भार_{ित} टौ_{र्स} एम_ा एस्_{रि}न----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की पाद्य 269-न (1) के नपीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासयः, सहायक वायकार वायुक्त (निर्देशक)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 17 अन्तूबर 1985

निवेश सं 0 1 1 1 9/85-86---- अतः मुझे, एस० बालसुत्रमण्यन शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एल० श्रार० ए० 132 है तथा जोलेक वीयू कालोनी मीरामार पणजी, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ईलहास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक ो अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नीनिवित उव्ह े उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक स्वयं ने किया गया है :---

- (क) न्याह्म हो हुन्दं कि बी बाव की बावल, उपस बावित्यम के अभीत कह दोने के बन्दरक की बावित्य में कमी करने या सबसे व्यने में सूर्विभा को जिए; बाद/वा
- (ब) एसी किसी भाव या किसी भन या जन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया बाना बाहिए था, जियाने में सुविका के स्थि:

बंतह बंत, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बंक बंक कक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) बंबियोंग, निम्निविद अविद्यों, नुभार ఈ (1) भी घोलम्पिया फर्नाबीस ग्रीर पत्नी श्रीमति इडा मारिया, फेलिसिया फर्नांबीस लेक वियू अपार्टमेंटस मिरामार, पणनी, गोवा।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमित कुंदा मधूकर सोसाइटी, के ०एम० एस० हाऊस नं० 51, बाई नं० 8 पीजीई एउनैको रौड पणजी, गोबा।

(मनरिती)

की यह सुषमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुं 1.

क्का बुम्मीत् के मुर्जन के संबंध में कोई भी बासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ वृद्ध सूचना की तानीक से 30 दिन की बुद्धीन, को और नविभ वाद में तवास्त होती हो, के भीतत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींथ ने 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काक्षरी वे पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकिरण:---इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उद्ध मीपनियम, के अध्याय 20-क में परिशादित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

पण्डल

(वस्तावेज सं० 156/211 तारीख 21-2-1985) प्लेट एशिया 48 स्केबर मीटर्स है। ये सम्पत्ति लेक वियु प्रपार्टमेंटस पणची, गोवा में है।

> एस० वालसुत्रमणियन् सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (मिरीक्षण) द्यर्जन रेंज; बंगलुर

लारीख: 7~10-1985

मोहरः 🔩

प्रस्पु बाइ , टी.; एन्. एस्.-----

नावकर नाभितिस्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक भाषकर नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगजूर विनांक 20 सितम्बर, 1985 निवेश सं० 1006/85-86-- असः मुझे, आर० भारकाज,

ाकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

मौर जिसकी सं॰ साईट नं॰ 9 है तथा जो बाई V नं॰ के॰बी॰ बडावणे वावणगेरे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित्त है), रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम 1908 (1908 का 10) के श्रधीन, तारीख 7159 8-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से आधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की वावत, उक्त विविद्य के व्योग कर देने के अस्परक के वावित्य में क्यों करने ना उक्ते व्यन में तृतिभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिक्यिम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिक्यिम, या धनकर विभिन्नम, या धनकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विधा के किए;

वतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वन्स्ररण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथित् :— 1) श्रीमिति निर्मलंबा पत्नि बी० एन० सूर्यनारामणा शेद्रि 8वां वार्ड नं०

> के० बी० बडावणे दावणगेरे । (भ्रन्तरक)

(2) श्रो जो० रामक्रष्णा जेट्टी पृक्ष पी०के० गोबिन्य शेट्टी सब स्टाफ़ कारपीरेशन बैंक, दावणगेरे।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशेक्त संस्थित के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप्—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिंध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जनिंध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद विचित्त में किए जा सकरी।

स्यव्यक्तिरम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 7159 मार्राख 8-2-1985)

धर जो दावणगेरे शहर में है। पता 5वां बार्ड के०की० बडावणे दावणगेरे जगह 600 स्के० फाट श्रौर घर कुल मिलाकर 900 स्के० फीट है।

> न्नार० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख : 20-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----- 1)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाक 20 सितम्बर 1985 निदेश मं० 1007/85-86--श्रनः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एस० नं० 111, हैं तथा जो रबोन्द्र नगर, शिमोग्गा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबब अनुसूचे) में ग्रौर पूर्ण-रूप से विणित है),

रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, वारीख 15-3-1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमिति एन० जी० मिन्ता पनि एव० बा० शिवराम,
 140 लि। मैन रोड, फ्रोंगरी प्रनुप नगर, बंगलूर।

(भन्तरक)

 श्री के० एन० नागराज राव पिता स्व० फ़ासर वला नाग भूषनराव, 3 क्राम रवीन्द्र नगर, शाग्मोगा।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के टर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनु**स्**ची

(वस्तावेज मं० 3228 तारील 15-3-1985) जमीन श्रीर इमारत (घर) जो नाप में 2400 स्के० फ़ीट श्रीर 1219 स्के० फ़ीट इमारत (घर) जमीन है श्रीर वह 4थी डिविजन रवीन्द्र नगर, शिमागमो में स्थित है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (fनरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलर

तारीख: 20-9-1985

मोहरः

प्रक्रम **बाह**ै, टी , धून् , एस , ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक क्षायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर बंगलूर, दिनां 5 20 सितम्बर, 1985 निदेग मं० 47158/85-86 -- श्रतः मुझे, श्राप् भाग्डाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है वि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य ः.00,000/∼ रतः मे अधिक **ह**ै

क्रीर जिनको सं० 217 है तथा जो राजमहल किलात एकत टेंशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में श्रीर-पूर्णका से वर्णित है), एजिस्ट्री इसी ऋधि परी है। टायचित गांधी-नकर भें रिकिन्द्र। इरण श्रिधिनियम 1908 (1908 🗇 16) के श्रधं:न, तारंखः 27-4-1985

कां नूर्वोक्त संम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल को लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और प्रम्वरक (ज्ञन्तरकों) गौर प्रश्तरिक्षा (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति **फ्य निम्नानिकत सहैश्य से उक्त धन्तरण निक्रित में बास्त**िव म रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/वा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय मायकर मंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-**कर विधिनियम, 1957** (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरितीं बुवारा प्रकट नहीं किला गया या मा किया जाना व्यक्तित या, प्रकाति 🖫 शुक्रिका के लिए ;

बत: बद: लक्क क्षिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण म, म, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारत (1) 😾 अधीनः निज्ञतिगिषतं व्याप्तयाः, अर्थातः :— .

(1) श्री एस० शिवास्वामी मेपर्स ममतः एन्टरप्राईजेज . **ग्रन्न**पूर्णा, ग्रान्डप, बंगलूर ।

(अन्तरः)

(2) डांक्टर एच० पं:० सुन्दरेश श्रीर मार्फत था एय० मा० जवली, नं० 61 अधिनगताम रोड कास वंगवर ।

(श्रन्धरित∴).

को यह सचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अर्भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति म्यक्तियों में से किसी न्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिवियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभग्न पर है, पही अर्थ होगाओं उस अध्यास में दिया भया है।

अनुन्वा

(दस्तावेज सं० ३२।/85-86 नारोःख 27-4-1985)। सब सम्मत्ति है जिन ी पं० 217 जो राजमहल बिलास एका टेंशन, तंगलूर में स्थित है।

> आए० भारहाज, सक्षम प्राधिकारी पहास ह अस्मान्य अस्मृक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरें ज, खंगलुर

नारीख : 20-9-1985 है

मोहर:

9 -306GI/85

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

अध्यवस् अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जामकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रें ∄ बंगल्∵

वंगलूर, लियोग 23 जिल्ह्सवर, 1985

निर्देश मं २ 16803/84-85--- ग्रतः मृझं, ग्रार० भाष्ट्राशः, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक **है** मोन रोड एच०ए० एक० श्रीर जिल्लका सं० 652 है नया जो $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$ स्टेज इन्दिरा नगर बंगलुर में स्थित है (श्रांत इसने उ≲पद्र पापुद्रका तंत्रो(रञ्गीकास वॉलिश हे) । अभिन्द्रीरजी प्रधि (१२) के (१,यानव) विकाज त्यार में अधिमद्र करण प्रधि-निप्रम, 1908 (1908 का 16) के ग्रास्त, तारीख फरवरी,85 को प्रवोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सस्मिति का बाष्टार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कियी आम या किसी जन या अन्य आस्तियों ता जिन्हा भारतार अध्यान्तर अधिनियम, 102% (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कर या हा किया जाना अधिनए था जिल्हा के सामिका के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ३,पान, निम्निटिझिन क्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रा एम० बटाणा, नं० 653 श्रेन एच० ए० एन० 11 स्टेज एक्सटेशन, इन्दिरा गांधा नगर बंगलूर । (श्रन्तरक)
- (2) के० के० म्यात्थू लोडियिल पुट्टुवेडु, पट्टानम क्यिलान, केरला ।

(अन्तरिती)

का यह सुमना प्राची करक पूर्वीबत सम्भागि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां ३-रू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिस व्यक्तियों में ए किसी व्यक्तित देवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थरप्रिकरण: — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो जब्त अधिनियम के अभ्याय 20-रह में परिभाषित को, वहां असे बागर औं ये संस्थाय में दिया

वनुसूची

(दस्ताविश मं० 719/84-85 प्रारोख फ्रावरी 85) स्व स्थाति है जिसकी मं० 652 जो XI मेन र ो न एवं ए० एलं० II स्टेन इन्दिंग नगर बंगलूर-38 में स्थित है ।

श्राप्यः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारीः पहासार प्रायक्ष श्रापुक्त (निरोक्षण) ग्राजैन रेजः बंगसूर

न(र)ख: 23-9-1985

श्ररूप् बाइं.टी.एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज बंगलीर

बंगलूर, दिनाँक 23 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिय नं० 46519/84-85--यतः मुझे

ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत् बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 582 है तथा जो एच० ए० एन०-II स्टेज इंदिरानगर बंग्लूर-38 में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक 28 फरवरी

की पूर्वीयत सम्परित की उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथान्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देवय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्त-धिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (च) एँसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अर्थ लिए;

ात: अज्ञ, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- धिवाजीनगर

(1) श्री टी० पी० शंकरनारायण, श्रीमती विद्याललक्षी शंकरनारायण नं० 582, एच० ए० एल० — II स्टेज, बंगलूर।

(स्रन्तरक)

(2) श्री एन० जयलक्ष्मी न० 17 श्रीकंठा लेशाऊट है ग्राऊन्डन बंगलूर।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपर्िक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा संकों ने।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गवा हैं।

जनसंची

(दस्तावेज सं० 3652/84-85 दिनौंक 28-2-1985) ं सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 582 जो एच० ए० एल०-II इंदिरानगर बंगलूर 38 में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगल्र

दिनाँक: 23~9-1985

्र क्राच्यावनात्म । अन्य प्रशासन्तरभाग का क्षाप्रकार्यम् । १९८० - १९८० व्यक्ति व्यक्ति । अस्य व्यक्ति व्यक्ति । प्रकार व्यक्ति व्यक्ति । एसं । ------ (१

बायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कर्त्वासक, सहायक कायकर कायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 27 मितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटीम नं० 46334/84-85—यनः मुझे श्रार०भारहाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 15, 15ए, 15यो स्रौर 15सी पोरणन है तथा जो प्रिमरोज रोड़ बंगलूर े स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्षित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण निचित में गुस्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बतः अव, उक्त बीधीनयत्र की धारा 269-ग के अनुसरक वें, में, उक्त बीधीनयत्र की धारा 269-थ की उपधारा (1) वें अधीन, निम्नतिविक व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्रीमती वी० श्रार० नजाम सुल्ताना, 86ए, ग्रन्तानगर, मद्रास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी॰ ग्रार० ग्रनवर भाषा विरुत्तमपेट, वेल्ल्लूर-- 6।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाशीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धै 45 दिन की ड्विध या तत्सम्बन्धी स्पित्सयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्कोंगे।

स्मध्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

(दस्तावेज सं० 3449/84-85 ता० फरवरी 1985) सम्पत्ति सं० 15, 15ए, 15बी श्रीर 15सी े पोरशन जो प्रिमरोज रोड़, बंगलौर में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनाँक: 27-9-1985

डक्द बार्ड ु दी ु एद ु एस् ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46471/85→86——यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2138 है तथा जो एच० ए० एल० - 6 स्टेज, बंगलूर से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 14 फरवरी, 1985,

हो पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिए ल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में अस्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी आय की वायत अवस् जीभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक प्रं धायिता में कमी कारने या उत्तससं श्रमने में स्विक्श को स्तए; जौर/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, बा पनकर अधिनियम, बा पनकर अधिनियम, वा पनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ''का चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269 ग क अन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के वधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वधीत् :--- (1) श्री कि० एन० एस० ए० हबीबुल्ला,
 नं० 78, चर्च रोइ बसवनगुडि,
 बंगलीर--4।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेणुका नं 145, कोडीहर्ली एच० ए० एल०प स्टि, बंगलौर--75।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (का) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितकक्ष किसी कन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बां नीर पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित व्या, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया शा है।

नस्पी

(दस्तावेज सं० 3454/85-86 नारीख 14-2-85) सब मम्मति है जिसकी सं० 2138 जी एव० ए० एल० VI स्टेज, बंगलीर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनाँक: 27-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

थायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अथीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज,बंगलीर

वंगलौर, दिनां र 20 सिनम्बर 1985

निर्देश मं ० नोटिम नं ० डी ० ग्रा २० २९७/ ३७ ई० ई० --- यत मे, ग्रार० भारद्वाज

अस्य र जीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिजियम कहा गया है), की धारा 269- के संबीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं के प्लाट नं की | 4बी है तथा जो गढ़मार श्रमिटम वाष्कोड़ीगामा गोजा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप न विणित है), रिजस्ट्री अरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनां अ 8 मार्च 1985

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान अपंतकता के जिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त बानरण जिल्लिक में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) कनारण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसके बचने में सूविधा के जिए: और/का
- (भेर्म) किसी काय या किसी प्राध्य काल प्राधिताको करें, किस्हैं भारतीय आयकार अधिनियम, 1022 कर प्राधितियम, १० धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के नियम.

अतः का अवस्य विधितियम की भारा 269-स के जनसरण मी, मी, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) केश्मधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थाह्य :--- (1) मेसर्स कामत रियल एस्टेट डेवलपर्स, एका 1, इन्दिरा अवार्टमेन्ट्स, सिटानी श्रालबुक्तरक रोड, पजिन्म गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) ईडियन राजस्टर म्राफ गिपिग, 72, नाकोर टबवरम 'एफ' 7वी फ्लार कुफे परेड, वस्बई-400005

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां शरू करता हूं [1]

चक्रत सम्हित है क्रिका दे का १००० <u>१ के के क</u>्राहर =

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन के प्रविध, का भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीकर उक्त स्थानर मध्यान में जिन्दाहरू किसी क्या किन एक्षा कर कर का किन कर किसी

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दाः और पदां का , जां उनस अधिनियम है बध्धाय 20-क में पीरमाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 297/84-55 ता० 8-3-85) सम्पत्ति है जो "सन्दोलेम" नाम से परिचित है और जिसमें प्लाट नं० जी 4बी प्रार्कड फ्लोर गवनर प्रपार्टमेंन्ट्य जो बास्कोडीगामा गोवा में स्थित है।

> श्वार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी नहाय ह स्राय हर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेजि, बंगलीर

दिनांक: 20-9-1985

प्ररूष अ।६1. ती. एन . एस . ------

आधकार आधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भागात र अक्टर (३

कार्यालय, महायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर,दिनांक 27 सितम्बर 1985

तिर्देश सं० नोटिस नं० डो⊸चार०→24.8/ 37 ई० ई०/ 84⊶ 85---यन: मुझे चार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रेगके गला। जिस्त प्रधिनियम कहा नया है), की भारा 369 य के अधीन सक्षम प्रधिक्तर को, यह विज्ञार करने का अरण है कि स्थानर संपन्ति जियाका जीवन बालार काए गए। 1,00,000/-क. से अधिक है

श्रीर जिल्को संविकाद नंवा/2 हे तथा जो श्रमीडा हालिडे होमस जान्डो निम गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण चय से विणित है), रिचस्ट्रीवरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनां के 6 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति थे उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाय मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त प्रतिफल से जिल्ला प्रतिफल के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण निश्विक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में असी करने या उससे उन्तरे का सृधिधा के लिए; और /मा
- (भ) एसी किसी, जाय मा किसी भाग सा अन्य अहिराया को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या यसकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनाथ अस्तीरती क्वारा प्रकट नहीं किया गा भा या जिला जाना जाहए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त आधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण मे, भे:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) आलक्षन रियल एस्टेट्स प्राईवेट किमिटेड, वेलहा बिल्डिंग, पत्रजी गोवा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रूपी श्रालबर्ट रांजेल मैयका बडो दी धार, इन्हास गोवा।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त रूपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कार्ज भी गार्डाप:---

- (क) इस सूचना ह राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविति या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविति, जो भी घवित काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिय द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे !

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदि का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-15.8/84--85 ता० 6--2--85) प्लाट नं० ए/२, 'श्रिगौंडा हालिडे होम्प'' जो बान्डोलिम, गोवा में स्थित है।

> श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी : सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 27-19-11985

मीहर:

प्रकृप: बार्ड: दी: ध्न: एस:

आयकर अधिनियम, 1961 (1963 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भगरत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ने।टिस नं० डी०/श्रार०-247/37 ई० ई०/ $84-85-4\pi$: मुझे श्रार० भारदाज

श्व क्यायक स्विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-1 है तथा जो भ्रगीडा हालिडे होम्स कान्डोलिम, गोवा सें स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दारवाड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 6 फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखिश्च में अस्तिक रूप से कथिय नहीं किया यथा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाशित्य में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राम धन किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिपा के लिए;

(1) श्रालकान रियक्ष एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड वेलहो बिल्डिंग, पनजी गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) सन्टाना क्शेवियर डाकास्हा सन्तारबाट, भियटेड, इलहास गोवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस त्याना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति इत्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकांगे।

स्वध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 157/84-85 तारीख 6-2-85) प्लाट नं०डी/1, जो ग्रगौडा हालिडे होम्स् जो कान्डोलिम, गोबा में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनाँक: 27-9-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बगलूर बंगलुर, विनांक 25 सितम्बर 1985

ि निर्देश सं०नोटिस नं० ग्रार० 1617/37 ई० ई०/84→85→

यतः मुझे झार० भारद्वाज

बावकार विधित्तवस 1961 (1961 का 43) (विसे इचके इचके परणात् 'उक्त विधित्तवस्' कहा पदा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह किस्ताव करने का जाएन है कि स्वावत्र सम्मरित, विचका उचित वाचार शृक्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रपामेन्ट सही -- 2 ई तथा जो कार्दी विलेज बगलूर में स्थित है (श्रौर इसचे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 3 मार्च 1985

ता पूर्विकत संपत्ति के ब्रियत बाबार मृत्य से कम में क्यामान प्रतिकत के तिर बन्दरित की नद्दें हैं और वृक्षे वह दिखाश करने का कारण है कि समापूर्वोक्त कमस्ति का बीवत वाकार मृत्य, उत्तले क्यामान प्रतिकास हे एसे क्यामान प्रतिकास में पन्नह प्रतिवत से विभक्ष हैं और बंबरक (बंदरकों) बीर बंदरिती (अंदरितियों) के बीच एसे बंदरण में किए दय पाया गया प्रति-क्या, निम्मविक्ति उद्देश्य से क्या बंदरण सिक्ति में बास्तिकः क्या से क्यान नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के जंबरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य जास्त्यां को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनवन 1922 है। 1922 का 11) वा अवत विधिनवन, या वध-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के इवोबनार्थ जन्यस्ति इवास प्रकट नहीं किस वा बाज वाहिए था, कियाने में

बतः बंबा, उक्त बीधनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिलत व्यक्तियों, अर्थीत् ए---

10-306 GI]85

(1) श्री श्रालफर्ड श्राँन्तोनी कौटिन्हो, कौटिन्हो लाड्ज, बॉलूर, मंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीकृन्दूर पुदेनवीडु जार्जनैन्न,

2. रेचल जार्ज (मैनर)

3. कुन्दूर पुदेन बीडु जार्ज (मैं नन) नं० 2 फ्रौर 3 के प्रतिनिधि श्री कुन्दूर पुदेन बीडू जार्ज नैन्न प्लाट नं० 502, सैंट लियो रोड़, बान्द्रा (वेस्ट), बम्बई-400050।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर जकत स्थावर सम्मत्ति में हिए-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के शक्ष विविद्य में किए वा सकने।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, जो उनके वीधीमवन के वभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होना को उन्न क्ष्माय में दिका नवा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1398/84-85 ता० 13-3-85)
श्रपार्टमेंट नं०टी-2 मा फ्लोर जिसमा नापना 925
स्केबर फीट, जो आर०एक०नं० 68/10 बी श्रौर 62/8ए में निर्माण हो रहा है जो ार्दी विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्राययम् सायुमैत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनौक : 25--9--1985

प्रकार मार्च _त टी.. एन ह <u>एस्..</u>=====

वाबकर न्यिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

बाइद बरकाड

कार्यांचय , सहायक आयक र नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, संगलीर

बंगलीर, दिनांक 4 ध्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46281/84-85---यतः मुझे स्रार**्भार**ाज

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सौर जिसकी सं० प्रार० एस० 91-1बी, टी० एस० नं० 81-1बी है तथा जो ग्रत्तावर विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीव रण मिबिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 6 फरवरी 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूसे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके रहयभान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का निक्क प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफक, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/का
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनिधा के लिए:

अतः अब, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं जकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिशिन्त क्युन्सिटिंग रुप्याम् :---- (1) श्री जारकात पुलकोर रामाचंद्रा प्रभु,
 प्रतिनिधिः कारकल पुलकेर जनार्दन प्रभु,
 कत्रेकटर्स गेट, बालमहा, मंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पेरदूर रामराया कामत, केयर/आफ हार्पोरेशन बैंक, रिजिनल झाफिस हासन, रिसैंडिंग एट के० श्रार० पुरम, हासन।

(अन्तरिती)

(3) श्री पेरदूर सुक्बाराय कामत,
2. श्रीमती पेरदूर रामा बाई,
वृन्दावन काम्पाउन्ड, बालमट्टा रोड़,
मंगलूर।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकायन की तारीब . हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति औ औ
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हों, के भीतर पृश्वाँकत
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुंदा प्रा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है 45 विन के भीवर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्मित द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास विवित में किए जा सकांगे।

स्थाबिकरणः --- इसमें प्रगृक्त कर्ना और पर्दों का, वो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1744/84 ता० 6→2→85) मम्पत्ति है जिसको सं० जार० एस० 91→1बी, टी॰ एस० नं० 81—1बी, जो श्रतावर विलेज, मंगलूर तालुक, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

^{दिनांक: 4-10-1985}

मोहर 🕆

प्रकृप बार्च , दी , धून , २३ , ------

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्तक) म्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 3 ध्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० नोटिस नं० 46562,84→85→-यत मुझे **प्रार० भारद्वा**ज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक्षे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

म्रोर जिसकी सं० 500 है तथा जी १ ब्लाम, जयानगर बंगलौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जयानगर में दिनांक 20 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शहय-मान प्रतिफल से, ऐसे रुखमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से निभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में ताम्तविक रूप मे

कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध्य की बाबत, उक्त मिथिनियम के मधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा ने लिए; नौर्/या
- (पा) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियो का. जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर **मधिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भग भा या किया जानी चाहिए था छिपान में भूरिया 🖷 लिए:

कतः कवः, तक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के जनसरण भं, मं उक्त अधिनियम की धारा 209-भ की उपधारा (1) के बर्धींग, निम्बसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री के ० वी० शंकर, नं० 585, 5 ब्लाक, जयानगर, बंगलीर ।

(भन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती के० एस० जयालक्ष्मी,
 - 2. श्री राकेश
 - कुमारी नक्सी (मैनरस), नं ० 696, 4 'टी' ब्लाक, 16 मेन 38 ऋास, जयानगर, बंगलीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षीप हु---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीय 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यविश्वयों स्चनाकी पामील से 30 दिन की अवधि , जो और जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हिस्बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकों में ।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का, को अक्त अधिनियम वो अध्याय 20-क में परिकाषित हैं वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया मया 💅 🕆

(दस्तावेज सं० 4569/84-85 ता० 20→2→85) सम्पत्ति जिसकी सं० 50 , जो 9 ब्लाक, जयानगर, बंगलीर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलीर

विनांक: 3~10-1985

प्रस्प बादौ की पुन् एस :------

नायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्धीप सुचना

भारत बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं०नोटिस नं० 46553/84-85→-यतः मुझे, झार०भारक्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृश्व

1,00/000/- रा. से अधिक है भीर जिसकी सं ० 140,40 है तथा जो 32-सी-कास, 4 ब्लाक पूरव, जयानगर, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध **श्रनुसुची में ग्रौर** पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 25 फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित मुभ्ते बह विश्वास करन का कारण कि यथा पुर्वान्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छद्यमान प्रतिफल से एसे ध्यममान प्रतिफल का पद्रह प्रतिद्यंत से अधिका 🗗 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्म्नालिसत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में धास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रास्त्र से हुई किसी बाद की राय्य, अवस् अभिनियन की स्थीन कर दोने में संतरक के दावित्य में कसी करने वा बससे द्वाने में सुविद्या के किए; में(र/वा
- (वा) वृष्टी कियी कान वा कियी व्याव का काम सारिता की, जिल्हें भारतीय नावक ह निनित्तम; 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धन-कर निधिनित्तम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था मा किया नाम नाहिए था, छिपाने को सुनिवा की सिष्टः

श्री के० टी० पलिनस्वामी,
 श्रार-38, एम० ग्रार० लेन,
 मनवरत्तपेट, अगलुर-53।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० ग्नार० उषा रानी, नं० 283, 2 मैन, 3 फेस, ज०पी० नगर, बंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना धारी कड़के न्वॉक्ट कम्परित के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं १,

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब सूच्या के एक्प्च में प्रकादन की वारीय के 45 दिन की सर्वीय का तत्संबंधी क्यक्तिमें पर सूच्या की तामीज से 30 दिन की सर्वीय को भी स्विध वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्य ध्यां करायों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)) बुख बुख्या को राजपुत्र को प्रकाशन को तारी कर 45 दिख के भी बुद उक्त स्थान्य सम्पत्ति को दितन्तुथ किसी अन्य स्थितितु बुवाय, अधोहस्ताक्षरी को पास तिबिक्त को किस् का सकों ने।

स्वध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, को सबस विधिनियम के वध्याय 20-क में पीरशाबिद हो, यहा वर्ष हागा को उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

(दस्सावेज सं० 4617/84 ता० 25-2-85) संपत्ति है जिसकी सं० 140/40, (पुराना सं० 149), जो 32-सी~कास, 4 ब्लाक पूरव, जयानगर, बंगलूर में स्थित हैं।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर भ्रायुक्त (निरी**क्षण**) भ्रजन रेंज, बंग**लूर**

नतः अम, उक्त मिनियमः भी भाष 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मीपनियम भी पारा 269-म की उपमाछ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :---

दिनांक: 3-10-1985

माह्य 🖈

प्ररूप आर्धः टी. एन. एव. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

नारत प्रश्चन

कार्तासय, सहायक शायकर शायकः (रिनर्शकण) अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगसूर, दिनांक 3 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46316/84-85--यतः मुझे, भार० भारकाज

मानकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का भारत हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार नृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 और 9/5 है तथा जे जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब द्व प्रनुसुसी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 15 फरवरी 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्स संपरित का श्रीचत बाजार मुख्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का जन्त्य श्रीतगत से विश्वक है और अंतरक (जंतरकों) और वन्तरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरच के निए तय पांचा गया शितफल, निम्निसिश्तर ज्वरदेव से जन्त वन्तरण कि निम्निस्तर ज्वरदेव से जन्त वन्तरण कि निम्निस्तर में वास्तिक क्य से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से शुरू किसी बाद की नावत, उत्तर वीधीनवन से अधीन कर दोने से वन्तरक से दासिस्य में कमी करने मा उत्तर्व क्याने में भूविधा से हिंतपुत्र बीर वा/
- (क) एंसी किसी बाम का किसी धन वा अल्ब आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्तने में सुविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिसित व्यक्तित्यों, अर्थास् सं——

- (1) 1. डाक्टर के० की० करना
 - 2. श्री रावहिनेया,
 - 3. श्रीकारतिक
 - 4. श्रीमती जानकम्मा,
 - 5. श्रीमती वसंता करना

नं० 9/1, जे०सी०रोड़, बंगलौर।

(भन्तरक)

(2) श्री एल० सुरेण मेसर्स बालाजी श्राटो टावर ट्रस्ट, नं० 20/1, कृष्णा रोड़, बसवनगृडि, बंगलूर।

(अन्सरिती)

को वह बुचना बाढ़ी कड़के पूर्वोक्त बंगरित के वर्धन के सिए कार्वमाहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति से शर्वन के संबंध में कोई भी बासांच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी व्यक्ति वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकती।

लाका किरण्य-इतमें प्रवृत्त वृत्त वाद्या थीर श्वी का_छ की उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिवा भवा ही।

बन्द्र्य

(बस्तावेज सं० 4664/84 ता० 15~2~1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 9, 9/1, 9/2, 9/3, 9/4 और 9/5, जो जे०सी० रोड़, बंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगस्ट

।दर्नाकः: 3⊸10−1985

मोहर 🏻

प्ररूप आई. टी. एन. एस. *----

भागकारु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनाक 3 अक्तूबर 1985

ान**र्देश सं०नो**टिस नं० 46563/84-85-- - यतः मुझे, **धार० भारहा**ज

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' 'हहा गया है'), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2156 है तथा जो 9 ब्लाइ, जयानगर, बंगलीरा में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 क 16) के ग्रधीन, दिनांक 20 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित को गर्छ हैं अतर मूर्फ यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बाज एक जिल्हा के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निलिसित उद्ववस्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्धरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्यक्त वचने में सुविधा के सिए∥ और्√या
- (क) एसी किसी आय या किया वन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतिरती द्वारा अकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था खिड़ाने में सुविधा के लिए;

बतः वष, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कं, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० बरदराजन, नं० 2, नंजामबा ग्रग्रहारा, चामराजपेट, बंगलौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एल० गोपालकृष्ण मेहि, नं० 757, 7वाँ कास, हनुमंतनगर, बंगलौर- 19

(धन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस क्याय में विया नवा है।

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 4572/84-85 ता० 20~2~1985) सम्पत्ति हैं जिसकी सं० 2156, जो 9 ब्लाक, जयानगर, बंगलीर में स्थित हैं।

> न्नार० भा**रद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, **बंगलीर**

दिनांक: 3-10-1985

प्रकृत साहुँ, हो, एत्, स्व ुल्लान

बावकर विधितिन्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीन त्यान

HIST TERMS

कार्याजय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

निर्वेश सं० नोटिस नं० 46397/84-85-यतः मुझे भार० भारद्वाज

बायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) (चिन्ते इसमें इसके प्रभात् 'उन्त निर्मानयन' कहा गना हैं), की भारा 269-च के अभीत सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, चिन्नका उचित् वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 22, 23, 23/1 और 24 है तथा जो बलाक नं० 11, कालेज रोड़, मिककिरि, कूर्य में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारीं के कार्यालय मरकेरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 फरवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के विष्त वाकार कृत्य से क्षय के क्षयकात करियम के सिक् क्यारित की गई है और जूने वह विश्वास करने का कारण है कि वसामुगेंक्त सम्मित का उीचत वाकार कृत्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से एंसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंस्त प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के सिए एवं पाता वका प्रतिकृत, जिम्नीविद्य उद्देश्य से उच्च कृतरण कि विद्य पाता वका प्रतिकृत कर से कांचित वहां किया गया है ---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जान की वावत उपस विधिनित्व के वधीन कर दोने के बुन्तरक लें बुद्धित्व में कमी करने या उत्तवे वचने में स्विधा के विष्: श्रीक्र/वा
- (क) होती किया बाव या कियी धन वा बन्न आहित्यमें करें, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन्कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नवा वा किया बाना वाहिए वा कियाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्मरण मूँ, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, नियमलिकित स्थितिकों, वर्षांत धे—

- (1) 1. श्रीमती के गंगम्मा मुत्तान्ता,
 - 2. श्रीमती पी० भ्रमकाक्वा श्रप्पामा
 - 3. श्रीमती पी० सींतम्मा गणपति
 - श्री पी० बोपन्ता सुबय्या और पी० श्रप्पाण सुब्बय्या (मैतरस) प्रतिनिधिः डाक्टर पी० एत० सुबय्या

- 5. सी० कि: दैराम और सी० संगीता **जयराम** (मैस्बर्न) प्रतिनिधि कोदान्डा जयराम सी० जयराम नम्बूरं एस्टेट, संप्रिकोणा पोस्ट
- श्रीसनी एक चिल्ल कृद्वाण्या, कैंगमोर एस्टेट, प्रातिबेडल किंग्स, यक्षिण कोडम् ।
- 7. श्रीमिति पिति जिट्टि देवय्या, पिट्टिकाड एस्टेट, हित्त पोस्ट, सुंनिटिकीण्या डाड:— प्रतिनिधि :—डाफ्टर पी० एत० सुबय्वा, नमकूर एस्टेट, सुंटिकोण्या पोस्ट, उत्तय कोडगु । (प्रन्तरक)
- (2) 1 श्री एन० ए० ह्लीम
 - 2. श्री ए र० बी० गैसुसीन
 - 3. िजाम्हीन जिहिषय
 - 4. के० एम० स्ट्रामिल
 - बेगम दक्षीमा क्वायुम,
 - 6. লুগিয়ে ভাপ্ত
 - 7. एप० एम० फैइन,
 - 8. श्रनीया वर्नाट
 - भैरा क्वायूम, प्रतिनिधि :—श्री निजामुद्दीन लिहिक्य, लन्दाललाङ एस्टेट । (श्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके प्यांक्त संपत्ति के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

बक्त संपरित के बर्धन है काने में काहें भी बाक्ते :---

- (क) इस स्चान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि कार्य में अगण्य होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तिराण में में निकासी स्थिकत ब्वाहा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्लाग अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा एकोंगे।

अन्सूची

(दस्तावेज मं० 1075) 84 नारीख 11-2-1985) सम्पत्ति हैं नि की भं० नवीं० 22, 23, 23/1 और 24, जो ब्लास-11, भानेन रोड़, महिकेट, क्र्म में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी १९४२ शायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 4--10--1985

भक्त बाइ^र्टी, दुनं, एवं . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

TIES STAIR

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (विहासिक) धर्जन रेज. बंगलीर

बंगलीर, विनांक 3 श्रम्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रार० 1546/37 ई० ई०/84--85--यतः मुझे श्रार० भारकाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आहण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, विस्ता उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं शाप नं ए ए हैं तथा जो 84, जे सीं रोड़ बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपावज धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2 फरचरी 1985

को पूर्वोवत सम्परित के उणित वाबार मृत्य से कम के अध्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्नोंक्त संपरित का उणित वाबार मृत्य इसके श्रव्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से विधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्व पादा कवा प्रतिफल निम्निसिवत उद्वदेश से उक्त जन्तरण निवित्त में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया कथा है है

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, उसत विधिनियम के बधीन कर धेने के सम्बद्ध के विधित्य में कमी करने या उससे बचने नो सुविधा के बिए: बॉर/बा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बाहिसवों को, जिन्हों भारतीय अध-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनयम वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया सवा था या किया वाना चाहिए चा, कियाने में स्विधा के सिए;

कतः वश्व, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की वन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिति व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) मितिण एंटरप्राइजेज. 1-2, I फ्लोर श्रृगार णापिंग सेन्टर, 80 एम० जीं० रोड़, बंगलीर--560001। (श्रन्तरक)
- (2) मेससे पापन्ना चेट्टियार और बच्चे, श्री पी० तन्गवेलु और श्री पी० कुन्गुमराज नं० 2, ए० एम० रोड़, बंगलूर-560002 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्यत सम्मिति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् :---

- (क) इस स्थान के प्रवास में प्रकासन की ताडीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी स्वधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्वकानिकरण: -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्षि--भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, वा उस अध्याय में विधा गया है।

वंगस की

(बस्तावेज सं० 1374/84-85 ता० 2-2-1985) शाप प्रिमिक्सि नं० ए 5, मिनश टावर नं० 84, जे० सी० रोड़ में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज सञ्जय प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगल र

दिनोक: 3--10--1985

त्रक्ष बाई. टी. एत. एस., ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (१) के बधीन मुख्या

नारुत वरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1985

निर्देण सं० नोटिस नं० श्रार० 1547/37 ई० ई० स्थाः मुझे श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० वीं 7 है तथा जो 84 जे० सी० रोड़ बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबक्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉणत हैं), रिकस्ट्रीयर्सी अधियारी के सार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीयरण अधितियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, विवास 2 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यभान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्सह प्रतिकात से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्नलिसित उद्दश्य से उक्त अन्तरण जिम्लिन में एम्निक कृष्य में कृषित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं रायित्य में कभी अपने या उगमे वचने में अधिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सार्था के निए;

- (1) मेनर्स मिन्स एंटरप्राद्दगेल,
 1-2, पिन्तर श्रंगार णापिम मेंटर,
 80, एम० जी० रोड, बंगलूर--560001 ।
 (ग्रन्तरः)
- (2) श्री विताल एस० वतीजा सुन्दर आस्पलेक्ष्म, आरमुगम मोदलियार रोड़, कलासिपालयम न्यू एक टिणन, वंगलूर--560002 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जजर क भनः कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आशंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 विन की अवधि या तत्यंवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भे जुन्हीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) वस् सुम्बा के राज्यक के प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बहुष किसी बन्य क्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के यात सिचित में किए का सकीये।

स्पाक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधि डीमा. आ उस अध्याय मी जिया तर डिंडी

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1357/8½ 85 ता० 2~2~1985)

शाप प्रिमिक्दि नं० बीं-7, मिनश टावर जो नं० 84, जे० सी० रोड़, बंगलूर-2 में स्थित हैं ।

स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगक्र

दिनांक: 3-10-1985

माहर :

प्रकल नाई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रार्तन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां ह 3 श्रक्तूपर 1985

निर्देश सं० नोटिय नं० कार--1585/37 ई० ई०/81--85-- -यतः मुझे श्वार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी गं० एव--2 है तथा जो 7 फ्लोर, मिनश टावर, 84, जे० मी० रोड़, बंगलौर--2 में स्थित हैं (और इससे उपाबंख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री गर्ना ग्रिधि-राशी के एपर्यालय बंगलौर में रजिस्ट्री-जण प्रधिनिरम 1908 (1908 एन 16) के अधीज, दिनों : 21 फरवरी 1985।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यप्रान प्रातफल के लिए अन्दोरत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन आर दीन के अंतरक क हाधिक में अभी अरम या उससे बचने में स्विधा र रेरण: और/बा
- (सी किसी क्षाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों जो. जिन्ही भारतीय आगळार अभिनियम, १९५५ (1922 का 11) या उक्त अधिरिया, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गढा था जा शिक्य अन्त अधिरुष् था व्यापन प्रवाद का व्यापन के सिए;

जत: अब, उक्त जिभिनियम की भारः 269-ग क जनसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (१) ﴿ ४५१२ ोजारी सिवत क्यांजिलस्यों अर्थात्:--- (1) मेसर्स मनीश एंटरप्राइजे द,
 1-2, श्रृंगार शादिंग सैंटर,
 80, एम० जी० शेंड, बंगलींर-1

(अन्तरःं)

(2) श्रीमती संचिता गोवन्ता, केयर/श्राफ के० एव० राजगारिचा, वी-38, ग्रेटर कैयाण, गई दिल्ली 48।

(श्रन्तरित*ः*)

को यह त्या बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यिक्तियों में सं किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाशर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ हाँगा भी उस अध्याध मा दिया नवा है (1)

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1380/84 ता० 21-2-1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० एच-2, जं: 7 प्लार, मनीण टायर, 84 जे० सी० रोड़, बंगलीर-2 में स्थित है।

> ग्रा२० भारताज सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 3-10-1985

श्रकप आव्". टी. एत. एस. ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभार

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक **जायकर जाज्क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अक्तूबर 1985

निदेश सं० नोटिस नं०श्रार०-158 6/373इइ/85-86---श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यकं गरबात् 'उथा अधिनियम' कहा गया है), की **धारा** 269-स के त्यीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिस्तकी सं० प्ताट ने० वी 2 है, सथा जा मिल्तकहा ाद्रि, मंगलुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्दीनःरण श्रधिनियम 1908(1908 ा 16) के प्रयोग, तारीख 21-2-85, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ज्या विश्व आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिल्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाम जाहिए था, स्थिमने में स्विभा के सिए;

क्षतः वदा, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुस्त्रण हो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीनः निम्निकित्वत व्यक्तियों. वर्षात ४-- (1) श्रो एम० प्रभाकर कामत ग्रांर श्रीमती जयश्री एम०, बिहैंड रोज कोटे, नियर बेनदूर वेल, क्रांगाडि, मंगलूर-2।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री उल्लान नारासण किनि स्रौर वेंगटराया िनि उल्लाल, वि-2, कविता श्रयारटमेंटस, मल्लिकट्टा, कद्रि, मंगलूर-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पैर स्वान की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पटि-भागित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं पृथ्**धी**

(दस्तावेज सं० 1345/84, तारीख 21→2-1985), प्लाट नं०बी-2, दाविता श्रभारटमेंटस, मल्लिकट्टा, कद्रि, मंगलूर-575002, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

नारीख: 3→10-1985

प्रकथ बाई.टी.एन.एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 46239/84-85----- प्रतः, मुझे, फ्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एसं० 73, 25 है, तथा जो अंबलपाडि विलेज, उद्दुपि तालुक में स्थित है (श्रांप इस से उपाबढ-श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधन नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिष्वल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विदवास करने का कन्रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उगित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल सें,

एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं गया है।——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी भः या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्थ के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् — डाक्टर ए० भास्कर राव,
 प्रोफेसर आफ युरोलिंज, मुझि-सेड,
 ग्रसावर, मंगलूर-1।

(भ्रन्तरक)

श्री बी० रगुरामा सेट्टी,
 व्यापारी, ग्रंबलपाडि, उडुपि ।

(अन्तरिती)

- 3. (1) श्रो श्रोदर शेट्टी, डी॰नं॰ 4-1-18, अंबल पाडि उडुपि
 - (2) श्री के० नरिसहा पै, डी०नं० 4-1-19, श्रंबलपांडि, उड्पि।
 - (3) श्रो के० गोपाल मारकला, डी०नं० 4⊶1⊶19ए, ग्रंबलपाडि, उडुपि। (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधमोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 184 /84, तारीख 15-2-1985) सम्पति है जिसकी सं० एस०-73, 25, जो प्रवल पांडि विलेच उडुपि तालुक में स्थित है।

> श्वार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

नारीख : 6- 9-1985

मोहरः

अक्य कार्द्र¹. टी., एव., एक.,------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांदः 6 सितम्बर 1985 निर्देण सं० 46245/84-85⊸-श्रतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बाग्यान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार०एस०-425/ए, टी०एस०नं० 701/ए है, तथा जो तोटा विलेज, मंगलूर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 13-2-1985,

को पूर्वा अत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेयित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्तिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरन ते हुई किसी बाय की वायत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा अं निष्_{टि} बाँडि/या
- (ज) एसी किसी बाय या किसी धन वा करूप श्रास्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिन्पाने के सुविधा के जिन्हे;

जतः जब, उक्त ज्यिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वि, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अहं जधीन_{ार} निम्निजिचित् व्यक्तियों, जबति करा (1) (i) बी० श्रहिल्या बाई,
 (i) श्रीमती यमुना देवी, नं० 110,
 ांक्षस्टेबन रोड, मद्रास-23।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैयद जुबीर णाह, एस०एम० णाह के पुत्र, ाईम काम्पाउन्ड, बोलार मैन रोड, मंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अञ्च का लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त हांती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी शन्य व्योचित द्वारा अधाहरताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीक हुण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

(दस्तावोज सं० 1785/84, दिनांक 13/2/85) संपत्ति है, जिसकी सं० श्रार० एस० 425/ए, टी॰एस॰नं० 701/ए, जो तोटा विलेज, मंगलूर सिंट में स्थित है।

ग्रार० भारबाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,बंगल्र

नारीख: 6-9-1985

-ोहर 🛮

प्रकथ बाह् दी एन एस

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 13 सिनम्बर 1985

निर्देश सं० 46324/84-85---ग्रतः, मृझे,

श्चार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकां उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं 1198 है, तथा जो 100 फीट रोड, एच०ए०एल०-II स्टेज एम्सटेंशन, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के स्थीन, तारीख 7-2-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बह्यमान प्रतिफल से, ऐसे बह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ना-लिकिन उव्हेश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्था अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यारक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; जाँग/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 11) या उकत अधिनियम, 21 धनकर अधिनियम, 21 के प्रयोजनार्थ अन्ति विद्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैसर्स सनाक्ष प्रसोसिएट्स, प्रतिनिधि: श्रीमृती लक्षम शङ्ख्य स्रौर कुछ लोग, लाबेल्ले हैटस, लाबेले रोड, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा जें०, हिन्दुजा, नं० 211, ग्रमर पैलेस ग्रारचर्डस, बेल्लारि रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, को और अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृद्धिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया त्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं०-3372/84, तारीख 7-2-1985), संम्पत्ति हैं, जिसकी सं० 1198, जो 100 कीट रोड, एच० ए०ए न० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित हैं।

म्रार० भारद्वाज गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

सारी**ख** : 13- 9- 19**8**5

माहर :

प्रकम बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

बारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० नोिटिस नं० 46367/84-85⊸- प्रतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चा करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 25/65 सि है, तथा जो नजरबाद मोहल्ला, लिलता महल रोड, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-2-85,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेक्यों से उक्त बन्तरण निविक्त में यास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त किथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षीर/या
- (फ) एसे किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीराः जिल्लाकिस व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) श्रीमती मीनाक्षी सेट्टी,
 प्रतिनिधि : एस० बालकृष्ण सेट्टी,
 नं० 119, राजमहल विलास एक्सटेंसन,
 बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिनय कुमार मालू,

"श्री निकत", नं० 11, श्रालिपोर रोड,
कलकत्ता-27, प्रतिनिधि:श्री एस० के० कुमार,
केयर/श्राफ एशियन केबलस कारपोरेशन लि०,

51/ए, रिचमन्ड रोड, बेंगलूर-25।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- स्थातर सम्पत्ति में हित- स्थातर सम्पत्ति में किस कन्य व्यक्ति स्थार, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पथ्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिना गया है।

वनसर्वी

(दस्तावेज मं० 6138/84, तारीख 20-2-85) सम्पित है, जिसकी सं० 25/65-िस, जो नजरबाद मोहल्ला, लिता महल रोड, मैसूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलुर

तारीख: 16-9-1985

शुक्रम् कार्<u>ष.</u> टी. एन . एस .- - - -

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक कायकर वास्वस (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश से० नोटिस नं० 46523/84-85——अनः, मुझे, श्रार० भाग्द्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके यहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य .,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-19 है, तथा जो यादविगिरि एक्सटेंगन मैसूर में स्थित है (और इसमे उपाधक श्रनुमची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24-2-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तर्शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिक में शस्तिवड रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) मस्तूरण से हुन्द किसी बाय की बावत , उक्क वृधिनियम के जभीन कर दोने के ब्रन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे प्रचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों कार्य, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए;

सल. जब, उक्त ऑभिनियम की भारा 26**9-य के बन्हरण** रें, डें, जक्त अधिनियम की धारा 260-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯——

- (1) श्रीमती बि० जयाम्मा (2) श्रीमती निलिनि रामाचदा, (3) श्री डी० जी० प्रमोद,
 (4) श्री बी० के० श्रानंदा, नं० 237,
 XII क्रास, होंबेगौडानगर, बेंगलूर ।
 - (म्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रार० वेंकटेश, भागस्त : मेसर्स : साम्बारम कारपोरेशन, नं० 28, I मैन रोड, जथामहल एक्सटेंशन, बेंगलूर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इत सूचना कं राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारों।

स्यख्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, ब्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुपुर्य

(दस्ताबेज सं० 630 /89, तारीख 24-2-1985) सम्पत्ति है, जिसकी सं०डी०-19(136), जो यादविगिरि एक्सटेंशन, देवराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> श्रारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 13-9-1985

मोहर 🖫

आरूप आर्ड्, टी.एच.एस.

आयक्षर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 को पारा 269 घ (1) के अधीन सूचा

भारत सरकार

आर्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अंगल्य

बंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश मं० 46556/84-85—स्प्रतः, मुझे, स्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हो

और जिसकी सं 20/5 है, तथा जो ण्यंतिनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण छप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम् 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1985

कां प्वाकः। सम्पत्ति कं उचित याजार मन्य स कम कं रत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती /अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिचित्त हैं क्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक है. दादित्व में कभी करने या उससे बचने में, सृविधा क 'लए; बार/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या गेमा अधिभियम के जिन्ह कर अधिनियम, 1957 (1957 का राज्य प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हाने में मुख्यि के लिए:

गतः अब, ंक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण माँ, भौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधान (1) कः क्षणीन जिल्लीका, व्यक्तियाँ, अर्थाल :--- (1) श्रीमती कातून बेगम,
 नं० 4/1, सेंट्रल स्ट्रीट,
 श्रिविकानिम्मानहत्त्ल, बेंगलूर-27।
 (श्रन्तरक)

(2) श्री बी० श्रीनिवासा मूर्ति; नं० 1155, 26 मैन रोड, IV "टी" ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पान्टीकरणः—हममं प्रयुक्त श्रम्बाँ और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया त्रमा ही:

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 4640/84, तारीख 27-2-1985) खाली जगह है, जिसकी सं० 20/5, जो ग्रक्तिनिम्मानहल्लि, गांतिनगर, बेंगलूर-27, में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंग, बंगलर

नारीख . 17--9--1985 मोहर : प्रकप बाइं. टी. एन. एस.

नाय- स्टब्सिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन स्थाना

भारत चहुकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्तिक)

श्रर्जन रेंज बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश मं० नोटीस नं० 46568/84-85---ग्रतः मुझे, भार० भारद्वाज

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), जो कि धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पणि, जिमका जिलत बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1687 है, तथा जो XV मैन, बनशंकरि Π स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधकार। के कार्यालय जयानगर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14-2-1985.

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाकार मूस्य स कम के ६२४मान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह व्यवसास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६६४मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नतिचित उद्वोध्य से उच्त अंतरण लिकित में वास्त-विक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (♥) बन्तरण वे हुर्द्द किबी बाय की दावत. उन्हें वीधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वें करियम में कमी करने मा उग्नस अवने में सविधा के सिक्ष; बॉर/बा
- (७) एंसी किसी बाय या किसी भन या कव्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग बाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

चतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों अधार्त :—

(1) श्री एप०एम० रामाचन्द्रा, नं० 358, 37 कास, V ब्याक, जयानगर, बेंगलूर-11।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी अएस अ जयाप्रकाण,
 नं अ 1692, XV मैंन, यनशंकरि II स्टेज,
 बेंगलूर-70 ।

(3) प्रतिनिधि : डाक्टर बी०एन० एम० मूर्ति,
 11-1/250, सफदरजंग एनक्लेब,
 स्प दिल्ली-29।

. (बह व्यक्ति जिसके, श्रधिभाग में संपत्ति है)

का यह भूचना जारी करक पृवक्ति सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

अकत सम्प्रांत को अर्जन को सम्राध में काहि भी आक्षेप देन -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ' 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में में विक्षी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन के भोनर उपत स्थावर सम्पन्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए **आ सकों**गे।

स्पक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

श्रन् सूची

(दस्तावेज मं० 4510/84, तारीख 14-2-1985), खाली जगह है, जिसका मं० 1687, जो XV मैन, बन-शंकि II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है।

> स्रार० भारक्षाज जलम प्राधिकारी महायक आयकर आपुक्त (तिरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 17-9-1985

ग्रम्थ्य आहा. टी. एन. **एस.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-च (1) क **तथी**न स्**य**ना

मारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलीर,

वंगलौर, विनां : 19 नितम्बर 1985

निर्देण सं० सीटिस नं० 46566/84-85---श्रतः मुझे, श्रार० भारदाज,

आयदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पद्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 890 है तथा जो XX मन, IV 'टी' बनास, जयानगर, बंगल्य में स्थित हैं (और डार्स उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजर्स्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तार 13-2-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान अलिका के लिए अन्तारत को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिस्का से, एसे स्वयाम प्रतिस्का का अध्यक्त कार अंतरक (अन्तरकार्वे) और अन्तरकार अधिक है और अंतरक (अन्तरकार्वे) और अन्तरिकार से लिए स्वयमान प्रतिस्कान, निम्निकार उक्वेस्य से उमत बंदरक किया गया प्रतिस्कान, निम्निकार सुनी किया गया है क्रया

- (क) जन्तरण से हुए किली आप की बाबरा, उपस अधिनियम के सधीन कर दोने के जन्तरक को बाबिरद में ककी करने या उत्तर क्याने में त्विधा के लिए; और/या
- (क) गुनी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियों ता क्षेत्रकों भागतीय आय-अर अधिनवम, 1922 (1922 का 11) या अपन पाउपल्यम, या अपन्याप शोधनियम 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् :— (1) श्रीमती टी० के० इंदुमति, नं० 1-ए, III कात नागण्या ब्लाक, प्यालेन गुट्राहल्लि, बेंगलूर ।

(प्रन्तरक)

- (2) (1) श्री हुसैनि
 - (2) श्रीमती नफीसा,
 - (3) श्री फरहद,
 - (4) श्री श्रिकिश, केर/श्राफ मैंसर्स एिसपन कारपोरेशन, नं० 86, एन० श्रार० रोड़, पी० बि० नं० 6760, बेंगलूर--2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्मित् के क्यंत् ने संबंध में कोई भी बाधीप ह

- (क), इंग्रं सूचला के उप्रचयन में प्रकाशन की तारीश लें, 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी वर्षा बाद में संयोप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (य) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 विद के श्रीज़र उच्का स्थावर सम्पत्ति में दित- वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा, वृश्रीहस्ताक्षरी के साथ शिवित में किए जा सकेंचे।

स्पन्धीनरम :---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उपच अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ग्रनुमूची

(दस्तावेज सं० 4506/84 ता० 13/2/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 890, जो 🛣 मैन रोड़, IV 'टी' ब्लाक, जयानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 19-9-85

मोहर 🤢

.=___

प्रकार बार्च . टी. एम. एम् -- -----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० 46434/84-85--अतः म्हे. श्राप्त भारदाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी संख्या 7/15 है तथा जो तप्तराहिल्लिबलेज, बंगलूर उत्तर तालुक में स्थित हैं (और इस से उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख़ 9-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह जिल्लास करने का जारग है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मू एनके दृश्मान प्रतिफल में. ऐंडे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह्मितिश में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणीं) के बीच ऐरी अन्तरफ के लिए तय पाया नया विकास किन्निवित उद्देश्य से अन्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक अप के चित्रत वहीं किन्ना गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मध्यित्यम के अधीन कर दोने **सी ज**न्तरक के दायित्व में कभी करने या **बससे बचने में सुवि**धा के निए: **शीद्ध/वा**
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण वा या किया आना चाहिए था, छिपाने में निविधा विकार और वारी/वा

भतः मन, उस्त विभिन्तियम की भाध 269-ए के अनुसर-भों, मीं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- (1) श्री एम० डी० कृदवा,
 डायरेक्टर मै०:-जै भारत मिल्प प्रा० लि० सिडीकेट हाउथ, मित्राल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं०:-इंडस्ट्रियल केण्डिट और इवेल्पमेंट निडीकेट लिमिटेड, मैनेजर:- श्रीं एम० श्रार० नीलकंटन, नं० 1-एफ०, संजीवन अपार्टमेंटन, 219, राजमहल विलास एक्सटेंगन, बंगलूर--80।

(अन्तरिती)

(3) मैं-भं इंडियन टिवस्ट ड्रिलन प्रा० लि० नं० 35, चित्तारंजन ग्राविन्य, एल इत्ता-12 एम० डी० श्री एन० बी० रामन (बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के मध्वन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अर्थोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

वन्स्ची

(दस्तावेज मं० 4873/ः4 ना० 9-2--85)
सम्पत्ति हैं जिसमा सर्वे मं० 7/15, (सी-9), जो
तफ्षेराह्लिय बिलेज, बंगलूर उत्तर नाल्ः में स्थित हैं।
ग्रार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 1-10-85

प्ररूप बार्ष्ट हो एन एस ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सहकार

कार्याक्रय, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगतूर, दिनाह 3 श्रक्तूबर 1985 िर्देण संव नोटिश नंव 46631/84-85--प्रतः मुझे, स्रार्व भाष्ट्रात्रः

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 286/84 है तथा जो XI काम, विलयन गार्डन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में औ: पूर्ण क्या में वर्णित है), पिएस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीन, तारीख 2/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसक कारणन पांतफाय में, गुम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अर्तारितयों) के बोच एस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्हीरिचन उद्देश्य में उच्न अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क्ष) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।
- ्रजनः तबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-नं के अनुसरण में औ, उद्या अधिनियमं की धारा 269-नं की उपधारा (1) क अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री नक्ष्मणदानः
 - (2) श्री चतरबुज (3) श्री माववादाम,
 - (4) श्री रामाचन्द नं ० 17, सिन्दि गोल कालानी जयाचाराजेदा राह, वंगलूर ।

(श्रन्तरक)

(2) (1) श्री के० दे० मुबरवाल, (2) श्री गुरुप्रीत सिह (मैतर) रेप्रासेटेंड वाई श्री जोगिदर तिह, तं० 27, XI क्राम, विलयन गार्डन, बेंगलूर,

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीवित सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 4708/84 ता० 2/85) सम्पत्ति है जिसका सं० 286/84 जी \mathbf{X}^{I} , कास विलयत गार्डन, बंगलूर में स्थित है।

श्राप्य भार**डाज** पक्षम प्राधिकारी महायण श्रायकर पापुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेज, **बेंग**ल्र

तरी**खः** मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 465**89**/**84**--**85--**--श्रत : मुझे, श्रार० भारद्वाज,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 133/23 है तथा जो रेलवे प्यारालाल रोड़, नेहरू नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-3-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब . उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन .. —

- (1) श्री बै० एस० सुरेत्वर, प्लाट नं० 105, हीसला ग्रपार्टमेंट्प, क्षिग्रहम क्रिसेंट रोड़, बंगलूर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गौतमचंद, नं० 2, मारम्मा टेंपल स्ट्रीट, बंगलूर । (ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज स० 3981/84 ता० 28/3/85) सम्पत्ति है जिसहा सं० 133/23 (भाग), जो रेलवे प्यारालाल रोड़, नेहरूनगर, बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारताज स्क्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज, बंग**लूर**

नारींख: 30--9--85

पाहर :

इसके बाड . सी. एन एक . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4/3) **की धारा** 269-প (1) **क अधीन स्पना**

भारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलू*र*

बेंगलूर, दिनाँक 30 सितम्बर 1985

नोटिस नं० 46586/84-85-यतः मुझे, **ग्रार**०

भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिसका स्व 133/23 हैं तथा जो रेलवे प्यारलल रीड, नेहरू नगर बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणित है). रिजर्ड़ी करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-3-85

का पूर्वाक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों का सम्मत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्देश्य में उत्तर अतरण निम्नित से सम्मतिक क्य में किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाय की बाबत उक्त ब्रोधिनियम के अधीन कार दान के अतरक क दासित्य में कामी कारने या उससे रचने में सविधा के 1 जार, ब्रौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थियां का, जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम 1000 (1922 का 11) या उद्यत अधिनियम 500 अनकर अधिनियम, 50 अनकर अधिनियम, 50 अनकर अधिनियम, 50 अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अविकित द्वारा प्रत्येट नहीं जिल्दा गया था या फिया जाना चाहिए था क्रियान के सिए;

भतः अब, अब्द ऑधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निगनीलिसत व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्रो वै०ए १० सुरेन्द्र नं० 133/23 रेलवे प्यामलाल रोड, नेह्हनगर, बेंगलूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रः मास्टर किशोर कुमार, रेप्रामेटेड बैं:---श्री अशोक कुमार,' नं० 4/5 VI क्राम, आर०टी० स्ट्रीट, बेंगलूर I

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रक्ति सम्पत्ति क अथन के निध कार्यवाहियों करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 ध्यों कनयों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

थम्थुमी

(इस्तायेज सं० 3947/84 ता० 25-3-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 133/23 (भाग), जो रेलये प्यारालाल रोड, नेह्यनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीखाः 30-9-85 कोजर

मोहर.

ं प्रारुप आर्घ .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) -श्रजीन रोज, बंगल्र

वंगलूर,दिनाँक ३० सितम्बर, 1985 नीटियनं० 47196/84-85---यनः मुझे, स्रार०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं । 133/23 है, तथा जो रेलवे प्यारेलाल रोड, नेहरू नगर, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रोर इस से उपाबढ़ अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रास्त, हारीब 28-3-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्होंरत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किशन नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उबत अधिनियम, या मनकर श्रीविन्नक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्नाभ अन्तरिती दुशरा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना नाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (ग के अधीन , निम्निलियित व्यक्तियों , अर्थात् :— (1) श्री वीरु एपण सुं त प्लाट नं जा 105 हमामा ज्ञास द्विनेद्या, किन्तमहाम किनेट, बेंगलूर।

(भ्रनारक)

(2) श्री मनोहर कुमार (मैनर), प्रतिनिधिः श्री चंपालाल, नं० 41, नहरू नगर मेन रोड, बेंगलुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिक्सों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुषुषी

(दस्ताविज मं० 3982 ता० 28-3-85) सम्पत्ति है जिलका मं० 133/23, (भाग), जो रेल्ये प्यासलाल रोड, नेहरू नवर, बेंग्यूर, में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) स्रजंत रेंग, बेंगलूर ।

नारीखः: 30-9-1985

मोहरः

प्रक्य बाइं.टी.एन्.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नायकत (निरोक्तन)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 30 सितम्बर, 1985

नोटिस नं० 4634/84-85--यनः मुझे श्रार० भारद्वाज

नायकर निभिन्न , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अभिनियम' सन्हा महा है), की धारा 269-क के अभीध सक्षम प्राधिकारी को सन्ह मिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्मतित, जिसका उमित सामार मृत्य 1,00,000/- रा. हो निमक है

श्रौर जिनकी मं० 22/3 है, तथा जो हु लिन्स रोड, 3 कास, बेंगजूर में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 15-2-1985

को पूर्वाक्त अञ्चिति के विचित्त बाबार भूत्व से कन के दरवमान प्रतिकार के लिए जन्तिरत की नई है और नुके वह विकास करने का कारण है कि वध्यपूर्वोक्त तथ्यित का उचित बाबार गूरव, उतके दरवमान प्रविक्त से, एते दवनमान प्रतिकाल का वस्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और जन्तरक (अस्तरका) और अस्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तब पाता नवा प्रतिकृत, निम्निविद्य उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिक्ति के बस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या जबसे बचने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

- (1) श्रोमती डाफने बेपशन
 - (2) जेनिफर एडवर्डस,
 - (3) फैत लग्नाकारकजा,
 - (4) इ० जी० बेनगर्म,
 नं० 22/3, हुचिन्म रोड 3 काम
 सेंट नामम टाउन
 बेंगनूर-84

(अन्तरक)

(2) श्रानिरमल डी० बी० पवमानी (2) श्रोमती कृता पवमणि नं० 35, हृजिन्य रोड, एक्सटेंशन, बेंगलूर

(ग्रन्तरिती)

का धार स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविध, को भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (स) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य काकित स्थान सभाहत्ताक्षरी के पास निधित में ते किस वा सफोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रणुक्त कर्को और वर्षों का, को अक्स अधिनियम, को अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तात्रेज सं० 3508/84 त्रा० 15-2-85) भम्मत्ति है जिसका सं० 22/3, जो हुचिन्स रोड, 3 क्रास, बेंगलूर, में स्थित है।

> न्नार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 30-9-85

मोहरः

प्ररूप आह . टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लगीन स्वता

मारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनॉक 30 सितम्बर, 1985

नोटिस नं० 46578/84-85--यतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के कधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० 133/23 है, तथा जो रेलवे पैरालन रोड नेहरूनगर, बेंगलूर में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध स्नृतुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख 20-3-85,

को पूर्वीयत संपरित के उषित बाजार मून्य से कुम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पर्तित को उषित नाजार मून्य, उसके स्व्यमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतियत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिर्ति (अन्तरिंशियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति जिल्ली सिंश्वा उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखन पे प्राप्त कि किस कर में प्राप्त कर से स्वर्थ में प्राप्त कर से से प्रतिक्त के प्राप्त कर से स्वर्थ में प्रतिकृत के स्वर्थ में प्राप्त कर से स्वर्थ में प्राप्त कर से स्वर्थ में प्राप्त कर से से स्वर्थ में प्रतिकृत से प्राप्त कर से से स्वर्थ में प्रतिकृत से स्वर्थ में स्वर्थ

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाम की नानत, जक्य अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (स) एंसी किसी बाय या फिसी धन या अन्य आरितयों कता, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत. अक. ७७त. कॉधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जन्मरक के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चात् ३ (1) श्रीली०ए०० सुरेन्द्रर, फ्लाट नंज 101. हौतला श्रपारटमेंट्स, कट्टिंगहाम क्रिसेंट रोड, बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल ग्रीर श्रीमती भाँता वाई केयर श्राफ० भा० भोहनलाल, मुखेशकुमार, ग्रीएकां० कपडे व्यापारी, ए०एम० लेन, चिकपेट, कास, बेंगलुर-53 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पन्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्व 45 दिन की सर्वीभ सा तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स अविक्तमों में से किसी स्पन्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयव्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा नशाहम्ताक्षरी के पार किसा का को किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित री,

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3900/84 ता० 20∼3−85) तम्पत्ति है जिसकी सं० 133/23 (आग), जो रेलवे रैरेलन रोड, नेहर नगरबेंगनूर, तें स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, बंगलूर

नारीख: 30-9-85

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

ब्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजि, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 मितम्बर 1985 🕆

निदोण सं० 46323/8 4--8 5-- -पन:, मुझे, स्राप्तः भारहाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीरिजिसकी नेष्य। 23 ग्रीरि 23/1 तथा 75/1 है, तथा जो दानिश्यन स्ट्रीट ग्रीरि डिसपेन्परी रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसके उपावक अनुसूची में ग्रीरिपूर्ण एप से थिणत है), रिजिस्ट्री उरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधिन तरिख 6--2--85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्षम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की पर्च है और मूक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिष्ठत सं अविक्र और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ्कः) अन्तरण त हाई किसी भाग और बाबता, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एरी िस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा क निक्ए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- मैसर्स वी० सी० फेवरंट शाप,
 नं० 23/1, यमशियल स्ट्रीट,
 बेंगलूर।
 - (1) भागस्तः -- श्रीमती पूर्णिमा वाशदेव,
 - (2) श्री वी० सी० प्रकाश, नं० 75/1, डिसपेन्सरी रोड, बेंगलूर। (अन्तरक)
- 2 (1) श्री दयाराम तन्मल चत्तलानि,
 - (2) श्री मनोहर दयाराम चत्तलानि, नं : 44, कास, बीजर रोड, क्यास टाउन, बेंगलूर
 - (3) श्रीमति आणादेवी चेल्याराम कृपतानी,
 - (4) बैजु चेरुवाराम कृपलानी, नं० 9-17, ग्रन्म हैटसू, 15 --प्रन्मरो**ड**, सिमपूर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

(दस्तावेज सं० 3370/74 ता 6-2-85) सम्पत्ति है जिसकी सं० 23 श्रीर 23/1, जो कमशियल स्ट्रीट श्रीर नं० 75/1, जो डिसपेन्सरी रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> म्राप्त भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजनरोज, बंगलुर

नाराखि: 30−9⊸85

म्रोहर :

प्ररूप आहू¹.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलुर

बंगलूर, दिनांवः 30 सितम्बर 1985

निवेश सं० 4638 4/8 4-8 5--- मतः, मुझे, श्रार० भारत्राज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

त्रौर जिसकी सं ० 122/13 श्रौर 122/14 है, तथा जे। केगेरि विलेज, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध श्रनृसूची भें श्रौरपूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री उरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डाक्टर एन० शारदा देवी,
 658/1, सज्जन राव रोड,
 वी०वी० पुरम,
 बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैससं :---एलेक्ट्रोहामस प्रा० लि०, 205, स्टाकि रोड, श्रप्पर प्लेस ग्रारचर्ड, बेंगलुर-80।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 7337/84 तारीख फरवरी 1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 122/13 फ्रीर 122/14, जो कोंगेरि विलेज, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रोज जंगलर

दिनान : 30-+9 · 85

भाहर 🛭

प्ररूप वार्चः टी. एनः एकः ध्वय-म

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक अध्यकर वायुक्त (नि.टी.स.च),

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 सिसम्बर 1985

निदेश सं० 46314/84-85---यतः मुझे, श्रार०, भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कले परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. सं अधिक हैं

स्रोरिजिसकी सं० जी 70-24 है, तथा जो बी-स्रोसमानखान रोड, एन० स्रार० रोड कास, बेंगलूर में स्थित है (स्रोर इस से उपाबद स्रनुसूची में स्रोरिपूर्ण क्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम अया गया प्रतिफल कि निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बिध में वास्तिबक्त रूप में कथित नहीं किया बया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में कभी करने या उसमें वभने में मुत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी कियी आय या जिसी धन या अन्य अमिनया की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया भा वा किया काश पाहिए था छिपाने में मृजिधा के लिए:

भवः वय, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-म कौ मनुबर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- । (1) श्री मजहर श्रब्बास भाई कलकत्तावाला,
 - (2) फक्वधीन अञ्चरालि खसमवाला,
 - (3) सेफ्धीन प्रवचरालि खसमवाला,
 - (4) नाजमुधीन फङ्धीन रानिवाला,
 - (5) सैंपुधीन इब्राहिम बाई खरामवाला,
 - (6) शखूर इम्राहिम बाई मङ्गासवाला,

नं० 30, राणजि राव रोड,

महभडन ब्लानः, बेंगलूर-४ ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री सिधक समसुधीन, पयोरावाला, नं० 40, एन० श्रार०रोड, बेंगलूर

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ध 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिमित में किए जा सकोंगे।

ाल्डोकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उबस अधिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा नै।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 4570/8 4 तारीख 14-2-85)

सम्पत्ति है जिसकी सं०जी० 70-24, जो बी० भ्रोसमान-खान रोड, एन० भ्रार० रोड कास, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारोख: 30-9-85

मोहरु 🖫

प्रसम्य आर्च . दी . एन . एस . ------

भारत सरकार

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

कार्यालय . महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिणः अर्जनरोंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांदः 1 अक्तूबर 1985

नं,टिउ नं० 46345/84-85--यतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंक्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० 19 है तथा जो 16 मैंन रोड, मल्लेश्वरम, बंगजूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से प्रणित है), रजिस्ट्रीयरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8-12-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीएय०एच० एच० श्रीनत सुचिन्द्रा तीच स्थिमी श्राफ काशि मट संस्थान प्रतिनिधि:--श्री ए म० जी० ग्रनन्ता पै, प्लाट नं० 38. क्रिसेंट कोई, क्रिसेंट रोड, बेंगलूर

(श्रन्तंरकः)

(2) ए० एस० मुद्रमण्यान नं० 305, 7 मैंन, विजयानगर, वेंगलूर-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति हो अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदा था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क मा यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याप में दिया गया है।

अन्स्याः

(दस्तायेज स० 4876/84ना0 8-2-65) सम्पत्ति है जिसका लंग 19, जॉ 16 मैन रोड, अलेण्यारम, बेंगलूर,भें स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज स्वयम प्राधि हारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज, बंगलूर।

नारीख: 1--10-85

माहर:

पूर्नः ऐस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

ारत सरकार

कार्यात्रमः महायक अध्यक्त सायुक्त (निरक्षिण) सर्भव वितः रेगालूक

वेगलूर, दिशाए । श्रक्तूबर, 1985

श्रीर जिन्हा भंज 630 से 633 है, तथा जो नया निधासंद्वा, केज स्राप्त पुण्म, होर्थाल, बेंगलुर दक्षिण संलू : में स्थित हैं (स्थीर इसमें ज्याबढ़ थान् को प्रमुखन ो स्थीर जो पूर्ण कर से वर्णित हैं) रिजन्म : जे प्रमुखन ो स्थीत में मूर्ण कर से वर्णित हैं) रिजन्म : जे प्रमुखन के प्रमित्न में किए हो। जे स्थीत से प्रमुखन के स्थीत से प्रमुखन जनवरी। 1985

र ल्यांकर रफात के उसित बाजार मृत्य से काम के खरवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उस्वेश्य से उसत अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियमें, अर्थात :--

श्रा ए० तिक्षात्या, चेड्डि,
 327, मैंन केक्श्रिज, लेश्राउट,
 बेंगलूर, ।

(प्रन्तरक)

- 2. श्राल मासि भेगाजि, पटेल ,
 - (2) प्रेमाजा भेगाजी पटेला
 - (3) देवासि जरासन पटेल,
 - (4) होरालाल ारासन पटेल,
 - (5) अराक्षत मताविक पटेल,
 - (6) मेगाजंग मनावजंग पटेना, इंदिरा नगर, बेंगलूर ।

(अन्तिरितं∶)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां काई की आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी न्यांचलयां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अर्थोहरूताक्षरी के
 पास निमित्त में विज्य के सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज ग० 7262/84) दिसार 23-2-85) संपत्ति है जिसारा सं० 630 े 633, जो नया निघासंस्दा, के० आर० पुरम, दोवली, वेजलुर, दक्षिण तालूक में स्थित है ।

> ग्राप० भाग्डाच सक्षम प्राधितारी सहाय ए त्रायक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, बेंगलूर

दिनांक 1-10-1985

मांत्रर :

लक्षण आहें, ही, इन, एस, ----

भागकर विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-भ (1) के अधीत सुखन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरें ज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निवेश सं० 46331/84-85—अतः मुझे श्रार० भारहाज श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें अगरे प्राया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से सिथक है

श्रीर जिसकी संव 51/19-ए हैं, तथा जो श्रोसबर्नी रोड कास, वेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनूसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जिबाजी नगर में रिजिट्टी हरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 13-2-1985

कर पृत्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रवचान वित्रफल के लिए अंसरित की गर्व हैं और मृत्रे का जिल्लाम दार के करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य राजा गथा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चित्रेय से उकत अन्तरण निम्निलिखित उच्चित्रेय से उकत अन्तरण निम्निलिखित उच्चित्रेय से उकत अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की गामस, अस्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ दायित्व में कभी करने या उगसे उचने में मृतिया के जिए; और/ए।
- क) ऐसी किसी अगय या किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के निए,

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) को अधीर विकासिक कि कितारों, अभित्- 1. श्रामतो। टो० पदमालोचिनियम्माल, श्रौर श्रा डब्ल्यु० टा० कृमार, नं० 51/19-ए, श्रोबसबर्न रोड, क्षेंगल्० ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बीठ पीठ रामाचन्द्रा, शेट्टि श्रीर (2) श्री बीठ पीठ सुरेश, नीठ 65 ज्वैलर्स स्ट्राट, बेंगलूका

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तिकों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस म 45 दिन के भीतर उस्त स्थातर संपत्ति में हितबक्थ किसी जन्म स्थानत स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए का संकींगे।

ल्थक्टीकरण :--इसमें प्रमृक्त कर्वा बीड़ पर्यों का, वां जन्म विभिन्नियम में अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा वां उस अध्याय में दिया गया है।

जनसभी

(दस्तावेज सं० 3434/84, दिनांक 13-2-85) सम्यत्ति है, जिसका सं० 51/19-ए , जो श्रोसबर्ग रोड, बेंगलुर में स्थित है।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकार्रः सहाय श्वायक्षर श्रायुवत (निर्राक्षण) श्चर्जन रोज, जेंगलूर

दिनों ३ 30-9-1985 मोहर: भक्त बाहे. टी. एन. एस., ------

भायभर गीभिनियक, 1961 (196; का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज, बंगलूर

बेंगजूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निवेण सं० 46445/84-85—- प्रतः मुझे ग्रार० भारदाज बायकर जिभिनिजम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इक्नें इसके परवाद् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 1022 है, तथा जो नियासन्द्रा, विलेज, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर जो पूर्ग का ये विशेष है) रिजस्ट्रंकर्ती श्रीधकार। के कार्यालय बेंगलूर, दक्षिण तालूक में रिजस्ट्रंकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयोन दिनांक 4-2-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृस्य से कम को क्रयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल का प्रतिफाल से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को दीय एसे अस्तरिक के निए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण मिक्ति में वास्तीक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी बाय की वाबत उक्त जीभीनयत के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे अभने में सिविधा के निए; बीर/वा
- (क) एसी किसी आय मा किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 14—306 GI[85

श्रोमती पुष्पा जैन,
नं० 17/1, ग्रालि ग्रासकर रोड,
बेंगलुर-52

(भन्तरक)

श्री राजीय खन्ता,
 नं० 441/ए, 9, मैन,
 एच० ए० एल० III, स्टेंज,
 जे० बी० नगर, केंगलूर । (भन्तरिती)

की कह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाधियां करता हो।

नक्त सम्पत्ति के प्रवीत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की वंबीध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्पिक्तयों में से किसी स्वनित कुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिशवष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को सबस्य जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस्र अध्याय में विका वक्षा ही।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 6746/84, दिनांक 4-2-85) सम्पत्ति है जिमका सं० 1022, जो ति<mark>षासंन्द्रा, विले</mark>ज, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रयक्त रेंज. बेंगलर

दिनांक 30-9-1985 मोहर प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

जावकर । शिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीम रेंज, धगंलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० 46520/84-85—श्रातः मुझे ग्रार० भारद्वाज जायकर विधिति। स., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कीं, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रं. सं अधिक हैं

भीर जिसको सं० 7 है, तथा जो बेल्लिगटन स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) एजिस्ट्रोकर्ती अधिकार। के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-2-85

को पूर्वे किस सम्मानि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, असके का मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिमत सं अधिक ही और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक वित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप ने कीयत नहीं किया गया ही:——

- (कं) अन्तरण ते हुई किती आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्ः—

श्रामता शकेराह खलाली,
 नं० 26/2, स्वाकि रोड,
 भ्रवशाट ले भाउट, बेंगलूर-52 ।

(धन्तरक)

भैसर्स वेल्लिगंटन, रिघलेटर्स,
 नं० 39, सेंट्रल स्ट्रोट, बेंगलूर:
 भागीदार: (1) श्रो फ़रूक महमद,
 बंगलूर (2) श्री ग्ररूक नुर मोहम्मद।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां भुरू करता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सृष्मा के रक्षपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पात में हितााइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

स्यक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शादों और पवाँ का, जो उकत अधिज्ञियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

धनुसूची

(दस्सावज, सं०, 3631/84; दिनांक 2-2-1985) सम्पत्ति है जिसहा सं० 7, जो वेल्लिगटन, स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है।

> श्चार**० भारद्वाज** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज, बेंगसूर

दिनांक 30-9-1985 मोहर: মুখ্যুত্র সার্যাত্র তীত্র সুষ্ট্র সুষ্ট্র সংক্রম

नायकृष्ट वर्ष्युनियमः, 1961 (1961 वर्ष 43) ह्याँ याद्या 269-न (1) से मधीन ह्याना

भारत सरकार

कार्गालन, तहाजक आवकर बायुक्त (पिरोक्सम्)

मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० 46743/84-85—प्रतः मुझे आर० भारक्षाज नामकाक विविध्यक्त, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उपत अभिनिष्म' कहा गया हैं), की पास 269-य के नपीय सवाव प्रतिभक्ति को, यह विश्वास अरने का काइच है कि स्थान्द बज्जिक, विश्वका उचित वाचार भूरव 1,00,000/- फ. ते विभिक्ष हैं

भीर जिसकी सं० 763(2) है, तथा जो 8, मैन रोड, महा-लक्ष्मी, लेश्राउट, बेंगलूर, में स्थित है (भीर इससे उपावस अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणक्ष है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनाँक 2-85

को प्रोक्त कम्पीत के जीवत वामार वृष्य से कम के असमान प्रतिकास के तिए बंबहिया की वहाँ हो और यूखे यह विश्वका कच्चे कक्षों का कारण ही कि प्रकारणोंका क्यांकि का जीवता वाजह नृत्य, उदकी असमान प्रतिकाय हो, होते जनमान प्रतिकास का वंद्रहें प्रतिकात से अधिक हो नीर बंदरक (वंद्रहकों) वीष्ट्र बंदरिसी (बन्सचितियों) के बीच एसे बन्सरण ने सिए सब पावा नवा प्रतिकास, विम्नसिक्ति उद्योधि हो उच्च बन्यरण विचित्र में वास्त्रहिक क्य से क्यित नहीं किया नमा है !!

- (क) बन्तरण वं हुर्द किसी लाभ की वायब बन्तर गरि-भिषक की अधीय कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में क्सी कुटने वा क्यूड़ों बड़ाने में ब्रुविशा के सिन्द्; कीड़/वा
- (व) एसी किसी नाव वा किसी थन वा वज्य नाहितयों को, चिन्हों भारतीय वाब-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नीचित्रयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं कियम नवस्था वा किया जाना क्राफ्रेस्ट था कियाने में सुनिधा की किस्स

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में , में प्रश्न अभिनियम की धारा 260-म की उपधादा (1) में सभीतः, निन्मिकिटिय अभिनम्में श्रामीय अन्य श्री ग्रं० नारायण रेड्डी,
नं० 107, 6, मैन रोड,
 5 ब्लाक, राजाजीनगर,
 बॅगलूर-10

(मन्तरक)

श्रीमती इन्विरा मेनन,
नं० 115, वेस्ट झाफ कार्ड रोड, II स्टेज,
बेंगलूर
(2) श्रीमती गायती देवी, शर्मा,
नं० 2, गणेश चन्द्रा, एवेन्यू,
कालकत्ता-13

(मन्तरिती)

को यह बूचना पारी करके पूर्वोंक्त बल्पीत्त के वर्षन में क्रिय कार्यकाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते ६----

- (क) इत सूचका के राज्यन के प्रकाशक की स्मर्थक के 45 किन की नजीध ना तत्कानकथी व्यक्तियों पड़ सूचका की ताथीन से 30 किन की नवीध, को ती सम्मिन का में समस्य होती हो, से बीतर पूनोंनक स्थानतवीं के से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत बूचना के क्राचपन में प्रकाशन की स्परीच है 45 विन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्यि-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति कृषका स्थोक्ताकड़ी है पास विविद्या में किए वा क्योंगे।

त्वच्छीचपुर्यः—इसमें प्रयुक्त सम्यो मीर् पर्यो का, यो सक्स स्थितिकाम, से मध्याय 20-क में परिधारिका ह्रींं नहीं नर्य होता, तो उस मध्याय में दिसा नवा हरें।

अमुसुची

(दस्तावेज सं० 5248/84, दिनौंक 12-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 763(2), जो 8, मैम रोड, महालक्ष्मी, ले भाउट, बेंगलूर सें स्थित है।

> मार० भा**रद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगसूर

िदिनॉंक 30-9-1985 कोहर ध

प्रकृष बाह्य दी, पुरु पुर्व -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नथीन व्यना

बारक स्रामान

कार्यालय, सहायक जायकार वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 19 सितम्बर 1985

निवेश सं० 46338 84-85— श्रतः मुझे आर० भारद्वाज नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) विसर्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

मीर जिसकी हुँसं ०, 96 है, तथा जो विक्टोरिया रोड, एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी मगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनाँक 2-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पण्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) आहे अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाना ज्वा प्रति-क्य विकासित सब्देश से उच्छ कन्तरण सिक्ति में वास्तिष्क म्यू वे स्वित् वहीं किया दशा है के --

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम को नाम्छ उपस विध-नियम के नेपीन कर दोने के अन्तरक के स्वित्व में करी करने ना बच्छे बन्तने में बुद्दिया के स्वित्र विद्या
- (च) वृंती किसी बाव ना किसी पन वा बन्य बास्तियाँ की, चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या अवस् विधिनियम् या धन-कर विधिनियमः, 1957 (1957 का 27) की अवधिवाणं वन्सरियमः, विश्वा प्रकट नहीं किया नया वा सा का सा का जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा की विद्य;

जतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं³, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्मितिकित व्यक्तियों, अधीतः— यू० एस० चंडाक, नं० 11ए 22, किस्सगहाम रोड, बेंगलूर-52।

(मन्तरक)

श्रीमती ऐशा तसनीम ग्रनवर,
फीमली फाउन्डेशन, प्रतिनिधि:
डाक्टर सैयद श्रनवर,
नं० 11/1, चर्च रोड, बसबनगुडि,
बेंगलूर-4।

(मन्तरिती)

स्त्रों वह सूचना वादी करको पुन्तित सभ्यत्ति के धर्चन के निक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृतित् के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्स ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी अधि नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेशक अधिकारों में वे किसी व्यक्ति इसाम्य
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हित-वव्भ किसी जन्म स्थवित इसारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

प्रवस्त्र की

(दस्तावेज सं० 3475/84, दिनौंक 2-85) खाली जगह है जिसका सं० 96, जो विस्क्टोरिया रोड, एक्सटेंशन, बेंगलूर सें स्थित है।

> म्नार० भारक्वाज, सन्नम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, वेंगजूर

दिनाँक: 19-9-1985

शहर ≝

प्रकम बाहै . टी . एन 🕾 एस . -----

नश्यक्ष विभिनियम, 1961 (1961 की 43) की शाय 269-व (1) के नभीन स्थना

जारत पश्चनर

कार्याक्रय,- सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्रक)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 3 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 995/85-86—प्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयमर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

भीर जिसकी सं० 3928 है, तथा जो संकेश्वर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुक्केरी, में स्थित रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 7-2-1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यनाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विस्तात करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उत्तक द्रश्यमान प्रतिपन्न सं, एस क्रयमान प्रतिपन्न का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितेयों) के बीच एसे बंतरण के लिए क्य पान क्या प्रतिपन्न, निक्नीमें कित उन्नरिय से उच्य बंतरण किवित में बास्तिक के से पर से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बंदरण वंद्वार जिल्ली बान का बाब्दा, उक्क श्रीमहितक के अपीन कर बाने के बन्धरक के वाधित में क्यी करने वा उक्क क्ष्मने में ब्रुटिंगा के विद्यु; श्रीमंश्र
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों नारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया वना था वा वा वा विका जीना वा विश्व में स्विका वी विषय हैं स्विका वी वा वा विषय में स्विका वी विषय,

करत जाव, वन्त वाधिनवन की पारा 269-न के वनुकरन कों, मीं, उक्त विधिनयम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थाव् ध---

- 1. (1) बीक्नू मारुति सुतार
 - (2) श्रीमती ताराबाई, विष्नू सुतार
 - (3) शकुन्तला, गजानन लीहार,
 - (4) श्रीमती द्वारका हुंकर लोहार,
 - (5) महावेवी बाप विष्तृ सुतार
 - (6) नर्मदाबाप विष्णु सुतार, नंबर 5 ग्रीर 6 के लिए मे/ गा० बाप० वी० एस० सुतार ये सब केयर ग्राफ: बी० सी० पट्टन शेट्टी, नमाज मला, शंकेश्वर-591313

(भन्तरक)

2. बसंत राज गंगादर पट्टण मोट्टी, नमाज मला, मंकेश्वर-591313

(भ्रम्तरिती)

की वह सूचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त बुक्तरित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इक्ष भूषना के राज्यत में प्रकाशन की तारीं के 45 किन की नकीं या तत्त्वत्वच्यी व्यक्तिमें प्रक्र भूषना की तालीं से 30 दिन की व्यक्ति, को और व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्द म्बन्ति द्वाच, अभोह्स्ताक्षरी के बाद किस्ति में किस वा क्योंचे ।

स्वयम्बद्धाः :---इतमे प्रमुक्त कव्यों नीर पर्वो का, वो उपल विधिन रिजन के वध्याय 20-क में विद्यास्थित हैं ल हैं, नहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिवा नमा है।

प्रमुसूची

(दस्तावेज सं० 1262, विनौक: 7-2-1985)
ये मकान मंगलोर, कबीले में बना हुआ है। नीचे का मकान
का खेलफल 1470 स्क्वायर फीट है। धीर महबी का खेल०
450 वर्ग फीट है। ये मकान 2 गुंठा, जगहों में बना हुआ है।
भीर संकेश्वर में है।

मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक मावकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक: 3-9-1985

मोहुर 🛮

CONTRACTOR AND AND ADDRESS OF

प्रकल नाहरे. डॉल हुन्छ हुद्धा अस्थानस्था

बायकर बर्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) कर्ड बाह्य 269-व (1) के ब्यूबीन क्यूबना

नार्ट स्टब्स

व्यवस्थित, सहायक वायकातु वायुक्त (निद्रीक्रण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 3 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 996/85-86—म्प्रतः मुझे आर० भारताज बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विषे द्वारो दक्के प्रचात् 'स्वत अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकादी की, वह विद्यात करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति, विद्याक उजित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एस-5 है, तथा जो मरगाँव गोवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरगाँव गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मरगाँव गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 23-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मून्य से कम के बस्यमान प्रतिकास के लिए संतरित की गई है और मुखें वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकास का पन्छा प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिक्त उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण कि विका में वास्तविक स्थ से काँचन क्यों किया वया है कि

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विध-विवय के बचीन कर दोने के क्लूरक के दावित्व में क्ली कहने वा उचने वचने में कृष्टिया के किए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त की धिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बच्चेष्तार्थ बन्दरिसी स्वारा तकर नहीं किया बना या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जल: जब उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, किन्निजिक्त व्यक्तियों, अधित् ह— श्रीमती असन्सुदी टी योडीसोदी हरपीतो फर्नान्डीस उर्फ श्रो०टी० एस० फर्नान्डीस, श्रौर इसकी परनी । श्रोफीफोनिया इरीडाइसे फर्नान्डीस, जी० पी० ए० होल्डर, श्री एस्केमास्टीका मजरेल्ला, मरगाँव, गोवा श्रौर मैंसर्स मेजरेसी इंटरप्राइजेज, मरगाँव, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मल्ला सी० डी० शील्या एम-5 दूसरा फ्लोर मायफेर भपार्टमेन्ट मरगाँव गोवा।

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कर्मवाहियां क्रिता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अवध्य या तत्क स्थली व्यक्तियों पर सूचना की शाबीक से 30 दिन की अवधि, को भी कदिक बाद को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में दिक-बब्ध किसी क्षा कार्यत क्षारा मधोहस्तासड़ी जें शब्द किहित में किए का सकेंचे ।

रमुक्क रेज् क्र--इतमें प्रवृत्त बच्चे होर वसे का, जो उसक श्रीकृतिक के अध्यान 20-क में पहिसाबिक हैं, तकी वर्ष होगा जो उस अध्यान में दिखा पता हैं ⊞

जन संदर्भ

(वस्तावेज सं० 284 विसाँक 23-2-1985) इस प्लाट का क्षेत्र० 60 वर्ग मीटर्स है। यह सम्पत्ति मायफेर श्रपार्टमेन्ट मरगाँव गोवा में है।

> द्यार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज बंगक्रूर

विनांक: 3-9-1985

शक्य बार्च . द्या. युव . क्या . क्या . क्या . क्या .

बावकार मीपीवका , 1961 (1961 का 43) की पछा 269-म (1) में बचीन बुजवा

कार्यासय, बहायक जायकर नावृत्त्व (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

श्रीर जिसकी सं० यम नं० 1 है तथा जो मरगाँव गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मरगाँव में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-2-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार नृश्य से कन के स्वयमन प्रतिकस के लिए ब्लाइित की नहीं है और मूझे यह विश्वास करेंगे का कारण है कि वचापूर्वोक्त सम्पत्ति का अण्यत वाचार मूख्य, उसके स्थ्यवान प्रतिकस ते, एते क्वयवान प्रतिकस का पंत्रह प्रतिसत से जीवक है और बंतरक (बंदरका) और बंतरिती (अन्दरित्यों) के बीच एवे बंतरण के बिस् तय पाना प्रशा प्रतिकस, जिम्मितिस्त स्वृद्धित वे स्वयु बंदरण विश्वस में वास्तिक में वास्तिक स्व वे क्विंस नहीं किया पना है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किती नाम को नासक, उपल वीधीनवन में वधीन कर दोने के जन्तदक के शामित्व में कमी करने या उपनी नजने में बृषिधा के सिए; बड्डि/बा
- (वा) ऐसी कि भी काथ या किसी धन या वस्य धास्तियों की, जिन्हें बारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या वक्ष-कर निधिनियम, या वक्ष-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि ए काला चाहिए था, कियाने में स्विधा वै विव्यः।

वतः जव, स्वतः अधिनिवसं की धारा 200-न की वनुवस्य कों, मीं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, निम्निमिक्त व्यक्तियों, समित् ह— 1. श्री असुन्सुयो टीयोदीशियो सरफीनो फर्नांदीस उर्फ ए० टी० एस० फर्नांडीस, और उसकी पत्नी, येफीफोनीया इरीडाईके फर्नांडीस, पी० / ए० होल्डर येस्कोमच्टीका मेजेरीनो, मरगांव गोवा और मेसर्स मेजेरेलोस ऐंटरप्राईजेज, वेसवीराटा अपार्टमेंट, मरगांव, गोवा।

(ग्रन्तरक)

 ग्रीरीन बेरोस, प्लाट नं० 8 एम० →1, मायफेर श्रपार्टमेंट, मरगाँव, गोवा। (ग्रन्सरिती)

को वह वृष्णा बारी कारने पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

अन्त बंदित के सर्वन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन की अविभिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की वविभि; जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शार्यक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-प्रकृष किसी जन्म स्थावित द्वारा वधीहरताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सक्ति।

स्वक्रीकरण :---- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पर्यों का., को अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा ही।

नरस्पी

(दस्तावेज सं० 283, दिनाँक 23-2-1985) मायफेर श्रपार्टमेंट मरगाँव गोवा सें 60 एकर मीटर्स का प्लाट है। इसका सं० एम० 1 श्रीर पुराना संख्या एस० 12 है।

> श्रार० **भारद्वाज** सक्षम प्रा**धिकारी** महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, **बं**गलूर

तारीख: 3-9-198**5**

प्रारुव आई. टी. एम. एस्. -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के जभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यातव, तहावक वायकर नायुक्त (निर्त्तकण) भर्जन रेंज, क्षेंगलूर,

बेंगलूर, दिनौंक 3 सितम्बर 1985

निवेश सं० 998/85-86--श्रतः मुझे; शार० भारद्वाण; आवकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाल 'उक्त जीधनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रह. से जिथक है

- (क) विश्वरण से हुई किसी जान की नानता, जनतः जिथिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तरों करने में सुविधा के सिद्ध; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा यथा वा वा विश्वा वाना वाहिए वा, दिवाई वो सुविधा के किए;

श्रीक जब, उस्त जींधीनयम की धारा 269 ल के अनुसरण की, ती, उस्त अधिनियम की धारा 269 ल की उपधारा (1) के अधीन निस्तिकवर व्यक्तियों, अधीत :---

 श्री ग्रंटोनियो मोटैरो ग्रौर इसकी पन्नी श्रीमती मारिया ग्रगस्टा मारता मौटैगो के०/ग्राफ व्यावरम, लौटोलीम, सलकेट, गोबा।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेश वियाधर देसाई संगम दोटल, स्टेशन रोड़, मरर्गीव (गोवा)।

(भग्तरिती)

को बहु सूक्रका वारो करके पूर्वीक्त सम्बद्धिः के वर्षन के विष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

बक्त सन्मृति के धर्मन के संबंध में कोई मी बाक्षेप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चं 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविभ, वां ना नविभ नहा में तनाप्त होतीं हो, के मीतर पूर्नीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 किन के भीतर उक्त स्वावर सम्मिति में दित-वक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा तकोंगे।

न्यस्टीकरणः—हत्तमो प्रयुक्त शन्दों और पदों का, भी उन्हें अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, भो उत्त अध्याय में दिया सके, हैंगी

नन्सूची

(दस्तावेज सं० 301, तारीख 26-2-1985) ये संपत्ति मंगलूर क्वीलोंका लोटोलीम गोवा में है। इसका न्यास 260 स्केयर मीटर्स है। 1875 स्क्वेयर मीटर्स जगह मै ये मकान बना हुआ है।

> न्नार**० भारद्वाज** सक्षम **प्राधिकारी** सहायक भ्रायकर म्नायुक्त (निरी**क्षण**) भर्जन रेंज, **बेंगलूर**

तारीब: 3-9-1985

नोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 999/85-86--श्रतः मुझे, सार० भारहाज, आयकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 71 है, तथा जो सेकोरहीम (गोवा) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सबदेम से रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26-2-85

को पूर्वोक्त संम्पास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्युष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, ज्यानिशिवत व्यक्तियों, अधीत :——
15—306 GI[85

 श्री करुनकर वि० मलय, के०/ग्राफ वि० यस० मूल्य, गंगाधर हाउसिंग कालोनी, कुर्शत, पाँडा, (गोवा)।

(अन्तरक)

श्री विध्याधर श्रार० मलय,
 के०/श्राफ श्रार० एस० मलय,
 पाजी पोंड,
 मरगाँव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हू।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्या

(दस्तावेज सं० 88, तारीख 26-2-1985) ये खेत की जमीन हैं। इसका क्षेत्रफल 37,200 स्क्वेयर मीटर्स हैं। ये सम्पत्ति सानकोरेडम गाँव गोवा में है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-9-1985

मोहरः

प्रकथ मार्ड , टी. एन. एस.-----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-वं(1) के नधीन स्वेता

बारत सुरकात

कार्यात्रयः, सहायक वायकर बाबुक्त (निरोक्सक)

धार्जन रेंज, बैंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निवेश सं० 1000/85-86--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (विशे इक्ट क्ल परवात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाबार मृत्यू 1,90,000-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी०-15 है, तथा ओ दोता फौला, तलेगाँव पणिज, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इलास गोवा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-2-1985

की प्रॉक्त सम्परित के उचित बाबार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सब बाया गया प्रतिफल निम्निविचा उद्देष्ट से उसत अन्तरण जिल्ला में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है स्

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की पावत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कनी करने वा उससे ब्यन में सुविधा के तिए; बीट्/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नयः वा वा किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

जस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

 (1) मारिया फर्नाडा मार्टिन्स ई० मोन्सग्टे,
 (2) मारिया लुमींडा वेगास्य,
 ग्रेटोरनी (जिपिथो सटलासियो टीयोंपीलो मार-टीन्स मोन्सरेह,
 के०/ग्राफ तलेगाँव गोवा।

(भ्रन्तरक)

 श्री जैविटा गोंजेगा श्रफोन्सो, कें०/श्राफ रेंटो, इस्टाजेंम, गोवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिह कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त बम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाकोर् :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 किया की बदिश का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 विन की बदिश, को भी नविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए का सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया प्रवाही।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 163, दिनाँक 20-2-1985) खुला जगह द्रोना-फौला, तलेगाँव पणजी, गोवा में है। ये सम्पत्ति का क्षेत्र 504 स्क्वेयर मीटर्स है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 3-9-1985

मोहर ः

स्वयः जार्च<u>ः, बौद्धयः, श्</u>यः

जावकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नाइत् बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर नावृक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1001/85-86-- प्रतः मुझे, प्रार० भारबाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 210 है, तथा जो मरगाँव (गोवा) में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, तारीख 22-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मृति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान् वित्रकृत को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृति का जीचत जाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिकल निम्निस्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (♥) अन्बद्धम के हुई किसी जाब की बाबत, उक्क वृत्तिवज्ञ के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने मा उससे अपने में सुविधा के निए; और/मा
- (च) एसे किसी बाव या किसी भन या जन्म वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ जन्तिरती इवाय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने भें सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) एम० ए० पोय, रायसुरकर
 - (2) जी० जी० पोय रायतुरकर,
 - (3) एच० जी० पेस, रायतुरकर, श्रौर (4) यटच० यू० एफ० ,
 - (4) से० जी० पोय रायतुरकर,
 - (5) श्रीमती नलिनि जी० पोय रायतुरकर,
 - (7) श्रीमती सावित्री एम० पोय तुररायतुरकर कें० श्राफ मरर्गांव, गोवा।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्रीपाद बी० वोरकर,
 - (2) सुनंद वी० बोरकर,
 - (3) श्री यू० वी० बोरकर,
 - (4) श्री पी० एस० बोरकर,
 - (5) श्री ए० एफ० बोरकर,
 - (6) श्री ग्रविनाश एस० बोरकर,
 - (7) श्री ए० डी० बोरकर,
 - (8) श्री पी० डी० बोरकर,
 - (9) श्री बी० वी० पी० बोरकर.
 - (10) डि॰ पी॰ बीरकर, श्रलंकार बंगमी, मरगाँव, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पृत्ति के वर्षन के दिश्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्द भी वासोद :---

- (क) इस बुख्या के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के स्वयन में प्रकाशन की तार्चिक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए का सकोंगे।

स्वक्यकरण हिन्समें प्रयुक्त कर्को और पहाँ का, को उक्क विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया मुना है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 276, दिनाँक 22-2-1985) सात दुकान का "रत्नद्रीप" बंगला राजेंन्द्र प्रसाद स्टेडियम का पास है। श्रौर इसका क्षेत्र 353 स्क्वेयर मीटर्स है।

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगल**र**

तारीख: 3-9-1985

क्षक्य कार्युः, द्वी , युन ,, युरु , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 3 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 1002/85-86--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1961 है, तथा जो हिंडलगा, बेलगाँव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णीत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेलगाँव में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7-3-1985

को पूर्वेकिश सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्श सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, मिन्नतिबित उद्देश्य से उक्त बन्दरण निविद में बास्य-दिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तुरण ते हुई किची नान् की वावत क्यन अधि-तियम में न्थीय कर दोने ने व्यवहरू के सावित्य के कती करने ना अच्छी नमने में सुविधा के जिने; जॉर ना/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनयम, या धन-का निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थवा धा वा किया थाना चाहिए था, जियाने में बृविधा रे सिए;

बतः स्वा, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग की, बनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीचिकिर व्यक्तियों, बंधिंद ह—<

- (1) 1. श्री शंकर भीमराव कुलकर्णी,
 - 2. श्री किएनजी भीमराव कुलकर्णी,
 - 3 श्री मोहन शंकर राव कुलकर्णी,
 - 4 श्री शरद शंकरराव कुलकर्णी,
 - श्री ग्रहण शंकरराव कुलकर्णी,
 के० ग्राफ लक्मी गल्ली, हिडलगा, बेलगाव।
 (श्रन्तरक)
- (2) दि चैयरमैन,, समरत को०म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, हिंडलगा, बेलगाँव।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियांगुरू करता हूं।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर व स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, खो भी कविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, को अवत अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4925, दिनाँक 27-3-1985) खेत की जमीन हिंडलगा बेलगाँव में हैं। इसका क्षेत्र 3 एकर्स 27 गुंठा और 8 माला है। और इसका नं० 1961।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-9-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 3 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1003/85-86--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परवास् 'उन्तर अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 328/10+2बी हैं, तथा जो बैलहोंगल सें स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बैलहोंगल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूलय से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्वोदय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है प्रस्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्डिक्स में कभी करने वा उससे कचने के सुविधा के दिवार; बार्डिका
- (च) प्रेती किसी जाव वा किसी भन या जन्त जास्तियों को, विन्हें भारतीय वातकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुनिया को लिए;

बतः वन, उक्त वॉभिनिवन की भारा 269-न के वनुबरक जो, में, अक्त अभिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अभीन निकालिकित व्यक्तियों, वर्थात् हि—

- (1) 1. श्री गुरुशंतप्पा वीरभद्रप्पा यातगेरि,
 - 2. सिद्रामण्या उर्फ बाबू गुरुशंतण्या यातगेरि,
 - नगराज गृहशंतप्पा यतगेरि,
 - 4. महेश्वर गृहणतप्पा यातगेरि,
 - 5. महाँतेश गुक्शंतप्पा याँतगेरि, जबिल बाजार, बैलहेंगल, जिला, बेलगाँव।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. नसवन्तय्या ग्रडवेय्या हीरेमठ, 2. बालासाहेब ग्रन्नासाहेब पाटील,
 - 3. ईश्वर सिद्धामय्या हिरेमठ,
 - 4. चन्नबसय्या सिद्रामय्या हिरेमठ, 802, बसवन गली, बैनहोंगल,

जिला बेलगाँव।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारिष्ठ में 4.5 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की मामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहंस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

चक्दौकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्ज्यों और वर्षों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में वरिशाविक हैं, तहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा है।

जन्स्यी

(दस्तावेज सं० 1714, दिनाँक 4-2-1985) यह संपत्ति खेत की जमीन है। इसका क्षेत्र 3 एकर्स है श्रीर बैलहोंगल में है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 3-9-1985

मोहरः

प्राक्ष्य मार्ड . धी . युव . एस . -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यांक्य, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 3 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 11 फरवरी 85—- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट 1, फ्लोर 2, पूंदमल्ली है रोड़ है, जो मब्रास-84 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पुरुणवाक्कम लेख सं० 158/85 सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख. फरवरी 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इत्यमान धितफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार ज्ल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियाों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसते, अन्तरण सिवित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है हन्न

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आस की बायत, उसक जिम्मिनयम के अभीम कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा से सिद्ध; सद्दि/सा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को चिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के सिव;

जतः वज् उक्त जीधीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं', उक्त जिथीनयमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) कं अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ऽ⊶ 1. श्रीमती उषा एस० बजाज

(अन्तरक)

2. श्रीमती फैहाश

(श्रन्तरिती)

भी भूष्ट्र बृज्ञना जाडी कड़के पूर्वांनत सञ्ज्ञित से वर्जन से विध् कार्यवाहियां कड़ता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बल्ध के कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यहा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1, फ्लोर 2 श्रीर 460/9806 धिभिन्न भाग भूमि सें, पूंदमल्ली हैं रोड़, मद्रास-84, पुरुणवान्कम्, लेख सं० 158/85।

एम० सामुवेख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 3-10-1985

मोहर 🌣

प्रकथ बाहुँ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, **म**द्रास

मद्रास, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 24/फरवरी 85—ग्रहा: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से जधिक हैं।

ग्रीर जिसकी स० भूमि टी० एस० सं० 6/4 और 6/3 हिस्सा ब्लाक सं० 33 है, जो पुलियूर गांव मदास-24 में स्थित है में (ग्रीर इससे उपाध्व अनुसूची भीर पूर्ण रूप से विजत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 397/85 में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फ़रवरी 85

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्सरित की गई है और मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथामूबोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिकास से एंसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (व्यक्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गवा गया प्रक्रिकत, निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की गावस, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा औ निए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंत्र अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या धा या किया जना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीबिचित न्यक्तियों मर्थात् :---

(1) श्री पी० के० टिप्पु सुलतान श्रीर श्रन्यों मैनरस रिप्रेजेंटिङ बाई० माता के० ए० डाबुड बीर्वा

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री एडिडा नागेश्वरराव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो का सकरें।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त क्रीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, वो उस कथ्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि डी० एस० सं० 6/4 श्रीर 6/3 हिस्सा ब्लाक सं० 33, पुलियूर गांव, यूनाइटेड इण्डिया कालोनी, कोडम्बाक्कम मदास-24 कोडम्बाक्कम लेख सं० 397/85

. श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, मद्रास

चार्ोख: 3-10-85

मोहर ः

प्रस्तः बाह्रः टी. एतः एतः -----

(1) श्री धार० के० ग्रार० कार्तिकेशन

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

(2) मैसर्स विनयराजा श्रीर कम्पनीः

(श्रन्सरितीः)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, **म**द्रास मद्रास, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1985 निदेश सं० 32/फ़रवरी 85—श्रतः मुझे, श्रीमती ए**म**० सामुबेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा ∠69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाभार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संख्या टी० एस० सं० 650/1, यू टी० एस० सं० 1/1451 हिस्सा श्रीर 1453 हिस्सा है, जो 15.83 सेन्टस-लेख गं० 487/85 का गेड्ल में दी हुई संपत्ति में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 487/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथायूबॉक्त संपित्ति का जाचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ नामा नवा प्रतिकत, विम्निजिति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जितः भव, उक्त विधिनियम वती भारा 269-ग को बनुसरण की, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिखित स्थितर शीं, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता है।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इंख सूचना के हायएन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी न्यस्त्रियों ५ र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थितियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पोक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गया है।

अन्स्ची

भूमि घीर मकान लेख सं० 487/85 की शेंडूल में दी हुई सम्मत्ति कोयम्बत्तूर लेख सं० 487/85।

श्रीमती एमे० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज⊶2, मद्रास

तारीख: 3-10-85

मोहरः

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्जन रेंज-2, **म**द्रास

मद्रास, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 36/फ़रवरी 85--श्रतः सुद्दो, श्रोमती एम० [साम्बेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जितको सं० 18/36 टो० एस० सं० 2/1498 1417, त्यु टो० एस० सं० 2/2094 है, जो विग वजार स्ट्रोट कीयम्बनुर टाऊन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण का में विणित है), रिजिस्ट्राइर्ता प्रिक्षि हारो के कार्यालय, कोयम्बनुर लेख सं० 636/85 में भारताय रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, (1908 1908 का 16) के ग्रधीन, फरवरी

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---16--336 GI/35

(1) श्रा के० श्रीमान,

(भन्तरक)

(2) श्री ए० सी० कुंजू मूहमद कुट्टी हाजी श्रीर दूसरे,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुस्ची

भूमि श्रौर म नान कण्णनुर डिस्ट्रिक्ट (केरला) कोयम्बत्तुर विग बजार स्ट्रीट-18/36 टी० एस० सं० 2/1408, 1417, न्यु टी० एस० सं० 2/2094 कोयम्बत्तुर लेख सं० 636/85

श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सश्चित स्वाव हर श्रावृक्त (निरक्षण) सर्वेन रेंज-2, **म**दास

दारोख: 4-10-19**8**5

मोहरु ५

शक्य बाह्" ही . श्य . श्य .

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-ण (1) के मभीन सुचना

भारत चर्का

कार्यानम, सहायक बायकर वायुक्त (पिर्वाक्रक)

ग्रर्जन रें ज-2, महास महास, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985 निवेश मं० 37/फ़रवरो 85--श्रत : मुझे, श्रीमती एम०सामुबेल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इत्तमें इसके परणात् 'जनत निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज् से जधीन संसम प्राधिकारी को नह निश्नास करने का कारज हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्स 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० तित्तिपालयम कृषि खती-कोयम्बत्तुर टी० एस० सं० 14/1 है. जो 15/1, 16/1, 16/2, 17/2 में स्थित है (श्रीर इसने उगावद्ध श्रतूसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्झा कर्ता श्रीध हारी के कार्यालय, कोयम्बत्तुर लेख सं० 562/85 में भारतीय रजिस्झा करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन फरवरो 85

को प्रवेक्त सपरित के उचित वाकार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया भौतफल, निम्निसित्त उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किंसी बाय की बाबत, उक्त बिधनयब के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व कें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के फेलए; बॉर/या
- (च) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना भाहिए था, स्थिनाने में सुविधा के सिए;

जत: अर्थ, उक्त अधिनियम की धोरा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाश (1\ है अधीन, निम्निचित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) পা বেজ্বাणি,

(प्रन्तरक्)

(2) श्रामता पंत्र राजेश्वरीत

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत र 45 दिन की वृत्रि वा त्र्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की हामील से 30 दिन की वर्षि, जो में व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिमकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

स्पन्न

कृषि खेती.-तिनिपालयम टंः० एस० मं० 14/1, 15/1, 16/1, 16/2, 17/2-कोयम्बन्तुर, कोयम्बन्तुर लेख सं० 562/85

र्श्व मर्त∷ एम० सामूबेल सक्षम प्राधि रार्रः (सहायकः ग्रायकर प्रायुक्त निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तार*ी*ख: 4—10—1985

बोहर 🛭

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 ग्रन्तूबर, 1985

निवेश सं० 49/फरवरी 85 श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विज्ञे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के वभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जितका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० किनपालयम गांव, पोरिविपालयम है, जो पील्लाच्ची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची लेख सं० 371/373/374/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी 85

को पूर्वेक्स संपत्ति का उचिस बाचार मुख्य से कव के अध्यक्षान प्रसिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया इं:—

- (क) जंतरण से हुई किसी नाम की बावस, उक्त निधिनियम के नभीन कर दोने से जन्तरक नो दायित्व में कभी करने या उससे वयने में सुविधा के निष्ह नौर/वा
- (थ) एती किसी जाय वा किसी भन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सवतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुवरस में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से अधीन, निम्नतियिक स्वनित्यों, अधीक ४--- (1) श्री एस० शिवानंदम और भन्यों,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पलनित्तेश्वर और ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह बुजना बारी करके पूर्णेक्त स्थ्यारित के वर्षन के कि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस बुक्ता के राजपन में प्रकासन की तारीच से 15 दिन की नविध या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर तूका की तामील से 30 दिन की नविध, को भी ंश्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्थ किली जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकने।

क्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का की कव्य विधिनिवस, के वध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मवा है।

नम्स्यी

भूमि पोरविपालयम कनिपालयम गांव, पोल्लाक्ची तालुक पोल्लाक्ची लेख सं० 371, 373, 374/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 4-10-85

मोहर 🗉

प्रकल नाइ. टी. एन. एस. -----

जावभार जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायक्कर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 66/फरवरी 85---- प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाषार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नैठन थियेटर है, जो नीलगिरीस कोलगिरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोलगिरी लेख सं० 307/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार न्स्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का रृष्त्रह प्रतिग्रंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उचत अन्तरण किश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त विधि-नियम के बधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उसम बचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् १---

(1) श्री के कुष्णन्

(भ्रन्तरक)

(2) डा० ग्रार० नटराजन और अन्यों

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि और मकान-नैठन थियेटर-0.58 एकर्स और सिनेमा थियेटर-नीलगिरीस-कोत्तगिरी कोत्तगिरी लेख सं० 307/ 85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 3-10-1985

प्रथम बाह् . टी एन . एक

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की वादा 269-व (1) के बचीन स्वता

बारत परकार

कार्यास्थ , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 ग्रन्तूबर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- कः से अधिक हैं
और जिसकी सं 1, कृष्ण भ्रय्यर स्ट्रीट नुगम्बाक्कम हैं, जो
मद्रास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के

कार्यालय, थौसंडलैंटस लेख सं० 42/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

करवरी 85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्एमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार बृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय गया प्रतिक्का, निम्निलिख उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्तरण वे हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट्र बहि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियारें की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जान। चाहिए था छिपाने में सुविधा के निष्:

बतः अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधौरः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— (1) श्री रतनम्माल और ग्रन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एन० साजिदा,

(यन्तरिती)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 29 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

अगुलु की

भूमि और मकान-1, कृष्ण श्रय्यर स्ट्रीट नुंगम्बाक्कम थौसंडलैटस लेख सं० 42/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 3→10-1985

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के बचीन क्यान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आध्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अस्तूबर 1985

निदेश मं० 100/फरवरी 85---श्रतः मुझे, श्री० एम० सामुवेल,

भायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या 1, श्रीनिवास पिल्लै स्ट्रीट पिष्वम मामबलम है, जो मद्रास-33 में स्थित हैं (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम लेख सं० 511/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 6) के श्रधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेय से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कें सुन्नमणियन,

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती द्यार० रूक्मणि,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों अंत सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

arad

भूमि और मकान- 14, श्रीनिवास पिल्लै स्ट्रीट, पश्चिम माम्बलम, मद्रास- 33 कोडम्बाक्कम लेख सं० 511/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 3-10-1985

प्रचय आहे. टी, एन. एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाए 268-व (1) के प्रधीन सुचना

ब्राउत सहकार

कार्यातव, तहायक बायकर बायुक्त (निद्रीकन)

ग्रजन रेंज-2, मृद्रास मद्रास, दिनांक 3 श्रवतुंबर 1985

निदेश स० 186/फरवरी/85--- ग्रनः मृझं, के० वेणुगोपाल राम वेल.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नाउ 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या हृपि खेती पुलियम्बेड गांव, नुम्बाल मधुरा, गैदापेट हैं. जं: चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध इ.तुर्की में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूतमल्ली लेख मं० 710/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उठत अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है द्र---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बावत स्वयं अधि-निवस के बचीन कर दोने के जन्तरक के साबिश्य के कमी कारने वा उत्तरे बचने में नृतिभा के जिए; अदि/या
- (च) एसी किसी जाव या किसी वन या जन्म नास्तियां को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा चै जिहा;

संघ: अब उक्त मीभीनयम की भारा 269-न के जनसरक वं, जें, खक्त मीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) को सभीना, निस्तिनिया स्मतिस्कों, कर्मास् ह—- (1) श्री एम० मुहगन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० चिद्दिब बा**बु**ग्रीर, श्री पी० चन्नवर्ती,

(अन्तरिती)

को यह स्थना पारी कारके प्रॉक्त सम्परित के वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाओप ह--

- (क) इस सूचना के त्राज्यम में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाय;
- (क) इस सूचना के स्थापन में प्रकाशन की तारीब स्थ 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किती अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के सस्य सिवित में किए था ककेंगे।

स्पष्ट्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-प्रियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

नग्ज्यी

कृषि खेती पुलियम्बेडु गांव, नुम्बाल मधुरा शैदापेठ नालुक चेंगलपठ डिस्ट्रिक्ट पूंदमल्ली लेख सं० 710/85

> श्रीमती एम० नाम्वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्रास-6

नारोख : 3→10−1985

प्ररूप आई. टी. ए४ . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनॉक 3 श्रक्तूबर 1985

्निदेशस० 199/फरवरी 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या 8, ह्नुमनराव स्ट्रीट टी० नगर है, जा मद्राम 17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण का न वांणा है), राजस्ट्रोकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 131/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1998 (1908 मा 16) के श्रधीन फरवरी 85

को पूर्नोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य सै कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीए० रमणी ग्रीर, श्रीए० सुधामन्,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांति त्यागराजन्,

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि ग्रौर महान-8, हनुमन्त राव स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17 टी० नगर लेख मं० 131/95

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास्

सारीख: 3-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 3 श्रवतुक्षर 1985

निदेण र्सं० 192/फरवरी 35-- ग्रत : मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 रामनाथम स्ट्रीट टी० नगर है, जो मग्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इसके उपावड ग्रमुमूची में ग्रौर पूर्ण स्प से बिलित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कायिलय, टी० नगर लेख सं० 176/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 85

को पूर्णिक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्वास में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्प में किथत नद्गीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19.57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अक्षः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रू, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ं अधीन , निम्निलिखत व्यक्तियों , अर्थात --- (1) डा० ए० भ्रार० श्रोनिवासन भ्रौर श्रम्यों (ग्रन्तरक

(2) श्रो टी० बी० सायनाथ गुप्ता श्रीर, श्रीमनी वैजयन्ती,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूभि प्रौर महान - 5, रामनाथन स्ट्रीट, टी० नगर मझान 17 टी० नगर/लेख सं० 176/85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजेस्2, मद्राम

नारोख: 3-10-85

दाहर :

17-306 G!'85

प्रस्य बार्षः, दीः, एवः, एवः, स्टन्नन्यः ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 🖏 भारत 269-भ (1) के बभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायनत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, मद्राग

मद्राम, दिनां अ अक्तूबर 1985

निदेण सं० 193/फरवरी 85 अन: मुझे, श्रीमनी एम० साम्बेल,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया ह^ट), की धारा 269-स वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00.000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11, हिन्दी चार सभा रोड़ टी० नगर है, जो मद्रास 17 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 196/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रविनियम 1908 (1908 16) के ग्रधीन फरवरी 85

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूरू, से कम के बदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफर्ल से एसे एक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिसों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि**खित उद्दरि**य स

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हा :----

- (क) भन्तर ग ते हुए किसी **भाग** की बाबत अक्त आर्थि नियम को संधीन कर दोने को सन्तर्क की दाधिएक हो कामी करने या उससे बचने में सविधा के जिले मीर/या
- **√को ए**नी किस्ती अध्यया किसी धर अल्य आसिस्तार को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को पञ्चेत्रनार्थ बन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया एक: भागा किया जाना चाहिए भा छिपाने में जिल्ला ये प्रियः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, अवत अधिनियम की धारा २६० व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) डा० एस० श्रीनिवासर ग्रीर प्रत्यों (ब्रह्मारक)

(2) र्था सुमन

(अन्तिरिनी)

को यह स्वता जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवस्थ किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदौ का, को उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

भामि 12 ए, न्यू ने० 11 हिन्दी प्रचार सभा रोड़ टी० नगर, मद्रास 17 टी० नगर लेख सं० 196/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बेट सक्षम प्राधिकारी महायाः श्रायाः स्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्र-2, मद्राम

नारीख: 3-10 85

महिर :

प्रकृष जाइं.टी.एन.एस.

कार्यास्य, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुपना भारत सरकार

कार्योसय, ब्रह्मायक धायकर धायुक्त (नि किका)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं 197/फरवरी 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके प्रथात् 'उन्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विस्ता उचित नामार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, पाथे शारितपुरम एक्सटेंशन उत्तर टी 0 नगर है जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय, टी ० नगर लेख सं० 250/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, फरवरी 85

को पूर्वोक्स तम्पित के उपित बाजार मून्य से कम के व्ययमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मून्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिवात से विधिक है और संतरिक (संतर्कों) नीत संवरिती (बन्त्रितियों) के बीच एसे बन्तरिम के विद्य तब पाना पना प्रक्रित क्या निम्निमिश्य उद्देश्य से उपन्य सन्तरिम विश्वक में वास्तु-विक क्या ने किया महीं विकास स्था है हिल्ल-

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत संबद किय-प्रियम में ब्याप कड़ को के बम्बरफ के वासित्य में क्यी कड़वें मा सकसे भ्रम में सुनिया के लिए; महि/या
- (स) प्रेसी किसी बाय वा किसी धन या बन्ध अस्तिकों की, विक्रू भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1.922 का 11) वा उक्त अकिनियम, वा धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था, दिवाने में स्विध के बिए;

कतः अव उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जे० नटराजन

(अन्तरकः)

(2) श्री ग्रार० के० लिगम्बालराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्धन के सिष् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, को और जनिध बाद यों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पन्दिकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्मां और पदाँका, को उत्तर अधिनियम, के अध्याध 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याध में दिवा गया है।

वनस्थी

भूमि ग्रौर मकान सं० 5, (पुराना सं० 7 बी०) पार्थणारतिपुरम एक्सटेंशन उत्तर टी० नगर मद्राम टी० नगर/ लेख सं० 25 /85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख : 3~10−85

मक्किर:

प्रकप वार्षं टी. एन . एस . -----

भागकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वधीन त्यना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्त्) प्रार्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अन्तूबर 1985

निदेश सं० 5/फरवरी 85~- श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारन हैं कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित वाचार मृश्व 1,00,000/- रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 1 (पुराना सं० 1 ए०) हारलेस रोड़ कोलपाक है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिर कारी के कार्यालय, पुरशवाक्यम लेख सं० 357/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि अधापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से जिथक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक क न निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिधिट में बास्तृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरफ वं शुद्धं किसी बाध की बाधस् उक्त मुधिनियम् के स्थीप कड़ योगे के बन्दहरू के बहिनरम में कमी कड़ने या उन्हों बड़ने में सुनिधा के जिए; बीर/या
- (च) इंबो किसी भाव वा किसी धृत वा बृत्य वाक्तिवाँ का, जिन्हें भारतीय वाय-कर क्षितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धृनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती धृषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिनाने बें स्विधा के सिष्टु;

- (1) श्रीमती जी० प्रभावति ग्रीर ग्रन्मों (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० ए० गाफर ग्रलैयास मृनीर (ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पष्टिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

मन्सूची

भूमि स्रोर मकान (पुराना नं० 1 ए०) हारलेस रोड़ कीलपाक मद्रास-10 पुरशवानशम लेख सं० 357/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीव निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

ना**रीख:** 3-10~85

मोहर 🗈

प्रक्ष वाह".ठी.एन.एव. ------

बायकर बीचनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज~2, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 अक्तूबर 1985

िर्म नंऽ 8/कण्वरी 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जनसकर विविधियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन संजय प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से विधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या मर्चनायकनेपालयम है, जो स्रान्त्र्घांत्लाच्ची गांव में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारों के ार्यालय, पोल्लाच्चो लेख नं० 340/85 में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी 85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्वयमान प्रतिकाल के लिए क्षम्तरिती की यह धार मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसको स्वयमान प्रतिकास से, होसे सम्प्रमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रविश्व से अधिक है बीह अस्वरक (कन्त्रका) और कम्बरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बम्बरूग के लिए उन माम प्या प्रतिकास निम्बितियां उद्दर्शका से जन्म कम्बरूग के लिए उन

- (क) अरहरण से हुन्द्र किसी गांव की गांवह, उपव वीधविषय के वंधींग कर दोने के वस्तरक वी अधित्व में केमी करने वा चवर्त क्यने में तृतिका है लिए; बॉर/या
- (क) एंची किसी आय या किसी धन या बन्य जिस्तानों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एल० विश्वनाथन श्रीर, श्री एल० सुंदरराज,

(श्रन्तरक)

(2) श्री एल० सुंदरराज ग्रौर, श्री एल० विश्वनाथन

(भ्रन्सिरती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के अर्थन के अर्थ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्यक्ति के वर्षन के सन्धन्य में कोर्च की आक्रोप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पद सूचना की ठाजील से 30 दिन की व्यक्ति थां भी सबिध धाद में ज़जापत होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीचा ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकप्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरों के पाड़ सिवित में किए वा सकेंगे।

स्था करण :---इसमें प्रयुक्त पत्रकों और पत्रों का, को उक्क अभिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा. को उस अध्याय में विधा वक्षा है।

अनुसूची

भूमि-103/3 ए और 93 ग्रात्वीत्नाच्ची 340/85/ (2 सं०) पोल्लाच्ची

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

बत: जब, उब्ब वर्धिनियम की भारा 269-न के बन्दरज में, में उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निय्निमित्रिक व्यक्तिमें अर्थात् म——

तारीख: 1-10-85

इरूप बाई. टी. ध्व. एव. -----

बायक द विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के वधीन त्वान

बारत बरकार

कार्यानन, सहायक नायकर बाय्क्ट (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० 50/फरवरी 85--शत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्लके प्रथात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभान सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० /डी० एस०सं० से 149, 150, 151, 152 टी० एस० वार्ड 6 सुन्नहमण्यस्वामि है, जो श्रीर वेलालर स्ट्रीट मंदिर स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची लेख सं० 175/85 में र्राजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियोन फरवरी 85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफ स के तिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत तम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ स से, एसे दृश्यमान प्रतिफ स का सम्बद्ध प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया भ्या प्रतिफत निम्नसिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाद की वावत, उक्त बिधिनयन के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अबने में मुक्रिया दे लिए, लीग/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

ाः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण मः, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) श्रीमती बी० चेल्लाम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० बालसुब्रहमण्यम

(भ्रन्तरिती)

को वह कुछना भारी करने पुनिस्त कम्पहित् के नर्जन के दिया कार्यमहित्रां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन को तारीच स 45 दिन की सबीच सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मानीच, की भी बन्धीच बाद में प्रमाप्त होती हा, से भीतर पूर्वोक्त स्पिक्ति में में किसी व्यक्ति दन्ना,
- (क) इस सूचना के राज्यक मा अकार को गान का व 45 चिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वक्ष किसी कत्य क्योत्ति व्यारा अधीतस्तातारी के वाल लिकिस मी किए का सकीय।

स्माचीकरण:—-इसमें प्रमुक्त शन्दों और पर्दों का, था उक्क अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हाँ, नहीं नर्थ होगा जो उद्ध क नाय में किन्न स्मार्भ

जन् मुची

भूमि और मकान-टी॰ एस॰ सं॰ 149, 150,151, 152 नं॰ 8 सुम्रमणिय स्वामि मंदिर स्ट्रीट ग्रीर वेलालर स्ट्रीट पाल्लाच्वी पोल्लाच्वी लेख सं॰ 175/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम श्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 1-10-1985

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ------

भायकर अिं नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ? 69-**व** (1) की बभीन स्**य**ता

शारत प्रकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ं श्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक । श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 59/फरवरी 85---श्रत: मुझे, श्रीमती एम०

अरबकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) **(विसे इसमे** इसके पञ्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की **पार** 269- के अप्पीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार सुरूप 1,00,000/- फ. में अधिक **ह**ै।

श्रौर जिसकी सं० ग्रानैमल्धै पल्लाच्ची है, जो एस० सं० 276 ए तिरूप्र में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रानैमल्लै लेख सं० 108/85 ग्रीर 110/85 ; भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन फरवरी 85

को पूर्वेक्श संपक्ति के उपित शासार मुल्य से कम और अध्यक्षान अतिकंत के लिए मंतरित की नहीं है और मफें यह विषयास करने का कारण है कि धभापूर्वोंकत सम्पत्ति का अभित माजार सम्ब उसके दश्यमान करिकट में. एर्से दश्यमान अतिफल का पन्दह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिरिधाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए **तक पावा जवा** शांतफल, निम्ननि**वित उद्य**ेष्यों से उक्त अन्तरण नि**वित** में गस्तिक रूप से कपित नहीं किया क्या है :----

- (क) अभ्तरण से हुई किसी बाग्र का बाब्द, उक्त अधिनियम के जभीन कर पीने के अन्तरक है **दाबित्य में कभी करने ध** जरूसे प्रधाने में संधिता के जिए: जौर/वा
- (क) गांसे किली क्षाय या फिसी धन या क्रमा कास्तियों को, फिन्ही भारतीय सायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 🕦 या उतन अपिनियम, या धन रुक अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ कंसरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किस्सा कामा आर्थित था, विभागे की सर्विता कें लिए:

अपत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) क्रे अभीतः, निक्तिनिति व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजेश्वरी श्रौर, श्रीमती राजाती

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दनलक्ष्मी श्रौर, श्री के० सुरेशबाबू

(ग्रन्तरिती)

को सह शुक्रना वारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता 📺।

धक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींख सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृवींकर **व्यक्ति**तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकी।

करण:---इसम

नी

हैं, नहीं अर्थ हाया जो उस मध्यय मी दिया गया है।

मन्सूची

कृषि खेतीं--श्रनैमलै-पोल्लाच्ची श्रानैमलै लेख सं० 108 श्रीर 110/85

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 1-10--85

माहर:

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक । भ्रक्तूबर 1985

निदेश मं ० 65/फरवरी 85—-ग्रत : मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की कि 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी संव तांठ्रिपालयम गांव 4थी वार्ड- संव 2 है, जो तिरूपुर टाऊन में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तिरूपुर लेख संव 281/85 में भारतीय रजिस्ट्री- करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान में, एं इश्यमान प्रतिकान में, एं इश्यमान प्रतिकान से पन्द्रह प्रतिशार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिकान, निम्नोलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से किश्त गृही किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिज्ञिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

आत: जब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधार, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस० एम० वण्मुगम पुरोतिन श्रीर, (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ए० गणेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कूरू करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सिन्ह जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयक्ष्य कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रौर मकान 4था वार्ड नं० 2, ताहिपालयम तिरूप्पर टाऊन तिरूप्पर लेख सं० 281/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

तारीख: 1-10-85

भोहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निवेश सं० 72/फरवरी 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मत्वशयपुरम है, जो कोयम्बसूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ताण्डामुत्तूर लेख सं० 222/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिहात से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों स्वा, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260 च के अनसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) में अधीन विकालिक व्यक्तियों, अधीत "—— 18 —306GI|85

- (1) श्रीमती वेंकिट्टम्माल श्रीर अन्यों (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्म कारूण्या एजूकेशनल ट्रस्ट, ट्रस्टी एम० दुरैस्वामी.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रमेक्ट व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की सारी स्थाप से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में किन बद्ध किसी व्यक्ति ववारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

भूमि श्रीर मकान 306/2, मत्तुवरायपुरम, कोयम्बत्तूर ताण्डाम्सर लेख सं० 222/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 30-9-85

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर ऑभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, विनांक 1 ग्रवतूबर 1985

निदेश सं०. 78/फरवरी 85—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

.1,,00,000 /- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 11/415 प्लाट सं० 16—
164 ए० 164 बी०, बाद है, जो कोयम्बलूर टाऊन
में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण
क्ष्म से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय,
गांधीपुरम लेख सं० 507/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
श्रिष्ठित्मम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 85
को पूर्वीक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रस्मान
श्रीतफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुझे यह विज्ञास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रस्थमान प्रतिफल से, एसे द्रस्थमान प्रतिफल का
पन्ताह प्रतिम्रत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

श्रीत्राप्तः निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित से

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निचिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० एस० तिरुवेंगडस्वामि **मौर**, श्री टी० पापर्थसारथी, श्री टी० नारायणन,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० रामदास,

(मन्तारती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

भूमि टाटाबाद 11 टी० एस० नं० 11/415 प्लाट मं० 16, कायम्बतूर टाऊन गांधीपुरम लेख सं० 507/85

> श्रीमती एंम० सामुबल सक्षम प्रााधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, मद्रास

ताराख: 1—10—85

म्बन् बाद् दी पुन पुस

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीय ह्याना

TIES SERVE

कार्यांत्रव, सहायक कायकड वायुक्त (निर्दोशक)

म्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, विनोक 30 सितम्बर 85

निवेश सं0 79/फरवरी, 1985—श्रतः मुझे, एम० सेमुबेल कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्थे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मुस्व 1,09,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या संगनूर गांव है, जो कीयम्सूर ताल्बलुक में स्थित है (और इससे, उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख 309/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त तंपति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उणित वाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पल्क्स प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंबोरितियों) के बीच एसे बंतर्थ के लिए तय पाया गया प्रीत-कत, जिन्निसिच्छ उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिनित में वास्त्विक क्य से कृषित नहीं किया व्या है कर

- [का) बलारण के हुए किसी भाग की वाबत, उक्त वृत्तित्वन के बचीन कर दोने के बन्तारक के दावित्व के कनी करने वा उद्यो व्यान में तृतिभा के लिए; ब्राइ/या
- (व) प्रेती किसी बाद या किसी धन वा बन्य वास्तियों को हैंब्क् बारतीय बाद-कड़ विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षितियम या क्वक व्यक्षितियम या क्वक व्यक्षितियम या क्वक व्यक्षितियम वा क्वक्रिया वार्तियम विद्या वार्तियम प्रकट नहीं किया वद्या था या किया थाना वाहिए था, कियाने में व्यक्षित के निद्;

(1) श्रीमती ठी० भाग्यम

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जी० रामलाल

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिड़ा कार्यवाहिया सुरू करता हु⊤ं।

उक्त सम्परित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाजेंद ह--

- (क) इस त्यान के राष्पण में प्रकाशन की तारींचा से 45 दिन की समित या तत्त्रम्यन्थी म्यस्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविष्, को भी अविष साथ में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (वा) इत स्थान के राजपत्र में त्रकासन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोगें।

स्पक्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त पान्यों और पर्यों का, जो जनते विभिनियम, के अध्याय 20-क में विरिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में विका गवा है।

नगृज्यी

भूमि श्रौर मकान--संगनूर गांव, कोयम्बतूर लेख सं० 509/ 85, गांधीपुरम :

> एम० सेमुबेल सक्षम श्रिषकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्णन रेंज-॥, मद्रास

अत्य अवः, स्वयः अभिनियम की भारा 269-ए के अनुस्तरण अं, अं, रक्त विधित्यम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक: 30-9-85

महिन 👍

अक्त आह<u>ें टी. एम एस ुननननन</u>

बावकर विश्वितवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

श्रापक करकार

कार्यानन, सहायक भावकर वायुक्त (विरीक्षण)

भ्रजीन रोंज-II, मद्रास मद्रास, विनांक 1 भ्रक्तुबर 1985

निदेश सं० 82/फरवरी, 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सीमवेल

बहिन देविषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेरवात (उक्त विधिनियम) कहा गया है), की धारा 269- के कि विधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है.

श्रीर जिसकी संख्या संगनूर गांव—जी० एस० 35/1, 346/1, गांबीपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रीनुंसूबी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 901/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी,

कर्त पूर्विक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्प्रमान अतिकृत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, खत्रके इस्प्रमाय प्रतिकृत से ऐसे दर्यमान प्रतिकृत का चन्त्रक अतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाबा जबा प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण किस्तुत में बास्तविक रूप से अध्यत नहीं किया गया है :---

- (ेंक) बन्तरण वे हुई किसी आव की वावत, वक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक की वावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बौर/या
- (च) एंसी किसी या किसी भन या अन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए।

वर्तः वयः, सक्त विभिनितमं की पारा 269-गं के कम्सरक वें मी, उक्त विभिनियमं की भाग 269-मं की उपभाग (1) के सभीम, निस्मसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ठी॰ दण्डपाणि

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ रेड्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके प्**वॉक्त सम्पत्ति के वर्षत के निए** कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सन्तरित के वर्षन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकारकन की तारीच तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकेंग्रे व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच, लिखित में किए वा सकारों।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो खक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्युची

भूमि श्रौर मकान—गांधीपुरम, संगनूर गांव, जी० एस० नुं० 345/1, 346/353, 354, 5.50 एकड़ बारतीनगर एथन्यू ले ग्राउट—गांधीपुरम, लेख सं० 901/85।

> श्रीमती एम० सामुक्षेल सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।।, मद्राम

तारी**ख**: 1-10-85

प्रकार जार्च . टी . ध्रेच . प्रकेश

भाषकर वीधीनस्व ; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

नारत बहुकार

व्यवनिकः बहायक भावकर नावकः (विलंकिक)

म्राजैन रेंज-II, मदास मद्रास, दिनांक 1 श्रवतुबर 85

निदेश सं ० 105/फरवरी, 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परकात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धार 269-चे के वधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या ए० 44-डोर सं० 33.-10 एक्स्यू, श्रशीक नगर है, जो मद्रास-84 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूषी में श्रीर पूणूं रूप मे विणत है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कांयम्बतूर लख सं० 551/85 में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ब्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके मह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचके क्रियबान प्रतिफल से, एसे क्रियमान प्रतिफल का नन्त्र प्रतिकत से बिक्क है और बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदरिका) के बीच एसे बंदरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त की निम्नलिचित उच्चेष्य से उक्त अस्तरण निम्नलिचित में वास्तिवक क्रिय से कांचित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तर्भ वे हुई कियी जाव की वावतः उपत श्रीपनियम के स्थीन कर योगे के अन्तरक के स्वीयत्व में केंग्री करने या जबके मुख्ये में सूरियमा के जिए? स्वीर/या
- (ल) देवी किसी नान ना किसी धन मा जन्म वाजिसकी की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उत्तर निधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नक्षिरियम, विकास प्रयोजनार्थ नक्षिरियम विकास प्रयोजनार्थ नक्षिरियम वालिया वा

कार वन उक्त विविनयम की भाग 269-ग की वनुसरक हो, हो, उक्त विभिन्नयम की भारा 269-ग की उपभारा (१) के नभीन, निम्मसिचित व्यव्तियों अर्थात् :--- (1) मेसर्स जी० बी० कृष्णन एण्डकुं०

(मन्तरक)

(2) सम्कोरठ पम्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड

(भन्तरिती)

को यह यूचना बारी कड़के पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दशत सन्मास से बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की बद्धि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी कच्च व्यक्ति बुंबारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

art d

भूमि और मकान—ए० 49, डोर सं० 33.10 एकेन्यू, भशोक नगर, मद्रास-83 कायम्बतूर लेख सं० 551/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम घधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ॥. मद्रास

दिनांक 1-10-85 माहर:

वक्त वार्टी एवं एक _{्रस्टनन}-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाडा 269-व (1) में न्वीय सूच्या

बाइड इडक्स

कार्यालय, तहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1-म्रक्तूबर-85

निदेश सं० 112/फरवरी, 1985---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सेमुबेल

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के वंभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित जाबार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी संख्या सिंगनालूर गांव, 129/3, 130/3, ए आई-155/1 है, जो कोंयम्बतूर ताल्क में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिंगनाल्लूर लेख सं० 416/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनांक फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम क बस्यमान प्रतिकास के जिए बन्तरित की गई है और जुन्ने यह विस्थाओं करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित वाजार मृज्य, उसके वश्यमान प्रतिफास से एसे वश्यमान प्रतिफास का पंक्रह प्रतिचत वे कथिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिग्रेतन्रें) के बीच् पृत्ते बुख्यरम् क्रे विष् वय पावा नृता मीक्का, विभाविद्या उनुवोद्य से एक्ट्र सम्बर्ग विद्याल भी बारवनिक रूप वे कवित बहुँ किया पना है ए----

- (क) अच्छारम वे हुन्द्र किसी आय को वायस, उपस हरिविद्यत के अधीन क्षेत्र को वे बन्दरक के कर्मिक में कर्मी क्रप्रवेश बहुत बहुत में अपिया के सिए; और/वा
- (व) होती विक्री गांध वा देवकी वंध वा सूच्य वारिक्को को, जिन्हें बाउतीय वाय-बद्ध वरिवीयम, 1922 (1922 का 11) वा बक्त विविधिय, वा भनकार अभिगेतसम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना छाड़िये था. विश्वानै में वृत्तिभा के जिल्ला

अक्षुतः अब, उक्क विधिनियम की भारा 269-ग के अन्भरण व", म^и, **डक्त अभिनियम की भारा 2**69-व की उपभारा (1)} 📦 ब्रापीन, निम्ननिश्वात व्यक्तियमाँ वर्ष्या 🖦

(1) श्री के० वरदराजन्

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० कुष्णन् श्रीर भ्रन्य

(श्रन्तरिती)

भा बहु स्कृता पारी करके पूर्णेक्ट सम्पृतिस् के भूतिन् से विस् कार्यवाहियां करता 🚮 📭

अवस सम्मित्त के वर्षन के बुम्बुम्ब के आहे ही वासोद्ध--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींचा क्ष 45 सिन की अवधित या रासान्यत्वी व्यक्तिको पर बुचना की तामीब से 30 दिन की मनीम, जो श्री ब्बरिय बाद में समान्य होती हो, के शीव्ड पृत्रोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगाराः
- (व) इस सूचना के राष्प्रम में प्रकाशन की तारीय बे 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवद्य किसी बन्ध व्यक्ति बुवारा बुधोइस्ताक्षरी है पाड़ सिचित में किए जा सकेंगे।

लक्योकरण:~-इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, नुधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी मर्च होगा को उस मध्याय में दिवा षया 🗗 L

अनुसूची

भूमि--सिंगनाल्लूर गांव, कोयम्बतूर, कायम्बतूर सिंगनालर/ लेख सं० 416/85।

> श्रीमती एम० सेमुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीख: 1-10-1985

माहर:

प्रकप बाइ .टी.एन.एस.----

आयापन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनाँक 1 धक्तूबर 1985

निदेश सं ० 118/फरवरी 1985--- श्रृतः मुझे, एम० सामुवेल भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रुक्त से अधिक हैं भीर जिसकी सं० 0.72-7/16 भार०एम०नं० 4205/भाई0सी तया जो ऊठी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, उदगम-० मण्डलम नीलगिरीस में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिकल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल **प्र**यमान प्रतिफल के पन्रह प्रतिशत से **भौर अंतरक (अंतरकाँ)** और अंतरिती (अंतरितियाें)

बीच एंसे अन्तरण को लिए तय पत्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उ<mark>द्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में</mark> वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन दिम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मी० ग्रार० पठ्ठामिरामन श्रीर भन्यों। (भन्तरक)
- (2) श्री ढी० पुकराज श्रीर श्री प्रकाश बी० मेता। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में क्यो**र्ड भी आक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, अहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यी

भूमि: 0.72-7/16 एकरस आर० एस० नं. 4205 म्राई० सी० ऊठी उदगमण्डलम-नीलगिरीस। लेख सं० 191/85

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

सारीख: 1-10-1985 ·

मोहरः

प्रकप नाहाँ, टी. एन. एव.. 👓

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 1 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 120/फरवरी 85-- मतः मुझे, श्रीमति एम० सामुवेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० मन्तुनरायपुरम है, तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (धीर इससे उपायक भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिका री के कार्यालय, तोण्डामुत्तूर लेख सं ० 193/85 सें रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985,

को पूर्वा कित सम्मत्ति को उपित बाबार बूक्य से कम को इश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है जार मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्दरिती (बंदरितियाँ) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया बचा प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्वाद्य से उपत बन्तरण निश्चित वो बास्तिक कप से क्यित नहीं किस्स नवा है 2—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त विभिन्निया के अभीन कर बोने के अन्तरक के शाबितन में कवी करते या उक्क बचने में सुनिधा के सिए; बीट/बा
- (का) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनिमस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वाद्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुजिभा को लिए;

वत: अथ, उक्त अधिनियम ं श्री भारा 269-ग के इनइरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकतायों, अधीत है—— (1) श्री रामनामि मौर शन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) कारूण्या एडुकेषगलू ट्रस्ट ट्रस्टी श्री एस० दुरस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के विषय कार्यवाहियां करता है।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाओंड़ :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वध्यक्रिकरण :----इसमें प्रयुक्त सब्यों और पवी का, जो उच्छा निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया मजा है के

भनुसूची

भूमि-मन्तुवरायपुरम कोयम्बतूर/तोण्डामुत्तूर लेख सं० 193/85।

> श्रीमिति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-U मद्रास

तारी**यः : 1-10-198**5 : मो**हर** ॥

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस. -----

आयक्षर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश मं० 128/फरवरी 85—श्रनः मुझे, श्रीमिनि एम० सामुवेल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिन्हां मं० 19, वें हटायल मुरलो स्ट्रीट, पुरणवावकम है, तथा जो मद्राप-7 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुरुषावाककम लेख सं० 274/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफाल, मिम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उच्त अधिनियम के अधीन कार धंने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा से सिस्श और/था
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) में अभीनः निम्निलि**वित व्यक्ति**यों, सभीत् क्ष्याः 19---306 GI|85 (1) श्री पी० एस० गोबिन्दराजुलु,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० वक्तकत्त्रमुख्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिक्ष के वर्षन के निए कार्यनाहियां गृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकी।

स्यष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त हाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

> भ्रनुसूची ।

भूमि ग्रीर मकान-19, वेकटायल मुदली स्ट्रीट, पुरुश-वाक्कम, मद्राम-7 पुरुशवाक्कम लेख सं० 274/85 ।

> श्रीमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ,ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

नारीख: 30-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-। मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 66/फरवरी 85--म्ब्रतः मृझे, श्रोमित एम० सामुरेल,

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ-209 ग्रन्ता, नगर, मद्रास-102 है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रन्ता नगर, द०सं० 244/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमित लक्ष्मी कृष्णस्वामी श्रीर श्रन्यों। . (अन्तरक)
- (2) श्री वशीर **धहमद ग्रीर ग्र**न्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणं: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण एफ 209, ग्रन्ना नगर, मद्राय-102 (द॰स॰ 244/85)।

> श्रीमिति एम० सामुवेल सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-I, मद्रास

तारोख: 27-9-1985

प्रकप मार्च होत् प्रचा एक 🧟

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक जायकार जायुक्त (निर्देशका)

म्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 ग्रगस्त 1985

िनदेश सं० 67 फरवरी 85——प्रतः मु**से, ए**म० कें० वेणुगोभाल राजू,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसओ परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शिकारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० प्लाट सं० ई प्लाट सं० 269, पेरियलकूड गाँव, मद्राम है, तथा जो ग्रौर ग्रभिन्न रवार्थी भूमि-16 में स्थित दे (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रग्नौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रण्णा नगर, (दस सं० 304/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे रश्यमान प्रतिफल बे शब्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्या गया प्रतिफल , निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निम्निलिखत अन्तरित में शास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक वैं दायित्व में कमी करने वा उत्तसे क्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष्म (1) श्रोमति एम० श्राण्डालम्माल।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री के० माटिचन्द दागा।

2. श्रीमत्ति मोहनो देवी दागा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नावं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार(,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेथे हितबद्ध किसी अन्य स्थितित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्वी

भूमि श्रौर मकान—प्लाट स० ई प्लाट सं० 269, पेरियकूडल गाँव, मद्रास श्रौर श्रभिन्न स्वार्थी भूमि-1 6 (एस० श्रार० के श्रण्णा नगर-दस सं० 304/85)।

> एम० के० वणुगोपाल राू गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, मद्रास

तारीख : 23-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 27सितम्बर 1985

निदेश सं० 69 फरवरी 85—— ग्रतः मुझे, श्रीमित एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक ह[®]

ग्रीर जिसकी सं प्लाट सं 377, श्रिटिंग्नर श्रन्ता नगर वेस्टेरन एक् गटेंग्नन है, तथा जो श्रन्ता नगर से स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची संग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रन्ता नगर द० सं 346/85 से भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है: :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमति पी० बानुमती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सुदीन्द्र शेट्टी श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्धी

भूमि श्रीरमकान निर्माण प्लाट सं० 377, श्रटिग्नर, श्रन्ना-नगर वेस्टेरन एक्सटेंशन, मद्रास (दस० सं० 346/85)

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 27-9-1985

प्रकृष् वाष्ट्रीः देशः द्वारा स्वयं स्

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, तहावक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रें ज, मद्रास

मद्रास विनांक 27सितम्बर, 1985

निदेश सं० 71 फरवरी 1985 — ग्रतः भृत्ते, श्रीमति एम० साम्बेल

नायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निर्मित्रम' कहा पया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर कम्पीत, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जे० 69, श्रण्ण नगर, मद्रास-40 है, त जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय, श्रण्णा नगर (दस० सं३० 2130/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 8

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बर्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई जौर नुसे मह निद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके व्यथमान प्रतिफल से ऐसे व्यथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्त में अस्तर अस्तर्थ के सिक्त में सास्तिक क्य से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की वायतः, बन्ध निश्नितम के संशीत कर देने के बन्धरण के दावित्य में कमीं करने वा बत्तने वसने में सूनिधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी अन या बन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

(1) श्रीमति के एड गिरी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सम्पत्त कुमार।

(श्रन्तरिती)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हैंलए कार्यवाहियां क्रक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकारणः — इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया गया हैं।

वगुपुरी

भूमि श्रौर निर्माण-- प्लाट सं० 3505, जे० 69, श्रण्ण नगर, मद्रास-40 एस० श्रार० श्रण्ण नगर (दम० सं० 2130/85)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन 'रेंज-।, मद्रास

नतः स्व, उक्त निभिनियम भं, मं, उक्त निभिनियम की के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियः

खि: 27-9-1985

ऱ :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निवेश सं० 73/फरवरी/85—श्रतः मुझे, श्रीमित एम० सामवेल,

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त निभीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित गावार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिमकी सं० प्लाट सं० 1917, ग्रिटिनर श्रण्णा नगर, मद्रास-40 है, तथा जो मद्राम से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रण्णा नगर (६सः सं० 489/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य हो कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके क्यामान प्रतिक्त से, एसे क्यामान प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे बन्दरण के सिए सब पाना नवा प्रतिकृत का निम्निसिक उद्देश्य से उस्त बन्दरण सिम्बित में बास्त-विक कम से कथित वहीं किया नवा है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त बाध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) प्रेची कियी नाय ना कियी थन वा नायं नास्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धव-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में..में, उक्त सिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सधीन, निम्निसिस व्यक्तिसियों अधीत :---

(I) श्री पी० बी० नारायणन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति प० राजाम्पाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रों कर सम्परित की अर्जन को लिए कार्यनाहियां सुक करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे . 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए दा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

मनुसूची

भूमी ग्रीर निर्माण--प्लाट सं० 1917, जे० ब्लाक, 4थी स्ट्रोट, ग्रटीनर ग्रण्णा नगर, मद्रास-40 एस० ग्रार० ग्रण्णानगर (दस: सं० 489/85)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-।, मद्रास

गरीख: 27-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नाथकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निडीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 27 सिसम्बर, 1985

निदेश सं० 76/फरवरी/85--म्ब्रतः मुझे, श्रीमित एम०

सामुबेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्कें दश्यात 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार जूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसको सं० टी० एस० सं० 229, ब्लाइ 9 ए, ब्रन्ता नगर, मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ब्रोद इससे उपाबद्ध अनुसुची में ब्रीर पूर्णरूप संवर्णित है), रिजस्ट्री क्षत्री ब्रिधिकारी के कार्यालय अन्ता नगर, में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अवीत तरिष्य 16 फरवरी, 1985 (दस० सं० 574/85

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह निक्वास करने के कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का ग्रंह प्रतिक्ष का ग्रंह प्रतिक्ष्य से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिक्ष कल निम्नलिसित उद्दोष्य से उस्त अंतरण लिसित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाय की बावत करत निध-नियंत्र के ज्यीन कर देने के बन्तरक के दादित्व में कमी करने या उत्तते वचने में तृत्या के किए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय सार्यकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रसोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए;

ं बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसर्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) कें अधीन, निम्निजितित श्रिक्तियों, अधीत :---- (1) भा डी० सान्तनायकी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विल्सन सामुबेल प्रेराज।

(अन्तरिती)

की बृह बूच्या शाडी करके पुर्वाक्त सम्मात्ति के अर्थन के निम् कार्यवाहियां करता है।

उन्त रागीत् के **अर्थन का सम्ब**त्भ में के हेर्ड भी जाक्षेप्±---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन, की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमी ग्रौर निर्माण-टी० एस० सं० 229, ब्लाक 9 ए, श्रन्नानगर, मद्रास । (दस० सं० 574/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मद्रास

तारीख: 27-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 77/फरवरी/85--प्रनः मुझे, श्रीमित एम० सामुवेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० 2, साई मुदुगन स्ट्राट, तिरूमंगलम रोड, बिल्लीवाककम, मद्रास-49 में हैं तथा जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, श्रण्णानगर, (दम० सं० 618) 85) में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) र्थाटी० जी०श्री निवासन्।

(मन्तरक)

(2) एम० तिक्कु विजया पाडींयन।

(ग्रन्तिरती)

को यह ।भूषा जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के वृष्टन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूचीं

भूमि और निर्माण---डोर सं० 2, साई मुदुगन स्ट्रीट, तिरूमंगलम रोड, तिरूलीनाक्कम, मद्रास-49 एस०मार०ऊ० भ्रण्णा नगर, (दस०सं० 618/85)

> श्रीमित एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, मद्रास

तारीख: 27-9-1985

 $Q_1^* \forall Z$

प्रकल वार्षः टी. एन. पुषः -------

वाशकर न[भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्शलय, सहायक बायकर आयुक्त (रिनरीकक)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

िनिदेश सं० 78|फरवरी|85 –श्रतः मुझे,श्रीमति एम०

सामुबेल, नानकर विभिन्नन, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्यानें इसमें प्रशाध 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की वारा 269-च के नथीन सभान प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मुख्य

100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं0 प्लाट नं0 4089 मूल्लम गांव: मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिथिकारी के कार्यालय, श्रण्णा-नगर (दस० सं० 627/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 18) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूक्य ते काम के कायजाब प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्छ्य प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण विचित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, स्थल वर्षधिवाय के बधीन कर दोने के बन्तरण के वृद्धिया के क्यी अपने वा प्रवर्ध क्यने के बृधिया के विक; और/वा
- व) एती चिकी नाम ना मिली भन ना बन्न वास्तिनों नते, विक् सारतीन बान-कर विभिन्नय, 1922 (1922 का 11) ना अक्ट विभिन्नय, ना भव-कर विभिन्नय, ना भव-कर विभिन्नय, ना 27) के प्रनोक्तार्थ कर्तरियों क्रुनारा प्रकर वहीं किना क्या था वा किया थाना चाहिए चा, क्रियाने में व्यविभा के चिक्;

कतः शव, उक्त विधिनवन की धारा 269-ग के वनुतरण में, में, उक्त विधिनवम की धारा 269-य की उपधारा (1) में अधीतः निम्मीविधित व्यक्तियों, वर्षात ह—— 20—306 GI|85

- (1) विमान वर्दस मार्णन एफ0 वी 0 ए 0 स्कुडडर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कें० वेणुगोपालन ।

(ग्रन्तरिती)

को नइ सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन में किए कार्यगाहिनों करता हूं।

वक्त सम्मत्ति के नर्जन के बंबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यान को राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्याँक्सयों वर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंकक व्यक्तियों में से किसी क्याँक्त द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की दारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिस-वर्ष किसी जन्य स्थावत ब्वारा, अभाहस्ताकरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमे प्रयुक्त बच्चों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिवा नवा है।

वनसर्वी

भूमि ऋौर निर्माण→प्लाट सं० 4089,णी० 91,ऋण्णाट नगर, मब्रास-40 एस० ऋार० ऊ०: ऋण्णा नगर। (दस० सं० 627/85)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, मद्रास- 6

नारीख: 27-9-1985

प्ररूप बार्ष छ हो । प्रन् प्रस् ----

कायक र किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के क्षीन सुमना

राइव पुरस्क

कायसिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांव 27 सितम्बर 1985

निदेण सं० 79/फरवरी/85—ज्यतः मुझे, श्रीमिति एम० साम्वेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 1570, श्रण्णा नगर, मद्रास है, तथा जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रांत पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीशर्ता श्रीधकारी के गार्थालय, श्रण्णानगर, (दस० सं० 673, 85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्र्फे यह जिश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उसने बचने में गुन्थिश के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :--- (1) श्रीमति दीपिका नन्दलाल।

ukir - Henrin zuzulun rezulub lettisatenny tennetillet ikki ikki fulla et uit uit ik

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० ने त्वराज श्रीर श्रीमति एम० जे 0 अर्पुनामेरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सक्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप 🖅

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की ताराध च 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि साद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियां में किन्दी आफिन द्वारा;
- (क) इस मचना के राज्यक में प्रकाशन की तारित सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाब्दीकरण .— इमर्जे प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का जो उसस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याश में दिया गया है।

an a T

भूमि और निर्माण---प्लाटसं० 1570, प्रण्णा नगर, मद्रास एस० ग्रार० ए: प्रण्णा नगर। (दस० सं० 673/85)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I, मद्रास-6

नारीख: 27-9-1985

मोहरः

प्ररूप आइ ं. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयक्त अग्रक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 27, सितम्बर 1985 निदेश सं० 80/फ़रतरा/85 --श्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुदेखः

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मुख्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसको सं० श्रार० एस० सं० 1609/2. मार्शललसं रोड़, एडमोर, महास है, तथा जो महास में स्थित है (श्रीर इसने उपाबढ़ श्रृतसूची में श्रीर पूर्णका में विणत है). रजिस्होकती श्रिधकारी के जार्यालग, पेरोयमेट (दय० सं० 114, 115 श्रीर 116/85) में भारतीय रजिस्हो एएए श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रुवीन, तर्राख्य 16 फल्चरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया भया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति ए० विस्वेस्त्ररा राउ श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) एम० म्रानंदन एम० म्रमुदा ।

(ग्रन्तरिर्तः)

को। यह स्चना जारा करके पूर्वोक्त सम्बक्ति कं वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्भू वो

प्लाट सं० 139 और 140, **मा**र्शल्लक्ष रोङ्,एम्मोर, मद्रास एस० द्यार० द्य : पेरोयमेट

(दस॰ सं॰ 114, 115, श्रीर 116/85)

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-1, मदास-6

नारीख: 27-9-1985

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत चंडकार

कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जनरें ज,-I भद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 81/फ़रवरी/85:—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 139, श्रीर 140, मार्शललस रोड़, एग्मोर, मद्रास है, तथा जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय,पेरीयमेट (क्सं० सं० 117/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 फरवरी, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से एसे खबमान प्रतिफम का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई सिक्सी बाव की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ध्रेसी किसी नाय या किसी धन या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय ज्ञामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनकम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

कतः अब उक्तः नीधनियम की भाग 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० विस्वेसरा राक श्रीर ग्रन्य।

(मन्तरक)

2) जीव धन्नस्माल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के शर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की सविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की जबिभ, को भी सविभ बाद में समस्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिस्कों में से किसी व्यक्तियु द्वारा
- [क] इस ब्राम के प्राप्त हो मुक्त की वार्रीय हैं 45 दिया में शिवर क्याद स्थापर क्यारित में दिवस्त स् विकास सम्बद्ध महिल्द द्वारा स्थादरवालाही में पास विकास में किए या क्योपे तो

स्वाधित्यम् के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं। विश्वियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं। नहीं वर्ष होना को उत्त बध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्लाट सं० 139 और 140, मार्शललस रोड़, एग्मोर, मद्रास। (एस० ग्रार० ग्रः पेशीयमेट। दस सं० 117/85)

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; मद्रास-6

सारीख: 27-9-1985

प्राक्य बाह् ं टी . एन . एत . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की की. भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यात्रयः, तञ्चयक जायकर जानुक्त (विरोक्तिन)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 सि**र्**गम्बर, 1985

निदेश सं० 82/फरवरी/85--- प्रतः, मुझे, श्रीमति एम०

प्राम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मृस्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 139 ग्रीर 140, शार्शनलस रोड़, एम्मोर मधास है, तथा जो मदास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन सूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य से वणित है), रिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, पेरोयमेट (दस० सं० 118/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रतिकृत से विश्वक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा शित्कन, विश्विधित अनुविक्ती से अन्त बन्दर्ज विश्विध में शस्तिविक रूप से किंगत नहीं किया गवा है ——

- (क) बन्दुःन् वं हुई किवी थान की बन्दु, वन्द्र विभिन्दित्व के व्योग कर दोने के बन्दुःक के द्वित्व में करी करने वा बदलें व्यमें में द्विता के जिए; बीर/वा
- (व) एंकी कियी कान वा कियी वन वा कान वास्तिकों की विन्हें भारतीय नाव-कर निर्मागनम, 1922 (1922 का 11) वा क्वत निर्मागनम, वा वन-कर निर्मागनम, वा वन-कर निर्मागनम, वा वन-कर निर्मागनम नात्रिती क्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए था, किया वे सुविवा में जिल्हा

- (1) श्री ए० विस्वेस्वरा राक्त श्रीर ग्रन्य। (ग्रन्सरक)
- 2) जी० शंकर।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के गर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्मत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेप :---

- (क) इस सूचमा के एवएक में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध निस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हितविश में किए वा सकें ने ।

स्वच्यकरण्:---इसमें प्रवृक्त सन्यों बृद्धि एसी का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा भी उस स्थाय में दिक्क न्या हैं।

प्रमुस्ची

प्लाट सं० 139 मीर 140, मार्गललस रोड़,एम्मोर **मद्रा**स (एस० म्रार० ओ पेरीयमेट । (दस० वं० 118/85) ।

> एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्राक्युत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 27-9-1985

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.; ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,- मद्रास

मद्रास, दिनांः 27 सितम्बर, 1985 निदेश सं० 83/फ़रवरी/85—म्प्रतः मुझे, श्रोमित एम०

साम्बल,

आयकर आंधनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 139 और 140, मार्गजलस रोड़, एग्मोर, मद्राप्त हैं, तथा जो मद्राप्त में स्थित हैं (और इसी उपाबद्ध अनूसूर्वी में और पूर्णका ने विणा है), रजिस्ट्रा क्ती अधि कारी के कार्यालय, में पेरापमट (दम० गं० 119/85)में भारताय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- िक) भन्ताद्रण संहुदंकिसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में अभी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिक्ट:

बतः अ्व, उक्त विधिनवम की धारा 269-ए के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (१) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात ⊯—

- 1) श्री ए० विस्वेस्वरा राव ग्रीर ग्रन्य।
- (श्रन्तरक)

(2) भ्रार० गोपाल।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्र ब्रंथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसान में किए या सकरी।

वन्स्या

प्लाट मं० 139 और 140 मार्गननस रोड़,एग्मोर, मद्रास। (एस० श्रार० श्री: पेरीयमेट (दस० मं० 119/85)।

> ए० साम्बेल गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-I महास

दिनांक: 27-9-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 मद्राम

मद्रास, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निदेण सं० 84/फरवरी/85---ग्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ^{*}कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000∕- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० 139 और 140, मार्शनलम रोड, एमोर. मद्रास-८ है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पुर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट (दग० मं० 120/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के सधीन 16 फरबरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के लिए मन्सरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित शाकार म्ह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प तिचात से बाधिक है। बीर अस्तरक (अस्तरकों)। और **अ**स्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन्नः निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण सिक्रितः में बास्तविक अप से कवित नहीं निधा गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/मा
- (स) एंसी किसी अाय था किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, बा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वासा प्रकट नहीं स्थि। गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्थिया के लिए,

वतः वन, उक्त वधिनियम की धारा 269-ए के वनुसरण मां, मां उक्त मिनियन की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात हु---

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----- (1) ए० विस्वेस्वरा राव श्रीर अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) जी० सेंतमरें।

(भ्रन्तरिती)

को यह राचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्रां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इसुसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिपरियन भी विश्व जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 139 श्रीर 140, मार्शनलम रोड, एग्मोर मद्रात-8, एम०गार० ओ० (पेरोयमेट दम०सं० 120/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-1 (श्राई/सी),मद्रास

तारीखा: 27-9-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 सिसम्बर 1985

निवेश सं० 85/फरवरी/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार०एस०सं० 91, 92, 93, 94 श्रीर 96 है, जो भाग ग्राफ एहमोर गाँव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 123/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रिधीन 16 फरवरी, 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री किशोर गोकुलदास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्दर कुमार मलहोत्रा, ग्रीर भन्यों।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट म्रार०एस०सं० 91,92,93,94 म्नीर 96 एध्मो र गाँव का भाग (द०सं० 123/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई/सी),मद्रास-6

तारीख: 27-9-1985

प्ररूप बाह्र . टी. एव. एस. ----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कायालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 86/फरवरी/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल'

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अर्थाय सक्षाय प्राधिकारी कर यह विश्वास करने का न्तरण हो कि मध्यक गर्माच, निसन्त उत्भावकार मज्य 1,00,000 / - रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 17, है, जो म्रलगप्पा नगर, हालस रोख 🗼 मद्रास 10 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट (दस०सं० 124/85) में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 16 फरमरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बक्वजान प्रतिफल को लिए जन्तरित को गई। वरि मृत्रे यह विख्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूक्न, उसके अपयमान प्रतिकास से एरी अस्थमान प्रतिकास आर पन्तक्र प्रतिकात से अभिक हैं। बौर बन्तरक (बन्तरका) बौर अस्तरिती (अस्तरितियाँ) के बौथ ए'से अस्तरण के निष् तथ रावा नया प्रतिकास, निम्नसिन्धित अपूर्वास्य से अस्त बाह्यस्य भिष्य में नात्विषय कर से कवित नहीं किया नवा है :---

- (45) अन्तरण संहुर्श किसी जाव की शक्रत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की शिधित (भा असी करते या उससे कचने । मी सुविका क लिए; बार/या
- िं रकी धिनो जाय या क्षिपी पन या **जन्य आ**फ्लियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयाजनाथ करता रते बुकाश प्रकाट नहां किया यया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण का, को २७ अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----306 GI|85

(1) श्री किणोर गोकलदास ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मॉहना किशिचंद ।

(ग्रन्निरतीः)

ः **को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख मे a5 दिस की अवधि का नत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योकत व्यक्तिया में सं किसी व्यक्तित द्वाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यदित दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धतीक रच:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विवासमा है।

अनुसूची

प्लाट ग्रभिन्न भूमि के इन्द्रेस्ट के सात सं० 17, ग्रलगप्पा नगर, हालम रोड, मद्राय-10 एस०म्रार०ऊ० पेरयमेन्ट दस्रुलं 124/85 I

> श्रीमती एप० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास-6

तारीख: 27-9-1985

मोहरः

प्रकार वार्री, व्यक्ति व्यक्ति , गान्या गान्या गान्या

आप्रकर मेथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के बंधीन ब्यना

भारत सहस्राहे

कार्याक्यः, सञ्चानक नायकः प्राच्चाः (निरीक्षाण)

म्प्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 89/फरवरी/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामृवेल

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) विजने इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सकान प्राप्तिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 9 है, जो श्रीतापट रोड, मद्राम- 7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 139/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 फरवरी 1985

को प्वेंक्त तस्परित के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यसान शितफल के निए अंतरित की नई है और मून्ने यह निवनक करने का कारण है कि प्रथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उनित बाबार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोने क्यामान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अन्तरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकत, निम्ननिवित उद्देश्य से उन्न बन्तरण निर्धाय में बास्तिक कप से कांचित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुए किसी बाब की बाबता, अकल क्षिप-मिन्नम के अभीन कर दोने के बंतरक के वास्तिक में कनी करके या उससे बचने में सुविधा के निए; और/ना
- (च) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पवा था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्वैत्या के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, जिस्त्रिसिक्कत व्यक्तियां, अधाद .— (1) मेसर्स पश्मावती अन्स्ट्रक्थन्स । कंपनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शरद एल० शा।

(ग्रन्तरिती)

सो यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवर्षक्षय करता हो।

उकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाओप :---

- (सं) इस स्वता के शावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंचे।

स्पक्तिकरणः----इसमें प्रयुक्त करूरों बीर पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिश नया हैं।

वनुस्ची

प्लाट श्रिभिन्न भूमी के इन्टेस्ट के सात सं० 9, ब्रीतापेट राड, मद्राय-7 (द०सं० 139/85)।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-, मद्रास-6

तारीख: 27-9-1985

मोहरः

बक्य मार्थः, द्री , द्रन , द्रश्चान न

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 90/फरवरी/85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रीर जिसकी सं० 9, श्रितापेट रोड, मद्राम-7 हैं, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दम० सं० 140/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन 16 फरवरी, 1985,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्ट; व्यदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

्तः भव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री पत्माती कन्स्ट्रक्शन को०,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्न अन्जारीया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारी के क्षेत्र की अविधि या तरसंबंधी स्थानतयों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी जनीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानता में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस सृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास किथित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगृत्यो

प्लाट सं० 9, त्रिनापेट रोड, मन्नास-7 एस०श्वार०ओ० पेरीयमेट, दस०सं० 140/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 (ग्राई/मी), मद्रास

तारी**ख** : 27**-**9-85

कोहर 🛭

प्रकप नाइ. दी . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मन्नास

मदास, दिनांक 27 सिनम्बर 1985

निदेश सं० 91/फरवरी/85---श्रतः मुझे,श्रीमती एम० सामुबैल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 9, है, तथा जो ब्रितापेट रोड, मद्रास-7 में. स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूण रूप थ विणित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (वस० सं० 141/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908का 16) के श्रीधन 16 फरवरी, 1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से अधिक है नौर अंतरिक (अंतरिकों) की अंतरिती (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वेषय से उक्त अस्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तप्रण से हुव किसी आय की वायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कनी करने या उससे वचने के सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी अगर वा किसी भन वा अस्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

बर्धः मन, उत्तरं निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, लक्त निभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को नागर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितः :— (1) श्री पत्मावती कन्द्रक्शन को०,

(भ्रन्तरक)

(2) राजेंस मार्राड्या।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिए कार्यवाहिया करता हुं।

दक्त संपत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य स्थिति ब्बारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में जिक्का गया है।

श्रनुसूची

प्लाट सं० 9, ब्रिसापेट रोड, मद्राम एस०आर० ऊ० पेटीयमेट, दस गं० 141/85।

> एम० सामुर्वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-१ (श्राई/मी),मद्रास

तारीख: 27-9-1985

प्रकार बार्ष है, दौ., १९., १६., १५.५ ५ ५ ०

ुएक्: ८५-५०० (1) श्री पत्माती अन्द्रमणन को०।

(अन्तरक)

कायक्षर कीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के स्पीन सुम्यना (2) कुमारी सामिषा जे० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय्, ब्रध्नक बावकर नाप्का (निरीक्ष्य्)

ग्रजिन रेंज-1 मद्राय

मद्रास, दिनां ह 27 शितम्बर 1985

निदेश सं० 92/फरवरी/,85 ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बैल

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६६६) इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन तक्ष्म प्राधिकारों को वह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9, है, जो बितापेट रोड, मद्राय-7 में स्थित है (श्रीर इद्धा उपाबद्ध श्रानुभूवों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीबर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दस० सं० 142/85) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 16 फरवरी, 1985

भी पूर्वेक्त समपित के उपित बाबार मूल्य से कम भी कानान प्रतिफाल के लिए जन्तिरत की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मन्ति का उपित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकस से, एसे क्यमन प्रतिकस सा पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिक्त कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तिक रूप से किश्वास नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई सिसी नाम की नामध, उक्त अभिनियम के अभीन कर की के जन्तरक के खदिला मी स्थी क्राने या उपने वचने मी ब्रीयमा के लिए; शीर/था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बच्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जासकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनिवम, या चन-कर किमीनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रशंजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए का, कियाने में बुविधा के बिक्ट का

जतः तथ, उक्त विविध्यम की वारा 269-न के बन्तरण में, में. उक्त जीभीनयम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलियत व्यक्तियों, वर्षात् ः— का बहु तुमना मारी करकं पृथितिस सम्मिति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त राम्नित के बर्चन के बान्यरथ में कीई भी आवाप क्रूप

- (क) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर तृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यां भीर पयां का, भो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बड़ी अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विका यवा हैं।

वन्यंका

प्लाट सं० 9, क्रिनापेट रोड, मद्राय-7, एम०श्रार०ऊ० पेटीचमेन्ट, दम० सं० 142/85।

> एम० यामुबेल सञ्जय प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (क्रार्क्षण) अर्जन रेज-1, (आई/सा) सद्राज-6

तारीख: 27--9-1985

प्रकृष आर्थ . सी , एभ , एस ,-----

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तहस्यह

क्श्यांसव, सहायक आयकर आयुक्त (नि.सीसन) श्रर्जन, रेंज-1 महास

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 94/फरवरी/85-- भ्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बैल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्रार०एम०सं० 108/3(68/2) एम्मोर गांव मद्राम में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूण अप ो विणित है), रिजस्ट्रीयनी श्रिधियारी ने कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 174/85 में भारतीय रिजम्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) में श्रिधीन फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ स हुई किसी आय की शास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी बाग वा किसी धन मा बम्य वास्तिनों की, धिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया प्रमा था वा किया बाना वाहिए था, क्रियाने में सुनिया के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभागः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

(1) श्री चेल्ल इश्रर राव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सुकन्या।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यशिक्षियों करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना क राजपण मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास . शिक्षित में किए का सकते।

भ्यव्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

ण्लाट आर०एस०सं० 68/3(68/2) ए१मोर गांव, मदास (द०सं० 177/85)।

> एम० सामुबंल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, (आई/सी) मद्रास-6

मारीख : 27- 9 - 1985

प्रकृत बादील दील एकल व्यं .-----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत बरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 95/फरवरी/85---अनः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृल्य,

1,00,000/- रतः से अधिक है ग्रौर जिसकी मं० 68, है, जो श्रत्तुकान्टान स्ट्रीट, पेरियमेट मद्रास-3 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्तिण है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेटीयमेट (दस०मं० 179/85) में भारतीय रजिस्द्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन नानार मूक्य से कम के दश्यमान क्तिफल के निए अन्तरित क^{्र} गर्द ह⁶ं और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित[े] वाजार गुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल का न्द्रिष्ठ प्रतिकृत से अधिक **इ** वॉर अंबरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरज के लिए तब पाया गया प्रति-हम निम्नसिवित उद्देश्य से उन्त जन्तरण मिथित में वास्तविक म्प संकथित नहीं किया ववा 🗗 🏣

- (क) बन्तरण से **इर्ड किसी** नाथ की बाधत, उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिय में कभी करने मा उससे वचने में सुविधा अवे लिए; नीर्/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य प्रास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का ₂7) के ं प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्रिया मे सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण ्रमें उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) पर्भारः, निम्मोलिकित व्यक्तियाँ, अधारि 🕞

- (1) श्रीमती चारा श्रालबटगटेईलर। 2. श्रोमती एलैन एडमंस, 3. श्रीमती तिरेसा (श्रन्तरक) मिटचल ।
- (2) श्राए० मंहिम्मद ग्रामीन । (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना अप्रते कारके पूबाक्स, संपरित, के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ह---(क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(का) इस भ्रमाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्लाकरुणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, **वो सक्छ** विधिनियम के बध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यात में िया नया है।

मनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 68, उत्तुकाटटान स्ट्रीट पेरीयमेट, मद्रास-3, दस० सं 179/85 एस० आर०ओ० पेरियमेट

> रुम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंन-1 (माई/भी) भद्राम- 6

तारीख: 27-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन, रेंज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक 27 सिमम्बर 1985

निदेश सं० 100/फरवरी/85-- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाए 'उदम अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किरवास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं ० डोर सं० 167, है, जो मैडम्म रोड, पेरीयपेट, मद्रास-3 में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकित श्रीधकारी के वार्यालय, पेरीयमेट (दर्वनं 204/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकिरण श्रीधनियम, 1908(1908 दा 16 के श्रधीन फरवरी, 1985

हो पूर्वियत सम्पत्ति के उणित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान अन्तरित की गहुँ लिए £, विज्ञास करमे का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उल्बामान प्रसिक्तन से, एने क्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रशिकत से अधिक है अर्थर अंतरकः (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) की बीच एं ते अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्मसिचित डब्रूब्बेंच्य से अक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित ∦हीं किया नवा है ऐ----

- (क) बन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृविधा दायित्व की लिए; बार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अिनियम, का धन-कर अिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति स्यक्तियों अर्थात् :—. (1) श्री सूनियसना मेडियान इन्डस्ट्रीज ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोनर्वा पी०त्री० जानकी श्रम्माल ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की वयिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की वयिष, जो भी जविष बाद में सजाना होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त कथी और पर्यों का, जो उपसे नीमिनियन, के नश्वात 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण द्वोर मं० 167, सैंडाम्स रोड, पैटीयमेट, मद्वास-3, एस०स्रार०स्र० पेटीयमेट, दस०मं०: 204/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी प्रहायक ग्रायकर ग्रायकी (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1 (श्राक्षीना), मद्रास-6

नारीखा: 27- 9- 1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनिश्रम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के बधीन स्वना

भारत बहकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 सितम्बर 1985

निदेश सं० 102/फरवरी/85----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनिमि' कहा गा है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10. है, जो 14 श्रवेन्यु, हाटीटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31 में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से बॉजत हैं), रजिस्ट्रींकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, पेटायमेट (दस०मं० 210/85 में भारतींय रजि-स्ट्रींकरण श्रधिनयम. 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 फरवरी 1985।

करें प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और ज़्वतरिश्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय स्था स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेस्य से उच्त अन्तरण सिविद्य स्थानिक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

- (प) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-ानयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए: और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---22—306 GI/85 (1) श्री एम० निवरामः ज्यान ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रमणा इन्टरनेणनल (पी) लिमीटेड ।

(ग्रन्नरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आयोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना उँ राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध बस्थ किसी अन्य ग्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पारा क्षित मों किए या सकेंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों मार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-सं० 10, 14 अवेन्स्, हाटीटन रोड, चेटपट, मद्राम-31, एच०श्रार०ए०: पेटींयमेट, इस०सं०-210/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधियारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, (श्राव/मों), मदाप-6)

तारीख: 25--9--1985

पुरुष् नार्द्री, दर्गे, एस्, एस्, ००००

क्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के कमीन नुभरा

ATTE MANUE

कार्यालय, सङ्काक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मदास, दियांक 25 ितस्वर 1985

निदेश मं० 103/फरवरी /85 - -श्रतः प्रुतो, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269 न्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 484, है, तथा जो पेन्तीचर रोड, एमोर, मद्रास-8 में स्थित हैं (और इसमें उपाद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ता श्रिक्तिरी के कार्यालय परीयमेट (दस० सं० 220/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काकार मून्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कान्यण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य उसके काक्यकान प्रतिकल से, ए से क्ष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तियियों) को बीच एसे क्ष्यत्रण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निक्नलिखित उद्दोषम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण ले हाई किसी बाब की बाबक उतक अधिनियन के अधीन कर दोने के बस्तरक के बाबित्य में कनी करने या उत्तने बचने में सुविधा के लिए मीर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा अस्व जास्तियों को, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पता वा दा किया बाना चाहिए था, कियाने में संविधा अं लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग' के अन्सरण ें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीर, निम्नालिखित स्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विकार जन्मगालामाला

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० राजेक्वरी। कुमारी ए० श्रीदेवी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिको जुरू करता हुं।

वन्त सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध के स्थोई भी बाक्षेप :----

- (क) इंद सूचना ने राज्यन में प्रकारण की तार्दी है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तास्त्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टौकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उन अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

भूमि और निर्माण डोर मं० 484, पेन्तीचन शेड, एम्मोर, मद्राप-8, एम०ग्रार० ग्र० पेरीयभेट, दम मं० 220/85।

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयदार प्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जा रेज-1, (आई/मी), मदास-6

ारीख: 25-9-1985

मोहरः

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. ------

(1) श्री जी० राजगोपालन।

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

(2) श्रीमर्ता ई० विजयलक्ष्मी ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्राम

मद्रास, दिनांक 27 तिनम्बर 1985

निदेश सं० 105/फरवरी/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव डोर नंव 32. नावल हास्पिटल राष्ट्र पेरियमेट हैं, जो मद्राल में स्थित हैं (और इसमें उपाबंद्ध प्रतृसूची में ऑर पूर्ण कर ने विभिन्न हैं), रिजिस्ट्रीनित्ती प्रधिवारी के शार्यालय, पेरियमेट दवनंव 237/85 में भारतीय रिजिस्ट्री—करण अधिनियम, 1908(1908 जा 16) के अधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम क द्रश्यमार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिका के लिए

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमी और निर्माण डोर सं० 32, नावल हास्पिटल राइ, पेरियमट, मद्राय एउपार० और पेरियमेट, दर्बरू०-237/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, (श्राई/मी), मद्रास-6

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण हो माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की रूपधारा (1) अर्ध अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

नारीख: 27--9-1985

महिंग:

प्रकृष कार्यु <u>हो,</u> एतं, एसं _{व नवनवनन}

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन प्या

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1 मदास

मद्राम, दिनांक 27 नितम्बर 1985

निदेश मं० 107/फरवरीं/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन को अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट मं० ए-77, "एम" स्ट्रीट, के० जी० कालनी है, जो मद्राय में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रींकर्ता प्रधियारी के कार्यिलय, द०स० 250/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल को एसे इश्वमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण मं हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जिल्हा के जभीन कर दोने के अन्तरक औं वासित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में ब्रिका के सिक्;

वतः भवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वधित् ध—— (1) श्रीमती पदममं मन्नडीं नायर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिरा एम० रामचन्दानी और श्रन्थों।

(ग्रन्तरिती)

वर्ष स्व ब्याचा चाड़ी कर्फ प्यॉक्ट सम्मृत्ति के वर्षन के ज़िस् कार्यवाहिमां करता हो।

जवन कम्हित् के वर्षन के तम्मन्य में सोई भी बाखेर:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामीन से 30 दिन की अवधि, जा भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थापकी कारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदा का, बा उत्स्थ विधिनियम, के वध्याय 20-क में प्रिभाषिक इ, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनृसूची

भूमि और निर्माण प्याद सं० ए०-77, ''एम'' स्ट्रीट, केंग्जीं० कालनी, मद्रास-10, (द०सं० 250/85)।

> श्रीमतो एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, (श्राई०सीं०), मद्रास–6

तारीख: 27-9-1985

प्रकप आर्चा, टी., एन., एस.,,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहस्यक'आवक'र आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदंश सं० 108/2 फरवरी/85---ग्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० 40, तम्मानवाट स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्राप्त में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय, सौकार पेट (दप्त०सं० 58/85) में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वार का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रम्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अधिक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिकों कारे. जिल्हों भारतीय हायराज्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गाउनकी गाउँ से दिवस प्रकार प्रकार वहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविभा के बिद्ध;

जतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग कै जनुसरण में, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, भिम्निलिशत व्यक्तियों, जर्भाद्य ः— (1) श्री चित्रेकानन्दा शिक्षा भम्त्रन्धी समाज,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं सुशीला भाई जेडन

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध को कोई भी नाकीप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

नन्स्ची

भूमि सं० 40, नम्मालवार म्ट्रींट, जार्ज टाऊन मद्रास-79; एम०श्रार०ए० सौकारपेट, दस०सं० 59/85।

श्रीमती एम० सामूचेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 (श्रार्ड/मीं), मदाय--6

तारींख : 27-9-1985

सक्त नाह^रे हो , युव <u>, श</u>ुष्ठ , , , , , , , , , , ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचनः

THE RESERVE

कार्याचय, सङ्घयक जायकर जावृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 सितम्बर 1985

निदेश सं० 10/ फरवरी/85----- प्रतः मुझे, श्रीमती ुम० सामुबेल

जाएकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सथाम प्राधिकतरी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 24, बेन्कटराम ग्रय्यर स्ट्रीट, कोन्डितोप है, जो मद्रास-79 में स्थित है और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोकारपेट द०सं० 66/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1985

को प्रतिकत संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप शेंक्स संपत्ति का उचित जाला-शृत्य, असके दर्यमान प्रतिकत से एसे दर्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिकत, निश्नतिस्त उद्यदेश्य से उत्यत अन्तरण विशिष्ठ में सक्तिक लप में कीश्वर गर्जी किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी शाय की बावतः, उत्कतः सभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में केमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी थन या अस्य कास्तिबों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में मुनिभा के निए।

अतः अतः, अकतः त्रांधनियमः की भारा 269-म के अनुसरण मं, में उक्तः त्रिभिनियम की धारा 269-म की उपभागः (1) वे अर्थानः, निम्ननिकितः व्यक्तिकों, व्यक्तिः (—— (1) श्री एल० रविक्मार और ग्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्नम्माल।

(अन्तरिती)

भार यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कांद्र भी आक्रोप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीत ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्विध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (बा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छोकरणः - इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, भी उरक्त अर्थानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 24, वेन्कटराम भ्रय्यर स्ट्रीट, कोन्डिलोय,मद्रास-79 (द॰सं० 66/85)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-1, मद्रास-6

तारीख: 27- 9- 1985

महिर 🖫

प्रकप आहे.टी.एम.एस.,---

क्रायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

गाराम सम्बद्धाः

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-1,मद्रास

मद्रास दिनांक 2 सितम्बर 1985 निदेश सं० 111/फरवरो /85--ग्रतः मुझे, श्रोमती एम०

सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त बांधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका मंं डोर सं 92, वालटाक्स रोड, मद्रास-3 है, जो में स्थित है (और इसमे उपावड़ में और पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सौकाए-पेट दं क्य 70/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन फरजरी, 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिक्त के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके खरमान श्रीतक्रल में, एमें दश्यमान श्रीतक्रल का पन्दह शिक्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और गंदिरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीत्यन, निम्तिलियत नव्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नया है :——

- (क) अभ्यारम से हुइ किसी बाब की बाबक है क्या अधिनियम के अधीन कर दोने के जानारक औ शायरम के अभी करने हा उनने बाजने में न्यिका के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निमालियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) दी आफीणियन दूस्टी शांफ भद्रास, हाई कोटं।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम ०जी ०एम०, द्रान्सेपोर्टम (रजिस्टर्ड)।

(अन्तरिती)

का ग्रह भ्यता धारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्थात के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हो ।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्कान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मां समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यास में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा नकोंगे:

न्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया हैं।

क्रवर्ती

भूमि और निर्माण डोर सं० 97, वाटाक्स रोड, मद्रास-3 (द॰स॰ 70/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I (ग्राई/सी), मद्रास--6

ारी**ख** : 27-9-1985

मोबर 🗈

प्रकार कार्यं . ती. एन. एस

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43^V की धारा 269-ध (1) के वधीन गुधना

कार्थालया, सहायक आवकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 मद्रास मद्रास दिनांक 2 सितम्बर 1985

निदेश मं० 118/फरवरी/85-- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० 47, वेंकटाचल झदली स्ट्रीट, मद्रास-3 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सौकार पेट (दस॰मं॰ (102/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908(1908 का 16) के श्रधोन फरवरी, 1985

को पूर्वीवरः सम्परित के उचित्र बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे ब्ल्यमान प्रतिकल का पंडह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब पामा गया प्रति-फल निम्नीलिखिड उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-वित्र रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुक किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियस की बधीन कर दोने के बन्तरक के द्वित्व में कसी कारने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बहि/बा
- (ल्हा किसी आय या किसी घन या अन्य बास्तियों कर जिल्हां भारतीय जायकार बीर्धान्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रकृत विधिनियम, वा प्रकृत विधिनियम, 1957 , 257 जा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्पाने भें विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरम गे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तिकों, अर्मन्त् ६—— (1) श्री ग्रार० कण्णप चेट्टीयार।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो वीपेन्द्र कुमार ग्रगरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधि या तत्संत्रभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवासत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 47, वेंकाटाचल मुदली स्ट्रीट, मद्रास-3, एस०श्रार०श्र० सौकारपेट, दस०सं० 102/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 (ग्राई०/सी०), मद्रास-6

तारीख : 27- 9-1985

मोहर 🗓

प्रक्ष बाईं.टी.एन.एस.-----

बाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० 121/फरवरी/85—म्प्रतः मुझे, के० येणुगोपाल राज्,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, प्रकाश ग्रवन्यू, पेपर मिल्स रोड, है, जो सेम्बियम, मद्राम-II में स्थित है (और इसमे उपाबद में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेम्बियम (दस०सं० 298/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिवियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से क्श्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिधिक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कामी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिप्रभ के लिए:

अत: अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत जिस्तिमिल व्यक्तियों, अर्थात — 23—306 GI|85

(1) श्रीमती एस० कलावती और दूसरे।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती नाहीरा बेगम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स स्म्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्क्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्बीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वसम्ब

भूमि और मकान मं० 4, प्रकाश श्रवन्यू, पेपर मिल्स रोड, मेम्बियम, मद्रास- Π (एस**०**श्रार०ओ**०** सेम्बियम— दस्र०सं० $\pm 298/85$)।

कि वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 (स्राई/सी), मद्रास

तारीख: 23-9-85

प्रकप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर शायुक्त (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास्]

मद्रास दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० 130/फरवरी/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, कोल है, जो मेरचन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उसर (दस०सं० 422/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम जी धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखन व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्री पी० कण्णप्य मुदलियार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुमारी पी० सुद्रमणियम और श्रीमती एस० हम्सवल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशोग :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

भूमि और निर्माण मं० 58, कोल मेरवन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1, एस॰प्रार०ऊ० मद्रास, उत्तर, दस॰सं० 422/85।

> श्रीपती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, (श्राई/मी), मदास-6

तारीख: 27-9-1985

प्रस्य बार्च, टी. एव. एव.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यासय, तहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश मं० 131/फरवरी/85---- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार बुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 9, केन्ट लेन, एन्मोर, मद्रास 8 है, जो में स्थित है (ग्रीर इसा उपाबद्ध प्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास दस०सं० 457/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रिधीन 16) फरवरी,

1985
को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, बसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा अतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त कन्तरण निवित्त वे साखिक स्प से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तर्ज संहुद्दं किली अप की नायक, उत्तर वृत्तिवयम को ज्यान कर दोनं के बन्तर्क को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी क्षिप्; क्रांड/वा
- (क) ऐसे किसी आब का किसी धन या अन्य आस्तियों स्टा, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

अत: अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण था, मी. उक्त विभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) क्ष अभार, निम्निजितित व्यक्तियों, वर्भात :---

- (1) श्रीमती पी० एस० रत्ना बाई और अन्य (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्स हाटिटन होटल, (प्रा०) लिमिटेड ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस्स्वरूष् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक सिचित में किये वा सकती।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमी श्रीर निर्माण क्षोर सं० 9, केन्ट लेन, एग्मोर, मद्रास-9 (द०सं० 457/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, (भ्राईसी), मद्रास-6

तारीख: 27~9~1985

मोह्नर 🖫

प्रकप नार्षं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 27 सितम्बर 1985

निदेश सं 0 134/फरवरी/85--अतः मुझे,श्रीमती एम 0 साम् वेल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा ह"), भी पादा 269 न्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उच्चित बाजार मन्थ 1,00,000/-रु. से विधक 🐔

भौर जिसकी सं० 112. वरादामुत्तीयप्पन स्ट्रीट, जो मद्रास-1 में स्थित है (जीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर 🗼 (दम०सं० 612/85) में भारतीय रजिस्ट्रीजरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16 के श्रधीन 16 फरवरी, 1995

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति संपरित का उचित बाजार मुस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जनारिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कनी करने या उसते बचने में मेविया म्डॅ सिष्; बर्डि∕ वा
- (व्य) एचि किसी नागया किसी भन जन्म शास्तियो का विन्तु भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-**कर मिनियम, 1957** (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भावाकियाजाना चाहिए भा स्थिपाने में स्विधा के किए:

वत: वंब, उब्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त आंधनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिशत व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) कें ० वेंकटेस्वरल फ्रीर

(अन्तरक)

(2) श्री पडमचंद जेईन श्रीर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नामेच :--

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीचासे 45 दिन की वाविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट म्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वाय;
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🕏 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदीं का, जो उक्स सिभिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषिक. हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्यास में दिया नया है।

नम्स्वी

भूमि और निर्माण डार सं० 112, बरादामुत्तीयव्यन, स्ट्रीट, मद्रास-1, एसं०ग्रार०अ० मद्रास ग्रन्तर, दस०सं०--612/851

> एम० साम्बल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज-1, (ग्राई/सी), मद्रास-6

मारीख: 27-9-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषक<u>र</u> विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीजन)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 सिम्बर 1985

निदेश सं० 137/फरवरी/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम. साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2. प्लाग स्टाफ रोड, है, जो रायपुरम, मद्राम-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रायपुरम द०म० 183/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विध्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य वाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई फिली जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धंन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था .या किया जाना चाहिये था छिपाने में चे किए;

जतः भवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण वं, मंं, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसस स्टार कोलड स्टारेज, (प्राईवेट लिमिटेड)।

(अन्सर्क)

(2) मेसम सान्को बाटहौसिन्ग, प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किय कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों.में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाइ तिस्ति में किए का सकरें।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो जस अध्याय में दिया नया हैं।

श्रनुसूची

भूमी भ्रौर निर्माण सं०2, फ्लाग स्टाफ रोड, रायपुरमा मद्रास-13 (द०स०83/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायवः श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 (श्राई/मी), मद्रास-6

मारीख : 27→9-1985

मे(हर:

प्रकृप बाह्र की. एग. वस् . :--::-----

सायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. मद्रास

मद्रास, दिनांद: 27 सिनम्बर 1985

निदेश सं० 139/फरवरीं/85——ग्रतः मुझे,श्रीमती ए० साम्बेल

गायकर गिंधनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव डोर संव 7, ग्रास टोड, नयी वापरमेन पेट मद्रास-81 है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संविधित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधदारी केकार्यालय, रायपुरम दव सव 299/85 में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 16 फरवरी, 1985

को पूर्योक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के श्रवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह् प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण किचित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्क शिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शांद/या
- (ब) ऐसी किमी बाय या किसी भन या अन्य आस्ति। को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर श्रीभिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाओं अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

सतक सभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधील, निम्निसिक्त व्यक्तियों, सभीत :---

(1) मेसस लोटस इन्स्जद्रीस लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रार० बानुमती भीर ग्रन्थो। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्बद्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी संबंधि बाद में समान्त होती हो, को भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदौं का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

भूमो श्रौर निर्माण डोर सं० 7, ग्रास टोड, नयी वाषर मेनपेट, मद्रास-81 (द०स० 299/85)।

> श्रीमती एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-1, मदास-6

तारीखा : 27→9-1985

प्रकष आहे. टी. एव . एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरास्त्र)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 सितम्बर 1985 निदेश सं० 143/फरवरी/85→-ग्रतः **मु**झे, श्लीमती एम० सामुबेल,

बायकर मिर्मिनयमं, 1961 (1961 क्य 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम शाधिकारी को वह विश्वनस करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 100, है, जो हाटिन्गटन रोष्ठ, चेटपेट मद्रास-31 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पेरियमेट द०सं० 167/85 में भारतीय रिजस्ट्रीयरण श्रीध~ नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुवाक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नल्यह प्रतिसत्त से अधिक है और नन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित में गस्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:→

- (क) नतरण वे हुई कियों नाय की वायस, उनक निधानियम के नधीन कर बोने के जन्तरक के राधियत्व मां कामी करने या उससे नचने मो सुनिवा के लिए; नीट√वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी थन वा बन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया धना चीहिए था, खिपान मा सुविवा के विद्

(1) श्रीमती विजयतकर्मा मार्तान्डा ग्रोर ग्रन्यो । (ग्रन्तरक)

(2) श्री मानिभवायगम श्रीर श्रन्यों। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

ंउक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्डभी अक्षरेप ---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बुक्क की ताबीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाफा होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बस्य स्थावत व्यारा, सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकी।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो तम अध्याय में दिया। गया है।

वन्त्र्यो

•लैट सं० 100, हारिन्गटन रोड़, चेटपेट, मद्रास 31 (द० सं० 167/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (तिरीक्षण) प्रजैन रेंज-।, (ग्राई/मी), मद्रास-6

कत: शब उक्त अभिनियम का भाग 269-ग के अनुसरण के, तैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) डे सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मारीखा : 27--9-1985

मोहर 🖫

प्रकृत काई, टी. एन. एड , -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) से अधीन सुचना

भारत सरकार

भ्यांस्य, महायक कायकर कायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 सितम्बर, 1985

, निदेश मं० पी० भ्रार० नं० 3847-—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिभिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार कृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी मंठ इन्इस्ट्रियल जमीन तथा रोड जेतपुर में है तथा जो सर्वे नंठ 35 चैफी प्लाट नं 9 और 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के अधिक को पूर्वोक्त नारीख 4-2-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्चमान प्रतिकल ने, एसे अध्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध हो बन्तरिक के बिए तर पास नवा प्रतिकल के किए तर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध हो बन्तरिक के विष तर पास नवा प्रतिकल के किए तर पास नवा प्रतिकल के में अपनितियों) के बीध हो बन्तरिक के विष तर पास नवा प्रतिकल कर में किया गया है :---

- (क्थ) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावक, शब्स विशेषीनयम की अधीन कर दोने के बन्तरण की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- एंसी किसी आय या किसी वन वा बस्य आस्तिवां को, जिन्हों भारतीय आंयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अध्यापनार्थ कन्तरिती द्यारा प्रकट नदी किय वया था या किया जाना चाहिए था, क्याने भे पविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण दों, गाँच प्रीभिनियम की धारा 269-**च की उपधा**रा (।) अधीन, निम्नलिखित अधिकार्यों, अर्थात् ॥—— (1) मा∺र्व आलं(ा डाईग एण्ड प्रिटिंग धक्से, भागोदार—श्री चिनोद कुमार खींबंशराय संघाई राम चेम्बर के पीछे, जेनपुर, जिला⊶राजकोट ।

(श्रन्तरक)

(2) मेमसं फल्यलताटेश्च प्रिन्ट भागीदार-श्वी विकार भाई बेचुर भाई बासमीया और श्रन्य। चादनी चौक, जेतपुर, जिला--राजकोट।

(अनुरिती)

को वह सूचना बारी करके पुर्वोक्त सम्मृतित के सर्थन के निष्क कार्यवाहियां करता हु।

उभव सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में खोई भी बाबोध्य--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा ने 45 दिन की अवधि वा तत्त्वभ्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस हवारा;
- (क) इब सुवना के राज्यम में प्रकारत की वारीय से 45 विन के भोडर उनत स्थानर सम्पर्कत में हित्तबहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्योहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा बकोंगे।

स्वाधिकरणः--इसमें प्रयुक्त बच्चों और वधीं आहे. आहें क्या व्याधिक्षा औं कृष्णाक 20-क में प्रदेशाविक हाँ, वहीं वर्ष होगा मो उस कृष्णाव में दिना वना हीं।

वन्सूची

इन्डस्ट्रियन जमीन जेतपुर में सर्वे नं 35 फी प्लाट नं० 9 और 10 क्षेत्रफल 825 और 1089 वर्गमीट और इन्ड-स्ट्रियन रोड़ भ्रादि स्युनिभपल लीमीट बाडरे निगुर, जुशागढ़ हाईवे रिजस्ट्रेशन नं० 37/85/4-2-85।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधि हारी पहाय ६ म्राय हर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारी**ख**: 2-9-1,9**8**5

प्रक्रम वाद्द[े] ती. एचं, एक ------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को प्राय्व '269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित राजार म 100,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 601, 65ीं संजिल, बिल्डिंग है, तथा (और इससे उपावद्ध प्रानुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्ती प्रधिकारी के ार्यालय, 37ईई फाल फींया में रिजिस्ट्री हरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारींख 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान दिक्तल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंभानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रीमत्य में कमी करते या उसमें वचने में ज्विश से भ्रिष्ट; और/बा
- (म) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजस अधिनियम के धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बंब, उक्त विभिन्तियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मो, तक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—306GI[85 (1) मेसर्स जे० एस० कारपोरेशन , 48, इन्द्र नारायन रोड, शान्ताकुज, वेस्ट, बम्बई-54

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमिति कुमुद बेन जयवंतभाई उदानी 21, प्रहलाद प्लौट पुरानीं निषास, राजकोट-1

(भ्रन्तरितीं)

की यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिण कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (म) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारांच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय कें दिया गया ही :

अनुसुची

ण्लाट ५० 601, 6ठीं मंजिल, रेस कीर्म किसेस्ट आफ बिल्डिंग क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट राजकीट 37ईई दिनीस 4-2-1985 की फाल फीया।

> ी० के० पंड्या भजन पाविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुवंतरें ज--1 श्रहमदाबाह

मारीख: 0-0-10**35**

महिर:

प्रकप बार्ड. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

न्नहम्बाबाद दिलांः 9 पितम्बर, 1985 तिदेश सं०पीं० भ्रार्०नं० 3849---श्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक्नेप्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,006/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 201, सेफेड फ्लोर किसेन्ट बी बिल्डिंग हैं तथा जो रेन कोर्स क्षेत्रफच 1125 वर्ग यार्ड राज-कोट में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से बिणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधि ारी के आयिलिय, 37ईई फाराय फीया में रिज्दी एण अधिनियम, 1908 (1908 था 16) के अधीन, तारीख 4-2-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे दह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निमित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की गयत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे यचने में सुविभा के लिए; बहर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आर्थ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित, व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मगर्ग ग्रे० एयर कारपंत्रियत,
 48. उन्द्र नारायन रोड़,
 भान्ता कृज, वेसट, बम्बई-54

(अन्तर्ध)

(2) श्री सुरेग बन्द्र मुलजी भाई फारीया, केंं श्रीफ फेंग एन्ड फेरी क्रिसेन्ट बी बिल्डिंग रेस कोर्स, राजकोट,

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्वन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में से किए या सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं ० 201, मेकेड फ्लोर क्रिसेन्ट की बिल्डिंग राजकोट रेस कोर्स क्षोबफल 1125 वर्ग फीट 37ईई दिनॉक 4-2-1985 फाराल फीया ।

> जी० कें ० पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , ग्रहमदाबाद

नारीसः : 9-१-१985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज्र⊸1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 9 लितम्बर 1985 निदेश सं० पीं० श्वार०नं० 3850---श्रतः मुक्को, जीं०के

पंड्या

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बक्बास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक **ह**ै

और जिसकी सं० एच० पीं० नं० राजकोट में सर्वे नं० 123 है तथा जो क्षेत्रफल 180 वर्ग यार्ड प्लोट नं० 42 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री । ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-2-1985

को पृशीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1 श्रो स्नासुडोमा भवानदाय स्नीर श्रन्थ कल्याण चार्क, रेस फीर्स राजकोट।

(भन्तरक)

श्री हममुखलाल परसोतम फीचडिया, श्री डीमनलाल परसोतम फीचडीया शंकर डारंग वाली गेरी सर्वे नं 123, बेडीयण, राजकोट,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी ० राजकोट में शंबार डार गंधांसी शेरी प्लाट न 42 पैकी सर्वे नं 123 क्षेत्रफल 180 बर्ग यार्ड बेडीयण राजकोट राजस्ट्रेशन नं ० 1455/85 दिनांक 28-2-85

ः ० के० पंड्या
- क्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायक रायकर ग्रायकारी मजून रेंज- 1, श्रहमदाकाद

नारी**ख्≛ः** 9-9-19**8**5] मोहर: प्ररूप बार्ड्, टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुनदा

नारव करकाड

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज--1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश सं० पी० श्चार० नं० 3851 श्चरः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अभिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसकें इसकें प्रस्थात् 'उकतः अभिनियंत्र' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षत्र प्राध्यकारी को यह निश्चास कं के का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार सूक्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एच० पीट राजकोट में प्लोट नं० 24, गवर्नमेन्ट सर्जन है तथा जो को० प्रापरेटिय हाउसिंग सोमिइटी जमीन 305 वर्ग याड 🕂 मवान में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुमुखी में धौर पूर्ण रूप से वींगत), राजस्ट्री-कर्ता प्रधिवारी के नार्यालय, राजकोट में रिअस्ट्रीवारण अधिनित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन सार्याख 2-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काचार मूच्य से कम के एक्समन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूच्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेइह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (श) बनारण वे हुई कियों काल की वानकः, स्वयं वीपविषय में अधीय कर दोने से संवर्धक से राजित्य में कभी करने वा उत्तसे वयने में सुनिधा से मिए; और/वा
- (क) एंसी किसी नाम ना किसी भन मा करण नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती दुनारा प्रकट नहीं किया नया था का किना जाता जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की शारा 269-व के बनुसरण को, भी, उक्त आधिनियम की भाग 269-म की उपभाग्र ∫1\ को अधीन्, निस्नीक्षित्रित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री उपेन्द्र हर्षं वन्त राय षालिकिया, फ्लैट नं० ए--1, मुरेजा श्रपार्टमेन्ट नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद--9 । श्री शरदचन्द्र हर्षवन्त राय घोलिकिया, पंचवटी सोसाइटी बेड़ी बन्दर रोड, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार उम्मेद लाल शाह, काबा गांधी की शेरी, गांधी चौक, राजकोट ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यमाहिमां करता हूं।

बन्ध संपत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्स्य:---

- (क) इत प्रमान के रायपन के प्रमाण की शाहीय में 45 दिस भी अविभ मा तस्मान्तभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो अने समीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवोकत स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (व) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विश्वनियम के कथ्याय 20-क में परिश्वाचित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्यय में दिया ग्या है।

नन्स्ची

एच० पी० राजकाट में गवर्न मेंट सर्वेन्ट को० ब्रापरेटिव हाउमिंग सोसाइटी रेस कोर्स प्लाट न० 24 जमीन क्षेत्रफल 305-7-0 वर्ग यार्ड + मकान 56 वर्ग मीटर 67 वर्ग यार्ड राजिस्ट्रेशन नं० 1143/85 14-2-85।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, **प्रहमदाबाद**

मारी**ख** : 9⊶9**⊸1985**

प्रकार बाह्य : दी : एन : एस : --------

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज~1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1985 निदेणस० पी० श्रार०नं० 3852~~अतः सुझै, जी०के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप न० 5. 6, 7 ग्राउन्ड फ्लोर पर क्षेत्रफल 846 वर्ग फीट है तथा जो जनक जेम्बर्स गीरनार भिनेमा के सामने, राजकोट में स्थित है (श्रार इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूण रूप के विणित है), रिकस्ट्रावानी श्रीधकारी के वार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीवारण श्रीधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पूर्विस सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित वाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य कर्त बाबत, उक्त विधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी करने वा उत्तरे वचने भें सुँचिया है सिए; बीर/बा
- (प) ऐसी किसी आय बा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कार आंधानयक.
 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम.
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में मृतिका वी निए;

भते अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम को धारा 269-भ का अधिमारा (1) की अधीन, निम्मतिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्मतिसित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) मैससँ जनक एण्ड कम्पनी, भागीदार: श्रीमती भारतीबेन नवीनचन्द्र पटेल श्रौर श्रन्य, रेस कोर्स को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, रेस कोर्स के सामने, राजकीट ।
 - (भ्रस्तरकः)
- (2) श्री किमोर कुमार ब्रह्मया लाल काँटेचा, संगड़ी बाजार, राजकीट ।

(भ्रन्तरिती)

की बहु सुचना सारी करके प्यक्ति संपत्ति के अर्चन के निस्य कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

शाप न० 5, 6, 7 ग्राउन्ड फ्लोर क्षेत्रफल 846 वर्ग फीट जनक चेम्बस गीरनार सिनेमा के सामने, राजकीट रजिस्ट्रेशन नं० 530 फरवरी, 1985।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

सारीख : 3~9~1985

मोहर।

क्ष्म बार्स् व्यक्त हो। हुन हुन व्यक्त

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

TING TERMS

कार्यासय, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार०नं० 3853→-श्रतः मुझे, जी०के० पं**अ**या,

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लांट न० 2283/बी-2 तलाजा रोड पर है तथा जो कुष्ण नगर भावनगर में स्थित है (और इसमे उपावद भ्रमुस्त्री में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भाव नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रिधीन, तारीख 28-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्येस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की वानत, उनते अधिनियम के न्यीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार्ड ना
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किए।

नतः नवः, उक्त निधनियमं की भारा 269-ग के ननुसरण ने, मैं, उक्त निधनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) में नभीन, निस्निमिक्त व्यक्तियों नुभात् ।—— (1) श्री केशवलाल दलपत राम जोशी और अन्य, 9, पारसी बाजार, स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई।

(भ्रन्तरवः)

(2) श्री किशोर सिंह श्रमर सिंह जाडेजा, कृष्ण नगर हिल ड्राइव, शांति नगर, सीसाइटी प्लाट नं० 2273/4, भावनगर।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप 🦛

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
 सूचना की शामील से 30 दिन की अविध, जो भें
 मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकियो।

स्यक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों आहे. पदों का, भो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

वमुख्यी

प्लाट नं० 2283 बी→2, तलाजा रोड, झुण्ण नगर, भावनगर।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजन्यी ग्रहमदाबाद

ता**रीख** : 17--9--1985

माहर:

प्रकप आइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाश्चाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 20 सितम्बर 1985 निदेश सं० पी० श्चार० सं० 3854--श्चनः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० सर्वे न० 260 सब प्लाट नं० 66 है तथा जो लावण्य को०ओ०हा० मोसायटी बंगला नं० 66 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विणित है) रिजम्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फार्म नं० 37 ईई कारलकीय में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन 16-2-85

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्तित से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिट में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ये हुई किसी बाय की बाबस, उन्त शीनियम के बधीन कर बोने की अन्तरफ को समित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/बा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य का निस्तां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, या अनकर निभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के निए;

- (1) अजीतभाई प्रेमचन्द्र आह् 66, लावण्य को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड, न्यु विकासगृह रोड, श्रहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कुसुमबेन भाईलाल गाह श्री भाईलाल हरीलाल गाह 66, लावण्य को० औ० हा, सोसायटी लिमिटेड न्यु विकासगृह रोड़, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पन्टीक्षरणः— सममे पथजन शब्दा और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होंगा, जो उस मध्याय में दिया मया है।

वनस्थी

बंगला नं० 66, लावण्य को० म्रो० हा० सोमायटी लिमिटेड न्यु विकासगृह गोड़ भ्राहमदाबाद

> जी० के० पडया समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 श्रहमवाबाद

अतः **अब, उक्त अधिनियम की धारा 2**69-ग के अनुसरण , में इ**क्त अधिनियम की धारा 2**69-**म की उपभारा (1)** अधीतः निक्निर्लिकत लाक्तियां, अर्थातः

दिनांक 20 9 1985 मोहर प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1985 - निदेश सं० पी० श्राप्त० सं० 3855~श्रतः मुझे जी० के० पं**ड**या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-छ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में सर्वे नं० 444 जमीन हैं। तथा जो क्षेत्र फल 301 नर्ग यार्ड/मकान एस० पी० नं० 19 वी राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपावद्व श्रमुस्ती में श्रौर पूर्ण का में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ग श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिनियम 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनों ह फरवरी 1985

को पूर्वेक्स सम्मस्ति के उति स अाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रसिक्त के लिए अव्याग राज्य है अर्थ माने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिक्त सं, एसे द्वयमान प्रतिक्त का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देष्ट से उन्त अन्तरण जिलित वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हाई किसी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में त्रुविधा के लिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय यह किसी भन या जस्य अस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 192, (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27/ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जस्सा शाहिए था, जिल्हाने में सुविधा को लिए;

कराः वकः, उकःत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती मीना ऐ० कुलकर्नी के० श्रा० ए० की० राजध्यक्ष उषा किरत श्रपार्टमेन्ट जे० याज्ञिक रोड़, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री एन० जे० कोटक 19-बी-2 हरीहर सोसायटी राजकोट (भ्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके प्रशेषत सम्पत्ति के अर्थन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्यू भित्ती कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरुणः - इसमें प्रयुक्त कर्मा नीर पूर्वों का, जो उनक् मृश्वियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी मध्देशीया जो उस मध्याय में दिया गया है.

अनुसूची

ए.च० पी० राजकोट में सर्वे तं० 443/444 ए.स०पी० नं० 19 जमीन क्षेत्रफल 301 वर्गयार्ड + माकान रिजस्ट्रेशन ६ नं० 696/फरवरी 1985

> जै० के० पड़िया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रुर्वत रेज-1 अनुमदाबाद

नारीखाः : 13-० 192

प्ररूप बार्च : डॉ., एम , पद्म ,-----

बावकर जीभीनमस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन बुखना

भारत सहकाह

कार्याभम, सहायक मार्कार नामुक्त (विरोधक)

श्चर्जन रेंज - 1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, विनांक 23 मितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3856/23—I/85—86——श्रतः; मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप संगित जिसका उचित गामार कुन्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट श्रमीन एपार्टमेंट में है तथा जो क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन फरवरी 1985

को प्वाँक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंक्षान प्रिंतफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार क्ला उनके स्वयंक्षा पितफल थे, बोर्च न्यायान प्रतिकास का बन्दाण प्रतिकास में अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यितियों) के बीच एके अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकास का निम्नितियों। के बीच एके अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकास का निम्नितियों। के बीच एके अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकास का निम्नितियों। के बीच एके अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकास का निम्नितियों। के बीच एके अंतरण को लिए तय पाया निम्नितियों। के बीच एके अंतरण को लिए तम पाया निम्नितियों। के बीच एके अंतरण की लिए तम पाया निम्नितियों। के बीच पाया निम्नितियों। के बीच पाया निम्नितियों। को किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली नाय की वानंत उच्चा अधि-विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में सूजी करने वा जनने वचने में स्विष्ण के जिए: और/वा
- (मेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

श्रव: वाष, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बन्तरण मों, मों उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जो बधीन, निम्नोकिश्वत व्यक्तियों, वर्धीत् ड── 25 —306GI|85 (1) मैसर्स महावीर कंस्ट्रक्शन कंपनी वैभव प्रपार्टमेंट रामिकश्न नगर, शेरी नं० 2, राजकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबेन चक्षभुज पटेल श्रीर श्रन्य फ्लैट नं० 6, श्रमीन श्रपार्टमेंट श्रमीन मार्ग, राजकोट ।

(श्रन्तरिती)

को यह नूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निर्मित में किए वा तकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

वन्त्वी

फ्लैट राजकोट, श्रमीन श्रपार्टमेंट में क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट श्रमीन मार्ग, राजकोट, रिजस्ट्रेशन नं ० 1034/85/फर्वरी 1985

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, भ्रह्मसाबाद

दिनांक : 23-9-85

प्ररूप बाहै . टी . एव . एस . -----

भायकर बरिधिनयभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निर्देश सं० नं० पी० श्चार०'नं० 3857/23-1/85-86-- श्रतः, मुझे, जी० के० पंडया

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरिता जिसका उच्चित बाजार मध्या 1,70,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एच० पी० राजकोट में न्यू जागनाथ प्लाट शेरी नं० 25 है तथा जो यूनियन को धा० हा० सोसायटी, राजकोट में स्थित है (श्रीर इसके जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से प्रणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1985

करे पृथेकित संपत्ति के अपित बाजार मन्य से कम ने एक्समान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और भन्ने यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापृशेकित संपत्ति का उचित बाजार भूच्य , उसके क्ष्यमान प्रतिफाल से एसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एक्फिज , विस्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए के का प्रतिकात विस्तियों के का स्वापनिक क्षा से किया गया है का स्वापनिक क्षा से किथन नहीं किया गया है का

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की वाटत उपत जिमिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के वाणित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के नियगः प्रीर/या
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी धन या अन्य जास्तियें की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्राप्तिमार्थ अन्ति (सी दासरा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चानिस्य था, खिपाने मी सुजिधा के सिए;

(1) श्रीमती कुसुमदेवी चनापराय थोरा4-युनियन सोसायटी,25-न्यु जागनाथ प्लाट, राजकोट

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० रंजनाबेन दीनेणचन्द्र 25, न्यू जागनाथ प्लाट, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स् स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति प्रक्रियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख में 45 दिन के मैं उर उक्त म्यापर सम्परित में हितवहरू किसी जन्म व्यक्ति दवास अधाहम्साक्षरी के पास के किसा में किस हा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गंभ हैं।

भनुसूची

एव० पी० राजकोट में न्यु जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 25, युनियन सोसायटी सर्वे नं० 626 जमीन क्षेत्रफल 250 वर्गं यार्ड + मकान रजिस्ट्रेशन नं० 501/1985/फरवरी 1985

जी० के० पं<mark>डण</mark> सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-1, श्रहमवाबाद

दिनांक: 23-9 1985

क्रमण झां**ड**ेशी एतं. संग

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

भार्माभय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 1, म्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां: 27 सितम्बर, 1985 निर्देश सं० पी० आर० 3859---अतः मुझे जी० के०

पड्या

शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' अहा गया हैं), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवित्त फिसका उचित्र गाजार मुक

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संवजमीन राजकोट में सर्वे नंव 429---436 विचयों मोभायटीं है। तथा जो क्षेत्रफल 433-3 वर्ग यार्ड प्लोट नंव 56 -ए में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूचीं में और पूर्ण कर से विणत है), रिजिस्ट्रींशर्ती अधिकारीं के वार्यालय राजकोट में रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 8 फरवरीं 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उप्यान बाजार मून्य से कम के दश्यमान मिल्रिक के लिए अपिटिंड को गई एँ और मुम्में यह विश्वास करने का समरण है कि गंधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित शासार मून्य, उशक्ते व्ययमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात ए प्रधिक है और जंतरका (जंतरका) कोर जंतरिती (जंतरितीया) के बीच एसे जंतरित के तिए तम पान प्राप्तिक कल निम्निविद्या स्वयं व्यवद्य के दिवस कम्तरण सिविद्य में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुए जिली काय की बानत क्यार बिग्रियम के अभीत कर दोने के बन्तरक दावित्य में कही करने वा बच्चों बन्तने के दुनिधा के चित्र; बहुर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिनहीं भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भे प्रयोधनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट महीं किया वका का का किया जाना धाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः वर, उसत जीभनियम कर्षे धारा 269-स के अनुगरण में, में, अस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. रानेणकुमार न्यंतराय शेठ परेएकुमार इसंतराय शेठ के/बी० बीं० शेठ एण्ड कंपनीं **ड**न्कमटैकम प्रडबोकेट टाउन होल के भामने, ढेबर चौक, राजकोट 1 (ग्रन्नरक)

2. श्रीमतीं मनीरमाबेन विनोदश्य धानक कें o/ओं ब्रीं पीं ज्येलर्स मनोज चेम्बर्स , सोनी बजार, राजकोट।

(भ्रन्सरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सपष्टि ले अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारींच की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवृधि, को और विशेष वाद में समाप्त होती हो, की भीता पूजें की व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक व 45 दिन हो भीजर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक् जिक्कित में किए का सकींगे।

स्पष्टोकरण:---६समं प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभा। वर्त है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में दिला नया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 43.3 वर्ग यार्ड प्लोट नं० 56-ए पंचवटीं सोसायटीं राजकोट सर्वे नं० 423-436-456 प्लोट नं० 9-56-ए रजिस्ट्रेशन , 963/8-2-851

जी० के० पंडाबा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकः प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 27 -9-1985

प्ररूप **नार्द**्ध टी_ड एत_{े.} एस्ड -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

बांद्रत प्रकार

कार्यासय, तहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 27-सितम्बर, 1985 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3858/23 1/85-86-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एच जी राजपुतपरा मुख्य रोड़, है तथा जो गेरी नं 8, क्षेत्रफल 500 वर्ग यार्ड + मकान, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकेट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या भन या अन्य आसितायों का, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में कृतिथा के सिद्ध;

बतः अज्ञा, उत्कत विधिनियम की धारा 269-व की वनसरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्री रमनीकलाल श्रंबाशंकर व्याम, श्रौर श्रन्य प्लोट नं० 315, सैक्टर नं० 22 गांधीनगर-22।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स लोटस कापीरेशन ट्रेंड संन्टर सरदारनगर मुख्य रोड, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का च 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी त्यवित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत की तार्रास से व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किमियम, के कभ्याय १०-६ व परिभागित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

एच० पी० राजपुतपरा में मुख्य रोड़, शेरी नं० 8 जमीन क्षेत्रफल 500 वर्ग यार्ड \rightarrow मकान रिजस्ट्रेशन नं० 1199/18-2-85

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 27-9-85

भोहर 🖫

प्रकृषाचे. टी. एव. एव., ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सञ्जयक भावकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 3860—-श्रतः मुझे जी० के० पंडमा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकों संव एचव पीव राजकोट में मावडी रास्ता पर सर्वे नंव 374/2 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 708 वर्ग यार्ड+ मकान में स्थित है (और इससे उपाबद स्रत्भूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ती स्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री हर्रण श्रिधित्तरम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, तारीख फरवरीं 1985

को पूर्वांवत संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संदूषं किसी जाव की बावस्ता करक जीवर्तियम की जभीत कर दोने के बंतरक की समित्य में क्सी करने या अल्लंब्यमें में स्विधा के जिया। जीद/वा
- (थ) ऐंती किसी आय वा किसी थव वा अन्य वास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में म्हिया के सिए:

जत: कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए वे जनुसरक में, में. उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के बभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात ध--- 1. मैसमें कोटक एण्ड आणाज परा बजार राजकोट-360001।

(भ्रन्तरकः)

 खादीं ग्रामोद्योग संघ, मायडी प्लोट, राजकोट। (श्रन्तरितीं)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के ज़िस् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ारिस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा बधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्भव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरा का उस अध्यास में दिया गया है।

अनुमुची

एच० राजकोट में सर्वे नं० 37/42 पैक्कीं जमींन क्षेत्रफल 708 वर्ग यार्ड मकान राजकोट रिजस्ट्रेणन नं० 848/85/फरवरीं 1985।

> जीं० के० **पंडया** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज के, श्रहमदाबाद

तारींख: 27-9-19**8**5

प्रकृप बाई. टी. एम. एस .:-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 3861--- ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या ,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रम्बेषल मीलित एफ० पी० नं० 827 पार्ट टीं० पीं० एउ० 3 है । तथा जी क्षेत्रफल 736 वर्ग यार्ड कोचरब में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से वांगत है), रिजस्ट्रींवर्ता श्रिधिकारी के वार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रींकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख 1 फरवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से किथक हैं जार असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उब्हाय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं निक्या गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खरिक्स के कबी करने वा दक्त वजने में बृत्धि। के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) की अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- भी भारतन्द्रराय गंगाणंकर गास्री और सात अन्य प्रीतमनगर फर्स्ट ढालके नजवीक अहमदाबाव। (अन्तरक)
- श्री बाब्भाई अलींमाई शेष और श्रीमती फातमा बींबी बाबुभाई शेख गायकवाडी हवेली के सामने डील्लीबाला ब्लोक रायखंड अहमदाबाद। (.मन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रमुवेबल मील्कत एफ० पी० नं० 828 पार्ट-2 टीं० पीं० एस० नं० 3 क्षेत्रफल 736 वर्ग सार्ड कोचरवर्मे श्रहमदा-बाद।

> जीं० के० पंड्रया सक्षम प्राधिकारीं सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

सारीं**क**: 27-9-1985

प्रकृष आहं. टी. एन. एस.-----

वायकार वीधनिवान, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के बचीन सुचना

बारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निवेश सं० पी० श्राप् ० नं० 3862—-श्रनः, मुझे, जी० के० पंडया

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके पश्यात 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एन० नं० 3614, 152 प्रयोगन बिल्डिंग में चीलु मारीयार है। तथा जो नारायन मिनेमा के मामने आश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद स्रमूस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय 37 श्राड श्राई में रिजस्ट्रीविंगण श्रिष्ठितया, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन श्रहमदाबाद दिनांक 13-2-85 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान एतिएस के लिए अंगरित की गर्व है और मुभे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृख्य से अपने विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृख्य, उससे दश्यमान प्रतिकृत की गर्व के स्थाप प्रतिकृत के विश्व पाया गर्या प्रतिकृत से विश्व से अपने कार्यालय प्रतिकृत के विश्व एसे कन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिकृत निम्नितिबिंग उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिकित में बास्तविक रूप में किथा गर्या है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर योगे के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
 - गे) ऐसी किसी बाय या किसी धर या कस्य अमिलयों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, रिज्याने में सुविधा औ निए;

अतः सय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के वधीय, निम्निविति व्यक्तियों, अधीत क्षान्य (1) ग्रविताण एस्टेट ऑतर्स एसोनिएणन की ओर से मैनर्स हममुखणहर सन्स्ट्रभणन, फर्स्ट फलार, चीनुभाई सन्टप ग्राथमरोड, ग्रहमदाबाद-7

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं चैन कुंज कुमार गुलाटीं नवनीत कुंजकुमार गूलाटीं औरन्ट श्रनुधकुमार गुलाटीं मानव श्रनुधकुमार गुलाटीं के/ओ गोपालदास गुलाटीं

(श्रन्तरितीं

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्मीता के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में शकाशन की तारीख में 45 विस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तानील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में मं किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 क्षित्र में किए जा मकने

स्पाक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याम भें दिया गया है।

अनुसूची

भाग नं 36, 151 और 152 प्रयोजन बिस्डिंग चीनुभाई शापर' नटणन सिनेमा के सामने, श्राश्रमरोड श्रहमदाबाद

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारीं महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-9-85

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस., ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3863--प्रतः, मुझो, जी० के० पंडया

जाजकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका जीवन बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ं गोयल सर्वे नं 293-1, 2-3 पैकीं ब्लाक नं 378, 379, 380 है। तथा जो जमीन क्षेत्रफल 10725 वर्ग मीटर 12870 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसमे उपावद्ध प्रमुख्यों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रींक्त्री श्रिधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रींकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 6) के श्रधीन अहमदाबाद दिनांक 15-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशव से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखा गया है :---

- (क) अन्तारण से हुई कियी गल की बावत, उच्छ ग्रीपरिवय के समीन कर को से ज्ञारक को ग्रीपरिवय के अभी करने वा क्षको बचने में स्रीप्धा को लिए; ग्रीड/वा
- [बा) एसे किसी बाब या किसी धन वा बन्ब बास्तिबाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उत्तत अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. स्थिपने में स्विभा के किया आना चाहिए था. स्थिपने में स्विभा के किया श

न्तः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ।, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) है अधीन. निम्मिलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघरभाई चतुरभाई पटेल श्रीमती बबबेन इज्बरभाई चतुरभाई पटेल पत्नी णंकरभाई इजरभाई कर्ता और मैनेजर धमेन्द्रनाथ णंकरभाई पटेल एल० श्रार० प्रणात णंकरभाई पटेल और 10 ग्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयंतीलाल भीखाभाई मोठ चेयरमैन----प्रयोजन सरगम को० ओ० हा० सोसायटीं और 26 मेम्बर्स जीधपुर टेहरा, सेटेलायट रोड, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरितीं)
- (3) श्री प्रेमकुमार गुप्ता, केशीयर जोधपुर टेकरा,

मेटेलारट रोड, श्रहमदाबाद (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीं डी० बी० रमनलाल जोधपुर टेकरा, सटेलास्ट रोड, श्रहमदाबाद

> (बह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी त्यन्के पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारी से 45 दिन की अवधि या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सम्बन्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यभ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए का सकोंगे।

स्वकाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीविन्यम के जध्याय 20-क में पीरशावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या नवा ही।

वनस्यो

बोयल सर्वे नं० 2913-1-2-3 पैकीं ब्लाक नं० 378, 379, 380 अमीन क्षेत्रफल 19725 वर्ग मीटर-12870 वर्ग सार्ड

> (जीं० के० पंडया) सक्षम प्राधिकारीं महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1. स्रहमदाबाद

नारीख: 30--9--85

प्ररूप आर्षः, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 नितम्बर् 1985

निदेश नं० पीं० श्राप्य नं० 3864---श्रतः मुझे जी० के० पंडया

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट नंव 936 एवं बीव मीव डीव 2 क्षेत्र-फल 1852.55 वर्ग यार्ड हैं तथा जे: हुण्ण नगार ऐरोणम रोड पर भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रींकरण श्रिधशारी के वार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रींकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 22-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भार ीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
26--306G1[85

(1) मैं सर्स मक्कर सन्स्ट्रक्शन कम्पनी भागीदार---प्रवीतचन्द्र हरजिबनदास मक्कर ओल्ड मानेकवाडी, प्लाट नं ० 136 पंचामृत, भावनगर

(श्रन्तर ह)

(2) श्री जयजनाराम को० ओ० हा० मोशायटी निमिटेड भावनगर चेयरमेन--श्री भरतकुमार जयंजीनान डक्कर 720, डेरी रोड, भावनगर

(ग्रन्तितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्वत शब्धो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाटनं० 936 ऐ, 936 बी, 936 सी, 936 डी, 936 ई क्षेत्रफल 1852.55 वर्ग यार्ड भावनगर कृष्णनगर ऐरोड्डाम रोड

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारीं महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज 1, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 30-9-85

प्रकृप कार्ड . बी. एन . एस . ------

मायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मभीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. श्रहमदाश्राद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 30 सितम्बर 1985

निर्देश पी० श्रार० नं० 3865—श्रतः मुझे जी० के० पड़िया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टेनामेन्ट नं० 19 तुलसीबन को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड में हैं। तथा जो जीवराज पार्क वेजालपुर रोड, ब्रह्मदाबाद में स्थित हैं (और इसले उपाबद्ध ब्रमुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकी ब्रिधिकारीं के कार्यालय ब्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के ब्रिधीन 28-2-85

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रिक्ति को लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिक्ति उद्दिश्य में उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिकक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सविधा
- (भ) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सव, उक्त जिथ्नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थांत्:— (:) श्रीं कान्तीलाल विठलदास मिस्ती

1, श्रमृतवाग सोमायटी
जीघराज पार्क, बेजालपुर रोड,
श्रह्मदाबाद-51

(श्रन्तरक्)

(2) श्रीमती मंजुबेन, बजाजी मरसीडजीकी पुत्री 19. तुलमीवन को० ओ० हा० मोनायटी लिमिटेड जीवराज पार्क. बेजालपुर रोड, श्रहमदाबाद-15

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन को जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारत की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलब्ध्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अभस्ची

टेनामेन्ट नं ० 19 तुलमीबन को० ओ० हा० मोमायटी लिमिटेड जीवराज पार्क बेजलपुर रोड, ब्रह्मघाबाद

> जी० के० पंष्रय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1. श्रहमदाबाद

नारीख: 30--9--85

प्रकृष वार्षं हो पूर् पुर ्यस्य व्यवस्थान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीय स्वना

भारत सहसार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाकः 1 श्रक्तूदर, 1985 निदेश नं० पीं० श्रार० नं० 3866—-श्रतः मुझे जी० के० प

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का आरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं रवें नं 133/1. जमीन क्षेत्रफल 5160 वर्ग मीटर है नथा जो 6192 वर्ग यार्ड घाटालोडीया में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदावाद में रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम , 1908 (1908) रा 16) के श्रधींन, 12-2-85

को पूर्वोक्त सम्परित के जियत भाजार मूल्य से काम के सक्तमाल बिकिन के लिए अन्तरित की नहाँ हैं और मुझे यह नियवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जियत कनार मूल्य उसके स्वयान प्रतिकृत के कुर्य हस्यमान प्रतिकृत का प्रतिकृत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरिय के जिए स्थ पाना नया प्रतिकृत, नियनिश्चित उद्देश्य से उसत अंतरिय जिला को वास्तिक को वास्तिक को वास्तिक को वास्तिक को वास्तिक क्या के किए स्थ

- (क) अभ्वारण से हुए जिसी भाग की बावता, उनत अधिनियर के अधीन कह दोने की सन्तरक के कवित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा की निष्; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी जन या जन्य कारिसयों को जिन्हों भारतीय आयकत् अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के विष्

जत: अब, उत्तत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलिकित स्मिक्यों, अर्थात् :---

(1) बाई सुरज़बेन छगाजी श्रादी
सुख्तयार--श्री छगाजी रामसिंह जी
घाटलोडीया सिटी तालुका जिला श्रहमदाबाद

(अन्तरक्)

(2) रामदेवप्रकाण को० आ० हा० मोसायटी लिमिटेड चेयरमैन--श्री श्ररिवन्दभाई भगवानदास पटेल नानी खडकी रखींयाल, श्रह्मदाबाद-4

(भ्रन्तरितीं)

को यह नुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टेल को अर्थन के किह्

उनका सम्मत्ति को क्षर्जन को संबंध में काहि भी आर्कोद ऱ—

- (क) इत त्का के राज्यम में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्का की तासील से 30 दिन की जनिश, जो भी अनिश बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्णीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (व) इस तूचना के राज्यन के प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ध किसी सन्त व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरों के पास सिवित के किए वा सकति।

स्वविकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिद्रशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस संध्यान में दिया। गंधा है।

ग्रनसूची

मर्वे नं 133/1, जमीन क्षेत्रफल 5160 वर्ग मीटर-डी 6192 वर्ग यार्ड घाटलंग्डीया मे

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज 1, स्रहमदाबाद

नारोंख: 1--10--**8**5

प्रकार बाह्नी हो हुन् हुन हुन हुन हुन

भारकर निधीनवन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) में स्थीन सूचना

HIST PERSON

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० भ्रार०नं० 3867—म्प्रतः मुझे जी० के० पंडया

नावकर वरिपीनवन, 1961 (1961 का 43) जिन्ने दस्कें दस्कें प्रकार 'उक्त वरिपीनवर्ग कहा ग्या है, की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वावार मुख्य 1,00,000/-क से अधिक है

और जिसकी सं० शेखपुर स्थानपुर एस टी० पी० एस० नं० 3 एस० पी० नं० 161/1/1 पहले मंजला श्राफिस नं० ए० 1295 घर्ग फिट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अह०दाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 12-2-85

भी पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृभी यह निर्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उत्तके का भाग प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का पंदाह ब्रिटियत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिदिवर्दी) के बीच एसे अन्तरक के सिए तब पाना ग्वा ब्रिटियत, निम्नलियित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित्त वै अधिक कप से क्षिण नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उत्तर अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देवी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिक्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिनियम, या ध्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की निय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थास् :—— (1) श्रीमती धनलबेन लक्ष्मीदास पटेल कृष्णा निधास, गुजरात विधायी के नजदीक श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) नूतन नागरिक को० ओ० बैंक लिमिटेड विक्टोरिया जुबली श्रस्पताल के सामने, पांचकुवा, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करतां हुं।

वक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस भूजना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 बिन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूजना की तामील से 30 बिन की जबधि, को भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोत्त्र अवित्यों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थावत ब्वाय वृधोइस्ताक्षरी के पाड़ विवित में किए वा बढ़ों वे।

त्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों नीर पर्यों का, या अवस् अभिनियम, के शृध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, को उस नभ्याय में दिवा जवा हैं।

नव्यूकी

शेष्ट्रपुर खानपुर सीम टी०पी० एस०नं० 3 एस०पी०नं० 161/1/1, फर्स्ट फ्लोर श्राफिस नं० ए० क्षेत्रफल 1295 वर्ग फिट ।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, भ्रहमदाकाड

तारीख: 30-9-85

प्ररूप बाहु . टी, एन. एस.-----

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3868—श्रतः मुझे, जी० के पंड्या ,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० राजपुर शारपुर सीम टी० पी० एस० 2, एफ० पी० नं० 45, शाप नं० 31 है। तथा जो नूसन गुजरात को० ओ० शोप। एनड थेर डाऊडी में सी पाउटी िमिटेड में स्थित हैं (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री शर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री रूपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-85

की पूर्वाकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए जन्तरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिक्षस से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, भिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; अडि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: ४व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) डै क्रमीप निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्रकर (1) श्री हजारीमात गमनानी शाह गीता निवास, पानीकी टंकी के सामने सावरमती, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री पवाकुमार रामिबलास अग्रवाल बी-1 नवनीत श्रपार्टमेन्ट गुलबाई टेकरा, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर ---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पष्टोकरणः — इस्में प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रायपुर-हीरपुर सीम टी०पी० एस० नं० 2 एफ० पी० नं० 45 माप नं० 31, नुतन गुजरात को० ओ० मापस एन्ड वेर हार्ऊस्मि मासायटी लिमिटेड श्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

सारीख: 30-9-85

प्रकृष बार्ड . टी. एव . एस . ---------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

BISC ESTRE

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन **रे**ज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांचः 3 अक्तूबर 1985 निदेश नं० पीं० ग्रार० नं० 3869---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिल ध्समें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं 14-2 सीटी तालुका नरोडा टीपीएस 1 एफ पी जं 704, टेनामेन्ट है तथा जो नं सी पी 60 की अनकत कंस्ट्रकणत एएया 108 वर्ग या डे, इन्दिराबाग सोसायटी नरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री अंति अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-85

को पूर्वों कत संपत्ति को उचित बाधार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाधार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्निसिंखत उद्योक्ण से उक्त बन्तरण निवित्त को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधानियंत्र, को बधीन कर दीने को अन्तरक अं वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धीर/मा
- (स) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

च्तः अव, उक्त विविधियमं की भारा 269-गं के समुसरण ं, में उक्त विधिनियम को भारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीं गंडाभाई पटेल 15, प्रमानिक सोसायटी समीप श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवकरन कानजी वर्षथा टेतामेन्ट नं० सी० बी० 1-60 नरोडा प्रांतींज हाई वे इन्दिराबाग सोसायटी तरोडा, अहमदाबाद

(भ्रन्तरितीं)

की यह शुपना पारी करके पूर्वोक्त श्रमित के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

शब्द संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस स्वान के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विस्की सविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्सों पर स्वान की तामील से 30 विन की नविधि, सो भी सविधि याद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्त स्वित्यों में से किसी स्पिक्त बुवारा:
- (व) इस मुखना के राज्यम में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 ज़िन में प्रीचर उच्छ स्थानर कम्पतित में हितनवृष् दिखी मुख्य क्ष्मित्त हुवाद्य न्याहस्ताक्षद्वी में शब्द दिवादत में किए जा सम्बोते ।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अर्डिष्टिन्दम्, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षी होता, वो उस क्ष्याद में दिका युक्त हैं।

अमुसूची

सर्वे नं 14-2 सीटी तालुका नरोड़ा टी० पी० एस० 1 एफ० पी० 704 टेनामेन्ट नं सी० बी० 1-60 क्षेत्रफल कस्ट्रक्शन एरिया 104 वर्ग यार्ड इन्दिरादाग सोसायटी नरोड़ा प्रांतींज हाईबे

> जी० क्षे० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-85

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

भग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 3 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3870---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्की मं० शॉप नं० 141, श्रपर प्लाजा पर चीनु-भाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थिन हैं (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, 37—ईई० फाइल किया में रजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख़ 1-2-1985

का पूर्वोक्षत सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूओ ग्रह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उभन्ने रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से मुश्कि है और बंतरक (अंतरका) की मेर मंतरिती (अंतरितिया) के थीय ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्या निम्मितिया उद्देश से उच्च अंतरण विचित्त में बास्तिवक स्प से कांधत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलियित क्रिन्तियों, अर्थात --- मैसमं श्रविनाण एस्टेट ग्रोनर्स एसोसियेशन की श्रोर से मेयर्स हममुख शाह एस्टरप्राइज, फर्स्ट फ्लोर, चीनूभाई सेस्टर, श्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

 मै० काणीबेन नारायणदास पटेल, के०/श्राफ एन० राजाराम, रतनपंल, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना पारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के बर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जेक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्वी

शाँप नं० 141 श्रपर प्लाजा पर चीनूभाई टावर में नटराज सिनेमा के सामने श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 3 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3871—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रोफिस नं० "सी० सेकन्ड फ्लोर "शालीन" बिल्डिंग हैं नथा जो ग्राश्रम रोद, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, 37-ईई० फाइल किया में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-2-1985

को पृथेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः उन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निचित ध्यक्तियों, अर्थात् ।.— मै० चिमनंलाल एस्टेट ग्रोनर्स एसोमियेशन की श्रोर से मेसर्स हमम्ख शाह एन्ड एसोसियेट, फर्स्ट फ्लोर, चीन्भाई सेन्टर, ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 मै० गुजरात कलर लेबोरेटरीज, क्यू०~14, टी० वी० इन्छस्ट्रियल एस्टेट, बोम्बे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जार करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्कीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

स्रोफिस नं० ''सी०'' सेकन्ड फ्लोर ''शालीन'' विल्डिंग स्राक्षम रोड, स्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

प्रकृष नाहै, शी. प्र. प्र. प्र.

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

नारत दरकाद

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 3 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3872—म्रतः मुझे, जी० के० पंडया .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० शोप नं० 153 ,फर्स्ट फ्लोर पर धीनू भाई टावर सें है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, 37-ईई०, फाइल सं० में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-2-85 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सर्वमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे सम्पत्ति का उचित की श्रीप अंतरित की स्वार प्रविक्त से अधिक है और अंतरित (अतिरक्तों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वाया ज्या श्रीतकार विक्तिलिएत उद्देशिय से उक्त अंतरण कि लिए तय वाया ज्या श्रीतकार परिक्तिलिएत उद्देशिय से उक्त अंतरण कि लिए तय वाया ज्या श्रीतकार से से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बांत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अश्रने में सुविधा के लिए; और/या
- (न) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए भा. छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र—- मेसर्स हममुख शाह एक्टरप्राईज,
फर्स्ट फ्लोर,
चीनूभाई सेन्टर,
ग्राश्रम रोड़,
ग्रहमदाबाव।

(श्रन्तरक)

श्रीमती रचना कुंअकुमार गुलाटी,
के०/श्राफ गोपालदास गुलाटी,
कोमर्स कोलेज,
फाल्गुन सोमायटी के सामने,
श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

क्ष्री यह सूचना जारी करके पृत्रा कत सम्थत्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बन्द सन्दार्थ के नर्पत् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचन्य की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर शक्त स्थानर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकीये।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसुची

शोप नं० 153 फर्स्ट फ्लोर पर चीनुभाई टावर में नटराज सिनेमा के सामने श्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम ग्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

मोहर :

27-306GI|85

प्रारूप आई. टी. एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 3 श्रक्तूयर 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3873—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

अध्यक्षर जीभनियज, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'जनत जीभनियज' कह्य गया है), की भार 269-क को जभीन तक्षण प्राधिकारी को वह निश्वात करने का काइम है कि स्थान्द संपरित, जिसका उचित भागार मूल्ल 1,00,000/- स्ट. से जिथक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 1 सेकन्ड फ्लोर पर चीनूभाई टावर म है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, 37-ईई०, फाइज िया में रिजम्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-2-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान इतिकल के जिए अन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार बूस्य, उसके क्लबान प्रतिकल से, एते क्लयमान प्रतिकल का अन्तर्भ प्रविवत से विभिन्न है और बन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-कृत निम्नाजितित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में बास्त-निक क्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) कलारण वं हुई कियो बाव की बावत, उपक जिथानयम के बधीन कर वाने की अन्तरक के वादिएय में कवी करने वा उचने वचने में श्रीवध्य के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय भाय-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्याराप्रकट नहीं किया जना जाया किया जाना चाहिए था जिल्हाने में क्यिया जी किया की स्वारा की स्वा

बन: अव, बंभत विधिनिवयं की धारा 269-ग के, बनुसरक कें, में उक्त अधिनिवयं की धारा 269-व की उपभारा (1) कें अभीन विधनिविक स्यक्तियों क्षथति प्रस्क मैनर्म हसमुख भाह एन्टरप्राईज, फर्स्ट फ्लोर, चोनूभाई मेन्टर, ग्राक्षम रोड, ग्रहमदाबाद-380009।

(ग्रन्तरक)

 मै० इजोडवाला गरिजग भौर टर्येन्स प्राइवेट लिमिटेड,
 212, तुलसीभाई चेम्बर्स,
 नरीमन प्याइन्ट,
 बम्बई-21।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

श्राफिस नं० 1, सेकंड फ्लोर पर "ए०" टावर, चीनू-भाई टावर सें, नटराज सिनेमा के सामने, श्राश्रम रोड़, श्रह्मदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबा

तारीख: 3-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमताबाद
श्रहमदावाद, विनौक 3 श्रक्तूबर 1985
निदेश सं० पी० श्रार० 3874—श्रतः मुझे, जी०

निदश में० पा० ग्रारं 3874—श्रत: मुझ, जा० कें० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० शीन नं० 141 प्रपर प्लाजा पर चीनूसाई टाबर में हैं तथा जो नटराज निनेमा के लामने ग्राप्तम रोद, ग्रहमदाबाद सें स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रक श्रनुसूची सें ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, 37—ईई० फाईल किया में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित स्दृद्धिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त भियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा दें थिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, तों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निंचिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० श्रविनाण एस्टेट श्रोनर्स एसोसियेणन, की श्रोर से मेसर्स हसमुख शाह एन्टरप्राईज, फर्स्ट फ्लोर, चीनूभाई सेन्टर, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद-880009।

(म्रन्तरक)

काशीबेन नारायनदास पटेल;
 के०/ग्रा० एन० राजाराम,
 रतनपोल,
 ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृषा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

शोप नं० 141, अपरप्लाजा पर चीनूभाई टावर में नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड़, अहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीखा: 3-10-1985

प्रकप बाइ', टी. एन. एवं . -----

नाथकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्थ 269-व (1) के बधीन सूच्या

बार्व बरकार

कार्यासय, सहायक गायकर भायक्त (निर्काल)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 3 श्रक्तूबर 1985

निर्देश नं० पो० म्रार० नं० 3875—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-स के अधिन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बंद्धा, जिसका उष्णित बाजार ब्रुक्ष 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव णांप नंव 39 लांबर प्लाजा पर चीनूभाई टाबर में, है तथा जो नटराज निनेमा के मामने श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 37-ईई० फाईल किया, में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-1-1985

का पूर्वित्स संपत्ति के उपित नावार मून्य के कन के गावधान् असिफल में लिए मन्तरित की पद्द हैं जीर मूझे यह निश्वास करने का कारण हैं कि समापूर्वित सन्पत्ति का उपित नाजार मून्य उसके क्यानान प्रतिफल से, एसे क्श्ममान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात स अधिक है और मंतरक (मन्तरकों) और मन्तरिकी (मन्तरित्यों) के बीच एसे मन्तरण के निए एक पाना गया मृतिफल निष्टिन्ति कि उपक् महरूक सिका में वासाविक कप से कि बाद महरूक मिला में वासाविक कप से कि बाद महरूक मिला में के प्रतिकार मार्थ है रू

- (क) अन्तरण से हुए किसी आयू की वाब्स, उक्स अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की बायरल में कमी करने या उसके एसने में पृत्रिधा की तरह, बाहर/या
- (थ) एसी किसी नाम ना किसी धन या कर्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिवशीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था के किया क्ला चारिए था कियाने के सुनिधा के किए;

बतः श्रम, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के सम्सरक में, में, उक्त मिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् ह--- मेसर्प हर्मुख शाह एन्टरप्राईज, फर्स्ट फ्लॉर, चीन्भाई सेन्टर, आपम गड, प्रहमदाबाद-380009।

(भ्रन्तरक)

श्री जयपुमार नैमचंद जैन,
 2465, मानेक चौक,
 भ्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

कः यह भूचना आरी बलाहे वृत्रीकतः सम्पत्ति कं अर्जन के निष् कार्यवाहियां **बुरू करता हूं।**

उक्क सम्पत्ति को अर्थन की सम्बन्ध में कार्श भी साक्षांप ...-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाबन की सारीख स 45 दिन की जबींभ या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को धी अविधि नोट में संशाप्त होती हो, के नीत्र पूर्वों क्व ज्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (सा) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन को सारीध स 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-व्यूथ किसी बन्ध न्यायित द्वारा, व्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

का कि एका --- इसमें प्रमुक्त अक्यों और प्यों का, वा सक्य अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, कहीं बर्ध होगा जो उस्त अध्याद में विस्था गया है।

अनुसूची

शोप नं० 39, लोबर प्लाजा पर "वीनूभाई टावर में" नटराज सिनेमा के सामने, श्राक्षम रोड, श्रहमदाबाद।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

माहेर 🕫

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 3 श्रक्तूबर 1985

निर्देश नं० पी० श्रार० नं० 3876—~ग्रतः मुझे, जी० कैंठ पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 83, लोवर प्लाजा पर चीनू-भाई टावर में है तथा जा नटराज सिनेमा के सामन, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, 37-ईई० में फाईल किया, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- मैं० अविनाश एस्टेट ग्रोनर्स एसोसियोशन,
 की ग्रोर से मेसर्स रसमुख शाह एन्टरप्राईज,
 फस्टं फ्लोर,
 चीनूभाई सेन्टर,
 ग्राश्रम रोड,
 श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 पारी मगनलाल हीरालाल, मानेक चीक, ग्रहमदाबाद-1।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुपना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

णोथ नं० 83, लोवर प्लाजा पर ''चीनूभाई टावर'' नटराज सिनेमा के सामने, श्रहमदाबाद।

> जी० के० पंडया सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊸ , श्रहमदाबाद

तारीख: 3-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 3 श्रक्तूबर 1985 निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3877—स्रतः भुझे, जी० के०पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिनकी सं० णोप नं० 63 लोवर प्लाजा पर चीनूगाई टावर में है तथा जो नटराज सिनेमा के सामने ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड भनुसूची में ग्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, 37-ईई०, फाईल किया, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख-5-2~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इस्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
रों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
के अधीन,, निम्निबिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

 मेसर्स हसमृख शाह एन्टरप्राईज, चीनूभाई टावर, नटराज सिनेमा के सामने, ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री वसंत गाँडालाल सोनी, प्रीलम नगर, फर्स्ट प्लोर, ग्रंबालाल हीराचंद चाल, ग्रहमवाबाद-6।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूर्धना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत व्यिष्ट यों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

शोप नं ० 63, लोवर प्ताजा पर चींनूभाई टावर में, नटराज सिनेमा के सामने, आश्रम रोड़, श्रहमदाबाद

> जी० के० पं**डया** मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमदाबाद

ताकीखाः 3--10--1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . ------

बायकार ऑभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कायाचर्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीकण)

.अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 4 श्रक्तुवर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3878—-श्रत: मुझे, जी० के० पंडया

कायकर जिश्वितम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकी नं० 1/2 बीना विभाजित शेयर जमीन जमा मकान में क्षेत्रफल 508/5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के बाहर टी० पी० एस० -3 एफ० पी० नं० 674/1 क्षेत्रफन-1017 वर्ग यार्ड में स्थित है (भौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद सें रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निक्तलिकित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्लिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्थ से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के निए; बॉर/बा
- (मा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाई। चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के सिए।

स्रत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मौं, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्री दिनेश चन्द्र अम्बा लाल चीकमी,
के 'श्राफ मेन्चुरी वाजार श्रम्वावाडी ग्रीवर्नम,
को०न्नापरेटिव सोमाइटी (प्रोपोजड),
2, हरिसिद्धा चेम्बर्स,
ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रोपोजड सेन्चुरी वाजार श्रम्बावाडी, श्रोनैस को०श्रापरेटित्र मोसाइटी, प्रोमोटर : श्री हरकिशन हेमराज , 2 हर्रिपदृष चेम्बर्स, ई० वी०, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आल्यें :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्य किसी अन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

1/2 बिन विभाजित किए शेर जमीन छौर मकान में क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एस-3 एफ पी० नं० 674/1 क्षेत्रफल 1017 वर्ग यार्ड

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रष्टमदाबाद

तारीख: 4-10-1985

म्रोहर :

प्ररूप आ**इ**. टी. एन. एस[.] -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाव श्रहमदाबाद, विनांक 4 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं ० पी० श्रार० नं० 3879—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/2 बिन बहेणी किये गेर जमीन - मकान के क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के बाहर टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1, 10/7 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्योधित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहरमान प्रतिफल से एसे रहरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपगारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) श्री दिनेश चन्द्र श्रम्बालाल चौकसी, केयर भ्राफ हेची होम श्रम्बावाड़ी श्रोनर्स, को० श्रापरेटिव सोमाइटी प्रपोज्ड बेलयू कम्पाउन्ड गान्धी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिस क्रिज, श्रह्मदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) प्रपोज्ड हेची होम श्रम्बावाडी, ग्रांनर्स को० ग्रापरेटिव सोमाइटी, प्रमोटर -बंसीधर पुरोहित, वेल्यू कम्पाउन्ड, गाँधी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिस क्रिज, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्ति यों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंवारा अधेहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त क्षेट्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

1/2 बिन श्रहेचणी किए शेर जमीन मय मकान 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1क्षेत्रफल 1017 वर्ग यार्ड ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-10-1985

प्ररूप बाह्य हो , एव , एस , -----

भाषकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुकना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 4 अक्तूबर 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3880--श्रनः मुझे, जी० के० पंड्या

भागकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त मिनियम' कहा गया ही, की वारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 बिन बहेचणी किए शेर जमीन 🕂 मकान में क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर है तथा जो जमीन के बाहरटी० पी० एम० मं० 3, एफ०पी० नं० 674/1 1017 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावत ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप सेवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद सें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 11908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1985 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान लिए अन्तिरत गष्ट ह की प्रतिफल विश्वास करन का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं भौर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) कै बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की वाबस , उकर अधिन्यन के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बारने में स्वीतिका के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाव 41 किसी धन वा बन्य बास्तिवाँ की, जिल्हों भारतीय आयकर जिप्तियम, 1922 (1922 का 11) या अवत सिधिनयम, या धन-फर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा विश्वाः

- (1) श्री हरेंद्र प्रम्वा लाल चौकसी, के०/श्राफ सेन्चुरी बाजार श्रम्बावाड़ी श्रोर्नेस, को० आपरेटिय सोसाइटी प्रगोज्ड, 2 हरिसिन्ध चेम्बर्स, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।
- (2) प्रपोज्ड सेन्चुरी बाजार,
 श्रम्बावडी श्रोनर्स को० श्रापरेटिय सोसाइटी,
 प्रमोटर हरिकणन हेमराज,
 हरिसिध चेम्बर्स,
 श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

अन्नत सम्परित औं नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षण हुन्न

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की रामीस से 30 दिन की स्वधि, थो भी स्वधि बाद में सभाज होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्य किसी बन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास् तिवित में किए जा सकोंगे।

प्रकारिकरण: — इसमें प्रयुक्त सुकारें जौर पूर्वों का, जो उनक्ष अभिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/2 बिन बहेचणी किए शेर जमीन + मकान में क्षेत्रफल 508:5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी०पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1, क्षेत्रफल 1017 वर्ग ।यार्ड

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 4-10-1985

मोहर ः

प्रकम नाइ.टी.एन,एस. ------

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

अहाबाद, दिनौंक 4 भ्रक्तूबर 1985

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3881—-श्रनः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं 1/2 बहुचणी किए शेर जमीन 4 मकान में क्षेत्रफल 508.5 है तथा जो वर्ग मीटर जमीन टी॰ पी॰ एम॰ 3 पर एफ॰ पी॰ नं॰ 674/1 क्षेप्रफल 1017 वर्ग यार्ड में स्थिन हैं (भ्रौर इसमे उपाबढ़ भ्रन्सूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भ्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्श्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के तिष्; बौर/बा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीन नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में तृष्विधा के लिए;

क्षप्तः नव, उनस निधिनियम की भारा 269-न के अनुसरम वीं, मीं, उनस निभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निम्निमिक स्वीक्तयों, नर्भात :---

- (1) श्री ह रेन्द्र श्रम्बालाल चौकसी, कं/श्राफ हेची होम श्रम्बाबाड़ी श्रोनर्स, को० ओ० हा० मोमाइटी प्रपोडड, बेलेप्यू कम्पाउन्ड, गाँधी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिसब्रिज, श्रहमदाबाद ।
- (2) श्री प्रपाज्ड हेची होम ग्रम्बावाड़ी ओनर्स का० ओ० सामाइटी प्रमोटर : प्रमोद बंसीधर पुरोहित, बेलेप्य कम्पाउन्ड, गाधी ग्राम रेलवे स्टेशन के सामने, एलिसब्रिज, श्रहमदाबाद ।

(भ्राव्रतिरिती)

को यह स्वता चारी करके प्रतिकत सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषिष ही, वहीं अधीं क्षोगा, जो उस अध्यास में दिया स्या हैं।

उक्त सम्पत्ति के नर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी ज्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात तिवित्त में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

1/2 बीन बहेचगी किए शेर जमीम मकान में क्षेत्रफल 508.5 वर्ग मीटर जमीन के बाहर टी० पी० एस० 3, एफ० पी० नं० 674/1,क्षेत्रफल 1017 वर्ग मीटर।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 4-10-1985

गोंहर :

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनॉक 10 सिलम्बर 1985

निदेश सं० पी०ग्रार० नं० 378२/11/85-86-- श्रतः मुझे, जी०के०पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,∪00/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संबद्धकान नं ए.म. 8 बाम्बे मार्कीट है तथा जो उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 25-2-1985

को पूर्वों अस सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाय करने वा कारण हैं कि यथापूर्वों इत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर ग्रीचिया प्रमा प्रमा जन्तिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को विधीन, तिम्निलिखित व्यक्तियों, प्रभात :-- (1) हेनराम हरगोदनदास, हनुमान गली, बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) खंडुभाई छीनुभाई पटेस, श्रीनिकेतन सोमाइटी, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जबत् सम्परित् के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप है---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की ताड़ीय थे 45 जिस करी अवृद्धि या इस्त्यूक्ति क्वित्यूने द्व स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, यो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्य क्षित्यूने में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

दुकान जो सूरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार, सूरत में 1800 नं वर दिनाँक 25-2-1985 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-9-1985

मोहरः

प्रकप बाहै, दी, एत, एस, -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीज स्भाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 10 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3783/II/85-86--- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० एल-3 बम्बई मार्कीट है तथा जो उमरवाड़ा सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णच्य में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत से रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1985,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हथ से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाय की बावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे कियो नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जगरियों द्राप प्रवट नहा चिला गरा वा किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः वाष, उक्त कॅथिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्रितयों, अर्थान् :--- (1) रोयल सिल्क मिल्स, प्रो० ईक्षाल हाजी इस्माईल, गोपीपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) हरीण टेक्सटाईल्स, श्रमृत लाल नानालाल, सल्सन्त पुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिचित में किये आ सकारी।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिना गया है।

अनुसुधी

दुकान जो उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 1898 नं० पर दिनाँक 26-2-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीखा: 10-9-1985

हरमो :

प्ररूप बार्चःटी.एन.एस. -----

बायकाः विभिन्तिम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भा<u>रत इंडकांड</u> कार्यांक्य, सहायक गायकर जायुक्त (निरीकाण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनौंक 6 नितम्बर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3784/II/85-86— श्रतः मुझे, जी० कॅ० पंडया,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्द्र अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृख्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 6, रिग रोड, सूरत में है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37 ईई के अधीन, नारीख 18-1-1985,

को पृत्रोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथा पृत्रोंकत संपहित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहाँ किया गया है है—

- ्रीक) अन्तर्भ संबुद्ध किसी बाय की बाबत, उस्त विभिनियम के वृथीन कर योगे के अन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे वचने मा सुविधा के लिए; बीर/या
- (थ) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्य विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्षेत्रपार्थ कन्दरिती बुवास प्रकट महीं किया बचा था वा किया वाना काहिए था कियाओं वे तृतिभा के सिए;

णरा. अक, अक्स अधिनियम की धारा 269-च की अपुसरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अर्थातः :--- (1) मेसर्स संजीव प्रभाईजेस की-आप० सोसाइटी, किन्नरी सिनेमा, . रिंग रोड, सूरता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश कृष्त क्लोथ मार्केट चाँदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्स सञ्चरित के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काश्रेष ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीच के 45 विन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकों में।

रमस्टीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों जीरु पदों का, जो उनका ज्यानियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

धनुसुची

दुकान नं० 6, जो सूरत में स्थित हैं। फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनाँक 18-1-1985 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारोख: 6-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 6 सितम्बर 1985

निदेश सं० पी० म्रार्०नं० 3785/11/85-86 -- भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं पलंट नं प्रजे के 408, इण्डिया टैक्सटाइल्स मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से बणित है), रिजरट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37 ईई के अर्धान तारीख 18-1-1985

को प्रांकित सम्परित के उजित बाजार मूल्य से काम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उत्तक दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंडह प्रतिसत्त से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिष्त में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग का किसी धन या बन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसित व्यक्तियों, अधीत क्रि-

(1) मेसर्स संजीव प्रमाइसेज को०-आप० सोसाइटी. रिंग रोड, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार, मार्फत सबेरा मोतीलाल, बिहार।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए⁴ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति ब्यक्ति इंगर
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्विता के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ध

फार्म नं० 37 ईई पर कार्यालय में दिनाँक 18-1-1985 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 6-9-1985

प्रकप आइ. टी. एन. एस. ------

आय-कर अधिनियज, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन-∐. श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांकः 6 :सनम्बरा 985

निर्देश मं० पी० श्रार्० नं० 3786/H/85-86---श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या

काक्रकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 703, रिग रोड हैं तथा जो मूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन तारीख 31 जनवरी, 1985

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मुल्य से कम के उश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित कहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269- व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269- व की उपभार (1) के अधीन, निस्तितिस्ति व्यक्तियों, अर्थाप्त (1) मैं० मंजीव प्रमार्डमेस को० श्रापरेटिव मोसाइटी, रिंग रोड, सूरत ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री राज गोपाल सीता राम चौधरी, मार्फत चिरंजी लाल सीताराम, कलकता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस स्थान के राजपश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यो

37 ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 31-1-1985 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1, श्रहमधाबाद

वारीख : 6-9-1985

10 mg

प्रकल् बाही, द्वीं, एस., एस., - - - -

थायण्डर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के श्राधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार्० नं० 3787/IJ/85-86—-श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या

अ। शंकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिवत बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-604 है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण किप से बर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती प्रधिकारी के बर्णित्य, प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 37-ईई के प्रधीन तारीख 31 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमाय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यभान प्रतिकाल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाना गवा प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त जन्तरण शिचित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया यस है ६—

- (क) सन्तर्ण से हुइ किसी बाब की बाबर, डक्ट नानियाय के अभीन कर देने के जन्तरक के नाम है किए; और स्वी करने या उससे वचने में सुविधा है लिए; और/या
- (ख़) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या वन्क कुड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् ह

(1) मं ० संजीच प्रिमिसेस को० श्रापरेटिच हाउभिंग सोसाइटी, नजदीक किन्नरी सिनेमा सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुधीर परषोत्तम खेतान, कृषि अपार्टमेट्स, वर्ला, बम्बर्ड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कुर्वन के निष् कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्द्र भी वाक्षेप अ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृक्षार;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर ताक्त स्थापर तम्पत्ति में हितवव्ध किती अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकारी के पास कि सिसित में किए जा सकरेंगे

स्पर्ध्योकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों साँर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्धिशायित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 31 जनवरी, 1985 को पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 6-9-1985

मोहर

श्रूकपः अरद्भः टीः **एतः एस**्य - स - स व

नायकर मॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीद मुकना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाधाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश मं० पीं० ग्राप्तः नं० 3788/II/85-86--ग्रतः मुझे, जीं० कें०पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी मं० जे--308, इण्डिया टेक्स्टाइल मार्केट है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन तारीख 30 जनवरीं, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निस्थित नद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक क्या के किथा नया है ---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाग की गावल, छक्त जीभानियम के बभीन कार दोनें के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या सससे बभने में सुधिभा के सिए; बरि√वा
- (क) ऐसी किसी आज या किसी थन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में स्विया की विस्

(1) श्री संजीव प्रिमिसेस को० ग्रापरेटिक हाउसिंग सोसाइटी, रिंग रोड, सूरत।

(भन्तरक)

(2) श्री बिहारी नाल परसराम, वर्धा रोड, नागपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

बन्द सम्पत्ति के नर्वन ती संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी स्वीवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी संवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्वीक्सों में से किसी स्वीवत द्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी कम्म व्यक्ति वृद्धारा, वशेहरताकरी के पास जिवित में फिए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37-ईई पर कार्यालय में 31 जनवरी, 1985 में पेण किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारीं
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

आत: आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तिसर्थों, अधीत ६----

मोहर

तारीख: 9-9-1985

29---306GI|85

प्ररूप जाईं.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनां ह 9 शितम्बर 1985

निर्देश मं० पी० श्राप्ता नं० 3789/ग/85-86---श्रतः मझे, जी० के० पंडया

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिन्की सं को कि: 407 है तथा जो रिंग रोष्ठ है तथा जो सूरत में स्थित हैं (ऑर इस्से उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण हम से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन तारीख 18-1-1985

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रवट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, न्याने में स्विधा के सिए:

कतः इत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ दो अनुसरण में, में. अपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (।) मैं० संजीव प्रिमिस्स को० श्रापरेटिय मासाइटी, मूरन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीता देवी, मार्फत स्वेरा माती हिल, मुजफ्फरपुर, बिहार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सृषना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

37 ईई० या फार्म यह कार्यालय में दिलॉक 8~1~85 की पेश िया गया है ।

> जी० के० पंड्या सक्षम जाधि शरी सहाय हे आयाजर श्रायुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 9-9-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजना(, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदंश सं० पी० श्रार्० नं० 3790/॥/85-86— श्रतः मझे, जी० के० पंड्या.

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जे० 307, रिग रोड, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर्म से वर्णित है), रजिस्हीं कर्ता श्रीभकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्हीं करण श्रिधितियम 37ईई के श्रिधीन, तारीख 30-1-1985 को पृथेंक्ति सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ृत्य जनक इस्तान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्विषय से उक्त अन्तरण विश्वत में श्रस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरकृतं हुइर्गिकती आयु की वास्ता, सम्बद्ध अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक औ दानियम में कनी करन या उत्तरी वज्ञने में सुविधा से निष्: बडिं/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तुमों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती व्याहा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधारी ।—

- (1) संजीव प्रिमाईजेस को०-श्राप०2 सोसाइटी, रिंग रोड, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) श्री विहारी लाल परमराम पुरीम्रा,17/18, रिवराज वर्धा रोड,नागपुर-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृजासत सपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां भुर करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काई नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उन्दत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई फार्म पर कार्यालय में दिनाँक 30-1-1985 की पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

नारीख: 9-9-1985

प्रक्ष बाह्य, टौ. एन्, एस्., ००० - ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्वना

धाउत बहुकाडु

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3791/।।/85-86—-ग्रतः मुझे, जी०कें० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें एसके परिचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) ूर्क. भारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रहा सका विक हैं
और जिसकी सं श्रीफिस नं 444, रिंग रोड है तथा जो सूरत
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणत है), रिजस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में
रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई के श्रधीन तारीख 28-1-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उसने वसने हैं हुन्धा की लिए; सर्थिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्रोजधा के जिए;

शृंतः जंब, उक्त किंपिनियम की भारा 269-म की जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निस्त्रसिखित व्यक्तियों, संशीत् ध--- (1) मेसर्स शाँति बिल्डर्स श्रजन्ता शापिंग ग्रौर टेन्सटाईल, रिंग रोड, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर लडीया, डेडी शेड श्रगियारी, बम्बई-2

(मन्तिरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी वास्रेप 18--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्तित में किए था सकेंगे।

स्पष्डीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, असे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

37ईई फार्मप्पर कार्यालय में दिनौक 28-1-1985 में पेश किया गथा है।

> जी॰ के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) **भर्जन रेंज-I^I; श्रह्मदाबाद**

तारीख: 9-9-1985

प्रकृष बाही ही, एन. एवं. -----

भावतन्त्र निमित्न, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बार्ड सरकार

कार्यास्त्र, रहायक कामकर वायुक्त (विडिकिन) श्रर्जन रेज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 शिनम्बर 1985

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3792/॥/85-86---ग्रतः मुझे, जी० के०पंड्या,

शायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निभानियम' कहा गया हैं), की भारा '269-च के अभीन, तक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारन हैं कि स्थावर स्थाति, जिसका उजिए बाबार नृत्व 7,00,000/~ रा. से अधिक ही

नौर जिसकी सं० आफिस नं० 638, श्रजन्ता भाषिंग सेन्टर, रृतथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजर्ट्ट्रीकरण श्रिधितियम, 37ईई के श्रिधीन, तारीख 28-1-1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्रात प्रिकृत के निए अन्तरित की गई है जार अमूने वह विववास करने का कारण है कि यंशेष्वी विव संपत्ति का उचित बाधार कृत्य, उसके स्वयंतान प्रतिकत्त से, एमें स्वयंत्रान प्रतिकत्त का पंक्रह बतिबत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (बन्तरितिकार्ते) के चीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा वक्षा स्विक्तन, निम्मसिवित उद्येवस से उनत अस्तरण कि सिकत निम्मसिवित विवास निम्मसिवित के समानिक कर से किया नहीं किया नवा है :---

- कि प्रकरन र इस किसी कार की बाक्ट कार करियरण में कभी करने या उससे बचने मीं सृविधा के लिए; बॉट्र/शा
- (क) एँसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, विमहें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उपल जिथिनियम, का बन-कर जिथिनियम, का बन-कर जिथिनियम, का बन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना वाहिए था खिथाने में सुविधा से सिक्ष;

क्तः नय, उक्त जीविनितमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, में उक्त जीविनियमं की भारा 269-थ की उपधारा (।) को स्थीन, निम्तिनिविध क्युक्तिको, वर्षाक् ⊹ मेसर्स शांति बिल्डर्स,
 रिंगरोड, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एम० टी० गाँधी एण्ड क० मूरत टेक्सटाईल मार्कीट, रिगरोड, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के नर्चन के विषय कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्त कम्मितित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाधने :---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीश वं 45 दिन की श्रवीभ वा तत्त्वस्वरंभी व्यक्तियों पर भूचना की सामीस से 30 दिन की नवभि, को भी नव्य में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति दवारा;
- (क) इत् स्वा के रावपत में प्रकाशन की तारील सं 45 किन के भीतर उसस स्थावर सम्बद्धि में हितबस्थ किसी जन्म स्थानत इवारा अभोहस्ताक्षरी के शत । श्रीकृत में किए आ गुकेंगी।

स्थव्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 28-1-1985 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारी**ज**: 9-9-1985

प्रकण बाइ . टी. एव . एस . ------

भागकार भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 9 सितम्बर, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3793/ /85-86--- श्रतः मझे, जी० के०पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फार्म नं० 203, बर न्यूईन विलिंडग है, तथा जो सूरत में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण-रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 37ईई के स्रधीन, तारीख 28-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृक्षे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह गितश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसान में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय करी बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए। और/बा
- (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए।

जतः जधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जै, मैं, धक्त जिविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अधीतः :---- (1) बोनी इन्टरप्राईजेज 402, केशव चेम्बर्स, लालेट, मूरन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सननभाई ए० झवरी, 54 श्राणुतीय, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यकाहियां करता हुं।

क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ी भी आक्षंप :--

- (क) इस भ्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अबीध दें तत्सेंबंधी व्यवितयों पर र सूचना की तामीस से 30 दिन की अबीध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) अस स्वता क राज्या अ अक्षाप्त का तारीं थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रमुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त जिस्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म पर कार्यालय में 28-1-1985 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षत प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

नारीख: 9-9-1985

प्रकल भार्द टी. एन . एस . ------ (1) मिल दिलीर जींच आह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन केंज, श्रहमकाबाव

श्रहमदाबाद दिनोक ६ ितम्बर, 1985

सिदेश मं० पीं० श्रार० नं० $3794/\Pi/85-86--- श्रतः मुझे, जीं० के० पंड्या.$

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मृल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं।

और जिन्नकी गांव पलेट गंव 60%, रोपर ववीन है तथा जो आद्या लाईत्य, स्वान में स्थित है (और इसने उपायंड अनुसूची में और पूर्णत्य में धर्णित है) यित्रहीयती अधितारी के रायस्थि, हमदाबाद में प्याजिस्ही एक अधितियम 37ईई के अधित तारीख

को पूर्विक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तियों द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किए। जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अप्तः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण ओं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**सित व्यक्तियों, अर्थात्**ः— (1) मि० दिनीय तीं० शाह, 7-दीं, िया अमर्टमेंट, गोथीवुरा सूखा।

(श्रन्तरक)

(2) सोनी इन्टरप्राईसीज, 402, केणव चेम्बर्स, लालगेट, सूरन

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के पिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सृचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पति जिन्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

ग्रनुसूची

378ई का फार्स पर कार्यालय में 28-1-1985 में पेश किया गया है।

जीं० के० पंडमा, स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जतरें ज-II, श्रह्मदाबाद

नारीखा: 6-9-1**98**5

माहर :

प्रकप बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

नारत वरकार

कार्यासय, सहायक नायक र नायुक्त (निद्रौतान)

ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निवेश सं० पीं० श्रार० नं० 3795/11/85-85---श्रतः मुक्षे, जीं० प्के. पंड्या,

सायकर सिंभितयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रकात् 'छस्त विभिनियम' कहा गवा हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 1533, 715 चीव मोव फतेहगंज, बड़ौदा, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के वार्यालय. बड़ौदा में रिजस्ट्रीयरण अधिस्थिम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीं प्र 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार अस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया वितिफल, निम्नीका चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कांचित नहीं किया नवा है :---

- पुंक) जन्तरण के हुए जिसी जाय की वाजत, अक्स जिसीनयम के जभीन कर दोने की जन्तरक की वासित्य में कमी करने वा उससे यजने में सुनिभा के लिए; बॉर∕वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय चायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था सा किया जाना चाहिए था, छिषाने में मिया के निए:

अन्तः अव, उत्तत अधिनियम को भारा 269-म के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीअधित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) केटी श्रमन्युष्ट्यल डी कुज, रणछोड़ सोभाइटी (भन्तरक) टरभी रोड, बड़ौदा।
- (2) श्री सरदारसिंह गुरुदीन विह मानंद, 'श्रानंद महल', प्रतापगंज, बडौदा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सिए कार्य-वाहियां करता हुं।

जनत् संपरित के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षोप # -

- (क) इस स्थान के इक्ष्मित्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अपिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविथ, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस नुकता की राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के राख निधित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विद्या गया है।

BREE

सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 1456 नसर पर दिनांक 4-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9~9~85

१**क्पः वार्षः टी. एन**् ए**सः ---**--

अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

गारत वरकाड

कार्यांतय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण)

त्रर्जन रेंज⊸2, त्रहमदाबाद स्रहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 85

निदेश नं० पीं० भ्रार० नं० 3796/2/85—86——ग्रनः मुझे, जीं० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसमें प्रचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० 62-63, श्रतुराग होम० सेस्टर, वड़ीदा-5 है तथा जो वड़ीड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीं की अधिकारीं के कार्यालय, वड़ीदा में रिजिस्ट्रीं करण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रींन 19-2-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्द्य प्रविचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बतिरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया ज्या प्रतिफल निम्नितियत उद्देश्य से अवस अंतरण निवित् भी बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) संसरण थे हुई किसी नाय की वाबता, उक्त श्रीपनियम को अपीन कार दोने की अप्तरक को शायित्व में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा से विष्: सद्धिना
- (क) एती किसी नाय या किसी भग या नत्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने के स्विका के सिष्;

बतः शव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 30—306GI|85 (1) मैं० मालोक एसोसिएटम, बेधन प्रवार्टमेंट, मुभानपुरा, बडौदा--7

(म्रन्तरक)

(2) नदुभाई पटेल फैमिलीं ट्रस्ट. ग्रहणादेय सोमायटीं, बडीडा-5

(भ्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उनत् सम्पृति के वृजन् में संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की नविध, को भी नविध से में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसकद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के वास निवित में किए का सकेंगे।

स्व्याचिकारण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीड़ पदों का, वो क्वल वृधिनियम के विभाग 20-क में पीरअधिवध है, तही वर्ध होगा जो उस अध्याय में विधा गवा है।

अनुस्ची

महना जो बड़ौदा में स्थित है जिसकी कुल कीमत 4,15.950/- रुपये है। सब रिजम्ट्रार बड़ौदा में 1540 नंबर पर दिनांक 19-2-85 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या पक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंग-2, श्रहमदाबाद

तारींख: 9--9--85

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, अव्यवसाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 तितम्बर 1985

्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-ऊ. से अधिक है

और जिसकीं संख्या प्लाट नं० 7 जोलपुर, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीक्ष्मी अधिकारीं के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीक्ष्मण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन 28-2-85

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिसित उद्वेदिय से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (भ) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त ओधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण ्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (∤) के अभीत, िक्विचिखत व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्रीं शांतासरन राच भाई पटेल और, श्रीं शतींरभाई उमेदभाई, बड़ीदा

(अन्तरह)

(2) श्रीं प्रमासरन श्रवण कुमार गुप्ता 88, संपतराय कालोनीं बड़ीवा

(भन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अधिक्षि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहत्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

जनींन जोलपुर, बड़ौदा में स्थित है। नक रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 1782 नेसर पर दिनांक 28-2-85 में रिजस्टर्ड कीं गई है।

> जीं० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. श्रहमदाबाद

तारीं**ख**: 9—9—85

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर औंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

प्राचयवाबाद, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3798/2/85—86—⊸श्रतः मुझो,जी० के०पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या मकान-114, 102, चौ० वार, महेमाणा है तथा जो महेसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन 6-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के खरममान्
प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
ऐसे खरममान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरक
के लिए तम वामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देषम से
हक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया
वसा है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ण) इसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् :—

(1) श्री कान्तीलाल जिलोचनलाल ग्रीर भन्य, महेसाणा

(भ्रन्तरक)

(2) मैं वर्शन कारपोरेशन महेमाणा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो महेसाणा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,55,000/- रुपये हैं। सब रिजस्ट्रार, महेसाणा में रिजस्टर्ड की गई हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, भह्मदाबाद

तारीख: 9-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, विनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० स्रार० नं० 3799/2/85-86—स्रतः मुझो, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्रार० एस० नं० 427, जेतलपुर, बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-2-85

ने। प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रिंग सहीं किया गया हैं:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, जन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हालिखित व्यक्तितयों, अधीत् ध— (1) श्री भाँतिलाल भोगीलाल माह तिरुपति ग्रपार्टमेट, बडौदा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नितिन कुमार रणछोड़भाई पटेल जुना पादरा रोड़, बडौदा।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तं सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्लाट जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 71890/- रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 1771 नंबर पर दिनाँक 27-2-85 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जीं० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 23-9-85

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म् (1) के मुभीन बुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी०श्रार० नं० 38/00/2/85—86——श्रत : ूरे, जी० के०पड्या,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्स निर्मित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित शाजार भृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और सिकी संख्या प्लाट नं 242 ची भी ं नं 45 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप में बाजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रींधकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रींग 27-2-85

का पूर्वित सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य ने कम के इष्यमान इतिफास को सिए बंतरित की गई है और भुक्ते यह निश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार बुग्ब, उसके द्रथमान प्रतिकास से, एसे द्रथमान प्रतिकास का बन्दह प्रतियंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया द्वा प्रतिकास निकासित उद्देश्य से द्रवत बन्तरण विचित्त में शास्त्रिक द्रव से किया नहीं किया नवा है:---

- (क) निवारण वे हुई जिल्ली नाम की नान्छ, जक्त अधिनिनम के सधीय कर दोने के अन्तरण क स्वित्य में कभी करने ना उससे नमने में सुविधा में (क्यू; बीड़/ना
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी भन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अभिनियम, वा भव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्धीरती ब्वारा अकट नहीं किया वृक्षा था वा किया जाना वाहिए या, कियाने भा वृक्षिभा के लिए;

तक जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण मी, उक्त जीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा 111 वे बारीन, निम्नसिवित स्पिक्तनों, अवर्ति:--- (1) श्री भौतिलाल भोगीलाल भाह, तिरुपति श्रपार्टमेट, बडौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनीलकुमार जीवनभाई पटेल टागे(रनगर, बडौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिस कार्यवाहियां करसा हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई शाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकासों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास श्रिकत में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण :—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में पीरिभावित हैं वहीं वर्ष होगा जो इस अध्याय में दिया क्वा हैं 9

वर्ष्य

प्लाट जो जैतलपुर मे स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौद मे 27-2-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तरीख: 23-9-85

माहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेंज-2, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3801/2/85-86—-श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी संख्या प्लाट 908, ची॰ मी॰ ग्रार॰ एस॰ नं॰ 539 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ज्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्याह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) गौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकित में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क्) एोसी किसी आय था किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विए;

(1) श्री हरेणभाई ईश्वरभाई शाह रेसकोर्स रोड़, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) कमला पार्क अघार्टमेट, निर्मलासरन हीमेनलाल पोपट विट्ठल सोसायटी नवापुरा, बड़ौदा।

(मन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

मन्सूची

प्लाट जो रंसकोर्स, बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार बड़ौदा में 1314 नंबर पर दिनौंक 7-2-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड़या सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **ग्रह्म**सदानाद

सत्ति सन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभील, निम्नलिखित स्थीकत्यों, सर्थोद ∷----

तारीख: 23-9-85

माहर :

प्रस्ति बार्षे . हीं . युष् . सूत्र , नवनव्यवनवनव

भायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनाँक 23 सितम्बर 85

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3802/2/85-86—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० 581, श्रार० सी० रोड़, बड़ीवा है तथा जो अड़ौदा मे स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुभूची मे श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-2-85

स्रे पूर्नोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि नथापूर्नोक्त संपत्ति का अचित वाचार नृश्व, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, इंचे ध्रयमान प्रतिफल का प्रतिश् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया हिस्कल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण नेलिखत में गस्तिक रूप से किथा नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तर्य वं शृद्धं शिक्षीं साथ की वास्त्रः, काय वृधिरियम् वे वयीन कर देवें के बन्दरक के स्वीयस्त्र में कानी करने या उससे बचने में वृष्या के किए; बीट/वा
- ें(प) एसी किसी बाय या किसी भन या ब्न्य आस्तियाँ फी, जिन्हों भारतीय अपय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में रिक्या की निए;

(1) श्री हर्सदभाई ईश्वरभाई गेठ ग्रीर भन्य रेसकोर्स, बड़ीदा

(भन्तरक)

(2) कमलापाकं श्रपार्टमेट, श्रीमती निर्मलासरन हिमनलाल पोपट नवापुरा, बड़ौदा

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करकै पृथानित खुम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहिया सुरु करता हुं:

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विद की श्वींय या तत्त्रम्यां क्रिंत्यमें द्य ब्या की तामील से 30 दिन की वर्षीय, को सी वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचक क्रिंत्यमें में से किसी स्थापत स्थापा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास हिलक्त में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का को उक्त निधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,06,481/- रुपये हैं। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 114 नंबर पर दिनाँक 7-2-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्रमा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶2, **प्रहमदाबाद**

लतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकालों. अधीत :---

तारीख: 23-9-85

पुरुष कार्षे ता एवं एस जन्मानाम्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

RIST STATE

कार्याक्ष्म, बहायक बाय्कर बाय्क्स (निर्देश्य)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाव, दिनाँक 23 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3803/2/85→86→-श्रतः मुझे, जी० के पंड्या,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकाश (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित याजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट 10177 ची० मी० ईटोला है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (%) अन्तर्भ से हुई किसी बाद की बादर, उन्हें विध-हिनयन से बभीन कर देने के बन्तर्क की दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भग मा जन्य जास्तियों करो जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

(1) श्री विपीनचंद्र प्रभाकर गुप्ता, ग्राग-ईटोला. जि० बडौबा

(अन्तरक)

(2) परमधाम को० श्रो० हा० सोमायटी, ईटोला, बडीदा

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम के लिख्' कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकासन की तारीच है, 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील से 30 दिन की महिथ, को भी न्विभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति बुवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निसित में किए जा सकेंगें।

स्पक्ष्यीकारण :----इसमे प्रयुक्त सन्दौ और पदौ का, वो सक्ष जिथिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिवा यस हैं।

अनुसूची

प्लाट जो इटोला, जि० बड़ौदा में स्थित है। सब रिज-स्ट्रार, बड़ौदा में 1762 नंबर पर दिनांक 27-2-85को रिजस्टर किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

बत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष---

नारीख: 23-9-85

मोहर 🦙

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

श्रह्मवाबाद, दिनौंक 24 सितम्बर 1985 निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3804/2/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ये प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सुलेमान हाजी बन्दुलरेहमान और ग्रन्य भाहेमदी मोहल्ला, गोधरा

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मोडर्न सीमेट कुं० चीखोक्स ता० गोधरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादधीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह⁸, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंतरा ची

शेड जो चिखोदरा ता० गोधरा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, गोधरा में, दिनौंक 23-1-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रहमवाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अधीत् ह—
31—306GI/85

तारीख: 24-9-85

मस्य बाह् . टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंजर: 2, श्रहमदाबाव श्रहमदाबाद, दिनाँक 23 सितम्बर 1985 निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3805/2/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंज्या

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अभिके परणान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अस्ति के बंधीन सक्षम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित शाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जसीन नरेवाल भक्ष, श्रार० एस० नं० 62/1 है नथा जो 62/3 भक्ष में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूवी में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भक्ष में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के विषय सावार मृत्य से कम के अधान 15-2-85 को पर्वेक्त सम्मित के बिचत बाजार मृत्य से कम के अधान 15-2-85 को पर्वेक्त सम्मित के बिचत बाजार मृत्य से कम के अधान ग्रीतफल को पर्वेक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके रिचयमान प्रतिफल से, ऐसे रिश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतर्ण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उच्चर्य से उच्च श्रीपण तिश्विक्ष में बास्तिकल, निम्निश्चित उच्चर्य से उच्च श्रीपण तिश्विक्ष में बास्तिकल एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चं हुई किसी आयं की बाबत, बाबत अभिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, फिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलि खित व्यक्तियों, अधीन हि—

(1) श्री हरेन्द्रिमह प्रभातिसह यादव, निर्मलाबहन हरेन्द्रिसह नंदाव ता० कासेबाँ, जि० सुरत

(अन्तरक)

- (2) नवजीवन को० म्रो० हा० सोसायटी
 - (1) किर्तकान्त शिवलाल शाह,
 - (2) ग्रमृतलाल केशवलाल मोदी नर्मदानगर टाऊनशिप, जि० भक्षच

(भ्रन्तरिती)

कारी वह स्वाना कारी कारके प्रवीवत सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हां।

उचत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी भारते 💝

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहत्ताक्षरी के प्रमालिकित में किए का सकींगे।

स्वच्छाँकरण:--- इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पर्यों का, को उक्त जीवींनयम के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी कर्ष होता को उस जभ्याय में दिवा बंबा है।

अमुसूची

जमीन जो नंदेलाय में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, भरुच में 53 नंबर पर दिनौंक 15→2-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहसदाबाद

तारीख: 23−9−85

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶2, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3806/2---श्रत : मुझे, जी० के० पंड़या,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० उमरवाडा, नं० 8 प्लाट नं० 7 है नथा जो मुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता श्रिधवारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-2-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरेंगे रूपमान प्रतिफल से, एरेंगे रूपमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरित्यों) के बीच एरेंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

क्त: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री द्वौपदिसरन नारणदास, लक्ष्मी निवास, खार समाई

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० तिक्पिति बिल्डर्स, हरेक्वष्ण भवन, महात्मावाडी सलसतपुरा, सुरत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जमत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृथापत व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितर ् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं० 7 जो सूरत में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार सुरत म, 1595 नंबर पर दिनांक 10-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जील के पड़िया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 27-9 95

5-10-11 to 1-10-15

ब्रुक्त बाह्र^क, टी., युव., एव.,----------

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्रम)

भर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद '

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 सिसम्बर 1985 निदेश सं० पी० श्रार०नं० 3807/2---श्रस : मुझे, जी० कें० पंडया.

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्थाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ओर जिसकी संव्वार्ड नंव 1, शाप नंव 1502 से 1503 है तथा जो नानपूरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप में निजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-85

को पूर्निक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहीमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी जाय की वाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाव वा किसी धन वा जन्य बास्तियों को ख़िल्हों आएसीन वायकर मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या संबत्त अधिनियम, वा धनुकार विधिनियम, वा धनुकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्ति दिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा, कियाने में स्विभा के लिए;

अत्त अव, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसस्य वो, मैं: उक्त विधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्निस्थित व्यक्तियों, भर्मात ध्— (1) श्री शीरीन जटांगीरमी वसुना, केयर/ग्राफ पटेल कार्पोरेशन, नानपुरा, सुरस

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० पटेल कार्पोरेशन, नानपुरा, सुरस

(भ्रन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वच्योकरण: ---इसमें प्रमुख्त क्षव्यों कौर पथी का, जो उच्च क्षिपिनयंग, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्त्रकी

जमीन जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सुरत में 1445 नं० पर दिनांक 15-2-85 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> जी० के० पंड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 27-9-85

प्रकष् बादौल टी तु एन् तु प्रख्यान=====

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीम स्वना

शास्त्र सम्बद्ध

कार्यांसर्, सहायक जायकर जायूक्त (निर्हेक्नि)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 27 सिसम्बर 1985 निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3808/2/85-86--ग्रस : मुझे, जी० के० पंड्या,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अबे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा ह"), की भारा 269-खं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण ह" कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,060/-

प्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 4 सी०, रिवताज अपार्टमेंट, है तथा जो आहवा लाईन्स, सुरत में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाट में रिजस्ट्रीकरण अधि-नयम, 37ईई का 16 के अधीन 10-1-85

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का हि प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और तिरती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिचित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से सुद्ध जिसी जाय की बावत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, लिन्ह भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नन्दिरती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने ये सुविधा के सिए;

शतः जब, उक्त श्रीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तिस्तों, सर्थात् क्र— (1) मैं० रिव एन्टरप्राइ राजेश्वर श्रपार्टमेंटस, श्रद्धगर गोरी, सुरत

(अन्तरक)

(2) श्री किण्नकुमार ए.स० बजाज केयर/ग्राफ बजाज सिन्धेटिक्स, सुरत टेक्सटाईस्स, सुरत

(ग्रन्मरिती)

को सूड् बुक्त बाबी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनक्ष बज्यरित को अर्जन को संबंध में काई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की जनींच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की सर्वाच, के भी नवींच बाद में बनान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) व्या क्ष्मा के रावपत्र में प्रकाशन की तन्दीय स 45 विष के श्रीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवस्थ विश्वी भन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यक्ष्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बों और प्यों का, जो उपसे विश्वीनयम, के अध्यास् 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

मभूसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में जनवरी 85 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज- , भ्रहमदाबाद

दिनांक: 27-9-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) को अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबद, दिनांक 17 सितम्बर 1985 निवेश नं० पी० श्चर० नं० 3809/2/85-86 श्चतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० टी० 21, बोम्बे टेक्मटाईल मार्थिट, है तथा जो उमरवाडा, सुरत में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन् सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पति का उचित बाजार यूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का मंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाकाविक क्ष से का भूस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्यू बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-गं के अन्तरणं में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों., अर्थातु :-- (1) मैं ० सचवी शाह एन्ड कं०46, छिपा चाल, मुलामी साईपर, यम्बई ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री शांतिलाल जीवराज, हीरा मोती श्रपार्टमेंट, नामावर मुख्य मार्ग, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्थन् के निष् कार्यगाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकींगे।

स्यध्धाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

दुकान नं० 21-टी०, जो बोम्बे मार्किट, सुरत में स्थित है सब रिजस्ट्रार सुरत में 8771 नंबर पर दिनांक 27-9-84 जो फरवरी 85 में प्राप्त किया है, रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाधाद

तारीख: 27-9~85

uraniament ur partiar properties i et al

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाँक 27 सितम्बर 1985

निदेश नं० पी० स्नार०नं० 3810/2/85-86—स्नतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा '269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 1, नानपुरा नोंध नं० 533, 534 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधितारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-2-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके ट्रयमान श्रतिफल से, एसे ख्रयमान श्रतिफल का पन्दह श्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल है स्थापत हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अस, धवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) जोयली विल्डिंग ट्रस्ट,ट्रस्टी-दाबर कावरुणी मोद्री,नानपुरा, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० किशोरकुमार भामभाई देसाई एण्ड कुं० सम्प्राट श्रपार्टसेंट, सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भिलकत जो नानपुरा सूरत में 1687 नंबर पर दिनौंक 22-2-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० कें० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-9-85

मोहरः

हरू कार्यक्षा क्षेत्र कार्यक विकास कार्यक विकास कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक

बायकः र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 27 सिनम्बर 1985 निदेश नं० पी० श्चार० नं० 3811/II---श्चर्तः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परेपात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन, श्राम्बा लाईन्स, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से किवित महीं किया गया है ह

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की वाबत, उपत विभिन्न के अधीन कर दोने के बन्तरक वी वासित्य में कमी करने था उबसे वचने में सुविधा वे सिक्; बीर/वा
- (क) एनी जिसी बाब का जिसी थन वा बन्य बास्तिकों ना, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बिधिनियम, वा भनकर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट महीं किया बबा भावा किया काना बाहिए था कियाने के बविधा में जिक्ह;

कतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन निम्मिसिक्त स्थीन्त्रमें बर्मात ह— (1) श्री प्रमयेश जेरामभाई देसाई, श्रम्बा लाईन्स, सुरत ।

(म्रन्तरक)

(2) मैं विपर्ण को श्रो हा सोसायटी, प्रयोजक जयासरन प्रकाशकुमार स्वामी, सेंसर होल नजदीक, सुरत्त।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारों करके प्यॉक्त सम्परित के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त दम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस स्वाता के राजपन में प्रकावन की तारीय से, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नद स्वाता की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भींट जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा वया है।

बन्द्रची

जमीन जो धम्बा लाईन्स सूरत सें स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 1919 नैबर पर दिनौंक 27-2-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-9-85

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एसं------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भे (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-Il, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 सिनम्बर 1985
निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3812/II/85-86--श्रत:

मझे, जी० के० पंडया,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26:)-ख के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- उसे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6-ई, रिवछाया अपार्टमेंट है तथा तथा जो अम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद से रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37EE का 16) के अधीन तारीख 9-1-85 को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति पत्न के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभी यह दिश्वास करने का कारण है

िक पथा प्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) को शिष एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अदिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने मीं सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उजत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के शधीन, निम्मलिखित व्यक्तितों, अर्थात् :---32—306GI/85 (1) मैं० रिव एन्टरप्राइसेस,राजेश्वर श्रपार्टमेंट,श्रम्बा स्ट्रीट, सूरत ।

(भन्तरक)

(2) श्री मयंकभाई जे० मेहता, 904, राजेश्वर ग्रपार्टमेंट, ग्रम्बा स्ट्रीट, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संबक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूची

फ्लैट नं० 6-ई है, रिवछाया श्रपार्टमैंट, सूरत मैं स्थित है। 37ईई का फार्म पर कार्यालय मैं 9~1-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्रया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 27-9-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूगरा 269-म (1) के अभीन स्वना

नारव पुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2. श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 सितम्बर 1985

निदेण नं० पी० श्रार० नं० 3813/2/85-86—-श्रत: मझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को नह निश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मजुरा वार्ड, प्लाट नं० 54, सूरत है तथा जो सूरत मैं स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 12−2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ नाया गया प्रतिफल, निम्नसिन्ति उच्चेश्य से उक्त बन्तरक किसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 8—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की ब्रंथीन कुछ धीने की ब्रग्तरक की वामित्य में कभी करने या उत्तवे ब्रंबने में बरिया के लिए, बीर/या
- (थ) एलि किसी जाव वा किसी भण या अन्य बास्तिवाँ को, जिन्हूँ भारतीय बाव-कर विभिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियस, या धन-कार अभिनियस, या धन-कार अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के जिल;

(1) श्री रणजीतिमह उमराविमह ठाकुर नानपूरा, मुस्त ।

(भ्रन्तरक)

(2) टिमसन इंडस्ट्रियल सिरामिक्स प्रा० लि० श्री पन्नालाल हीरालाल, लाल दरवाजा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को बृष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के जिए कार्यशिहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिथ, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए था सर्कारी।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

जमीन जो मजूरा, सूरत मैं स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत मैं 1330 नंबर पर दिनाँक 12-2-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण शर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

तारीख: 30-9-85

मोहर:

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्ररूप बार्च हो. एवं . एस 🖯 -----

भाषक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के स्थीन स्पना

धाउव सम्बद्ध

ायसिय, सहायक जायकार जायका (जिर्दोक्क) अर्जन रेज-2, अर्पनावाय अहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 985 निदेश नं० पी० नं० आर० नं० ३ व्या 2/85-86 --अत: मुझे, जी० के० पंड्या,

वायकर् विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (धिसं इसमें सिकं शम्बात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्ली सं० मज्रावाड, सं० ने० 478, प्लाट नं० 54 है नथा जो मुरत में स्थित है (ग्रीर इसके उपाद्ध अनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, मुरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-2-85

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त वॉधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक वे दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए, बोर्/भा
- (क) ऐसी किसी अगय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, गा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में हिमा के लिए;

(1) श्री रणजीतसिंह उमरावसिंह ठाकुर, नानपुरा, मुग्त ।

(भ्रन्सरक)

(2) हिमसन टैंक्नो सिवस प्रा० लि० पन्नालाल हीरालाल, गुंदीशेरी, सुरत ।

(श्रन्तरिती)

को बहु बूचना बारी करके पृशीनत सुम्पतिस् की बूचन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त कुम्पृतित् के शर्मन् के कुम्पृत्य के कोई श्री शाक्षांत्र :::

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी स्विध वाद में समाप्त होती हो, में श्रीतर प्राचित व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति स्वायः
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के बीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी वृत्य व्यक्तित द्वारा मुशोहस्ताक्ष्री के बाद निकित में किए वा सकेंगे।

क्लच्छोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभानित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्यवी

मकान जो मजूरागेट, मुख्त में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सुरत में 1331 नंबर पर दिनांक 12-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रैंज-2, श्रहमदाबाद

जता जब, उबत अधिनियम कौ भारा 269-ग कै अमुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

नारीख: 30 -9-1985

प्रकप् नाव ुटी. एत्. एतः ----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नुभीन सुजुना

राहतं प्रकार

कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985 निर्देश नं० पी० श्रार० नं० 3815/H/85-86 श्रतः मझे, जी० के० पंडया,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके धर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन नंदबोल सं० नं० 41/2 है तथा जो ता० भरुच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)' रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिजीन 11-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से काम के दृश्यमान मित्रिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय पाया गवा प्रतिकतः निम्मलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित्त के वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है किया

- (क) बन्त्ररण संहुई किसी जांच की बावंद् , स्थतः अभिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायिरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीत-/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियाँ के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मी, मी, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निध्नितिया व्यक्तियों, संगति क्ष- (1) श्रो नीतिनकुमार ठाकुरलाल चोक्सी, सिविल लाईन, भरुच

(ग्रन्तरक)

(2) मैं यूनाइटेड कन्स्ट्रमणन कं ० मेडोब स्ट्रीट, बम्बई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एजएत में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की जन्नीध, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्य क्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकी गे।

हपक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा का उस जध्याय मा दिया गया है।

37ईई था फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-1-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 30~9-85

प्रकृत का**ष्ट्री** , **एष्** , **एष** हुन्य------

नायकार निपित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

भारत श्रकार कार्यानन, सहानक आक्कर जायुक्त (निप्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-•2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनां ह 30 सितम्बर 1985

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गांतिनिकेतन सोसायटी है तथा जो पूरित में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगा हो), राजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भूरत में रिकस्ट्रीकरण श्रीधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन 11→2→85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान असिफ ल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास कारने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत श अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) बीड अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के विष्वत्व पाया गया प्रतिफास, निम्नलिखित अपूर्वदेव से उच्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक रूप से कृष्णित नहीं किया पना हैं

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाथ की बानस, जनस गीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कनी क्रिने मा उससे बचने में सुनिभा के सिए; बीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों न्य किही भारतीय काय-कर किंधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्स अनिवयम, या धन्न्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनाम अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राजनंगुनरन भहेन्द्रक्रुमार धेनामाई, मजूर महाजन, नवसारी

(अन्तर ह)

(2) श्री गजेन्द्रकुमार गार्धनभाई शांतिनिकेतन सोमायटी, सूरन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकेंगे !

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होंगा को उस सध्याय में विसा पया हैं।

अनुसुची

मजान नं० 111 जो शांतिनिकेतन सोसायटी सूरत में स्थित है। 1284 नंबर पर दिनोंः 11→2~85 को राजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

नि(र)खि: 30--9**-**85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सिनम्बर 85

निदेश नं० पी० म्नार० नं० 3817/2/85 र 86---- म्रसः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 23 नूतन को० ग्रा० सोसायटी प्लाट नं० 23 है तथा जो नपसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नपसारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-2-85

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरिक (अंतरिक्यों) और अंतरिक (अंतरिक्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दर्ध से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सूविधा के लिए; और/भा
- (६) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

नतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राजेन मनुभाई देसाई नूतन को० आ० हा० सोसायटी नपसारी

(श्रन्तरक)

(2) श्री मगनभाई वल्लभभाई पटेल ग्रौर ग्रन्य नूसन सोसायटी नपसारी

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थना जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बूर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ैसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित ब्र्ध किसी वृन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सुकीये।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मान जो नतन की० ग्रा० हा० सोसायटी नपसारी में उ स्थित है। सब रजिस्ट्रार नपगारी में 274 नंबर पर दिनांक 1→2→85 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज- 2, ग्रहमवाबाद

नारीख: 30-9-85

माहरः

प्रकपात आहें, टीत प्रमृत्यस्य न न न न न

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 85

निदेश नं० पी० आर० नं० 3818/85-86→स्प्रतः मझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,300,000/- रहा से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० ए० 6 ध्रार० सी० दनरोड़ कड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबक्ष ध्रम् मुची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकौरी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर श्रिधिनयम, 37ईई का 16) के श्रधीन 28/2/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित माजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्के यह विस्थास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त संपत्ति का उपित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब शांवा गया प्रतिकल निभ्नतिवित उप्रवेश से अवत अन्तरण निश्चत में शांसाविक रूप से कथित नहीं किया पदा है ॥—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्ता अधिनियन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :--- मै० विनोद बिल्डर्स, दालमेल हाउस, बड़ौदा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दनबहन चृनिलाल शाह, अड़ौदावाला मार्ग, अम्बर्ध

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करवी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के अध्य कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.--

- (क) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की नामील स 30 ित की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भौद पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं मुर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

ग्रन्युची

फार्म र्न ० 37ईई यह कार्यालय में दिनांक 27→2→85 को पेश किया गया है।

> (जी० के० पंड़या) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 30−9⊷85

भाष्ट्र 🤞

प्रकृष वार्षः दीः एवः **एस**्-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) में अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासर, सहायक जायकर बायुक्त (निर्मिश्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृद्धान् जिवत अविनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिमकी पं० 61 हरिसिक्त कालोनीं, पादरा रोड़ है तथा जो बड़ौदा में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारीं के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरश्मान शितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षें बहु विद्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वेक्त मन्पत्ति का छोचल बाजार मृस्य, उसके रूपयान प्रतिफल तें, एसे दरयभान बितफल को पंत्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित के जिल्ला के लिए उस प्राप्त प्रतिफल नें अन्तरक विन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए इस पाया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ निवास से बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है ;---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इंदारा प्रकट नहीं किया बना बाहिए वा कियाने के सुविधा धीनाए।

अतः अव, प्रकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षें, सी, उकत अधिनियम की भारा 269-ग उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैं० जडेसाल प्रा० लि० अम्बर्ड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रुनुदाय गुप्ता, ह्रिभिक्षित कालोनी, बडौदा

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकासन की तार्शिय हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बनारा:
- (क) इत स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकांगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ हैं जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मजान जो हरिभक्ति कालोनी बड़ौदा में स्थित है। सब रिजम्ट्रार बड़ौदा में फरवरौ 85 को रिजस्टर्ड िया गया है जिसकीं 2,25,000/- रुपये मूल्य है।

> (जीं० के० पंड़या) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 30--9-85

प्ररूप आहु .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, ग्रहसदाबाद

श्रहमदावाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

जिवेश नं० पीं० श्रार० नं० 3820/2/85 → 86 → श्रत: भृ**श**, जीं० के० पंड्या,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परकार जिल्हा अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० 44. प्लाट नं० 78 सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-2-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तर्क के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संबुद्ध किसी आय की नावध उक्त भाष-नियम को अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनूसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—— 33—306GI/85 (1) श्री कान्तीलात मोरारजी देसाई श्री योगेश चम्पकलाल बम्बई

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री सतींग डाहयालाल चोक्सीं दसेमुख मार्ग, बम्बई

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मुचन के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 4.5 विन की जबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायतः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्दिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

अवस्थि

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 1944 नंबर पर दिनांश 27-2-85 को रजिस्टर्ड की गईहै।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

तारीख: 30-9-85

प्रकृष वाहाँ, हो, पून्, स्व , तरस्यात्रक्षकात

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-- व (1) की सभीत सूचता

भारत त्तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निवेश नं० पीं० श्रार० नं० 3825/2/85-86---श्रतः मुझे जीं० के० पंड्या,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसकों हसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-को के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित बाबार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकीं मं० प्लाट नं० 107 और 108 है तथा जो मीलवमा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मन्भूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मीलवसा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधींन 11-2-85

को पूर्वोक्त संपरित के अभित बाजार मूल्य से कम के क्रममान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और जूझे यह विकास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे द्रममान प्रतिफल का पण्यह प्रतिहास से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए इस बाबा गया प्रतिफल निम्नतिस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित यो नास्तिविक अप से कथिश नहीं किया भवा है:

- (क) नग्धरण वे हुई फिसी नाम की नामस उनत निध-दिश्य के क्यीन क्षार दोने के नग्धरफ के कविस्थ ने कमी करने ना उनसे नकने में बृणिया के लिए; क्यू-/या
- (क) प्रेसी किसी काम या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनसभ या धन कार जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वीरा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था कियाने में सविधा के किया

बंदः कंशा, उक्तं विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वं , मैं. अक्तं मीधिनियम की धारा 269-म की स्ववादा (1) के बंधीन, निम्नीविद्यंत माण्यिता, वर्णात क्रा

(1) मैं ० ईस्टमैंन किम्पर्स लिं० डा० ऐनीबसन्ट मार्ग. बस्बई

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० विनोद कुमार एन्ड कुं० दालमेल टावर नरायान पाईन्ट, बम्बई

(भ्रन्तरितीं)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवादियां करता हुरू।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध मा काइ भा साक्षव .

- (क) इस ब्रम्मा के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 हिए की समीध ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तालील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जबिंध नात में समान्त होती हो. के भीतर पृक्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार:
- (क) इस सूचना को रामपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्मित्स में हितनव्थ किसी बन्ध व्यक्ति ब्वस्य बक्तहस्ताक्षरी के थास सिक्ति में किए या तकोंने।

स्पद्धतिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, जो उपत अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया नवा हाँ हैं।

प्रनुसूची

प्लाट जो नितत्रता में स्थित है। यत्र रजिस्ट्रार[ा] सिलवसा में 31 नंबर पर दिनांक 11-2-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्त स्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे→2, स्रहमदाबाद

तारी**ख**ं: 30-9-85

त्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

आयानय . म**हायक आयकर बागुक्त (निरक्षिण)**श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश नं० पीं० स्नार० नं० 3822/2/85--86---स्नतः 'मझे जीं० के० पंड्या,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

, और जिसकों सं० नं० 1973 कें० पैकी माटर रोड़, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिटारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 े वा 16) के श्रिधीन 15-2-85

का पूर्विक्त सम्प्रित के उचित आजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत सं आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अर्थतितियों) के शीच ऐसे प्रस्तरण के लिए सय पाया गय प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय को बाबए, उत्कर विधिनियम के मधीन कर दाने के अन्तरक के दासित्व में सबी करने वा स्थल सम्मने में मुलिश्त क लिए, नीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिछपान म तृषिभा के निए,

(1) श्रीं चन्दुलाल मोतींलाों खांडपाला नानपुरा, मूरत

(अन्तरक)

(2) श्रीं जयन्तीलाल खेचरदास् किरम श्रपाटमेंट, सूरत

(श्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूजाँकत सम्पत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हें बन्दित के वर्षन के तस्थान में कोई भी बाक्षेत्:---

- (क) इत वृष्णा के राज्यन में प्रकासन की टार्टिंग से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यक्तिय से भी अवधि वास में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी स्विध व्यक्तिय दूरा;
- (क) इक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में लिये का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रदूबत शब्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

जमींन जो सूरत में स्थित है। सब रिजम्ट्रार, सूरत में 15-2-85 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहाायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

बतः सब, उसत अधिनियम कौ भाग 260-ग के अनुसम्ब में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मारींख: 30-49-85

मोहर 🖫

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

राष्ट्रीय रक्षा वकावमी परीक्षा, मई, 1986

नई विल्ली, विनांक 2 नवम्बर, 1985

कं फो॰ 7/4/85-प॰-1(क)—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के यल सैना, नौ सेना तथा वायु सेना स्कंधों में प्रवेश हेतू, जनवरी, 1987 से आरम्भ होने वाले 77वें सब के लिए संघ लोक सेवा आयोगद्वारा 15 मई, 1986 से एक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अधुमानित संख्या 300 (थल सेना के लिए 195, नौसेना के लिए 39 और बायू सेना के लिए 66) होगी।

विशेष ध्यान—उम्मीदवार को आवेदन पत्न के कालम 7 में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं के लिए वरीयता कम में जियार किए जाने का दुक्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करेताकि योग्यता कम में उसके रक को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर कसी भाति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना 'चाहिए कि केवल उन्हीं सेवाओं पर उनकी नियुक्त हेतु विचार किया जाएगा जिन के लिए वे अपनी वरीयता ध्यक्त करते हैं अन्य सेवा या सेवाओं पर नहीं। उम्मीदवार द्वारा अपने प्रपन्न में पहने निर्दिष्ट वरीयता में वृद्धि/परिवर्तन के अनुरोध को आयोग स्वीकार नहीं करेगा।

आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा जयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बीद्धिक और व्यक्तिस्व परीक्षा के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्स में प्रवेश विया जाएगा (क) परीक्षा की प्रणाली, स्तर और पाठ्यकर्मों, (बा) अकावमी में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्षमण: परिशिष्ट 1, 2 और 3 में विस्तार से समझाया गया है।

टिप्पणी :- परीक्षा के सभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल बस्तूपरक प्रश्न हीं होंगे। नमूने के प्रश्नों सिंहत अन्य विवरण के लिए छुपया परिशिष्ट 5 में "उम्मीववारों को सूचनार्थ विवरणिका" देख में।

2. परीक्षा के केन्द्र : अगरतला, अहमवाबाव, ऐजल, इलाहाबाव, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, विल्ली, दिस-पुर (गोहाटी), हैदराबाव, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जौरहट, कोहिमा, लखनऊ, मक्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटना, पोर्ट ब्लेयर, पायपुर शिलाग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, विवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापसनम ।

आयोग यदि चाहु तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्त के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जार्थेंगे तो भी आयोग परिन्यिनिताश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अक्षग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (नीचे पैरा 11) देखिए।

उम्मीवनारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतण स्वीकार शहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीववार अपने उद्ध केन्द्र में परिवर्तन बाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संख् सोक सेका

आयोग को इस बात का पूरा औषित्य बताते हुए एक पन्न रिजस्टई डाक से अवस्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनु-रोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा। किन्तु 15 अप्रैल, 1986 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अ. पान्नता की शर्लः

(क) राष्ट्रीयता:

अम्मीववार या तो---

- 1. भारत का नागरिक हो, या
- 2. भूटान की प्रजाहो; या
- 3. नेपाल की प्रजाहो; या बह
- 4. भारत में स्थायी रूप से रहते के इरावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिम्बती शरणार्थी हो; या
- 5. भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, वर्मा, श्रीलंका पूर्वी अफीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगा-निका और जंजीबार); जास्बिया, मलाव्ये जेरे तथा इंघोपिया और वियतनाम से प्रवजन कर आया हो।

परस्तु जपर्युक्त वर्ग 3, 4 और 5 के अन्तर्गत आने वाला उम्मी देशार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पालता प्रमाण-पत्न प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पास्नता प्रमाण-पन्न आवश्यक नहीं होगा।

- (श्व) आयुसीमार्ये, लिंग और वैवाहिक स्थिति: केवल वे ही अवि-वाहिल पुरुष उम्मीववार पाश हैं जिनका जन्म, 2 जुलाई, 1968 से पहले का इण्या पहली जनवरी, 1971 के बाद कान हो।
- टिप्पणी:—जन्म की तारीखा केवल वही मान्य होगी जो मैद्रिकुलेशन/हायर सैकण्डी यासमकक्ष परीक्षाप्रभाग पात में लिखी गई हो।
- (ग) गैक्षिक योग्यतायें: राज्य शिक्षा बोर्ड या मान्यता प्राप्त विश्व-विश्वासय की हायर सैकेण्डरी परीक्षा या समकक्षा । दे उम्मीदवार भी पान्न हैं जिन्होंने स्कूली शिक्षा की 10+2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं कक्षा की परीक्षा पाम कर ली है।

ऐसे उम्मीदबार भी आवेदन कर सकते ह जिन्हें अभी हायर सैकेम्बरी या समकक्ष, परीक्षा या स्कूली शिक्षा की 10-1-2 प्रणाली के अन्तर्गत 11वीं परीक्षा पास करनी है।

सेवा चयन बोर्ड के साकात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीववारों को 26 विसम्बर, 1986, तक अपने मिन्कुलेशन एवम् या हायर सैकेष्डरी या समक्तक प्रमाण-पन्न मूल रूप म सेना-मुख्यालय रिकृटिंग 6 (एस. पी) (ए.) बेस्ट ब्लाक, 3 आर. के. पुरम, नई विल्ली-110022 को प्रस्तूत करने होंगे। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीववारो रव्ध कर वी जायेगी। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विषविद्यालय के द्वारा, अभी तक प्रमाण पन्न जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्रधानाचार्य के द्वारा, विए गए मूल-प्रमाण पन्न भी आयोग को स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पन्नों की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां/कोटोस्टेट, प्रतियां स्वीकार नहीं की जायेंगी।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीववार की इस नियमें निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर, भी गैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बगर्ते कि उसके पास ऐसी योग्यताएं हों आयोग के विचार से जिनका स्सर, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराती हो।

टिप्पणी 1 :-- वे उम्मीदवार जिन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी तक अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति देवी है, नोड कर लें, कि उनको दी गयी यह विशेष छूट है। उन्हें हायर सैकेण्डरी या समकक परीका उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बोर्ड/विश्वविद्यालय, परीका के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में बिलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

हिष्पणी 2:-- को जम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपर्थाजित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी जम्मीदवारी रहुकी जाएंगी।

4. आवेदन के साथ वेस मुस्क :— द० 28.00 (अट्ठाईस रुपये) । जिन आवेदन-पत्नों के साथ यह निर्धारित मुस्क नहीं भेजा जाएगा, उनकी एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई मुस्क नहीं देना है।

- 5. शुरुक से छूट :—(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुरुक से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आनेवक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रज्ञजन कर आया था था भृतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है लथा पहानी जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौराम, भारत प्रज्ञजन कर जुका था या वह वर्म से वस्तुतः प्रत्याविति मारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रज्ञजन कर आया था या वह श्रीलंका से बस्तुतः प्रस्थावित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत निर्धारित मुलक देने की स्थिति म महीं है।
- (2) थल सेना के जूनियर कमीशण्ड अफसरों, नान कमीशण्ड अफसरों तथा अन्य रैंकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों और धलसेना के भूलपूर्व जूनियर कमीशण्ड अफसर, भूतपूर्व नान-कमीशण्ड अफसरों तथा भूतपूर्व अन्य रैंकों और शारतीय नौ सेना तथा भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के बच्चों को उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी जब वे निम्मलिखित शर्ते पूरी कर देते हैं, अर्थात् :—
 - (1) वे मिलिट्री स्कूलों (पहले फिग जार्ज के स्कूलों के नाम से जात)/ सैनिक स्कूल, सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे भ्रीनिक स्कूलों में शिक्षा पारहे हैं, और
 - (2) उनके आवेदन सम्बद्ध म्कूल के प्रिसिपल द्वारा, इस अनुशंसा के साथ अग्रेथित कर दिये जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्नों में कुल अंको के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी :---- मिलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूणों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा, अग्रेषित आवेदन-पत्नों की संबीका आयोग के कार्यालय में यह निश्चय करने के लिए की जायेगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त, मोटिस के पैरा, 5 (2) के अन्तर्गत शुरूक से छूट के हकदार है। किन्तु मिलिट्री स्कूलों/ सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के विद्यार्थियों के आवेदन-पत्न आयोग को अग्रेषित करने के पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नोटिस की उक्त व्यवस्था की अपेकाओं को पूरा करते हैं। आयोग प्रधानाचार्यों के कुलाइतों के लिए उत्तरवायी नहीं होगा।

6. आंधेवन कैसे किया जाए:—केसल राष्ट्रीय रक्षा ककावशी परीक्षा मई, 1986 के लिय निर्धारित प्रपत्न में छपे हुए आंधेवन-पत्न ही लिए आंधेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आंधेवन-पत्न कर कर संचिव संघ नोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिस्नी-114911 । को भेजे जाने काहिए। आवेदन प्रपक्ष और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:---

- मंघलोक सेवा आयोग के सचिव को दो रुपए मनीआईर या नई विस्ली प्रधान डाकघर पर दय रेखांकिस भारतीय पोस्टल आईर द्वारां भेज कर सचिव, संघ लोक मेवा भ्रायोग, धौलपुर हाउस नई विल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा;
- 2 दो अपए नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउन्टरपर;
- निकटत्तम भर्ती कार्यालय, मिलिट्री एरिया/सब-एरिया मुख्यालय/ अायु सैनिक चयन केन्द्रों , एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों से निशुल्क ।

आयेदन-प्रपन्न तथा पावती कार्ड उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्याही या बालपैन से भरे सभी प्रविष्टियां शब्दों में होनी चाहिए रेखाओं या विक्तुओं में नहीं । अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्न रह् कर विया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि भावेदन-वतों को भरते समय भारतीय ग्रंकों के भन्तर्राष्ट्रीय रूप (भर्षात् 1, 2, 3 भ्रादि) का ही प्रयोग किया जाता है। बाहें माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पन्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पन्न में जन्म की तारीख हिन्दी भंकों में लिखी हो तो भी उम्मीद-बार यह धुनिश्चित कर ले कि वह जो भ्रावेद-पन्न प्रयोग में लाता है उसमें इसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय शंकों के केवल चन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग करें। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि भ्रावेदन-पन्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भीर सुपाठ्य हों, यदि प्रविष्टियां भ्रपद्य प्रामक होंगी तो उनके नियंचन में होने वाले भ्रम तथा संविष्धता के लिए उम्मीद-बार उत्तर्रायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि ग्रायोग द्वारा श्रावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न श्रादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें श्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीयवारों को भ्रायांग को सीधे प्रायेदन-पन्न भेजने चाहिए। भ्रागर किसी उम्मीयवार ने श्रपना भ्रायेदन-पन्न भ्रपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस भ्रायेदन-पन्न पर विचार महीं किया जाएगा। भन्ने ही वह नियोक्ता को भाविदरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

लोक उनकमों में सेवारत व्यक्तियों से यह अपोक्षा की जाती है कि उन्होंने प्रपने कार्यौलयाध्या/विकागाव्यक्ष को लिखित रूप में सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए प्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को यह नोट कर लेना चाहिए कि यदि भायोग को उम्मीदवारों के नियोक्ताभों से कोई पक्ष उम्मीदवारों की परीक्षाहेतु भावेदन करने/प्रविद्धि होने से रोकने के लिए प्राप्त होता है तो एसी स्थित में उनके भावेदन-पन्न को अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

जो उम्भीदवार समस्र सेना में सेवारत हैं, उन्हें ध्रपने धावेदन-पक्ष ध्रपने कमाडिंग ध्राफिसर को प्रस्तुत करने धाहिए जो पृष्ठांकन (ध्रावेदन-पत्र के भाग ''ख'' के धनुसार) का पूरा करके ध्रायोग को ध्रप्रेषित करेंगे।

टिप्पणी:—भारतीय नौसेना के नाविक (बाल या कारीगर प्रशिक्षु सहित) पहला तरजीह भारतीय नौ सेना को है उनके झाबेदन पर तभी विचार होगा जब वे कमान झफसर द्वारा विधिवस् झनुमासित कर दिए जाले हैं।

राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालेज (पहले सनिक स्कूल के नाम से ज्ञात) बेहरावून के कैडेटों, मिलिट्री स्कूल (पहले किए आर्ज के स्कूल के नाम से जात) तथा सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे सैनिक स्कूलों के बिद्यार्थियों को कालेज स्कूल के प्रिमिपल के माध्यम से; अपने आवेदन-पक्ष भेजने चाहिए।

7. भरा हुआ बादेदन-पत्न ब्रावहयक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, बौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 30 दिसम्बर, 1985 (30 दिसम्बर, 1985) से पहले किसी ता खि से धसम, मेघालय, धरणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, सागालैण्ड, त्रिपुरा, मिनिकम, जम्मू और कम्मीर राज्य के लघु ब प्रमाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल धीर स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उपमंडल, धंबमान और मिकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले ौर जिनके धावेदन-पत्न उपपुंक्त में से किसी भी क्षेत्र से धावययक प्रलेखों सिहत डाक्डेंद्वारा प्राप्त होते हैं उन उम्मीदवारों के मामशों में 13 जनवरी, 1986) तक या उससे पहले डाक द्वारा धवश्य धिजवा दिया जाए वा स्वयं धायोग के काउण्टर पर धाकर जमा कर दिया जाए। नि रित ता खि के याव प्राप्त होने वाले किसी भी धावेदन-पत्न पर विचार महीं किया जाएगा।

श्रासम, मेबालय, ब्रहणाचल प्रदेश, मिकोरम, मणिपुर, नागालेण्ड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कक्षीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमालल प्रदेश के लाहील धौर स्पीति जिले तथा लंबा जिले के पांगी उपमण्डल, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीद-वारों से श्रायोग यदि वाहे तो इस वात का लिखित प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि यह 30 विसम्बर, 1985 से पहले की तारीख से भ्रमम, मेधालय, अहणाजल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालण्ड, विपुरा, सिक्किम, जम्म और कश्मीर राज्य के लहाब प्रभाग, हिमालल प्रदेश के लाहील और सीति जिले, चंबा जिले के पांगी उपसंजल, अण्डमान भीर निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी 1:-- जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वासे श्रावेदन की प्रस्तुति हेतु श्रांतिरक्त समय के हकदार हैं । उन्हें श्रावेदन पत्न के संगत कालम में अपने पत्तों में श्रामिरिक्स समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (श्रषीत् असम, मेथालय, अम्मूतथा कश्मीर राज्य का नहाख प्रभाग श्रादि) स्पष्ट रूप में निर्दिग्ट करना चाहिए श्रथ्यथा हो सकता है कि उन्हें श्रीतिरक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वे प्रपने प्रावेदन-पत्न को स्वयं संक लोक सेव प्राव के काउण्टर पर जमा कराएं प्रथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। प्रायोग के किसी प्रत्य कर्मचारी को दिए गए प्रावेदन-पत्नों के लिए प्रायोग उत्तर-दायी नहीं होगा।

8. प्रलेख जो श्रावेदन-पन्न के साथ प्रस्तुत किए जाएं :---

(क) सभी उम्मीदवारी द्वारा:---

1. इ० 28.00 (झट्टाईस रुपये) का मुल्क जो सिखान संघ लोक सेवा झायोग को नई विल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल झाउँर के जरिए या सिखान, संघ लोक सेवा झायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक क्रांपट के जरिए भेजा जाए।

> धनुमूचित जातियों/धनुमूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है।

टिप्पणी :--उस्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैक इाफ्टकी पिछली श्रीरिसिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। बार्डरों के मामले में उस्मीदवार पोस्टल बार्डर की पिछली बोर इस प्रयोजन के लिए निर्वारित स्थान पर बपना नाम तथा पता लिखें!

धिवेश में रहने वाले उम्मीदयारों को चाहिए कि वे अपने यहां के चारन के उच्च धायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित श्रीतिधि

जसे भी स्थिति हो. के कार्यालय में निर्धारित शुल्क इस धनुरोध के सार्घ जमा करे जिगसे वह "051 संघ लोक सेवा धायोग परीका शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लेकर झाबेदन-पन्न के साथ भेज दें।

2 आगु का प्रमाण-पन्न:--आयोग जन्म की वह तारी खास्त्रकार करता है भो मैद्रिकुलेशन सामान्यमिक विद्यालय छोड़ ने के प्रमाण-पन्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पन्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समक्षित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणत हो।

उम्मीदवार पूर्वोक्त मैट्रिकुलेशन या समकक्ष प्रमाण-पक्ष की दंश्चनु प्रमाणित/प्रमाणिन प्रतिया धवण्य प्रस्तुत करें। किन्तु जिस उम्मीक्शर ने हाथर सैकेन्डरी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उसीणं करली है वह हायर-सैकेन्डरी परीक्षा प्रमाण-पन्न या समकक्ष प्रमाण-पन्न की थे अन्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतियो प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्राय के सम्बन्ध में कोई धन्य दस्सावेज जैसे जन्मबुण्डली, शपथ पक्ष, नगर निगम के सेवा ध्रमिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा धन्य हैं ऐसे ही प्रमाण-पन्न स्वीकार नहीं किए जार्थेंगे।

भनुवेशों के इस भाग में श्राए हुए "भैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के भन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पद्म सम्मिलत हैं।

कभी-कभी में द्रिकुलेगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की सारीख नहीं होती या प्रायु केवल पूरे वर्ष या वर्ष भीर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के मित्रिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिलिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहीं से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के विख्ला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म तारीख वास्तविक भ्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि यदि प्रविदन पत्न के साथ इन भनु-देशों में यथानिधारित भ्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो प्राथदन प्रयक्ष भस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदिवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त साझ्य-मिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल भागु से सम्बन्ध प्रविष्टि वाले पुष्ट को भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्रिपि भेजनी चाहिए।

दिव्पणी 2: उम्मीदवार यह ध्यान में रखे कि श्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि धावेदन पक्ष प्रस्तृत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पक्ष या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पक्ष में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी धनुरोध पर न सी विचार किया जाएगा।

टिप्पणी 3. उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार भोषित कर देने भौर द्वायोगद्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी बाद की परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

3. पीक्षिक योश्यता के प्रमाणपक की अनुष्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां :-- उम्मीदवार को इस झाझ्य के प्रमाण-पक्ष की दो अनुष्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां अवश्य प्रस्तुत करनी वाहिए

कि उसके पास पैरा 3 (ग) में विहित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा उसके इस प्रकार श्रांजित कर लेने की सम्भावना है कि पैरा (ग) में विहित तारी खा तक इसकी उत्तीर्ण करने का प्रमाण विया जा सके। प्रमाण-पत्न प्रस्तुत किया जाए वह बही हो जो योग्यता विश्लेष को देने वाले प्राहिकरण (श्रव्यांत्र विश्लविद्यालय या श्रम्य परीक्षा निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की बजह खतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने जाहिए जो वह अपेक्षित योग्यता रखने के वाले के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। श्रायोग इस प्रमाण पर गुणवत्ना के श्राधार पर विचार करेगा पर इससे पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

- (4) उपस्थिति पत्रक (धावेदन पत्न के साथ संलग्न) विधिवस् भराहमा।
- 5. उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट माकार (लगमग 5 सें० मी०× 7 में० भी०) के फोटो की एक औसी तीन प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उस्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् मंकित हों।

फीटो की एक प्रति आवेदन-पत्न के प्रथम पृष्ठ परधीर तूसरी प्रति उपस्थिति मक्षक परनिर्धारित स्थान परचिपका देनी चाहिए।

- 6. लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० प्राकार के दो बिना टिकट नंगे लिफाफे, जिन पर ब्रापका पता लिखा हुआ। हो।

जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करता है तथा जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अन्य किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में अन्य कि राज्य क्षेत्र में परिशिष्ट IV में (ख) पर निर्दिष्ट प्रपंत्र में प्रमाण-पञ्च की अनुप्रमाणिस/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी है।

(ग) शुरुक से छट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:---

- (1) किसी जिला अधिकारी या राजपितत अधिकारी या संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पन्न की भनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित गुरुक देने की स्थिति में महीं है।
- (2) वस्तुतः जिस्पापित/प्रत्यार्वित व्यक्ति होने के धावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमयण-पक्ष की ग्रमुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि:
- (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान विस्थापित व्यक्तिः
- (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राष्ट्रत शिविरों का भिविर कर्माईटें।

भ्रथवा

(2) उस इलाके का जिला मिजिस्ट्रेट जहां पर वह फिलहाल रह रहा हो।

ाष्ट्र स

(3) श्रपने जिले के णरणार्थी पुनर्वास प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस-ट्रेट ।

स्रध्या

(4) मध-डिबीजनल प्रफसर अपने प्रधीनस्य सब डिबीजन की सीमा तक।

प्रथवा

- (5) श्रारणार्थी पुनवास उपायुक्त, पश्चिम अंगाल/निदेशक (पुनविस), कलकत्ता।
- श्रीलंका से प्रस्यावितितः -- श्रीलंका में भारत का उच्चायोग।
- (ग) बर्मा से प्रत्यार्थाततः ---

भारतीय राजदूताबास, रगून या उस इलाके का जिल्ला भिजिस्ट्रेट जहां पर वह रहा हो।

- (घ) तत्कालीन पश्चिम पाकिस्सान में विस्थापित व्यक्ति
- (1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या गहन शिविरों के शिक्षिर कमांक्रेट :

भ्रयवा

(2) जिस इलाके का वह फिलहाल निवारी है वहां का जिसा मजिस्ट्रेटो

ध्रयवा

(3) अपने जिले में शरणार्थी पुनर्यास का प्रभारी स्नतिरिक्स जिला मजिस्ट्रेट।

ग्रयवा

(4) प्रपति प्रभार के श्रंतर्गत सब-डिबीजन के श्रंदर सब-डिबीजनल भक्तर।

ग्रथका

(5) उप-शरणार्थी--पुनर्वास --ग्रायक्त।

टिप्पणी:--- उम्मीववारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे भावेदन-पन्न के साथ भेजें जाने वाले प्रमाण पन्नों की अनुमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख की सिखें।

- 9. शुरुक की वापसो :--मानेदन के साथ प्रायोग को प्रका किया गया शुरुक वापस करने की किसी धन्रोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़-कर विचार नहीं किया जा सकता है भीर न वह किसी दूसरी परीक्षाया चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है:--
 - (1) जिस उम्मीदवार ने निर्मारित शुरूक दे दिया है पर जिसको भ्रायोग ने परीक्षा में बैटने नही दिया, उसको रू० 15.00 (पंक्षहरूपण) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु ग्रगर कोई भ्राविद यह सूचना शांत करने पर ग्रन्थीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदियार हायर मैंकन्डरी या समकल परीक्षा में प्रभृतीण हुआ या हायर सैंकंण्डरी या समकल परीक्षा में उसीण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा,ती उसके लिए शुरूक की वापसी मणर नहीं की जाएगी।
 - (2) जो जम्मीदवार मई, 1985 ग्रयवा विसम्बर, 1985 में ग्रायोजित राष्ट्रीय रक्षा ग्रकावमी परीक्षा में बैटा हो ग्रीर इन परीक्षाओं के परिणाम के ग्राहार पर किसी, कोंसे के लिए उसका नाम ग्रन्शंसत हुग्रा हो तो उनके मामले में २० 28.00 (भ्रष्टडाईस

रुपए) का बारक बापस किया जा सकता है, पर वह अरूरी है कि मई, 1986 की पाष्ट्रीय रक्षा धकावमी परीक्षा के लिए धपनी उम्मीदवारी रह्न कराने और मुक्क बापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का धनुरोध धायोग के कार्यालय में 29 धगस्त, 1986 या उससे पहले पहुल जाए।

10 मानेदन-पत्न की पानती — मायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रस्केत. सानेदन-पत्न की जिसमें देर से प्राप्त धानेदन-पत्न मस्मिलित है, पानती वी जाती है तथा मानेदन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदनार को धानेदन-पत्न पंजीकरण सक्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीद-भार की उन्त परीक्षा के मानेदन-पत्न भ्राप्त करने के लिए निर्मारित मंतिम तारीक से एक मास के मंदर पानती नहीं मिलती है तो उसे तरकाल भागोग से पानती हेतु मंपक करना नाहिए।

इस तथ्य को कि उम्मीदवार का भाषेदन पंजीकरण संस्था जारी कर वि गई है भपने भाष यह मर्थ नहीं है कि भाषेदन-पत्त सभी ५ कार से पूर्ण है भीर मायोग भारा स्वीकार कर लिया गया है:

- 11. मानेदन का परिणाम :--- मगर कि ही उभ्मीवधार को झपने मानेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा मुक्त होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए झायोग से तत्काल संपर्व करना चाहिए। झगर देस बात का पालन नहीं हुआ तो उभ्मीववार अपने मामले में विकाद किए जाने के अहिकार से बंचित हो जाएगा।
- 12. परीक्षा में प्रवेश ——िकसी उम्मीदवार की पास्ता या प्रयुद्धिता के संबंध में तंत्र क्षोक सेवा प्रायोग का निर्णय प्रंतिमहीगा। प्रायोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाप-पत्त के जिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- 13. कवाचार के दोषी उम्मीदिवारों के खिलाफ कार्रवाई :--उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे झाबेदल-पद्ध परते समय
 कोई गलत विवरण न दें झौर न किसी महरवपूर्ण सूचना को छपाएं।
 उम्मीदवार को यह भी चेनावनी दी जाती है कि उनके द्वारा अस्तृत किसी प्रलेख या उनकी धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में किसी भी
 हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फ़ेर-बदल न कई और न जेर-बदल किए गए/जाली प्रलेख को दे प्रस्तृत करें। धगर इस प्रकार के दो या प्रधिक प्रलेखों में या उनको भनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई भ्रमुद्धि या घसंगति हो तो इस घसंगति के बारे में स्पर्धी--करण प्रस्तृत करना चाहिए।

जी अम्मीववार प्रायोग द्वारा निम्नोकित कवाचार का बोधी घोषित द्वीता है था हो चुका है:--

- (1) किसी प्रकार से अपनी जम्मीववारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान परस्यंव प्रस्तृत होना; या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्यत करना; या
- (4) जाली प्रलेख या फैर-अदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना;
- (5) ग्रामुद्ध या भ्रमस्य वस्तक्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को क्षिपा कर रखना; या
- (6) परीक्षा के लिए ग्रवनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी ग्रनियमित या भ्रमुचित लाग जठाने का प्रयास करना;
- (7) परीक्ता के समय ध्रमुचित तरीके धपनाना; या
- (8) उत्तर पुस्तिकाक्षों पर ग्रसंगत क्षातें शिखना को ग्रश्लीझ भाषा या ग्रभद्र क्षाग्रय की हों; या
- (9) परीक्षा भवन में घौर किसी प्रकार का दुब्येंबहार करना;या

- (10) परीक्षा जलाने के लिए झायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों रे को परेशान करना या झन्य प्रकार की सारीरिक स्नति पहुंचाना; या
- (11) उम्मीदवारों का परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषिस प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उरुलंधन करमा; या
- (12) उपर खंकों में उस्लिखित सभी या किसी कदाचार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना।

यह अपने को बच्छ-अभियोजन का क्रिकार धनाने के अतिरिक्त :--

(क) आयोग की परीक्षा का उब्लीदवार है उसके लिए भायोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है।

धयवा

- (का) (1) ग्रायोग द्वारा भ्रपनी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
 - (2) केरब सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ मिर्दिष्ट प्रावधि के लिए प्रपर्वाजिस किया जा सकता :

किन्तु सर्पयह है कि इस नियम के अधीन कोई श्रास्ति तब तक नहीं वी जाएगी जब तक---

- (1) उम्मीधवार को इस संबंध में लिखित ग्रम्मावेदन, जो वह देना बाहे प्रस्तृत करने का ग्रवेसर न दिया गया हो; भीर
- (2) उम्मीदवार द्वारा धनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया नया हो।
- 14 मूल प्रमाण-पक्षों का प्रस्तुतीकरण :—को उम्मीवधार लिखित परीक्षा के परिणामों के भाधार पर सै० थ० कोई के साक्षात्कार में महुँता प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाब धपनी भाग सथा शैक्षिक योग्यताओं मादि के समर्थन में भपने मूल प्रमाण-पद्म मुख्यालय, झार०टी०जी०-6 (एस०पी०), (ए०) बेस्ट क्लाक मार०के० पुरम, नई विस्ती-110022 को प्रस्तुत करने होंगे।
- 15. धावेदन के सम्बन्ध में पत्र-कथवहार :--धावेदन के संबंध में सभी पत्र-कथवहार सचिव, संब लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नस्थित विवरण धवश्य होना चाहिए :---
 - (1) परीक्षाका नाम
 - (2) परीक्षा का वर्ष सीर महीना
 - (3) धावेदन पंजीकरण संक्या/रोल नम्बर या जन्म की तारीख (धगर प्रावेदन पंजीकरण संक्या/रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
 - (4) सम्मीदबार का नाम (पूरा कौर साफ शिखा हुआ)
 - (६) क्र्रैपक्र–क्यवहार का पता, जैसा माबेदन–पत्न में दिया है।

विशेष ध्यान :-- (1) जिन पत्नों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो ।

> (2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार को पक्र/पक्षादि प्राप्त होता है था इसमें उसका पूरा नाम कीर अनुकर्माक नहीं दिया गया है हो उस पर ज्यान नहीं दिया आएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं कीं आएगी।

16. पते में परिवर्तन: उन्मीदवार को इस बात की क्यबस्था कर लेनी चाहिए कि उनके धावेदन-पत्न में दिए पते पर केजे जाने बाले पत्न झादि प्रावस्थक होने पर उसके नीचे पते पर झिजबा दिए जाएं। पतों में जो भी परिवर्तन हों उसे ऊपर के पैरा 16 में उस्लिखित विवरण के साथ सायोव को स्थासीझ सुचित कर देश चाहिए। सेवा चयन बोर्ड के साक्षास्कार के लिए झायोग द्वारा झनुशासित उम्मीदवारों ने झगर परीक्षा के लिए झावेदन करने के बाद, धपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित झाग के परिणाम बोधित हो जाते ही झपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी०, बाच रिक्टिंग 6 (एस० पी०) (ए०) वेस्ट ध्लाक 3 विग-1 रामा— इञ्जापुरम, नई दिल्ली—110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सम्मन-पक्षा्त्रन मिलने पर झपने मामले में विचार किए जाने के वाबे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा ध्याम देने का प्रयत्न करते हैं, फिर की इस सम्बन्ध में वे झपने ऊपर कोई जिस्मेवारी नहीं से सकते।

17. लिखित परीक्षा में पोश्य उम्मीदवारों के साक्षाकार के सम्बन्ध में पूछताछ :—-जिन उम्मीदवारों के माम सेवा वयन बोर्ड के साक्षास्कार हेतु रिपोर्ट करने के लिए अनुकंसित है उनको अपने संश्वास्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० क्रांच रिकूटिंग 6(एस० पी०) (ए०) वेस्ट स्लाक 3, विग-1, रामाहुष्णापुरम, नई विस्ती-110022 के पते पर लिखने वाहिए।

उस्मीदवारों को धेजे गए सम्मन-पत्न द्वारा सुचित तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुँचना है। साक्षात्कार को स्पर्गित करने से सम्बन्ध सनुरोध पर केवल सपवादात्मक परिस्थितियों में सौर प्रशासनिक सुविधा को स्थान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा मागोग द्वारा जारी की गई श्रांतम योग्यता सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्तन हुआ हो तो उनको प्रथमे नवीनतम पते की सूचना मुक्यालय, ए० जी० बाच रिक्टिंग 6 (एस० थी०) (ए०) श्रेस्ट ब्लाक 3,विग-1, रामाकृष्णापुरम, नई दिल्ली-110022 को वे देशी चाहिए ताकि सेना मुक्यालय द्वारा जारी किए गए कार्यभार सम्मालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सर्जे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार सम्भालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा :—योग्यताप्राप्त जम्मीदवारों का साक्षारकार—श्रीतम परिणामों की घोषणा धौर घोतम कप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कीस में प्रवेश :—सं क लोक सेवा धायोग लिखित परीक्षा में धायोग के निर्णय पर निर्धारित स्यूनतम श्रृंक प्राप्त धंक करने वाले उम्मीदवारों की एक सुबी तैयार करेगा। ये उम्मीदवार बौद्धिक तथा व्यविसस्त परीक्षणों के लिए सेवा व्यव बोढं के सामने हाजिर होंगे जहां थल सेना—नीसेना के उम्मीदवारों की धिकारी क्षमता तथा बायू सेना के उम्मीदवारों का पाइलट एप्टीक्यूट परीक्षण तथा ध्रिकारी क्षमता का निर्धारण किया जाएगा। इस परीक्षण में ग्रीक्षक से ग्रीक्षक 900 धंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदबार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर प्रपत्नी ही जोिद्धम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगें धौर सेवा चयन बोर्ड में उनका को परीक्षण होता है उसके वौरान या उसके परावरूकर प्रयर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उसके लिए शरकार की धोर से कोई खिलपूर्ति या सहायता पाने के वे हकवार नहीं होंगे चाहे वह किसी ध्यक्ति को क्षापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों के माता—पिता या प्रक्षिश्वादकों को इस ग्रावाय के एक प्रमाण-पत पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतू यस सेना/नीसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा तथा (2) प्राधिकारी समक्षा परीक्षणों में मलग-मलग म्यूनतम महंक ग्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि श्रायोग द्वारा उनके निर्णय के भ्रमुसार, निश्चित किए जायेंगे भीर वायुसेना के उम्मीदवारों को (1) लिखित परीक्षा, (2) श्रधिकारी स्नमता परीक्षण, (3) पायलट एप्टीक्यूट 34—306GI/85

परीक्षण में प्रलग-अलग न्यूनतम प्रहुंक ग्रंक प्राप्त करने होंगे जो कि भायोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेगे। इन सती पर प्रहुंता प्राप्त उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखिल परीक्षा तथा सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल ब्रिकों के भाकार पर योग्यता के श्रंतिम कम में को अलग-अलग सूचियों में--एक यस सेना तथा गीसेना के लिए भीर दूसरी याय सेना के लिये --- रखा जाएगा। जो उम्मीदवार सेवा के सभी ग्रंगों के लिये ग्रहुंता प्राप्त कर लेसे हैं उनका नाम दोनों योग्यसा सूचियों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी के शक्ष सेना तथा नौसेना के बिगों में प्रवेश के लिए शंतिम वयन थल सेना तथा नौसेना की योग्यतासूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया आएगा और बायुसेना विग में प्रवेश के लिए शंतिम चयन वायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जायेगा जो शारीरिक स्वस्थता धीर कन्य सभी बातों में उपयुक्तना के ग्राक्षार पर होगा । जिन जम्मीववारों के नाम दोनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोशों सूचियों में चयन हेत् विचार उनके बरीयता कम को देखते हुए होगा और उनके एक सूची से मंतिम रूप से चुन लिये जाने पर दूसरी सुधी से उनका नाम रह कर वियाजाएगा।

विशेष ध्यान :--वायु मेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पायलट एप्टीक्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। ग्रतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त ग्रेड बायु सेना चयन बोर्ड के सामने बाद में होने वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट एप्टीक्यूट के प्रथम परीक्षण में ग्रसफल ही जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा ग्रकावमी परीक्षा के वायु सेना विगया जनरल इ्यूटीज (पायलट) कांच या नेवल एयर धार्म में प्रवेश के लिए ग्रावेटन महीं कर सकता।

जिन जम्मीदवारों का किसी पिछले रा० र० झकादमी कोर्स में पायलट एप्टीच्यट परीक्षण हो गया हो झौर उन्हें उसमें झहेता प्राप्त कर लेने की सूचना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल वायु सेना विग के लिए ही अपना झावेदन करना चाहिए।

श्रक्षण-भ्रक्षण उम्मीदवारों को परीक्षा के परीणाम किस क्य में भीर किस प्रकार सूचित किए जायें इस बात के निर्णय भ्रायोग भ्रपमें भाप करेगा भीर परिणाम के सम्यन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने माध से प्रकादमी में प्रवेश का कोई प्रश्चिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदबार की नियृक्ति प्राधिकारी की संतृष्ट करना होगा कि वह प्रकादमी में प्रवेश के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए धनहुँताएं :--- को उम्मीदबार राष्ट्रीय रक्षा धकादमी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा चुके थे पर श्रीकारी सुलभ विशेषसाओं के धभाज के कारण या अनुशासनिक धाक्षार पर यहां से निकाल दिये गये थे, उनको धकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किन्तु जिम उप्भीववारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा सकादमी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने -- सपनी इन्छा से उक्त सकावमी छोड़ दी हो उन्हें सकावभी में प्रवेश मिल सकता है वार्ते कि वे स्वास्थ्य तथा धन्य निर्धारित शर्त पूरी करते हों:

20. राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी या प्रकार द्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के वौरान विवाह पर प्रतिबन्ध :- उमीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे बावी नहीं करेंगे। जो उम्मीचवार प्रपने आवेदन की सारी ख के बाव बादी कर लेता है उसकों प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जोएगा। चाहे बहु उस परीक्षा में या ग्रंगली किर्धं

परीक्ता में भन्ने ही सफल हो। जो उम्मीधवार प्रशिक्षण काल में साबी कर नेपाउसे वापिस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो वैसा खर्चे किया है वह सब उससे वसूल किया जाएगा।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तूपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका' गीर्पंक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है इसका यह उद्देश्य है कि इससे संब लोब सेव आव की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

उन्त पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिर्विल लाइन्स, दिल्ली—110054 के कार्यालय से बेची जाती हैं। इसे वहां से सीधे मेल झाउँर द्वारा या ककद भूगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तिका केवल नकद भूगतान पर (1) कितान महल, रियोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम निर्दिश, सी ब्लाब्स, जांचा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली—110001 (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली—110001 पर प्रकाशन शाखा के बिकी काउण्टर और (3) गवर्नमेंट झाफ इण्डिया मुक डिपो, 8 के० एस० एम रोड, कलकत्ता—700001 से भी मिल सकती है। उनन मैनुमल (विवरणिका) भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्सिल शहरों स्थित एजेंटों के पास भी उपलब्ध है।

एम० बालकुष्णन, उप सचिव

परिशिष्ट⊷-1

(परीक्षा की योजना भीर पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

 लिखित परीक्षा के विषय नियत समय तथा प्रत्येक विषय के प्रजिकतम प्रंक निम्नलिखित होंगे:—

	विष	4	•			समय	प्रधिकतम मेक
1. पं	प्रेजी		·			2 घंटे	250
2. गरि	णत	प्रश्न-पत्र	1			2 पंटे	125
		प्रश्न-पक्ष	2	•		2 घंटे	125
3. सा	मान्य		प्रश्न-पत्न	! (विकान) 2 (सामाजि		2 घंटे	200
				भूगोल तवा मामले)	-	2 घंटे	200
		-				,	900

- 2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित ग्रन्थ विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट-5 में उम्मीववारों को सूचनार्थ विवरणिका देख हैं। प्रश्न-पत्न (परीक्षां पुस्तिका) केवल शंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।
- प्रश्न-पत्न में जहां भी भ्रायश्यक होगा, केवल, तोल भीर माप
 भी मीटरी पद्धति से सम्बन्धित प्रश्नों को ही पूछा जायगा।
- 4. उम्मीदवारों को प्रक्न-पत्नों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी हालत में उन्हें प्रक्न-पत्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने बाले की सहायता सुलभ नहीं की जायगी।
- 5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के ग्रहेंक ग्रंकों का निर्धारण ग्रायोग की विवक्षा पर है।
- 6. उम्मीदवारों को बस्तुपरक प्रण्नपक्षों (प्रथन पुस्तिकाम्रों) के उत्तर सिखने के लिए केलकुलेटर प्रयोग में लाने की मनुमित नहीं है। म्रतः इन्हें केलकुलेटर परीक्षा भवन में महीं लाने वाहिए।

(ख) परीक्षा का पाठ्य विवरण

मंग्रेजी:--मंग्रेजी का प्रश्न-पत्न इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीद-वार की श्रंग्रेजी की समझ भौर शब्दों के कुशल प्रयोग का परीक्षण हो सके। पाठ्यकम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण भौर प्रयोग-विधि, शब्दावली तथा श्रंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेलु विस्तारित परिच्छेव की बोधगम्यता तथा सम्बद्धता।

गणित

प्रश्न-पद्म~ -- 1

भंक गणित

संख्या पद्धतियो---अनपूर्ण संख्यांक, पूर्णांक, परिमेय भौर वास्तविक संख्यार्ये, मूल संक्रिया-----जोड़, घटाना, गृणा भौर विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य, प्रतिशतता— साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज, में धनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, धनुपात और मनानुगत विवरण।

प्रारम्भिक संख्याएं सिद्धात—विमाजन को कलन विधि धानाज्य, भीर भाज्य संख्यायें, 1, 2, 3, 4, 5, 9 धीर 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण धपवर्स और गुणन, गुणन/बण्डन, प्रमेस । महत्तम समापवर्तक तथा लचुत्तम समापवर्स, यूक्लिड की कलन विधि।

भावार 10 तक अभृगणक, लघुगणक के नियम, लगुगणकीय सार-णियों का प्रयोगः।

बीज गणित

माधारभूत प्रक्रियार्थेः—साधारण गुणनखण्ड 1 योष फल प्रमेयः बहुपद्रों का महत्तम समावर्तक और लघुत्तम समापवर्त्यं, द्विषात समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणांकों के बीच सम्बन्ध (केवल वास्तविक मूल विचार किया जाय) दो प्रज्ञात राशियों में युगपत समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो पुगपत रैंखिक समीकरण बनते हैं या एक चार में दिखात समीकरण तथा उनके हल समुच्चय भाषा तथा समुच्चय मंकन पद्धति, परिमेय, थ्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्सनक चार्ताक नियम।

व्रिकोणनिति

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्यं रेखा जन $-\times$ 0° \leqslant \times \geqslant 90°। \Rightarrow \times , कोटिज्या \times , रचर्यं रेखा का मान क्योंकि $-\times$ 0° 30°,45° 60°, ग्रीर 90°, सरल विकोणनितीव तत्समक।

क्षिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग। ऊंचाइयों भीर पूरियों के सरल कीण।

प्रश्न-पन्न--- 2

ण्यामिति

रेखा और कोण, समनल भीर समतल भाक्वति। निम्नलिखित पर प्रमेय:---

- (1) किसी बिन्तु पर कोणों के गुण-धर्म।
- (2) समानान्तर रेखाएं।
- (3) किसी क्रिभुज की भुजाएं और कोण।
- (4) त्रिमुओं की सर्वांगसमता।
- (5) तमरूप तिभुज ।
- (6) माष्ट्रिकाभी भीर शीर्ष लम्बोंका संगमन।
- (7) समांतर चतुर्भुगों, श्रायात भीर वर्ग के कोणों, भुजाभों के विकर्णों के मुण धर्म।
- (8) शृत भीर उसके गुण धर्म जिसमें स्पर्श रेखा तथा ग्रामिलम्ब भी शामिल है।
- (9) स्थानिक संघक ।

विस्तार कलन

वर्गी, भायतों, समीतर चतुर्मुजों, ब्रिमुजों भीर वृक्षों के क्षेत्रफल जन माक्रुतियों के क्षेत्रफल जो इन माक्रुतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवाही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतन/लम्ब, वृक्षीय शंकाभी भीर बेलनों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा भायतन।

सांस्यिकी

सीक्यिकी तथ्यों का संप्रहण तथा सारणीयन। धालेखी निरूपण भारम्यारता बहुभुज, धायत चित्र, शलाकाचार्ट, पाई चार्ट धादि। घपरि-ष्कृत और सामृहिक धांकड़ी का परिकलन मध्य।

सामान्य ज्ञान

यो प्रश्न-पन्न होंगे।

प्रश्न-पद्ध (1)---इसमें भौतिकी, रसायन भौर सामान्य विज्ञान होगा; भौर

प्रश्त-पन्न (2)—-इसमें सामाजिक ग्राध्ययन, भूगोल ग्रीर सामयिक मामले होंगे।

इन प्रशन-पत्नों में शामिल किये गये विषयों का सेल निम्नलिखित पाठ्य जिवरण पर प्राधारित होगा। उल्लिखित विषयोंगों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के एसे विषयोंगों पर भी प्रशन पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य जिवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीववारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य उंग से समझने की मेधा प्रोर ज्ञान का पता चलता चाहिए।

प्रश्न-पत्न—-I विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पन्न 1 में निम्नलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा:---

> (क) द्रष्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां। संहति, भार, भ्रायतन, वनस्य तथा विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण। भार्कमिडीज का नियम, दाव, वायुदाध मापी।

विश्व की गति। वेग भीर स्वरण। न्यूटन के गति नियम। बल भीर संवेगों। बल समांतर चतुर्भुज। पिड का स्थायिस्य भीर संतुलन। गुरुत्वाकर्षण कार्य, शक्ति भीर ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

कत्याः का प्रभाव । तापमान का नाम और कष्मा । स्थित परिवर्तन और गुप्त कष्मा । कष्मा अभिगमन विधियो ।

ध्यनि तरीं भौर उनके गुण धर्म। सरल बाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋतुरेखोय चरण। परावर्तन भीर भपवर्तन गोलीय धर्पण भीर लेल्सेज, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृतिम चुम्मकः। जुम्बकः के गुणधर्मः। पृथ्वी चुम्बकः के रूप में।

स्यैतिक तथा धारा विश्वत । चालक भीर भाजालक । भीम नियम---I, साधारण विश्वत परिषय । घारा के तापन, प्रकाश तथा चुम्जकीय प्रभाव । वैश्वत शक्ति के माप । प्राथमिक भीर गीण सेल । एक्स-रे के उपयोग ।

निम्निश्वित के कार्य सैचालन के सामान्य सिद्धान्त।

सरल लोलक । सरल थिरनी । साइफन, उत्तौलक, गुब्बारा, पंप । हाइग्रीमीटर, प्रेशर क्कर, थर्मल प्लास्क, ग्रामोफोन-टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइकोस्कोप, नाईक विकसूचक तणित चालक सुरक्षा प्यूज ।

(क) भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन तस्त । मिश्रण तथा यौगिक । प्रतीत सन्न भौर सरण रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याम्रों को छोड़कर) वायु भौर जल के रासायनिक गुण- असै।

हास्त्रोजन, श्रायसीजन, नाष्ट्रोजन, कार्यन-डाई-धानसाद्य की रचना भौर गुण धर्म। ग्रामसीकरण भौर भ्रपचयन।

<mark>भ्रम्ल, क्षारक ग्रीर</mark> लक्षण।

कार्यन---भिन्न रूप।

उर्वरक--प्राकृतिक भौर कृतिम।

साबुन, कांच स्थाही, कागज, सीमेन्ट, पेंट, विधासलाई भीर गण पाउंडर, जैसे पवार्थों को तैयार करने के लिए प्रथमत सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु सुरूयमान भीर अणुभार भनुभाग संयो-जकता का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ घौर नेतन में घरतर।
जीव कीशिकाधों, जीव द्रव घौर ऊसकों का घाधार।
वनस्पति घौर प्राणियों में वृद्धि घौर जनन।
मानव शरीर घौर उसके महत्वपूर्ण ग्रंकों का प्रारम्भिक ज्ञान।
सामान्य महामारियां उनके कारण तथा रोजने के उपाय।
खाध—मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। खाद्य का संघटन।
संत्रित घाहार।

सीर परिवार। उस्का भीर धूमकेषु। म्रहण। प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धिया।

टिप्पणी:—इस प्रश्न-पत्न के घष्टिकतम भंकों से सामान्यतथा भाग (क),
(ख) भीर (ग) के लिए कमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत
भीर 20 प्रतिशत मंक होंगे।

प्रश्न-पत्न II

(सामाजिक मध्ययन, भुगोल भौर सामयिक भामले)

सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्न में निम्निलिखित पाठ्य विवरण शामिल होगा :---

(क) भारतीय इतिहास का मोटे-तौर पर सर्वेक्षण तथा संस्कृति भौर सभ्यता की विशेष जानकारी। भारत का स्वतंत्र भान्योजन।

मारतीय संविधान ग्रीर प्रशासन का प्रारम्भिक भ्रध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पंचायती राज, सहकारी समितियीं भौर सामुदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूवान सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता भौर कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपवेश।

प्राधुनिक विश्व को प्रमाणित करने वाली शक्तियां, पुनर्जागरण। प्रान्वेषण भौर खोज। धनरीका का स्वाधीनला संग्राम। फांसीसी कांति, प्रोधोगिक कांति, रूसी कांति, समाज पर विज्ञान और भौधोगिक का प्रभाव।

एक विश्व की संकल्पना, संयुक्त राष्ट्र । पंचक्रील, श्रीकरांत्र समाजवाव, साम्यवाद वर्तमान विश्व में भारत का योगवान ।

(ख) पृथ्वी, इसका प्राक्षिति भीर प्राकार, प्रक्षांग प्रीर रेखांग। समय। संकल्पना। प्रंतर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियां भीर उसके भभाव। पृथ्वी का उद्देभाव—चट्टानें घीर उनका वर्गीकरण।

भपक्रव-रासायनिक भीर भौतिक। भूवाल तथा ज्वालामुखी। महासागर घाराएं भीर ज्वार भाटे।

वायुर्मंडल भीर इसका संघटन। तापमान भीर वायुमंडलीय धाड, भू-मंडलीय पर्वन, चक्रवात भीर प्रतिचक्रवात भाईता। द्रव्यण ग्रीर वर्षण जल-धायु के प्रकार।

विशव के प्रमुख प्राकृतिक धीन।

भारत का क्षेत्रीय मूगोल---अलबायु, प्राकृतिक, बनस्पति, बनिज बीर शक्ति साधन, कृषि बीर बीद्योगिक कार्यकलापों के स्थान बीर बितरण। महत्वपूर्ण समुद्री पत्तन, भारत के मुख्य समुद्री भू बीर वायु मार्ग। सारत के भायात बीर निर्यात की मुख्य मर्थ।

 (ग) हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामधिक महत्वपूर्ण विश्व घटनायें।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय भीर धन्तर्राष्ट्रीय इनमें सांस्कृतिक कार्यकलायों भीर खेल-कूच से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।
टिप्पणी:—इस प्रका-पत्न के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क),
(ख) भीर (ग) के लिए कमशः 40 प्रतिशत, 40 प्रतिशत
भीर 20 प्रतिशत अंक होंगे।

बृद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

जम्मीवनार की बुनियादी बुद्धि की आंच करने के लिए साकारकार के भ्रतिरिक्त मीखिक तथा सिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके धुप परीक्षण भी किए जाएंगे, जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग प्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्देष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याक्याम देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेघाणिक की जांच के लिए है। मोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए है भ्रपितु इनसे उसको सामाजिक विशेष-ताओं तथा सामायिक घटनाओं के प्रति विलचस्यी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा धकावमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्थवर्षक संकेत

टिप्पणी :-- उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के प्रनुसार

शारीरिक रूप से स्थस्य होना घावस्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक भीचे दिए हैं।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्थास्त्र्य के धाधार पर धस्त्रीकृत कर दिए जाते हैं। घतः उम्मीदवारों को उनके ध्रपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम ध्रवस्था पर निराशा से बचने के लिए धावेबन-पत्न भेजने से पहले ध्रपने स्थास्त्र्य की जीच करा हों।

सेवा जयम बोर्ड द्वारा प्रनुशंसित उम्मीववार को सेवा के चिकित्सा प्रिक्षकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी! प्रकादमी या प्रशिक्षणणाला में केवल उन्हीं उम्मीववारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा, स्वस्थ घोषत कर विए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्येवृत्त गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं विद्याया जाएगा! किन्छु प्रयोग्य/प्रस्थायी रूप से भ्रयोग्य बोषित उम्मीववारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के मध्यक द्वारा दे दी जायगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से भ्रपील का भ्रनुरोध करने की प्रक्रिया भी बना वी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए सारणी रूप में विए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के भ्रमुसार स्वस्थ होना भ्रावश्यक है।

- (क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना भाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी म्रशक्तता से मुक्त होना भाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में श्रीक्षा पढ़ सकती हो।
- (ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/देहिक दोष या बजन की कमी नहीं होनी चाहिए।
- (ग) कद कम से कम 157.5 हैं० मी० (नौसेना के लिए 157 हैं० मी० लचा बागु सेना के लिए 162.5 हैं० मी०) का हो। गोरखा और घारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों गढ़वाल तथा कुमायूं के व्यक्तियों का

5 पें मी कम कद स्वीकार्य होगा। शक्षक्रीप के उम्मीद-वारों के मामले में ध्यूनतम कद में 2 सें अपी की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद भीर बजन के मानक नीचे विए जाते हैं।

कद भीर बजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जुता)				किलोग्रास म वजन			
(1441)	₹(11.)			, 15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17 18 वर्ष	
152				41.0	42.5	44.0	
155				42.0	43.5	45,3	
157				43.5	45.0	47.0	
160				45.0	46.5	48.0	
162				46.5	48.0	50.0	
165	-			48.0	50.0	52.0	
167				49.0	51.0	53.0	
170				51.0	52.5	55,0	
173			•	52.5	54.5	57.0	
175				54.5	56.0	59.0	
178				56.0	58.0	61.0	
180				58.5	60.0	63,€	
183				61.0	62.5	65, ●	

जपर्युक्त सारणी में विए गएं झौसतन वजन से 10 प्रतिशत कम ज्यादा (मौसेना के लिए 6 कि ग्रां कम ज्यादा) धजन सामान्य सीमा के ग्रन्थर माना जाएगा। किन्तु भारी हड्डियों वाले लंबे भीड़े व्यक्तियों तथा पतले पर ग्रन्थचा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के ग्राघार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

टिप्पणी 1:--ऐसे मामलों में जहां चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर वेता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूरा होने सक बढ़कर इपोक्षिक मानक तक हो सकता है कद में 2.5 सें० मी० की छट दी जा सकती है।

टिप्पणी 2:—शायु सेना में पायलट के रूप में विशेष घपेकाओं की पूर्ति हेतु टांग की लम्बाई, जंघा की लंबाई समा बैठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप निम्न प्रकार होगी:---

	 	ग्यूनतम		मधिकत	म
टांग की लम्बाई	•	99.00	12 00	सें०	मी०
जोच की लम्बाई			64.00	सें ०	मी०
बठे हुए लम्बाई		81.50	96.00	र्से०	मी०

राष्ट्रीय रक्षा भ्रकावमी के उम्मीववारों की कम उन्न के कारण 5.0 सें मी० सक उंचाई में 2.5 सें मी० (स्पूमतम) तक टांग की लम्बाई में भीर 1.0 सें मी० (न्यूमतम) तक बैठे हुए उंचाई में गुंजाइश वी जा सकती है बशर्त कि विकित्सा बोर्ड ने प्रमाणित कर दिया हो कि उम्मीववार में बढ़ोत्तरी हो सकती है भीर राष्ट्रीय रक्षा भ्रकादमी म प्रशिक्षण पूरा होने तक यह भ्रपेक्षित स्तर प्राप्त कर सकता है।

(भ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सीस लेने के बाद इसका न्यूनतम फैलाव 5 ईं ० मी ० होना चाहिए। माय इस तरह फीता लगा कर की आएगी कि इसका निवला किनारा सामने चूचक से लगा रहे भीर फीते का ऊपर का भाग यीछे स्कन्छ फलक (शोल्डर क्लेंड) के निम्न कोण (लोवर प्रियल) को छूदे रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इससे यह जानने के लिए किया जाएगां कि छाती को कोई रोग हो नहीं।

(क) भारी प में हिंदुयों भीर जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए। उम्मीववारों की गैड़ की हुड़ी का एक्स-रे नेमी तौर पर नहीं किया जायगा। किन्तु नैदानिक संकेत मिलने पर सर्जरी विशेषक्र की सक्षाह पर किया जाएगा, ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर स्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना न हो।

बायु सेना के लिए मेस्टप्ड की हालत:---

- (च) तीचे लिखा पिछला स्वास्थ्य वृत वायु सेना के लिए धयोग्य डहराने वाला है:
 - (1) भिरुवण्ड या तिर्र्छे जोड़ों की ऐसी बीमारी चाहे उसके नास्तिबक लक्षण हों या न हों—जिसकी वजह से उम्मीव-धार शारीरिक रूप से सिन्नय जीवन सफलतापूर्वक न बिता सकता हो।
 - (2) प्रोलीप्स अनंतराक शोरुक जिंद तथा उस प्रथस्या के लिए शास्य चिकित्सा।
- (छ) मेरुवण्ड की पूरी नैवानिक जांच की जानी है जिसमें उसकी आकृति, स्थानिक कोमलता, यवि कोई है, मेरुवण्ड की हरकत सावि शामिल है। केवल हवाई कर्मी के कार्य के थास्ते उम्मीववारों के लिए किटविक केशरक का एक्स-रे (ए० पी०) तथा पाशिक्षक वृश्यता किया जाना है।
- (अ) हलका काईफोसिस या लोडोसिस जहां विरुपता मृश्किल से विखाई देती है जहां दर्द की वह हरकत में रुकावट की शिकायत नहीं है, स्वीकृति में बाधा नहीं बनेगा।
- (झ) दिखाई पड़ने वाले स्कोलिफोसिस के या घन्य किसी तरह की झसामान्यता या मेस्दण्ड की विरूपता का जो मामूली से घछिक हो---संदेह होने पर मेस्दण्ड का उपयुक्त एक्स-रे लिया जाना है धीर परीक्षाधीं को विशेषक की सलाह हेसु प्रस्तुत करना है।
- (रुग) एक्स-रे परीक्षा के बाद पाई गई निम्नलिखित अवस्यामें वायु सेना में प्रवेश हेतु अयोग्यता का कारण मानी आएंगी:—
 - 1. मेरुदण्ड की ग्रन्यलोमेंटस बीमारी
 - भार्थराइटिस/स्पोन्डिलोसिस
 - काअपदाति से यथामापित स्कोलियोसिस जो 15°, से प्रक्षिक ही।
 - 4. मामूजी से ज्यादा काइफीसिस/लोडॉसिस।
 - 5. स्पेण्डिलोसचे सिस/स्पेण्डिलिससिस ।
 - इरिएटिड (स्यूनिलग्रपलपोसस)
 - 7. केशरक का संपीडन विभंग।
 - श्वैरमेन की बीमारी।
 - प्रदर्शनीय तैन्नकीय या परिसेचारी घ्रमाव के साथ ग्रेब पर्श्का।
 - 10. मेरुवण्ड संबंधी धन्य घसामान्यता यवि विशेषश्च का ऐसा मत हो।
- (ट) उम्मीदवार मामसिक विकृति या वीरे पड़ने का पिछला रोगी महीं होना चाहिए।
- (ठ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को धूस योग्य होना चाहिए कि वह गांत कमरे में अस्थेक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सकें। कर्णनासिका की पिछली या अबकी बीमार का कोई अमाण न हो।

वायु सेवा के लिये श्रव्यतामितिक परीक्षण किए जाएंगे। 250 एच० प्रैडा० 400 एच० जेडा० के बीच की आर्तियों में श्रव्यतामितिक कमी - 10 डेसिबल से अधिक नहीं हो।

- (ड) हृदय या रक्त वाहिकाओं से संबंध में कोई कियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त दाब सामान्य हो।
- (क) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बढ़ी हुई न हो। खदर के आंतरिक अंग को कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वी-इस कर दिया आएगा।
- (ण) यदि किसी जम्मीदवार को हाँनिया है और उसकी शस्य चिकित्सा न की गहैं हो, ती वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा। यदि हाँनिया की शस्य चिकित्सा हो गई हो और वह वर्तमान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो और उसका जख्म भी पूरी तरह ठीक हो चुका है।
 - (त) हाइड़ोसिल, बेरिकोसिल या पाइल्स का रोग नहीं होना चर्मित्र ।
- (य) मूळ की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमानता भिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (व) अशक्तता लाने या आकृति विगाइने वाले चर्म रोग के होने पर उम्मीदनार अस्वीकृत किया जाएगा।
- (म्र) उम्मीदवार को दूर दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख से ऐनक सिहत या ऐनक बिना नौसेना के लिए ऐनक बिना 6/6, 6/9 और बायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। भायोपिया 2.5 डी॰ तथा हापरमेटोपिया 3.5 डी॰ (एस्टिंगमेटिजम सिहत) से अधिक महीं होना चाहिए। यह जानने के लिए आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा औपयलमेस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों मेदों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण वृष्टि का मानक सी॰ पी॰ स्थल सेना के लिए सी॰ पी॰ 111 होगा। उम्मीदवार में लाख व हरे रंगों को पहचानने की अमता होनी चाहिए। नौसेना उम्मीदयारों के लिए एम॰ एल॰ टी॰ द्वारा सी॰ पी॰ तथा राद्रि वृष्टि की तीक्षणता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस आगय का प्रमाण-पक्ष देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सदस्य को जन्मजात एताँ हो साने का रोग नहीं हुआ है।

नौ सेना के उम्मीदवारों का दृष्टि मानक:——
दूर की दृष्टि—6/6, 6/6 तक योष्ट्य 6/9,
पास की दृष्टि—प्रस्थेक आंख एन०—5,
वर्ण दृष्टि—एम० एल० टी० द्वारा सी० पी० 1।

अपेक्षाकृत अच्छी आंख में मायोपिया 0.5 डावोयोस्ट्रेस से अदे भहीं और हायपर मट्रोपिया 1.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और अपेक्षाकृत खराब आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

वृष्टि संबंधी पेशी संतूलन—मेडाक्स रोड़ टैस्ट के साथ हैट्रोफीरिया निम्न से अधिक बिल्कुल न हो:---

- (1) 6 मीटर पर—एक्सोफोरिया 8 प्रिज्म बायोप्ट्रेस एसोफोरिया 8 प्रिज्म बायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म बायोप्ट्रेस।
- (2) 30 सें० मी० पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म कायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म कायोप्ट्रेस।

वायु सेना के लिए निम्नलिखित मानमदण्ड हैं:

सूर की वृष्टि 6/6, 6/6 तक मुद्यार योग्य 6/9
पास की वृष्टि प्रत्येक आंख की एन०−1
वर्ण वृष्टि सी० पी० (एन० टी० एल०)
मनीफैंस्ट हाइपरमेट्रोपिया 2.00 डी० से अधिक नहीं
मायोपिया 000 कुछ नहीं
स्टिगमेटिजम 00-∤-0.75 डी०

पेशी सम्तुलमः---

गेडबीक्स रोड टैस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित में अधि हो:—

- (1) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिण्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिण्म डायोप्ट्रेस हाइप०/हाइपी-फोरिया 1 प्रिण्म डायोप्ट्रेस (2) 33 सैं० भी० पर
- एंक्सोफोरियां 6 प्रिण्मं बायोप्ट्रेस एसोफोरियां 6 प्रिण्मं बायोप्ट्रेस हाइपर क्षांक्पी-फोरिया 1 प्रिण्म बायोप्ट्रेस

द्विनेत्री दृष्टि की होता कनिवार्य है (स्यूजन तवा स्टर-सोस्सिस) तवा साव में अच्छा

भावाम व गह्नता

(न) (3) उम्मीदबार के पर्याप्त सक्या में कुदरती व नजबूत दांत होने भाहिएं। कम से कम 14 दांत बिन्तु वाला उम्मीदबार स्वीकार्व है। जब 32 दांत होते हैं तब कुल 12 दांत होते हैं।

उम्मीदबार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ट) वायुसेना के उम्मीदवारों के लिए स्टीन ई० सी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सीमा में होने जरूरी हैं।

परिशिष्ट-III

(सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण)

- अकावसी में भर्ती होने से पूर्व माता-पिता या संरक्षक को निम्म-लिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे:---
- (क) इस आधाय का प्रमाण-पल कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के वौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाने या उपर निर्देश्ट किसी कारण से या अन्यणा आवश्यक किसी सिर्जिकल आपरेशन या संवेदनाहरक दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने वर वह वा उसके वैद्य उत्तराधिकारी को सरकार के विद्य किसी मृत्यावने वा अन्य प्रकार की राहत का वाजा करने का हक न होगा।
- (ख) इस आशाय का नैश्व पत्न कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके निबंबण में समझी जाते हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले बादस आना भाइता है वा कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुक्क, घोजन वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिए गए वेतन और भले की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होनी।
- 2. आजास, पुस्तकों, वदीं, बोबिंग और विकित्सा सहित प्रशिक्षण के खर्च को सरकार बहुन करेगी। उम्मीवनार के माता-पिता या संरक्षक से यह आशा की जाती है कि उम्मीवनार का जेब खर्च वे खुद बर्वास्त करेंगे। सामान्यतया इन खर्चों के 75.00 रुपए से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैंबेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या अधिक रूप में बर्दास्त करने में असमर्थ हों हो पहले और दूसरे वर्ष के लिए द० 75.00 तक और राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में तीसरे वर्ष के प्रशिक्षण के लिए द० 80.00 और बल सेना/गौ/वायु सेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठां में आगे विषय्ट के प्रशिक्षण द० 90.00 तक सरकार द्वारा विक्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय द० 500.00 या इससे अधिक हो वे इससे विक्तीय सहायता के पास नहीं होंगे विक्तीय सहायता के लिए अजल सम्पित्यां और सभी साधनों से होने वाली आम का भी ध्यान रक्षा आएगा।

यदि उम्मीदवार के मामा-पिताया संरक्षक सरकार से किसी प्रकार विक्रीय सहायता प्राप्त करसे के इत्कृक हों तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के तुरम्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेड के साध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिपे बिना मजिस्ट्रेड अपनी अनुशंमा संहिता राष्ट्रीय रक्षा अकावमी, चड़कवासला, पुणे (411023) के कमांबेंड को अभैषित कर देगा।

3. अकावमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए, जम्मीव-बारों को आने पर कमोईट राष्ट्रीय रक्षा अकावमी के पास निम्नलिखित-राशि बमा होगी:—

र० प ०
(क) प्रतिमास 75,00 र० के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 375.00
(क) बस्त्र तथा अपस्कर की मधों के लिए 650.00
(ग) 1 सेमिस्टर के दौरान प्रास्तिक व्यय 150.00

जम्मीवनारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्वृक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी:—

रु० पैं₀

375.00

- (क) 75.00 द० प्रतिमाह के हिसाब से गांच महीने का जैब वर्ष
- (खा) वसक तथा उपस्करों की मदों के लिए लगभग 475.00
 - 4. राष्ट्रीय रका अकादमी में निम्मलिखित छात्रवृक्तियो उपलब्ध हैं :---
- (1) बरधुराम काऊ पटवर्डन छालबृत्तः मह छालबृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैंडेटों को वी जाती है जिनके माता-पिता की आय सभी साझनों से द० 350,00 सचा द० 500,00 के श्रीच हो। छालबृत्ति की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बराबर होगी। जब तक कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकावमी या अन्य कमीशन पूर्व प्रिमिश्रण प्रतिकानों में रहेगा तब तक के लिए यह प्राप्त होगी किन्तु मर्त यह है कि कैंडेट का व्यवहार अव्धा रहे और वह संतोषजनक प्रगति करता रहे और असकी माता-पिता की आब निर्झारित सीमा से कन रहे। जिन कैंडरों को यह छाझबृत्ति दी जाएगी सन्हें सरकार से अन्य वितीय सहायता नहीं दी जाएगी—
- (2) कर्नेन केडिल फ्रेक मेमोरियल छाझवृत्ति: यह छात्रवृत्ति है जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के आतिरिक्त होगी।
- (3) कौर सिंह मेमोरियल छालवृत्ति:—दो छालवृत्तियां उन दो कैंडेटों को प्रदान की जाती हैं जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतर स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक छालवृत्ति 37.00 ६० प्रति माम की हो तथा अधिकतम बार वर्ष के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में प्रक्रिका के दौरान तथा उसके बाद भारतीय सेना अकादमी, वेहरावृत्त तथा बायु सेना फ्लाइंग कालिज तथा मौसेना झकादमी, कोबीन में जहां कैंडेट को प्रशिक्षण में लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, दी जाती रहेगी। छालवृत्ति तभी मिलती रहेगी का कैंडेट एपर्युक्त संस्थाओं में अच्छी प्रगति करता रहे।
- (4) असम सरकार छात्रवृत्तियां:—दो छात्रवृत्तियां असम के कैंडेटों को प्रवान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30,00 द० प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। छात्रवृत्ति असम के हो सर्वोत्तम कैंडेटों को उनके माता पिता की आय पर ज्यान दिये बिना प्रदान की जायेगी। जिन कैंडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से अप्य विचीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

- (5) उत्तर प्रदेश संरकार छात्रवृत्तियां:—दो छात्रवृत्तियां 30.00 दे प्रति मास की तथा 400.00 दे प्रयो की परिधान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो कैंडेटों की योग्यता तथा आय के आधार पर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन वर्ष के लिए दी जाएगी। जिन कैंडेटों को तीन छात्रवृत्तियां मिलेंगी उन्हें अन्य प्रकार की बित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेगी।
- (6) केरल सरकार छाल्लवृत्ति: पूरे नवं के लिए 480 इ० की एक योग्यता छाल्लवृत्ति रा० अकावमी में प्रशिक्षण की पूरी अविधि के लिए केरल राज्य द्वारा उस कैंग्रेट की वी जाती है जो केरल राज्य का अधिवासी निवासी हो और जो रा० र० अकावमी हेतु अधिल भारतीय सं० लो० से० आ० प्रस्थेक प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है भले ही उसने वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीण की हो। ऐसा करते समय कैंग्रेट के पिता संरक्षक की आर्थिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं विया जाता है।
- (7) बिहारी लाल मंदािकभी पुरस्कार:—यह 590.00 हपए का नकव पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड्डके को अकादमी से प्रस्थैक कोर्स के लिए मिलता है, आवेदन प्रपन्न कमाडिंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।
- (8) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां :- तीन छात्रवृत्तियां -एक यस सेना, एक नौसेना तथा एक वायु सेना के कैंडेट के लिए प्रत्येक 80.00 के प्रति मास के हिसान से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से वो छात्रवृत्तियां कैंडेटों की योग्यता तथा आय साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय द० 5,000 प्रति वर्ष से अधिक न हो सथा तीसरी छात्रवृत्ति विना उसके माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम कैंडेट की दी जाएगी।
- (9) पश्चिमी बंगाल सरकार छालवृत्तियाः—निम्नलिखित बगौं की छालवृत्तियां पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन कैंडेटों को दी जाएंगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थायी निवासी हैं:—
- (क) घर्ग 1:—में छात्रवृत्तियां—(यल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के लिए एक-एक) 360.00 रुपए प्रति वर्ष पहले और दूसरे वर्ष के लिए और अकादमी के तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण सख्या में बौथे वर्ष के लिए 480.00 रु० तथा इसके अतिरिक्त 400.00 रुपए परिधान वृत्ति। यह उन कैडेटों को वी जाएगी जो अकादमी में कोई अन्य छास्रवृत्ति पाने के पात नहीं हैं।
- (ख) क्यें 2:--तीन छान्नवृत्तियां 100 रुपए प्रति वर्ष एक मृश्त सरकारी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त वी जाएंगी।
- (10) पायलट अफसर गुरमीत सिंह बेदी मेमोरियल छालबृत्ति :-र० 420 प्रतिमास की एक छालबृत्ति ऐसे कैंडेट को दी जाती है जो
 बायु सेना कैंडेटों के चौथे सल के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा।
 बह एक वर्ष की अवधि के लिए होगी। पांचर्वे और छठे सल के दौराब
 यह छालबृत्ति बंध कर दी जाएगी। यदि प्राप्तकर्ता रेलीगड कर दिया
 गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर चला गया हो।
 जो कैंडेट इस प्रकार की पहले से ही कोई योग्यता छालबृत्ति या वित्तीय
 सहायता ले रहा है, उसे छालबृत्ति नहीं दी जाइगी।
- (11) हिमाचल प्रवेश सरकार छात्र वृत्तियाः हिमाचल प्रवेश के कैंडेटों को चार छात्र वृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए छात्र वृत्तियां 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के सीसरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेगी। यह छात्र वृत्ति उन कैंडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500.00 रुपए प्रति मास से कम होगी। जो कैंडेट सरकार से वित्तीय सहायता के गहा हो उमे छात्र वृत्ति नहीं मिलेगी।

- (12) तमिलनाड् सरकार की छात्रवृत्ति:—तिमलनाड्ड सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकावसी में प्रति कोर्स 30 ६० प्रति माम की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में 400 ६० सण्जा भता (कडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तिमलनाड्ड राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक संरक्षक की मासिक आय 500 ६० से अधिक न हो। पाछ कैडेट अपना आवेदन कमांबेंट राष्ट्रीय अकादमी वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।
- (13) कर्नाटक सरकार को छात्रवृत्तियां:—कर्नाटक सरकार में प्रति वर्ष 18 (अठारह) छात्रवृत्तियां—9 जनवरी, से मुक् होने वाले कोसौं के लिए और 9 जुलाई से मुक् होने वाले कोसौं के लिए कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी है जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कालेज, बेहरादून में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में आते हैं। इन छात्रवृत्तियों की राश्चि 480.00 रुपए प्रति वर्ष है।
- ६० 480.00 प्रति वर्ष की बार (4) और छात्रवृक्तियां (दो प्रतिशत) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो सैनिक स्कूल, बीजापुर या राष्ट्रीय इण्डियन मिलिट्री कालिज, देहरावून के अलावा अन्य संस्थानों पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।
- (14) एलबर्ट एक्का छात्रवृत्ति :-- बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 50/- रु प्रतिमास की 25 योग्यता छात्रवृत्तियां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छः समयाविधियों के पूरे समय के वास्ते एक बार और 650/- रु कस्त्र तथा उपस्कर के वास्ते देना मुक् किया है। जिस कैंडेट को उपर्युक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से कोई अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पान्न कैंडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमांडेंट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इन छात्रवृत्तियों की शर्ते राष्ट्रीय अकादमी, खड़कवासला, पुणे (411023) ते प्राप्त की जा सकती है।

- 5. चने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में आने हुँके बाद तत्काल उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।
 - (क) अंग्रेजी
 - (व) गणित
 - (ग) विशान
 - (घ) हिन्दी
- (क), (क) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विश्व-विद्यालय या हायर सेकेण्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेन्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (घ) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जांचा जायेगा कि उम्मीदवार को अकावमी में भर्ती होने के समय हिम्दी का कितना ज्ञान हैं।

अतः उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरांत अध्ययन के लिए उदासीन न हो जाएं।

त्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं अर्थीत् थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए शैक्षिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले उगई वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहक विश्वविद्यालय, विल्ली द्वारा बी० एस० सी०/बी० ए० दिग्री प्रदान की जाएगी।

- 7 राष्ट्रीय रक्षा अकावमी में पास होने के बाव चल सेना कैडेट मारसीय सेना अकावमी, देहराबून, में नौसेना कैडेट/कैडेटों कं प्रशिक्षण पोत में और नाय रोना कैडेट, ई० एफ० एस० विवार जायेंगे।
- 8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों की 'जेन्टलमेन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है। ताकि वे इन्फेंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने योग्य अफसर बन सर्के। प्रशिक्षण सफलल' से पूरा करने के बाद जेंटलमेन कैडेटों को उनके शेप (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सेकेण्ड लिफ्टिनेस्ट के पद पर स्थायी कमीशन दिया जाता है।
- 9. नौसेना कैंडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें मौसेना का कार्यपालक इंजीनियरों, बिजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है; उन्हें छ: महीने के लिए कैंडेट प्रशिक्षण पोत पर समुद्री प्रशिक्षण बिया जाता है। जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें मिड- शिपमैन रैंक में पदोक्षत किया जाता है। सम्बद्ध शाखा में 6 महीने तक आगे प्रशिक्षण पाने के बाद उन्हें कार्यकारी तथा लेफ्टिनेन्ट के रैंक में पदोक्षत किया जाता है।
- 10. वायु सेना कैंडेटों को हवाई उड़ान का डेड वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर अनितम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीयन प्रवान किया जाता है। उसके बाव छः महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष की अविधि के लिए परिविक्षा पर स्थायी रूप से कमीयन अफनर के रूप में समाहृत कर दिया निता है। सेवा की धार्लें

11. थल सेना अधिकारी

(1) वेसन

र्फ	वैतनमान
	रुपए
सैकिएक लैपिटनेन्ट	760-790
लेफिटनेन्ट	830-95
कैप्टन	1100-155
मेजर	1450-1800
मेजर (चयन ग्रेड)	1800-50-1900
क्षैफ्टिनेश्ट कर्नेल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेपिटनेस्ट कर्नल (वयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
सैपिटनेस्ट कर्नेल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
विगेडि यर	2200-2400
मैजर जनरल	2500-125-2750
हैफ्टिनेस्ट जनरल	3 000 प्रतिमास
केपिटनेस्ट जनरल (सेना कमांहर)	3250 प्रतिमास

(2) योग्यता वेतन और भनुदाम

है पिटनेन्ट कर्नल और उसके नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- ६०, 2400/- ६०, 4500/- ६० अथवा 6000/- ६० के एक मुस्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- ६० दर पर योग्यता वेतन अधिकारी होंगे।

(3) भने

केतन के अतिरिक्त अफमरों को इस समय निम्नलिखित **भत्ते मिलते** ४:--

(क) मिविलियन राजपितन अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महुगाई भन्ने विए जाते हैं।

- (ख) ए० 75/- प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रकास भाता मिलेगा। यह विदेश भाते की तबनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 46 प्रतिशत तक होगा।
- (ष) वियुक्ति भत्ताः जहां विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर सैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 140 ६० प्रतिमास दर से वियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (क.) सज्जा भला: प्रारम्भिक सज्जा मला ६० 2100 प्रथम कमी-शन की तारीख से २० 1800/- की दर से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्ज के दावे का मुगतान किया जा सकता है।
- (च) थल सेना में जिगेडियर स्तर तक मुक्त राशन दिया आता है।

तैनाती

्यल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदोन्नतियां

(क) स्थाई पदोश्रसि

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं वै:---

₹:—	_
(i) समय वेतनमान से	न्यूनतम सेवा सीमा
सेफ्टिनेस्ट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फै प्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैंफिटनेस्ट कर्नेल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
(ii) चयन द्वारा	न्यूमतम सेवा सीमा
धीपदनेश्ट कर्नल	16 वर्ष कमीलम प्राप्त सेवा
क र्नेस	20 वर्षे कमीश्चन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीलन प्राप्त देवा
मेजर जनरल	25 वर्षे समीमन प्राप्त सेवा
सैफिटनेन्ठ कर्मल	28 वर्षे कमीक्षन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिवश्य नहीं।

(ख) कार्यकारी पदोस्रति

निम्नसिखित न्यूनतम सेवा सीमार्थे पूरी करने पर अफसर, उज्जातर रैकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए गस होंगे बगतें कि रिक्तिया उपलब्ध हों:

कैप्टन	3	वर्ष
मेजर	6	वर्ष
लेपिटमेस्ट कर्नेल	61	वर्ष
कर्नल	81	वर्ष
ब्रिगेडियर	12	वर्ष
मेजर जनरल	20	वर्षे
लैफ्टिनेस्ट जनरल	25	वर्ष

12. भौसेना अफसर		
(1) घेतन		,
	वेत	 नमान
रेक	सरमान्य सेव।	नौसेना विमानन और पन डुब् बी
	₹v	ξo
मिक् षिपमैन	560	560
कार्यकारी सबसैक्टिनेस्ट सब सैफ्टिनेस्ट	750 - 830-870	825 910-950

लै फिटनेन्ट 1100-1450 1200-1550 नैपिटनेन्ट कर्माडर 1450-1800 1450-1800 **प्रेक्टिनेस्ट** कमांडर ं 1800-1900 1800-1900 (चयन ग्रेड) ू कर्नाहर 1750-1950 1750-1950 कमांडर (समय बेसनमान) 1900 (नियत) 1900 (नियत) कमांडर (धयन ग्रेड) 2000-2100 2000-2100 कैप्टन 1950-2400 1950-2400 कोमोडोरको बही वेयन मिलला है जिसका वह फैप्टन के अप में अपनी

रियर एकमिरल बाइस एडमिरल

2500--125/2--2750 3000 प्रतिमास

वरिष्ठता के अनुसार हकदार है।

बाइस एडमिरल (बी० मी० एन० एस०/एफ० औ० सी० इन सी०) 3250 प्रतिमास

योध्यता वेतन/अनुदान भी निम्नलिखित को ग्राह्म है:---

कुछ निर्धारित योग्यतार्थे रखने वाले कमांडर और उसके तीचे के रैक के अफसर की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- ६०, 2400/- ६०, 2500/- ६० या 6000/- ६० के एकमुश्त अनुवान के हकदार हैं। फ्लाइंग इन्स्पेक्टर नेवीगेटर श्रेणी क और ख कमशः 100 क्पए और 70 रुपए प्रतिमास के अहँक बेतन के हकदार।

(2) मत्ते

- (क) प्रतिपूरक (नगर) भत्ता, महंगाई मत्ता और अंतरिम सहायता उसी दर और उन्हीं कर्तों पर प्राह्म हैं जो समय-समय पर सिविलियन राजपित्तत अधिकारियों पर लागू है।
- (चा) किट अनुरक्षण मला 75 रु० प्रति साथ की दर पर।
- (ग) जब भारत से बाहर समुद्र सट पर या कुछ देशांतरीय और भक्तांशीय सीमाओं के पार जहांज पर हों तो निर्वासन मला। दरें रैंक के अनुसार 50 रुपये प्र० मा० से लेकर 250 रुपए प्रति मास तक अलग अलग है।
- (भ) जहाज पर सेवारत विवाहित अधिकारियों की उनके जहाज के मूल बंदरगाह से दूर होने की अवधि के दौरान 140 दपए प्र० मा० की दर पर वियुक्ति भत्ता।
- (ब.) पहली बार कमीशम मिलने पर 2400/- रुपए परिसज्जा भंता और प्रभावी सेवा के प्रत्येक सात वर्ष के बाद 2100/-रुपये नवीकरण परिसज्जा भंता।
- (च) मौसेना में कमाडोर स्तर तक मुक्त राशन दिया जाता है।
- (छ) वार्षिक श्रवकाण जो नही लिया गया उसका तकद भुगताम निधर्मन आयु पर अधिकतम 180 दिनों का 30 दिन प्रति वर्ष की दर में किया जाएगा।

एवं इजोतियरी असिकारियाँ तथा उंध्व शाखाओं के लिए क० 675/-से लेकर क० '50' तक प्रति माह तकतीकी वेतन प्राप्त करने के हकदार है।

जपर्युक्त के अतिरिक्त नौनेना अग्निकारी कुछ विशेष नियायनों के भी हकदार हैं जो उनके गाय लगी भर्ने गुरी कर देने पर वी जाएंगी जैसे हार्बलाइंग मनी, समस्रेराईन एलाउन्स सबसेराईन पे, बाह्विंग पे.और सर्वे बाउण्टी।

(3) पदोन्नतिया

(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोश्रतियों के लिए निम्नलिखित सेवा सीमार्ये हैं:--

समय वेतनमान द्वारा

। वर्ष
2 वर्षे (वरिष्ठता लाम
आवर्सी के अधीन)
नैपिटनेन्ट के इत्पर्में 8
वर्षकी वरिष्ठता।
2.4 वर्ष की कमीशन प्राप्त
सेवा (यदि चयन द्वारा
पद्रो लति नहीं हुई है)

चयन हारा

ाथन हारा	
कमोडर कार्यपालक शास्त्रा	लैफ्टिनेन्ट कमोडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांबर इंजीनियर शाखा	लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रूप म 2-10 वर्ष की वरिष्ठता ।
कमांडर विद्युत शाखा	कमार्डेन्ट कमांडर के ॄ्रैरूप में 2−10 वर्ष की वरिष्ठता।
ਸੰ ਧਣਜ	कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।
रियर एडमिरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।
बाइस एडमिरल	कोई प्रतियन्ध महीं।

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

लैफ्टिनेन्ट कमांडर के रैंक को छोड़कर जिसके लिये किसी भ्रफसर को जैफ्टिनेन्ट के रूप में 6 वर्ष की वरिष्ठता होनी चाहिए नौसेना की कार्यकारी पदोच्चित के लिए कोई सेवा सोमा नहीं है।

13 षायु सेना भ्रफसर

(i) वेसन

रेंक				वेतममाम	
पाइसट अफसर					825-865
पलाइंग प्रफसर	1				910-1030
क्लाइंग लेफ्टिनेन्ट					1300-1550
स्ववाङ्गन लीडर	•				1650-1800
विग कमांडर (चयन)					1750-1950
विग कमांडर (समय ह	तिनमान)				1950 नियन
पुप कैप्टन .	,				1950-2175
एयर कमोडर					2200-2400
एयर बाइम मार्गल					2500-1750
एयरमार्णल .				•	3000
एयर मारील [(वी०	सीठ गठ	र्म्स ०	घोर ए०	प्रोः	
प्पट मोट हा साट)]				3250
ार चौफ म⊮गला (सी	о цо цно)			4000

(11) 71 41	(ii)	म से
------------	---	----	---	------

(क) उड़ान वेतन .—– उड़ान शास्त्रा के प्रधिकारी (पाइलट तथा नेविः गेटर) निम्नलिखित दर पर उड़ान वेतन पाने के पात है:---

> ६० प्र० मर्० 750.00

पाइलट प्रफार से विग कमोडर तक **गुप फैप्टम से एयर कोमोडो**र तक एयर बाइस मार्शेल तथा इससे ऊपर

666.00 600,00

(धा) उड़ान शाखा के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले प्रधिकारी निम्नलिखित वर पर योग्यता वेसन धनुदान के पास हैं:--

रु० प्र० मा०

योग्यता वेसम

100/-**मथवा** 70/-

योग्यता भनुदान

6000/-

प्रथवा 4500/-

2400/-

प्रयमा 1600/-

(ग) किट झनुरक्षण मला '75/- रुपये प्रतिमास की दर पर मिलता

- (थ) निवर्तन भत्ता:---किसी देश में जहा पायु सेना प्रधिकः/रियों के लिए ट्रूप के भ्रंग के रूप में जानाभपेक्षित हो, सेवा कर रहे एकल तृतीय, सचिव/द्वितीय सचिव/प्रथम सचिव/काउःसलर को ग्राह्म विदेश भत्ते का 25 प्रतिशत से लेकर ४० प्रतिशत सक (धारित रैंक के अनुसार)।
- (**४.**) वियुक्ति भराः :--एयर वाइस मार्गल और इससे ऊपर के रैंक वाले जिन विवाहित भिक्षकारियों की तैनाती उन यूनिटों/फार्मेशनों भें की जाती है जो भारत सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए धार्यारिकारिक कप में प्रधिसूचित स्टेशन/क्षेत्रों में स्थित हैं तथा जहां परिवार को साथ ले जाने की प्रनुमति नही है वहां पर नियुक्त होने पर उन्हें 140 द० प्रतिमास बियुक्ति भत्ता मिलेगा।
 - (च) परिसम्जा भत्ता:--अधिकारी को जो वर्षी/उपस्कर अपने पास रकाने पड़ते हैं उनकी लागत के लिए शुरू में 2100/- रुपये (समय-समय पर यथा श्राशोधित) श्रौर हर सात वर्ष के बाव उनके नवीकरण के वास्ते 1800/- रुपये।
 - (छ) बायु सेना में एयर कमाडोर स्तर तक मुप्त राशन दिया जाता है।
 - (3) पद्योक्षतियां
 - (क) मूल पदोन्नतिः –

उच्चतर रैंकों पर अल वरोक्सति के लियें निम्निसिवत सेश सोमाए

समय वेतनमान द्वारा

फ्लाइंग घफसर र पर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा 5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा क्लाइंग ग्रफसर स्यवाङ्ग्त सीहर 11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा विंग कमा दर नदि अथन ⊈ारा पदोन्नति म 8ई हों हो। 24 वर्ष की कमीशान प्राप्त मेवा पूरी कर ली हो।

चयन हु∷रा

विंगकमा

18 वर्ष श्रुल कभाशन प्राप्त सेवा गिनी जाएगी।

०० ≰प्टन्

22 वर्ष कुल बमोशन प्राप्त सेवा विवी जाएकी।

प्याच काम ाक े	১৭ বল স্কুল কদাখন সাং শ শ া
	सिनी जाएगी ।
एयर वाइस म⊹र्णल	26 वर्ष कुल कमोशन प्राप्त सेवा गिनी आएंगी।

128 वर्षे कुल कसोशन प्राप्त सेवा

यिमी जाएंगी।*

(6) कार्यकारी पद्योक्षति

एयर मार्शल

मफसरों की कार्यकारी पदोक्षति के लिये विभोक्षत स्थुनतम सेवा सीमा इस प्रकार है:---

फ्लाइंग लेफ्टिनेन्ट 2 वर्ष स्क्याबून सीकर 5 वर्ष

विंग कर्मांडर 6 वर्ष (स्क्वाकृत लीकर के रैंक में एक वर्षकी सेवा के बाद)।

एमर क्रोमोडोर 11-1/2 वर्ष विंग कमोडर और पुप कैप्टन के रूप में 3 वर्ष की सेवा के बाव)।

एयर बाइस मार्गल 15 वर्ष (विंग कमांबर, ग्रूप कैंप्टन भीर प्यर कमोडोर के रेंकों में

5 वर्ष * की सेवा के बाद)।,

एयर मार्शल 2.3 वर्ष _____

🕶 🕳 डिस भवधियों की शामिल करके।

14. सेवा निवृत्ति लाभ

र्पेशन, उपदान भ्रौर प्रेच्यटो भ्रवार्ड समय∻समय पर लागुनियमों के धनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. 1932

समय-समय पर लागू निथमों के घनुसार छुट्टी स्वीकार होगी। परिमाष्ट IV

मारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वासे धनुसूचित जातियों भीर धनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पद्म का फार्म।

राज्य/संच* राज्य क्षेत्र ------जाति के के कि है जिसे निम्नलिखन के मधीन मनुसूचित जाति/मनुसूचित अनजाति* के रूप में मान्यता दी गई है:---

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीभती/कुमारी*----------

संविधान (प्रमुस्चित जानियां) मादेश, 1950@। संबिधान (मनुसूचिस जम जातिया) म्रावेश, 1950@)। संविधान (धनुसूचित जातियां) (संव राज्य क्षेत्र) मादेण, 1951@। संविधान (धनुसूचित जन जातियां) (संय राज्य क्षेत्र) धादेश, 1951@ |

[(म्रमुसूचित जातियां सौंर धनसूचित जन जाशिया सूची (म्रामोधन) **मादेश**, 1956, **यम्बई पुनर्गठ**न मधिनियम, 1966, पंजाब पुनर्गठन प्रिविनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य ग्राधिनियम, 1970 ग्रीर उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गंटा) पश्चितियम, 1971 ग्रीर ग्रनुसूचिन जातिया तथा धनुमूचित जनजातियां सादेण (मंशोधन) प्रधिनियम 1976 हारा यथा-संगोधित]।

सविधान (अम्भू और कश्मीर) धनुसूचित आतियां घावेस, 1956@।

नंबिधान (ग्रंडमान ग्रौर मिकोबार द्वीपसमूह) धनुसूचित जनजासिया मादेश, 1956@ मनुसूचित जातियां भौर भनुसूचित जन जातियां मादेश, (संशोधन) प्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित*। संविधान (दादरा ग्रीर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातिया ग्रादेश, 1962(0) | संविद्यान (दादरा ग्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जन जातियां ग्रादेश, 1962@1 संविद्यान (पांडिवेरी) ग्रनुसूचित जातियां भावेश, 1964@। संविधान (धनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रवेश), भावेश, 1967। संविधान (गोमा, वमन भीर दियु) भनुसूचित जातियां भावेश, 1968**(a**) | सविधान (गोधा, दमन और दियु) धनुसूचित अन आतियां बादेश,

1968@01 संविधान (नागालैंड) धनुसूचित जनजातियां घादेश, 1970@। संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियां अविश, 1978@। संविधान (सिक्किम) भनुसूचित जनजातियां भ्रादेश, 1978@ ।

%2. ग्रन्सूचित जातियों/भनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों के मामले में लागू हैं जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से प्रवजन कर भूके हैं।

यह प्रमाण-पत्न श्री/श्रीमर्त	ो/क्रुमारी*
कस्बा [≠]	 —-जिला/मंडल <i>*</i>
राज्य/संच राज्य क्षेत्र*	—————————————————————————————————————
जाति/जनजाति* में सं बद्ध हैं वि	ज्ञेत
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* में	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति* के
रूप में मान्यनाप्राप्त है के पि	ता/माता* श्री/श्रीमती*
को जारी प्रमाण-पत्न के आधार	:पर जारी किया जाता है।
	के द्वारा जारी।
दिनांक	
	तौर से गांव/ कस्बा* -
	क्षेत्र* ──
de	
	हस्ताक्षर —————
	•पवनाम
	(कार्यालय की मोहर सहित)

स्याम-वारी**थ**-

> 🕈 (जो शस्य लागून हा, उत्ह क्रपमा काट वें) । @कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट आवेश उद्भुत करें। % जो पैरा लागू नहीं है उसे क्रप्या काट दें।

टिप्पणी :—यहां प्रयुक्त ''आमतीर से रहते/रहती हैं'' का अर्थ बहुं≀ होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पिपुल ऐक्ट, 1950" की घारा 20 में

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

- **जाति/जनजाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारियों की सूची।
 - (1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/जिप्टी कमिश्तर/एडिशनल डिप्टी कमिश्तर/डिप्टी कलैक्टर/प्रयम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/†सब डिजीजनल मैजिस्ट्रेट/तारुलुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/ए**क्स्ट्र**ा क्षसिस्टेंट कमिश्नर।

- †(प्रथम श्रेणी के स्टाइवैंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहर का नहीं।)
- (2) चौफ प्रैसीडेंनी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेस्सी मैजिस्ट्रेट/ प्रैसीक्ष्म्सी मैजिरट्ट ।
- (3) रेवेन्यु अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (4) उस दलाके का सब-डियीजनल अफसर जहां उम्मीदबार अपीर/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडगिनिस्ट्रेटर का सचिव/<mark>डेव</mark>जपर्मेट अफसर, "लक्षव्दरीप" ।

परिशिष्ट 🗸

उम्मीदवारों को सूबनायं विवरणिका

(क) बस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह ''वस्तूपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार को परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नही होंगे। प्रस्पेक प्रक्त (जिसको आगे प्रक्तोश कहाजाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर जिसको आगे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विधरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बार में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीका के स्वरूप से परिकित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

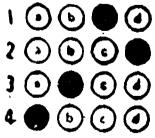
(खा) परीक्षण कास्वरूप

प्रश्न-पत्र "प्रश्न पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3---आदि के ऋम में प्रथनीय होंगे। हुर प्रथनीय के नीचे a, b, c,d, चिह्न के साथ मुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो इनमें से मर्वोत्तम उत्तर का भुनाव करना होगा। (अंत में विये नमुने के प्रक्रनोश देखा कों) किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रक्रांश के लिए आपको एक ही सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से मधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उसर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक विद्या जायेगा। जिसकी एक नमुना प्रति आपको अपने प्रयेश-पक्ष के साथ मेजी जायेगी! आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रक्रन पुस्लिका मिया उत्तर पक्षक को छोडकर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर म**हीं व्यक्ति वार्ये**गे।

उत्तर पहल में प्रश्नामी की संख्यार्थे 1 के 160 तक चार अक्टी में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नोश के सामने a, b, c, d, चिह्न याले वृत्ताकार स्थान छपं होते हैं। प्रश्न पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ क्षेत्रे भौरयहनिर्णय कर लेने के वाद कि कौन साप्रत्यूशरसही यासर्वोत्तम 🕽 आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर वना है जैसा कि (आपका उनर दलित के लिये) मीव विखाया गया है छत्तर पत्रक के वृत्त है काला बनान क लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।



यह जरूरी, है कि:---

 प्रध्नाशों के उत्तरों के लिये केवल अध्धी किस्स की एच० बी० वैसिस (वैसिस) की साएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तरपर निशान लगा वें। इसके लिये धाप भ्रपने माथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पक्रक का प्रयोग करते समय कोई एसं) अभावधानी न हो जिससे वह फट आर्ये या उसमें मोड़ व सिजबट आदि पड़ जायें या वह जराब हो जायें।

कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निधारित समय से 20
 मिनट पहले परीक्षा मवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान
 हण करना होगा।
- परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया आयेगा।
 - परीक्षा गुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा
 जोइने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न पुस्तिका और उत्तर पत्नक अधीक्षक पर्यविक्षक को सौंप वें। आपको प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उरुलंबन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।
- 5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण आप/द्व उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण कूटबढ़ भी करना हो इसके बारे में अनुवेश आपके प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेंज वियं जायेंगे।
- 6. प्रक्त पुस्तिका में विधे गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर प्रक्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रमाश के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग की आरम्भ या समाप्त करने को कहे तो उनके अनुदेशों का तरकाल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लार्ये, आपको अपने साथ एक एव० बी० पेंसल, एक रवड़, एक पेंसल गार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हाडे बोर्ड या कार्ड बंग्ड की कार्य कि अप अपने साथ एक-एक क्लिप बोर्ड या हाडे बोर्ड या कार्ड बंग्ड की लायें जिस पर कुछ लिखा न हा। आपको परीक्षा भवन में कार्ड खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखन उपकरण नहीं लाने है क्योंक उनकी जरूरत नहीं होगी। माँगमे पर कष्ट काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कष्ट्या काम शुरु करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने-अपने उत्तर प्रवक्त के साथ पर्यवेक्षक को बापिस कर दें।

.) विशेष अनुदेश

परीक्षण भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाव अधिक्षक अपको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर प्रक्रक पर प्रेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद अधिक्षक आपको प्रश्न पुस्तिका देंगे। प्रश्न पुस्तिका खिक्कने पर आप यह अवश्य देख में कि उस पर पुस्तिका की संख्या कि बी हुई है या अध्यथा, उसे बदलवा में। प्रश्न पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ट पर अपना अनुक्रमांक लिखा दें आपको प्रश्न पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नही है जब तक पर्यवेशक ऐसा करने के लिये न कहे।

च. कुछ उपयोगी सुसाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा गृद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का ृयया मम्भव वक्षता से उपयोग करें। मन्तुलन के साय आप जितनी जरूबी काम कर सकते है, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं वे पांते हों तो जिन्ता न करें। आपको जो प्रश्नों हो लिस्ता न करें। आपको जो प्रश्न हुंअस्थरत कठिन माखन

पड़े उन पर समय व्यर्थन करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके ढ़ारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपकी अंक विये जायेंगे। गलक्ष उत्तर के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहे, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक अधीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुर्यें न ले जायें और आपको छोड़ने की अनु-मित न दें। आपको अग्न पुस्तिका और उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है।

नमूने के प्रशनाश (प्रश्न)

(नोट:--सही/सर्वोत्तम उत्तर विकल्प को निर्विष्ट करना है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाफ तथा कान से निम्निलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाथ होता है?

- (a) रक्त का दाब बायुमण्डल के दाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाज वायुमण्डल के दाज से अधिक होता है।
- (c) रक्त वहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का वास थायुमण्डल के दान के अनुरूप घटता-बहुता है।

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a records turnout of voter at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. कृषि

अरहर के फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छि≼काव
- (b) दूर-दूर पौधे लगाना
- (c) सही ऋदु में पौधे लगाना।
- (d) थो **इं-यो इं**फासले पर पीछे लगाना

रसायन विज्ञान

H3VO4का एनहाइ द्वाइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) V_{03}
- (b) V_{04}
- (c) V_{204}
- *(d) V₂₀₅

5. अर्थशास्त्र

अप का एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता }?

- (a) सीमान्त राजस्य उत्पाद से मजदूरी कम हो ।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद में अधिक है।
- (d) मजदूरी सीमाग्त भौतिक उत्पाव के बराबर हो।

6. बैद्धत इंजीनियरी

एक समक्ष रेखा की आपेक्षिक परावैद्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) ₃C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. मू-विज्ञान

वसास्ट में प्लेजिआबलेस क्या होता है ?

- (a) मालिगाम्लज
- *(b) लेकोडोराइट
- (c) एस्वाइट
- (d) एनाथाईट

८. गणित

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\dfrac{d^2 y \ dy {=} \varnothing}{d { imes}^2 dy}$ समीकरण

को संगत रखने वाला नक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) y=ax+b
- (b) y=ax
- (c) y=aex+be-x
- *(d) y+aex-a

9. भौतिकी

एक आदर्श ऊष्मा इंजन 400° के और 300° K के तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखिल में से क्वा होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (3-4)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. सांख्यिकी

यदि द्विपद विवर कामाध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- $(a) 4^2$
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) -- 6

11. भूगोल

क्षर्मा के दक्षिणी भाग की अरमधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर व्यक्तिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- (b) वर्मा की अधिकांश नदियों का डेस्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकाश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

12 भारतीय इतिहास

बाह्मणबाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में मे क्या सन्य नहीं है ?

- *(a) बौद्ध धर्म के जन्कों काल में भी ब्राह्मणवाद के}अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
 - (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकाड और आइम्बर मे पूर्णधर्म व्या
 - (c) बाह्यणवाद के अभ्युष्य के साथ, विश्व सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महस्व कम हो गया।
 - (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विभिन्न दणाओं का प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार तिश्रीरित थे।

13. वर्शन

निम्नलिखित में से निरीस्वरवादी दर्गन-समृह कौन सा है?

- *(a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वशिषक, जैन और बौद्ध, नार्वाक
- (c) अद्बेत, बेवान्त, सांख्य, चार्वाक, योग
- (d) बौद्ध, सांक्य, मीमांसा, वार्वाक

14, राजनीति विज्ञान

"वृक्तिगत प्रतिनिधान" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के स्त्राधार पर विद्यातमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (b) किसी ममूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार सम्बन्धी संगठन में प्रतिनिधियौँ का चुनाव।
- (di) श्रमिक संघों द्वारा श्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

15. मनोविज्ञान

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस की निर्वेशित फरती है?

- *(a) लक्ष्य सम्बन्धी भ्रायक्ष्यकता में वृद्धि।
- (b) भ्रन्तर्नोद भ्रवस्था में न्यूनता।
- (c) ब्यावहारिक प्रधिगम।
- (d) पक्षपात पूर्ण प्रधिगम ।

16, समाजशास्त्र

भारत में पंचायती राज मंस्थानों की देन निम्न में से कौन सी है?

- (a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को भीप-वारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुन्ना है।
- (b) छुआ छून कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुन्ना है।

टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को यह घ्यान रखना चाहिए कि उपयुंक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिये दिये गये हैं यह अरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के भ्रनु-सार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 19th September 1985

No. A. 32013/1/83-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Pradeep Mehta, a permanent Engineer in the office of Union Public Service Commission 26 Senior Engineer (Group 'A') in the Commission's office on ad-hoc Basis for a period from 1-9-1985 to 30-11-1985 or until further orders whichever is earlier.

2. The appointment of Shri Pradeep Mehta as Senior Engineer for the above said period is purely on ad-hoc basis and will not confer upon him any title for regular appointment or seniority in the grade.

The 25th September 1985,

No. A 32014/1/85-Admn.III. -- The President is pleased to appoint the following regular Assistants of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Period of ad-hoc apptt.
1. Shri Bas	ent Singh (SC)	45 days w.e.f. 27-9-1985
2. Shri M.I	L. Verma-I	45 days w.e.f. 27-9-1985

The 27th Scptember 1985

No. A. 12025 (ii)/1/84-Admn. III.—Consequent on his nomination by the Department of Personnel and Training wide their O. M. No. 5/11/85-CS. I, dated 9-9-1985, for inclusion in the Sleet List of Section Officers' Grade for the year 1984 (seniority quota) in the CSS cadre of the Minstry of Petroleum. Shri S. K. Bansal, officiating as Section Officer in the CSS cadre of the Union Public Service Commission is relieved of his duties in this office on the forenoon of the 1st October, 1985.

M. P. JAIN Under Secretary (Per. Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG. ADMN. REFORMS. PUBLIC GRIEVANCIES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

New Delhi-110003, the 8th October 1985

No. A/12025/2/79-AD.V.—The Director/CBI and Inspecto General of Police/SPe hereby appoints the following as Dyr Supdts. of Police from the date mentioned against each on regular basis until further or ders:

S. No. Name of the office	τ	Branch in which posted	Date from which appointed as DSP
1. Shri H.C. Bisht	•	Dahradun	18-4-1984
2. Shri D.N. Choudhury	•	· CIU(A)	3-9-1985
3. Shri M.B. Godbole	•	· GOW/	3-9-1985
		Bombay	
4. Shri Satish Chander		· Silchar	3-9-1985
5. Shri D.K. Chaudhury		· CIU(E) I	3-9-1985
6. Shri G.N. Gupta ·	•	· Visakha-	3-9-1985
		patnam	
7. Shri Gauri Prasıd	•	· SIC	3-9-1985
8. Shri Harbhajan Ram	-	· SIC	3-9-1985
9. Shri Albert Kanarc		· GOW/	3-9-1985
		Bombay	

The 9th October 1985

No. $\Lambda/19036/9/77$ -AD. V.—The services of Shri G. M. Ambedkar, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed at the disposal of Government of Maharashtra with effect from 31st August, 1985 afternoon on superannuation.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 7th October 1985

No. 18/20/85-Adm. II.—Shri A. S. Sangameswaran, Assistant, Central Forensic Science Laboratory, Hyderabad is appointed as Section Officer on promotion in the Bureau of Police Research & Development, New Delhi on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th September, 1985 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

The 11th October 1985

No. 13/1/83-Adm. I.—Shri P. R. K. Murty, ad-hoc Scnior Personal Assistant is appointed to officiate as Senior Personal Assistant on regular basis with effect from 17-9-85. The post of Senior Personal Assistant is in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 7th October 1985

No. E-32015 (4)/77/85-Pers. I.—On transfer on deputation Shri Virender Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit ASP Durgapur with effect from the forencon of 30th August, 1985.

No. E. 32015 (4)/80/85-Pers. I.—On transfer on deputation Shri S. C. Joshi, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit CPT, Calcutta with effect from the forenoon of 2nd September, 1985.

No. E-37015 (4)/79/85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri A. C. Dubey, assumed charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, HEC Ranchi with effect from the forenoon of 1st September 1985.

The 8th October 1985

No. E. 32015 (4)/47/85-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri S. N. Biswas on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit KCC Khetri with effect from the forenoon of 29th August, 1985.

No. E. 32015 (4)/78/85-Pers, I.—On transfer on deputation Shri Bhagwan Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the afternoon of 30th August, 1985.

The 9th October 1985

No. E-16013 (2)/1/81-Pers, I.—Consequent upon his repariation to State cadre, Shri Gurcharan Singh Bhullar, IPS (PB: 66) relinquished charge of the post of Commandant

CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 13th September, 1985.

No. E-31013 (2)/1/85-PERS, L.—The President is pleased to promote the following officers (Assistant Commandant—ad hoc/Inspector/Exe) to officiate in the rank of Asstt Commandant on regular basis wef 2-9-85 without prejudice to the claim of other Asstt Commandant ad-hoc/Inspector (Executive) whose orders of regularisation/promotion to the rank of Asstt Commandant are being issued separately. Orders regarding inter-se-seniority of these officers will be issued in due course:—

- 1. Shri S. S. Shukla
- 2. Shri Nathuni Ram
- 3. Shri P. D. Khullar
- 4. Shri Krishna Chandra
- 5. Shri D. R. Jangada
- 6. Shri M. Chhetri
- 7. Shri R. S. Khatri

The 10th October 1985

No. E-16013(2)/1/81-Pers.L.—Consequent upon his repatriation to State cadre on promotion, Shri D. S. Bhullar, IPS (PB: 64) will be deemed to have relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the afternoon of 14th September. 1985 after availing leave sanctioned to the officer from 8-4-85 to 14-9-85.

The 11th October 1985

No. E.32015(4) /82/85-Pers.I.—On transfer on deputation Shri Gurbachan Singh, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit BCC1 Iharia with effect from the forenoon of 23rd September, 1985.

No. E-16013(1)/20/85-Pers.L.—On transfer on deputation, Shri S. C. De, IPS (OR: 61) has assumed the charge of the post of Dv. Inspector General (ADM) CISF Hgrs.. New Delhi w.e.f. the forenoon of 10th October, 1985.

D. M. MISRA. Dir. Genl./CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 10th October 1985

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint by promotion Shri A. P. Gupta. Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 23rd September, 1985, until further orders.

- 2. The headquarters of Shri Gupta will be at New Delhi.
- 3. He will be on probation for two years.

V. S. VERMA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) CURRENCY NOTE PRAESS

Nasik Road, the 19th September 1985

No. ESC-1-21,—General Manager, Currency Note Press is pleased to appoint Shri Sohanlal (SC) Store-Keeper as Stores Officer (Group B Gazetted) in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 purely on ad hoc basis initially for a period of six months with effect from 19th September 1985 (F.N.) or till the regular appointment is made whichever is earlier

S. D. IDGUNJI. eneral Manager INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES-1

New Delhi, the 9th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 268.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shii M. V. Ramakrishnan, a Permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the atternoon of 31st October, 1985. His date of birth is 5th October 1927.

The 10th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 262.—The Director of Audit, Central Revenues-I hereby appoints the following permanent Section Officers (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 30-9-1985 until further orders:—

S. No. & Name

- 1. Shri Sardari Lal.
- 2. Shri C. L. Gulati.

The 11th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 271.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri O. P. Batra a Permanent Section Officer (now Asstt. i ultimate office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs 840-1200 with effect from the forenoon of 8th October 1985 until further orders.

Sd/- 1LLFGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKSJ& MISC.

New Delhi, the 8th October 1985

No. O. O. No. Admn. III/39.—The Director of Audit, Commerce Works & Misc. New Delhi hereby appoints the following officiating Audit Officers of this office in a substantive capacity as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the dates shown against them:—

S.N o.	Name					Ī	Date	of
		u -				C c	nfirm	ation_
1. Shri R.B.	Jauhari		•	•			1-4-	1985
2. Shri R.K.	Gupta	•	٠	•	•	•	1-7-	1985

R.P. SINGH Dy. Dir. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500463, the 1st October 1985

No. 120.—The Accountant General (A&E). Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against his name until Juther orders:

Name & Date of assumption of charge

Shri K. Appa Rao-01-10-1985 F.N.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, if any, and also subject to the result of the writ petitions pending in the Andhra Pradesh High Court/Supreme Court.

Sd/- II LEGIBLE Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum-695 039, the 30th September 1985

No. Estt/A/V/9-86 Vol II/188.—The Accountant General (Λ&E) Kerala is pleased to appoint Shri K, Sreedharam (No. 3) Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 17-9-1985 Forenoon until orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Honble High Court of Kerala in Civil Miscellaneous Petition No. 1749 484-K in O. P. No. 750/84 K.

S. B. PILLAY

Senior Deputy Are

.F)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I MAHARASHTRA

Bombay-20, the 1st October 1985

No. Admn. I Audit/Genl/AO/1(1)/10.—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sl. No.	Name	a_		 	D appoin Audit (
1. Shr	i A.S. Manoli		•		5-9-1985	F.N.
2. Shr	i R.K. Maladkar	•	•		29-1985	F.N.
				 	·	

H. SUBHALAKSHMI S. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FY. BOARD

D. G. O. F. HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 20th September 1985

No. 10/85/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Smt. Ranu Das, Offg. Asstt. as Asstt. Staff Officer (adhoc) in an existing vacancy without effect on seniority w.e.f. 31-7-85 (FN) until further orders.

- 2. The above promotion shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. The above officer assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 31-7-85 (FN).

S. DASGUPTA
Director/Admin
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700001, the 3rd October 1985

No. 09/85/A/M.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Director of Health Services as Deptuty Director of Health Services with effect from the date mentioned against each until further orders:

SI. No.	Name	Posted at	Date
1.	Dr. R.K. Shah	· · Ordnance Factory Board.	13-9-1985

C. M. MATHUR Addl, DGOF/Member (Personnel)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 11th October 1985

No. 17,6/77-Estt(.).—On attaining the age of superannuation, Shri S. T. Swami, Administrative Officer, Regional Labour Institute Madras under this Directorate General retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August 1985.

S. B. HEGDE PATIL Dy. Director General

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110 011, the 10th September 1985 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1203/77-Admn.(G)/588.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Sharma Controller of Imports and Exports in this Office retired from Government Service with effect from the afternoon of the 31st August, 1985.

The 7th October 1985

No. 6/1212 77-ADMN(G)/1014.—On attaining the age of superannuation Shri G. H. Manghani, Controller of Imports & Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports Bombay retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st July, 1985.

SENKER CHAND Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

(DEPTT, OF TEXTILES)

OFFICE OF COMMISSIONER OF PAYMENTS

New Delhi-110001, the 19th August 1985

F. No. 14(16)/85-CP.—On transfer from the Ministry of Commerce. Department of Textiles, Shri Vijav Kumar Verma, Stenographer Grade 'C' of CSSS in the Ministry of Commerce, has been appointed as Senior Personal Assistant in the office of Commissioner of Payments in the scale of Rs. 650-1040 with effect from the forenoon of 1st August, 1985 on deputation basis.

The period of his deputation will be one year in the first instance. During this period Shri Vijay Kumar Verma will be governed by the orders contained in the Ministry of Finance. Deptt of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-F.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

C. D. CHEFMA Commissioner of Payments

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 30th September 1985

No. 10(18)/82-Admn.VI.—On attaining the age of superannuation, Shri M. D. Patel, Director (Western Region), Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Rombay, retired from Government service, with effect from the afternoon of 30th September, 1985.

SHIROMANI SHARMA
Development Commissioner (Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th October 1985

No. 12(428)/64-Admn.(G)Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Sinha, Director (Gr. II) (Metallurgy), Regional Testing Centre, Calcutta as Director (Gr. I) (Metallurgy) at the same station with effect from the forenoon of 6-9-1985 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 27th September 1985

No. A-1 '1(1206).—The President has been pleased to appoint Shri P. Bhengra, Assistant Director, (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Inspection, Calcutta, to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. I) on regular basis in the same office with effect from the forenoon of 23rd August, 985.

Shri Bhengra will be on probation for two years with effect from 23-8-1985 (FN).

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Admn)
for Director General of Suuplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 9th October 1985

No. Λ -6 ^247(537) II.—The President is pleased to appoint Shri J. V. Jois, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular officers/seniors report for duty whichever is earlier.

2. Shri Jois relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the forenoon of 9th September, 1985 and has assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) on the same day in the office of Director of Inspection, Bombay.

No.A-6 '247(551) IV.—The President is pleased to appoint Shri S. Mishra, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate of Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) in the pay scale of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of Six months or till the regular officers/seniors report for duty whichever is earlier.

2. Shri S. Mishra relinquished charge of the post of Asstt. nspecting Officer (Engg.) in the afternoon of 9th September, 1985 in the office of Director of Inspection, Bombay and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in that office on the same day.

R, P. SHΛHI Dv. Director (Admn.)

ISPAT KHAN AUR KOILA MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 1st October 1985

No. 4699D/A-19012(3-JPS)/83-19B.—Shri Jagdish Prasad Sharma, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 13-2-85 (AN). 36—306GI/85

The 9th October 1985

No. 9627B/A-19012(AKY)/84/19A.—Shri Ashok Kumar Yadav is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650 30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-7-85, until further orders.

No. 9636B/A-19012(3-SRP)/85-19B.—Shri Santi Ranjan Pal, Senior Tech. Asstt. (Chemical), GSI, has been appointed on promotion to the rost of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22nd August, 1985, until further orders.

A. KUSHARI Director Personnel) Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th October 1985

No. A-19011(16)/70-Estt.A.—Shri C. P. S. Naïr, permanent Regional Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, on his promotion to the post of Controller of Mines in Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Adviser (Science and Technology) Ministry of Steel Mines & Coal, New Delhi and assumed the charge of the post of Controller of Mines at New Delhi, with effect from afternoon of 9-9-85 until further order.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun-248001, the 7th October 1985

No. C-6270/718-A.—The undermentioned officer is appointed to officiate as Fstablishmen t and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 849.—40—1000 .—EB—40.—1200 with effect from the date as shown against him, on regular bosis:—

		from
e Superintendent	South Eastern Circle office Bhab ineshwar	7-8-85 (F/N)
	V.M. Gajre se Superintendent cate)	e Superintendent Circle office

G.C. AGARWAL, Mojor General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township-202389, the 11th October 1985

No. NAPP/Adm/4(40)/85/S/11742.—Officiating appointment on ad hoe basis of Shri Vijay Pal Singh, a Quasi-permanent Assistant Security Officer in this Project, as Security Officer, notified vide notification No. NAPP/Rectt./12(2)/84-S/7138 dated August 18, 1984, stands terminated with effect from the afternoon of August 13, 1985.

R. K. BAJ I Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 24th September 1985

Ref. No. DPS/41/16.85-Adm./26583,---The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Ponniah, a permanent Jr Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 14-5-85 (FN) to 15-6-85 (AN) in the same Directorate vice Shri G. R. G. Choudhary, Asstt. Stores Officer granted Jeave.

The 3rd October 1985

Ref. No. DPS/2/1(7)/85-Adm./26736.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. Y. Arckar, a permanent Storekeepar to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 13-8-1985 (FN) to 31-12-1985 (AN) in the same Directorate.

The 8th October 1985

Ref. No. DPS/41/8/85-Adm/6881.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. G. Baby, a permanent Jr. Storckeeper and officiating Storckeeper to officiate as an Assit. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-85 (FN) to 7-6-85 (AN) in the same Directorate vice Shri R. N. Prabhu, Asstt. Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 3rd October 1985

No. NPB/3(40)/76-Estt. I.—Director (Engineering), Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri P. Surendran, a permanent Assistant Security Officer and Officiating ASO (SG) in DFM as Security Officer in this Board in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 26, 1985 until further orders.

G. A. KAULGUD General Administrative Officer for Director (Engg.)

REACTOR RESEARCH CENTRE Kalpakkam, the 3rd September 1985

No. A. 32023/1/85-R/429.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Ridhan Rihari Ray, a temporary Sub Officer of this Research Centre as Station Officer in the same Centre for the period from 8-7-85 to 7-12-85 in an officiating capacity on an ad-hoc basis vice Shri S. Royappa, Station Officer proceeded on training.

The 7th September 1985

No. RRC/A 32014/20/85-R/424, --Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this centre as Temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1009-EB-40-1200 with effect from February 1, 1985.

SI. Name	Present	st tus
1. Shri A. Thiravengadasami	Permanen Officiatin tant 'C'	t SA 'B' and ng Scientific Assis-
2. Shri M. Gan pathy	. Permanen Officiatio Assistan	Scientific
3. Shri D. Krishnamoorthy	Permanen Officiat Assista	ing Scientific
4. Shri N. Vijayaraghavan	. Officiating	g Tradesman 'C'
5. Shri K. Sasikumar .	. Officiating	Tradesman 'C'

KUM. S. GOPALAKRISHNAN Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

JSRO SATELLITE CENTRF

Bangalore-17, the 30th September 1985

No. 020 1'(15.4)/85-Estt.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Smt. K. Usha from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of April 11, 1985.

II. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th September 1985

No. A. 31013/2/83-E. I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Singh at present officiating as Director of Training and Licensing to the grade of Deputy Director of Air Safety (Operations) in substantive capacity in the Office of the Director General of Civil Aviation with effect from 1-5-1983.

The 1st October 1985

No. A. 12025/3/83-EI.—The President is pleased to appoint Shri Bimal Kumar Shrivastava to the post of Assistant Director (Maps & Carts) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600, in an officitaing capacity w.e.f. 27th Sept., 1985 (forenoon) and until further orders.

The 4th October 1985

No. A. 32013/12/83-EI.—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/12/83-EI, dated the 26th Sept.. 1984, the President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri T. C. Abluwalia in the grade of Director of Airworthiness for the period from 26-3-1985 to 8-9-1985.

The 7th October 1985

No. A. 32013/9/84-FI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Deputy Director of Communication to the grade of Director of Communication on a regular basis with effect from 19th Sept., 1985 (forenoon) until further orders.

No. A. 32013/10/84-EI.—The President is pleased to appoint S/Shri T. C. Ahluwalia & S. Ranjan adhoc Director of Airworthiness on a regular basis in the same grade w.e.f. 9-9-1985 until further orders.

J. C. GARG Joint Director of Administration

The 12th September 1985

No. A.32013/2/81-EC(.).—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A.32013/2/81-EC dated the 27th August, 1984, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri D. Krishnamoorthy, in the post of Technical Officer in the Civil Aviation Department for the period upto 31-7-1984.

2. The extension of period of ad-hoc appointment of Shri D. Krishnamoorthy in the post of Technical Officer will not bestow on him any claim for regular appointment in the grade and the service rendered on ad-hoc basis would count neither for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN Deputy Director of Administration

New Delhi, the 7th October 1985

No. A.12025/6/84-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Maltaparti Reddi as Store Officer in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay in an officiating capacity with effect from 10-9-85 (F.N.) and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

VED PARKASH Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

New Forest (Dehra Dun), the 7th October 1985

No. 16/312/78-Ests-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation Shri H. S. Gahlot, Research Officer, Wood Preservation Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the service with effect from the afternoon of 30-9-1985.

No. 16/245/79/Ests-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation. Shri P. S. Paval, Research Officer. Forest Influences Branch, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is retired from the service with effect from the afternoon of 30-9-1985.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 8th October 1985

No. \A-19012/1070/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B). Chairman, Central Water Commission appoints Shri Chandeshwar Singh, Supervisor to the grade of Fxtra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D./A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 9th October 1985

No. A-19012/1079/85-Estt.V.—In supersession of this Commission's Notification No. A-19012/1079/85-Estt.V dated 17th June, 1985, Chairman, Central Water Commission appoints Shri Prabir Kumar Burman, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a

purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-EB-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 8-3-1985.

No. Λ-19012/1098/85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Ram Pukar Chaudhary, Supervisor, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of 26-4-1985.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/ ΔE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secretary Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th October 1985

No. 32/3/85-ECII.—The following officers in the grade of EE (Civil) in CES Group 'A', CPWD retired from Govt. Service on attaining the age of superannuation on the dates noted against each:—

S1. Name of the No. Officer	Date of Superannuation	Last posting as
S/Shri		
1. S.B. Gopalakrishiv	31-8-85 (AN)	EE (Val.), Income Tax Department, Banga- lore.
2. P. Palení	31-8-85 (AN)	SW (Civil) PWD Circle V(DA), New Delhi.
3. B. R. Rao	30-9-85 (AN)	EE (Val.), I. T. Department, Hyderabad.
4. S. C. Mittal	30-9-85 (AN)	EE (C) DDU Hospital Project PWD (Delhi Admn.), New Delhi.

K. C. DEHURY Dy. Dir. of Administration For Dir. Genl. (Works)

(1) Shri Salil Chandra Chakravorty, Chakravorty Lane, Budha, Asansole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sanat Kumar Dutta. Dustson Avon Stove, 9, Thana Road, Asansole.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd September 1985

Ref. No. AC-13|Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35 situated at Chakravorty Lane, Asansole (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Asansole on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) by any of the atoresaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 4.31 Cottahs with building, Addiess: 35, Chakrastorty Lanc, Budha, Asansole, Deed No.: 1104 of 1985.

S. K. BANERIEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 3-9-1985

Seal:

M|s. Shree Agencies, 237 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raviraj Nemayya Shetty, 1282-Santosh Niwas, Risala Road, Khan Bhag, Sangli. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc, the 13th September 1985

Ref. No. IAC AC&/CA-5/2/1985-86/37-EE.—Whereas, I, ANH. KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 (- and bearing No. C.T.S. No. 1745 (Extension) Malge Plot. Zone R-3. Galpeer Sangli, Sangli situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu. Range Pune in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1944 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1745 (Extension) Malge Plot Zone R-3, Gar-

cert Sangli, Sangli. (Area 728 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 2|1985-86 in the month of June, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Ł

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1985

Scal:

M|s. Ramesh Builders, 618, Sachapir Street, Punc-1. $\eta(1)$

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mina Sunderji Popat, B 14, Hermes Park, 30 Bund Garden Road, Punc-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|2177|1985-86,---Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 615 Sachapir Street Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betate the protection of the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop with Mazanine in Meher Apartment situated at 615 Sachapir Street, Pune-1. (Area 500 sg. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range. Pune under document No. 2177 [1985-86 in the month of July, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following Persons, markely :-

Date: 6-9-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107. KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 5th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/16649/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. I and bearing S. No. 44-A, H. No. 1/1-A (Part) or C.S. No. 3090-A (Part) Kalyan situated at Kalyan

(and more fully described in the Schedule ensexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than some execution of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

> or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

> facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the Softowing persons, namely:-

(1) Alguj Constructions and Estates (P) Ltd. 219 Sai-Vihar, Shivaji path, Kalyan.

(Transferor)

(2) M.s. Patel Builders, 4-Sahakar Sadan, Mancklal Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Sazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

INPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land bearing S. No. 44-A, H. No. 1]1-A (Part) or C.S. No. 3090-A (Part).

(Property as described in the agreement to sale registered in the chice of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 16649 1984-85 in the month of May, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 5-9-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|16302|1984-85.—Whereas, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing No. 100.000]—and bearing No. Plot No. 48 in District Business Centre. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer Camp. Pune-1 situated at Pune at IAC, Acqn. Range, Pune in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/5, Liberty Investments Pvt. 1td., 83, Jail Road (South), Bombay

(Transferor)

(2) M/s. Vardhaman Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (F), Bombay. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48 in District Business Centre, Vashim, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 16302 1984-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 4-9-1985

Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KORFGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 2nd September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37FE|1797|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the inconne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 7, on 5th floor 2010 A Gafar Beg Street,

Camp, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oilice of the Registering Oilicer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a lacilitating the teduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in texpect of any income arising from the transfer nad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

37-306 GI/85

- (1)M|s. Jain Sharma Builders. 5|66-Mina Colony, Shankershet Road, Pune. (Transferor)
- (2) Mrs. Bina R. Daswani, Krishnakunj Flat No. 115, 2393-Thimayya Road, Pune,

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2010 A Gafar Beg Street, Camp, Pune-1. Flat No. 7 on 5th Floor.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 1797 1985-86 in the month of August, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 2-9-1985

37168

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramesh Maruti Mane,

(1) Vivek Sinnarkar & Associates, S. No. 686 2A | 1 Bibawewadi Road.

Pune.

(Transferor)

Bank of India. Piliv Branch, Tal. Malghiras, Dist. Solapur.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Calcutta, the 3rd September 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1998|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No Flat No. 11 at S. No. 686|2-A Bibawewadi, Pune situated

at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acn. Range, Pune in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11 at S. No. 686/2A Bibawewadi, Pune. (Area 667 sq. tt).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune_under document No. 1998|1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date : 3-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Pune-1, the 4th September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/10996/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 2nd floor in the building under construction on sub-plot No. 11, F. P. No. 85, C.T.S. No. 56 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Mar 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beth truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ed /or.
- (b) sacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Suma Engineering Pvt. Ltd. "Vidya" 93/2A Erandwana, Pune-4

(Transferor)

(2) Smt. Indu Shripad Bhoraskar, C/o Dr. Arvind Sangamnekar, Nursing Home Colony, 50-51 Laxmi Park, Navi Peth, Pune.

(Transferec)

Objections, if any, to the sequicition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on the 2nd floor in the building under construction on sub-plot No. 11, F.P. 85, C.T.S. No. 56. (Area 1150 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10996/1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc-1, the 2nd September 1985

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/533/1985-86.---Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. B-103 on the first floor of Mangalum situated at Village Navghar, Tal. Vasai. Dist. Thane situated at

Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 268°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Mahavir Construction Co. a partnership firm having their office at Lal Godown, Vasai Road, West, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) H. R. Mehta, 101/A Omshreenath Cooperative Housing Society Ltd. Subhash Lane, S. M. Road, Kandivli West, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-103 on the first floor of Mangalam situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 533/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 6-9-1985

(1) D. J. Builders, 1 Rishikesh Society College Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Lokesh K. Sherade, C/o Sargam Industries, F-40, Satpur Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1984-85/733.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

oeing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mai'l Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 4, S. No. 712/1-6 Gangapur Housing Colony, College Road. Nasik situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune m April, 1985

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faur market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thtat Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of Ran moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 4, S. No. 712/1-6 Gangapur Housing Colony, College Road, Nasik. (Area 500 sq. ît.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 733/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691 of the said Act to the tollowing persons, namely :--

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. IAC. ACQ/AC-5/37EE/13120/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, on ground floor in building Lok Shilp at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Punc in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen 1-r cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Lansferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. 14 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E).

(Transferor)

(2) Mr. O. P. Bhatin, A-22, RH II Sector 6, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on Ground floor in building Lok Shilp at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13120/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(ax
Acquisition Range, Pune.

Date: 5-9-1985

FORM LT.N.S.

M/s. Makwana Construction Co. Divine Terrace, 913/914 Synagogue Street, Poona-1 (Transferou)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilipkumar Anraj Lalwani, 681 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE-1

Pune-1, the 5th September 1985

Ref. No. 1AC.ACQ/CA-5/37EE/2184/1985-86.-

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the moome Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Nirmala Apartments, 43 Bhavani Peth, Pune-2, Flat No. 7 at Illrd floor situated at Pune (and more fully described in the Schedule appared hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range Pune in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(iii, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapta

THE SCHEDULE

Nirmala Apartments, 43 Bhavani Peth, Punc-2, Flat No. 7 at IIIrd floor, (Area 870 sq. ft.)

' (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2184/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 5-9-1985

7772

FORM FINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 6th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/2005/1985-86.— Whereas, I, ANII. KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Plot No. 34, S. No. 26, Village Kothrud, Tal. Haveli Dist Pune (Dahanukar Colony) situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (D) racintating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the anguisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, damely '--

- (1) 1. Shri Ajayya M Madan, 25 Walchand Terrace, Tardeo Road, Bombay and
 - 2. Shri DJip P. Upalekar, 3rd floor, Sadguru Mansion, 444 Manmala Tank Road, Mahim. Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. R. S. Malgi, Hule Building, 404 Shaniwar Peth, Pune-30.
 - 2. Shri V. R. Kulkarni, 160 Sahakarnagar No. 2, Shobhanagar Society, Punc-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34. S. No. 26, Village Kothund, Tal, Haveli, Dist. Pune (Dahanukar Colony).

(Area 6810 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2005/1985-86 in the month of June 1985).

ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 6-9-1985

Scal ::

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE U COME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, he 16th September 1985

· Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37FE/12444/1984-85.—ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000}- and bearing No. Plot No. 129, 1229 Shukrawar Peth, Pune situated at Punc

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons Tankety 38—306 GL/85

(1) Shri Bharat Keshavlal Shah, E-90 Admath Sahakari Griharachana Ltd., Pune—Satara Road, Pune.

(Transferor)

(2) M/s. Cadre Limaye & Associates, 626 Narayan Peth, Pune-30. Partners: 1. Shri Gadre Ravi Madan,

2. Limaye Pandurang Govind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 129, 1229 Shukrawar Peth, Punc.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12444/1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-9-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. S. Gauda, Asra Housing Society, Near Industrial Estate, Solapur.

(Transferor)

(2) Shivaling Tukaram Katare, Opp. P & D Dubal Post Box. No. 3627. U.A.R.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/54/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Venkatesh Apartment, Solapur 163/5 Railway Lines, solapur situated at Solapur

situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to befand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-tuent of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. it. respect of any income arising from the transfer end/or

Venkatesh Apartment 163/5 Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 54/1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 20-9-198:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/60/84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
One Flat No. A-5, first floor, in Tukaram Apartment, at 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur

Railway Lines. Solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16)

of 1908) in the office of the Registering Officer

IAC, Acqn. Range, June in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vivek Tukaram Kota, Rahul Builders,
 134, Railway Lines, Solapur, Dist. Solapur.

(Transferor)

(2) Shri Vishwaratna Arya, House No. 134, Tukaram Apartments, Flat No. A-3, Railway Lines, Solapur, Dist. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this autice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. A-5. First floor, In Tukaram Apartment, at 134, Railway Lines. Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 60/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

104/107, KOREGAON PARK,

PUNE-1

Pur.e-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/988/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ks. 1,00,000/and bearing
Apartment No. 406 Building No. 4 S. No. 27/1-B. Frundwana, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annoted held), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the officerorid property and Lance reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therfor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between his parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising fro mthe transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 M/s. V. Sanghavi Associates, 318/19 Chatushringi Road, Punc-16.

(Transferor)

(2) Dilip E Ganbote & Ashok N Ganbote, 115 Rasta Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 406 Building No. 4 S. No. 27/1-B Erandwana, Pune-4.
(Area 1200 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 988/1985-86 in the month of July, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to following persons namely:—

Date : 16-9-1985

Seal

M/s. Utkarsh Enterprises, 321/9 Mahatma Phule Peth, Shantinagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Ramtal Tekehand Rathod, 54/57 Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2384/1985-86.—
nereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to us the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Ref. 1,00,000]—and bearing
that No. Cal. First Theorems proposed building No. Cal. 58

In 1,00,000] and bearing that No. C-1, First floor in proposed building No. C at 158 Shukrawar Peth. Punc-2 situated at Punc (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other or the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Punc to July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market volume of the aforeaud property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other userts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein he are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

blat No. C-1, first floor in proposed building No. C at 258 Shukrawar Peth, Pune-2, (Area 820 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2384/1985-86 in the month of July, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 16-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2385/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rsfl 1,00,000/- and bearing
Rsfl 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-2, First floor in proposed building No. "C" at
258 Shukrawor Peth, Pune-2 stuated at Pune
tand more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

M/s. Utkarsh Enterprises, 321/9 Mahatma Phule Peth, Shantinagar, Pune-2.

(2) Shri Ashok Veerchand Palesha, 314/2 Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-2, first floor in proposed building No. C at 258 Shukrawar Peth, Pune-2. (Area 845 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 2385/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-9-1985 Seal:

FORM ITNS----

(1) Mohmed Iqbal Husein Ebrahim, Mansion, 1st floor, Shephered Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. A. N. Dharia, Panchagani, Mahableshwar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable research but in a full approach to the content of t property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. 19, Plot No. 250, TPS-III, Panchagani situated at

Panchagani.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in February, 1985

fact, Acqn. Range, Pune in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westing. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 19, Plot No. 250, T.P.S.-III Panchganj.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7/1984-85 in the month of Feb. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/107. KOREGAON PARK,
PUNG-1

Punc-1, the 20th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1803/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Nishigandh Apartments, S. No. 43/2A/IA, Paivati, Near Shivdarshan Rikshaw Stand. Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in hine 1985 for an apparent consideration and have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linking of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and have
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax 197 (27 of 1937))

(1) M/s. K Gomraj & Co. Plot No. 23B Gultekadi, Lali Bhayan, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Hemlata Dattatraya Kasture, C/o D. S. Kasture, 431/3 Maya Apartments, Gultekadi, Pune-37.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested u the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Nishigandh Apartments" S. No. 43/2A/1A Parvati, Near Shiydarshan Rikshaw Stand, Pune-30.

(Property, as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Punc, under document No 1803/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poona

New therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-9-1985

Sen1 :

· :---

(1) Vastu Sundar Sahakari Griha Rachana Maryadit, Sanstho C/o Walchandnagar Industries Ltd. 16, M. G. Road, Punc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. B. Londhe, W-2/4, Main Colony, Walchandnagar. Pune District,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, BUILD IN THE STATE OF T PUNE-1

Pune-1, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2547/1985-86.— Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001- and bearing Flat No. C/9 in Survey No. 155/1A/1A/1/1/1/2 of Mouje Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC, Acqn. Range. Pune in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) sucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C/9 in Survey No. 155/1A/1A/1/1|1|2 of Mouje, Aundh, Pune.
(Area 550 sq. ft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2547/1985-86 in the month of July 1985).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Date: 13-9-1985

Seal :

persons, namely : --39---306 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri S. M. Gathani, Partner, M/s. Gathani Enterprises, 612-B/1 Nana Peth, Latesh Society,

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri V. D. Karmarkar, 2075 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-I

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12046/1984-85.— Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 13, in Building A at C.T.S. No. 1144 Sadashiv
Peth, Near Perugate Police Chowky, Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any hicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 13 in Building A at C.T.S. No. 1144 Sadashiv Peth, Near Perugate Police Chowky, Punc-30,

(Area 690 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12046/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 16-9-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/668/1985-86.— Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. B-3 on first floor of Keshav Laxmi Apartments at 1466 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eversion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sane Sardeshmukh Associates, Gangadhar Chambers, 314 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Amrut Tukaram Shilimkar, 37/530 Netaji Nagar, Wanawadi, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3 on first floor of Keshav Laxmi Apartments at 1466 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 668/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poona

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/56/84-85.— Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing One Flat No. A-7, 1st Floor in "Tukaram Apartments" at 134 Railway Lines. Solapur situated at Solapur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flabshity of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any tnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Rahul Builders, 134 Railway Lines, Solapur-1,

(Transferor)

(2) Shri Ratanlal Pushraj Jain, House No. 134, Tukaram Apartment, Flat No. A-7, 1st Floor, Railway Road, Solapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Flat No. A-7, 1st floor in "Tukaram Apartments" at 134 Railway Lines, Solapur-1.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 56/1984-85 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Poonta

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc-1, the 16th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/122/1984-85.—Whereas, I, ANIL, KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. A-10. Second 'floor, in Tukaram' Apartment, 134 Railway Lines, Solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Rahul Builders, 134 Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

(2) Mrs. Subodh Krishnakuma_f Shrivastav, House No. 134, Tukaram Apartment, Flat No. A-10, 2nd floor, Railway Lines, Solapur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Flat No. A-10, Second floor in "Tukaram Apartment" 134 Railway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 122/1984-85 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Poons

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12129/1984-85,—Whereas, I, ANIL, KUMAR,

being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with delapilated structure thereon bearing C.T.S. No. 129, Kasba Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Runge, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--Scal:

(1) Shri Suhas Moreshwar Dhere, 129 Kasba Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Shri Deepak T Punde, 987 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with delapilated structure thereon bearing C.T.S. No. 129 Kasba Peth, Punc-11.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12129/1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, . Poons.

Date: 23-9-1985

FROM I.T.N.S.---

(1) M/s Rahul Builders, Partner, 134 Railway Lines, Solapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vinodkumar Ratanlal Jain, House No. 134, Tukaram Apartment, Flat No. 8, 1st Floor, Railway Lines, Solapur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106, 107, KOREGAON PARK

PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :---

Pune-1, the 23rd September 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/59/1984-85.--Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. One Flat No. A-8, First floor, in Tukaram Apartment at 134 Railway Lines. Solapur, situated at Solapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One flat No. A-8, First floor, in Tukaram Apartment, at 134 Railway Lines, Solapur,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 59/1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poonts

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 23-9-1985

Seal

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106, 107, KORFGAON PARK PUNE

Pune-1, the 24th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4726/1985-86.--Whereas, I.
ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 9 out of Plot No. 7, 8 & 9 situated at Veoor Village, Tal. Palghar. Dist. Thane and bearing Survey No. 50/1 & Hissa No. 1 to 81/3,

situated at Thanc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Punc in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Vinay M Borkar, Practid Benefit Trust, At Andheri, Bombay.

(Transferor)

(2) M. N. Borkar, C o √. M. Borkar, Prasad Benefit Trust, At Andheri, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 out of Plot No. 7, 8 & 9 situated at Veoor Village, Tal, Palghar, Dist. Thane and bearing Survey No. 50/ 1 & Hissa No. 1 to 81/3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 476/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106, 107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 24th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/508/1985-86.—Whereas, I AND KUMAR,

ANII. RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 16, Building No. 4, Ramkrishna Nagar Highway, Those, situated at Thane, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has have transferred and reads to Resistantian Act, 1908 (16).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer JAC, Acqu. Range. Pune in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of unsfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atore aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act by the following persons, namely — 40—306 GI85

- Vastu Vikas Mandai, Koustubha Building, Sambhaji Road, Vishnunagar, Naupada, Thane. (Transferor)
- (2) Shri Shirish Manohar Nikam, 15/228 Sardar Nagar No. 4, Sion, Koliwuda, Bombay,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this pointer in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the sald Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Building No. 4, Ramkrishna Nagar, Highway, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 508/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poonty

Date: 24-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/2-85/816.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000!- and bearing No. C-79 & 80, Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

(1) Shri Brij Bhushaa Bhagat 3/o Shri Darshan Dayal Bhaget R/o C-79, D. S. Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Dass Anand S/o Shri Nathu Ram R/o J-4/13, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used negern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed Qr. No. C-79 & 80 at Ramesh Nagar, New Delhi both mg. 123.66 sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

37193

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No IAC Acq.IJ/SRI/2-85/821.—Whereas, 1, K. VAŞUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

and bearing No.

H N. 31/3. West Patel Nagar situated at New Doihi,
(and more fully described in the schedule ennexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1961
(43 of 1961) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in February 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) taxilitating the reduction or evales of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harkishan Lal R/o 31/3, West Patel Nugar, New Delhi.

Transferor)

(2) Shri Chetan Dev & Smt Rama Chora R o 23/27, West Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H.N. 31/3. West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/2-85/822.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act') have reason to believe that the immovable

responsible to the reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. H/21 Kirti Nagar Vill. Bassai situated at Darapur Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1983 New Delhi in February 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :~

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(h) Shri Som Parkash Sharda S/o Shri Munshi Ram Sharda R/o H-21, Kirti Nagar New Delhi.

Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Sachdeva S/o Shri Mangal Dass & Smt. Chandan Sachdeva, W/o Shri Amrit Lal Sachdeva R/o 63-C, S.S. Rumesh Nagar. New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. H/21 mg. 200 sq. yds. situated at Kirti Nagar area of Vill Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Joginder Singh sons of Shri Nirmal Singh, residents of 7/22 Punjabi Bugh New Delhi. -

(1) S/Shri Harbans Singh and

(Transferor)

(2) S Sini Sunder Lal, Bhim Sain Shiv Kumar, Sons of Late Shri Tale Ram R/o 82/99, Pachhim Vihar, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. JAC/Acq.II/SRI/2-85/823.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. Punjabi Bagh 22 on Road No. 7 structed of New Dalk.

situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The and terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold property (Rear portion) of house built on plot No. 22 Road No. 7 meas. 180.89 sq. yds. (half of the total trea of 361.78 sq. yds.) situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

Date: 16-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, i.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC Acq. II-SRI-2-85 824.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Plot No. 162, Block F Mansrover Garden Vill. Bassai Dara-

pur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of

1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb. 1985. for an apparent consideration which is less than the fair market valueof the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a() facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Surjit Singh of (late) Shri Vir Singh R|o Plot No. 131, Satya Nagar, New Capital, Bhumbaneswar, Dist, Puri (Orissa).

(Transferor) (2) Sh. Suresh Kumar Sethi slo Sh. Thakur Dass Sethi, Rlo F-158, Mansarover Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 162, in Block F. measuring 297 Sq. Yds. situated in the colony known as Mansrover Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-If
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC|Acq II|SR-I|2-85[825.-Whereas I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Prop. No. E-78, Mansrover Garden situated at Vill. Bassai Daccour 'Delbi

Durapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and the property as aforesaid property and the property as aforesaid property and the property as aforesaid property as aforesaid property as a foresaid property and the property as aforesaid property as a foresaid property and the property as a foresaid property as a foresaid property and the property as a foresaid property and the property as a foresaid property as a foresaid property and the property and the property as a foresaid property and the prope said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the rid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :-

- (1) Shri Tarlochan Singh Slo S. Chattar Singh, R/o E-78. Mansrover Garden, New Delhi.
- (Transferec) Shri Bhagwan Dass Saluja, S/o Sh. Ram Parkash, Smt. Chetan Saluja, s/o Shri Joginder Math Saluja, Smt. Rita Saluja Wo Late Sh. Kahender Nath Saluja all Rlo Chuna Bhatta, G. T. Road, Sasaram (Bihar).

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-78, mg. 297.5 sq. yds. situated at Mansrover Garden, area of Vill. Bassari Darapur, Delhi State,

K. VASUDEVAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Turi
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 16-9-1985

Shri Rikhi Chand Khanna,
 R|o 51|46 Naya Ganj, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

() M|s. Geepee Auto Corporation, 146, Morti Gate, Delhi.

(Transferee)

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC|Acq. 11|SR-I|2-85|826.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Jocome-that Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001 and bearing No.

Property No. 1/146 Ganda Nalla Mori Gate, situated at Delhi,

tand more fully described in the scheduled annexed here to) has been transferred under Registration Act 1961 (16 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I needs initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: Demely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/146, Ganda Nalla, Morti Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 16-9-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Amar Singh Soo Shri Sohan Singh Ro M-68, Kirti Nagar, New Delhi.

(2) Shri Cin Parashad Singh s/o Shri Kartar Singh R/o 28/76 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
G-13. GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 16th September 1985

IAC, Acq. 11/SR-1, 2-85, 827.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property begins a full manufacture of the said Act. movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Property No. M-68, Kirti Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Property No. M-68, measuring 200 Sq. vds. situated in the abadi of Kirti Nagar, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (t) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

41---306 GI/85

Date: 16-9-1985

(1) Sh. Narbir Inder Singh, Bhagwan & Nandhir Inder Singh Sons of Sh. Sudedar Nand Singh R/o F-14|44, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jai Dex Molhotra, (2) Sh. Rakesh Malhotra Shri Mukesh Malhotra, Son of Sh. B. N. Malhotra R/o F-1/3, Model Town, Delhi, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DFLHI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/2-85/838.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-14A|20 Model Town, Vill. Malikpur, situated at Chhaoni,

Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of

1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

S.S. House on plot No. D-14A/20, mg. 455 sq. yds. situated at Model Town area of Vill. Malikpur, Chhaoni, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/2-85/831.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3C/9, New Rohtak Road, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985

New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raminder Kaur Sodhi, R/o 3C/9, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Anil Chaudhary; 2. Santosh Chaudhary; 3. Janak Chaudhary R/o 892, Joshi Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single Storey H.N. 3C/9, New Rortak Road, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

Seal.

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION' RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II-SR.I/2-85/832.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 7, Kewal Park, Azadpur, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or t at which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Kanta Rani w/o Sh. Daulat Ram Ahuja R/o Gali Seth Mohan Lal Kakar, Fazilka Distt. Punjab.

(Transferor)

(2) S/Shri Bishamer Dayal Aggarwal, Jai Kishan Aggarwal, Sons of late Shri Nahana Ram Aggarwal R/o Vill. Sarai Pipal Thalla, Delhi-33.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No 7, measuring 300 Sq. Yds. at Kewal Park area of Vill. Azadpur, with bounded walls.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhl, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR.I/2-85/833. -Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vishwa Apartments situated

Rs. 1,00,000,7- and bearing No. Vishwa Apartments situated at Metcalf Road, 3, Shankarcharya Marg, Civil Line, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Alopi Pershad Bansal S/o Late Shri Ram Kishore R/o No. 5-G, Vishwa Apartments, 3, Shankaracharya Road, Delhi-54.

(Transferor)

(2) I Shri D. N. Singhania S/o Toder Mal: 2. Smt Kunta Singhania w/o Sh. D. N. Singhania, R/o No. 70, Lack Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 API ANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor on Block No. 5, in Group Housing Scheme known as Vishwa Apartments situated at 3, Metcalf Road, known as 3, Shankaracharya Marg. Civil Line, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-try
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 16-9-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/2-85/334--Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Qr. No. 19/3, West Patel Nagar situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Yudhisther Lal R./o 19/3, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

1. Shri Kulbhir Singh;
 2. Shri Amrik Singh Bhalla,
 R/o 23/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Or. No. 19/3, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date . 16-9-1985

Seal'.

37205

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Ganga Dhar Sharma S/o Sh. Raghunath Pershud R/o A-CI/145-B, Shalimar Bagh, Delhi. (Transferor)

(2) Master Kautilya Chaudhary (minor) through his 19ther Sh. Satya De Chaudhary as natural guardian son of Shri Mahabir Pershad Chaudhary R/0 49, Rajasthani Udyog Nagar, G. T. Karnal Road, Delhi-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/2-85/837.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 45, Block 'D' in Vill. Sudhora Kalan, Delhi situated at Satyawati Nagar (and more fully described in the Schedule annexed 1, eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereni as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 150 sq. yds. plot No. 45, Block 'D' in Satyawati Nagar out of Kh. Nos. 86, 88, 89, 92 to 107 in Vill. Sadhora Kalan.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-9 1985

FORM ITNS ----

90 (ICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.U/SR-1/2-85/83/0838.—Whereas, I. K. VASUDEVAN,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-14/12A. Model Town, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in 1 cb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any tuoneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now incretore in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri S. Manmohan Singh Dessooza and 2. Smt. Prid recomp both reo Gogia Villa Pridi Desooza, J. B. Road, Patha (Bihar).

CI ransferor

(2) 1. sh. Guan Chand Bery, Keshay Chander Bery and 2 Gurdiat Singh Bery (HUF) all of B-7/140, Bery Building, Lakar Bazar, Ludhjana, Punjab. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property No. F-14/12A Model Town, Delhi measuring 233.3 square yards in area.

K, VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Pate: 16-9-1985 Seal:

WORM ITNS----

(1) Smt. Saroj Bala Gupta W/o late Shri Om Prakash Gupta R/o BJ-71, Sbalimar Gagh, Delhi.

may be made in writing to the underaigned :---

(2) Shri Kishom Unamir

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CK BUILDING, 1P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-1/2-85/841.—Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 101 situated at 100 Banarsi Dass Estate Timorpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. its respect of any income unising from the tables and / ne
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

S/o Late Shii Tirath Dass R/o Flot No. 101 Mezzanine Hoor No. 100, Banarsi Dass Estate, Timarpur,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any 'be per or interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Changet.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on mezzanine Floor, measuring 963. Sq. ft. approx. covered area and Balcony of 103.1875 sq. ft. in part property bearing No 100, at Banaisi Dass Estate, Timarpur, Delhi-7,

> K. VASUDIVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 200D of the said Act, to the followpersons namely :---42-306 GL/85

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq II/SR-1/2-85/844.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

182 Khasra No. 2237 Block C situated at Mansarover Garden.

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 224/85). New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weidth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Pushpa Wati w/o Sh. Bala Ram R/o 3268. Ranjit Nagar, N. Delhi-12 at present E-20 Mansarovei Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Gupta w/o Shri Babu Lal Gupta R/o A-9 Vishal Finclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 182, measuring 220 sq. yds. part of Khasra No. 2237, situated at Block C, Mansarover Garden, New Delhi.

K. VASUDFVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

year and a file file from the control of the contro

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq 11/SR-1/2-35/845.--Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the amovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. P. No. XIV/6299 (New) situated at Qasabpura Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1961) in the Cilice of the Registering Officer at New Delhi in help, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair has keen along of the abressoid evoperty, and I have reason to be over that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons conclus -

(1) Sh. M. N. Arunachalam S/o Sh. M. Narayanan R/o 153, Village Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Ch. Harnam Singh
S/o Ch. Budh Singh
R/o 27/10 Hast Patel Nagar, New Delhi
2. Ch. Surinder Singh
of Ch. Harnam Singh for self and as Karta
of Ch. Surinder Singh HUF S-37 Greater Kailash-I, (Transferee)

3. Ch. Jagit Singh S/o Ch. Harnam Singh 27/10 East Patel Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned "-

- of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. XIV/6299 (new), measuring 600 sq. mtrs, at Qasabpura, Delhi,

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46390/85-86/ACQ/B.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 39 situated at Kanakapura Road, Basayangudi Baagalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi under document No. 4743/84-85 on 25-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Golden Lotus Partnership firm represented by Partner Sri K. Fswary prasad 4503 High point, 45 Palace Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s Krest Development & Leashing Ltd. No. 29 Rajaji Salai, Madras-1.

(Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, FAPLANATION t - - The terms shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4743/84-85 Dated 25-2-85] All the property bearing No. 39 situated at Kankapura Road, Basavangudi, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 27-9-85 Seal :

— ::=== +*=* +====

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st August 1985

C.R. No. $62/R-1602/37EF_1/84-85/ACQ/B.--Whereas, 1$, R. BILARDWAJ.

the Committent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the in movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

Plot No. 26 & 27 (Old No. 37 4- 37A) situated at 26 M, G.

Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Aer, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at bangalore on 23-2-1985 (Under Registration No. 1362/84-85)

bangalore on 23-2-1985 (Under Registration No. 1502/04-05) on 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesau properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifee per cent of such repearent consideration and the the projection for such transfer as agreed to between that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) factitating the reduction or evasion of the hapfilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and /c.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Webbs Sel a and Services (P) Ltd., 26, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) M/s K, Kaheja Development Corporation. 28, Mahatan Gandhi Road, Bangalore-560 001,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the understance! --

- (a) by any to the aloresata actions within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the appeirs of notice on the respective persons. whichers busion expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives. in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regn. No. 1362/84-85 Dated Property bearing Nes. Pet Nos. 26 & 27 (Oid No. 37 & 37A) Together With the structures standing thereon-26, Mahatma Gandhi Road, Bangalore-560001. Total area 6.286 58 an missue 67.682 70 See Per Nos. 6,286,58 sq. mts. c.e. 67,668,70 Sq. ft.).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assidant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

'Date: 1-8-1985

PORM ITNS (1) Shri Olimpio Fernandes

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th October 1985

C.R. No. 62/Notice No. 1119/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

t, R. BITARDWAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'waid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

L. R. No. 132 situated at Lake View Colony Miranman

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1905) in the Office of the Registering Officer at Ilhar in 1-65., 1985

for an apparent consideration which is less than the formation value of the interest property and it have reason to be the first and the interest value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Olimpio Fernandes and his wife Smt. Ida Maria Felicia Fornandes Lake View Apartments Miramar Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Said, Almade Madhukar Shetye K. M. S. House No. 51, Ward No. 8 Pdc Agndo Road, Pacaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 156/211 Dated 21-2-85] Out at Lake View Apartments M'romar Panaji measuring 48 Sq. mts. The Flat in R.C.C. Structure with all modern amenities.

R. BHARDW Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 7-10-1985

AND THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PART FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaolre, the 20th Septemebr 1985

Notice No. 10006/1985-86.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Site No. 9 Door No. 929/3 situated at Ward V, K. B.

Extension Davanagere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of his Registering Officer at Daymagere under document No. 7159/dated 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. N.tmalamba W/o B. N. Suryaparavana Shetti, 5th Word, K. B. Extension Davanagere

enge primering of interior of the second experimental property of the latest the second of the secon

(Transfacor)

(2) Shri G. Ramakrishna Shetty 870 P. k. B but shetty Sub-stell Corporation Bank, Sub-stoll Corporation mass, from a General re-Road, Davanagere, City. (Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used become as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7159 Dated 8-2-1985]
Land property situat I at Davanagere city 5th Ward, R. B. Extension measuring plot 600 sq. ft. and building 900 5q. ft,

> R. BHARDWY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax Acquisition Rance, Bancalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaolry, the 20th September 1985

Notice No. 1007, 85-86, -Whereas, I, BHARDWAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A.t., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding

Rs 1.00,000, and bearing
Site Me. 111 sleated a Ravaldra Nagar, 3rd Cross Shimoga
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Culice of the Registring Officer at Shirong, under decument to 3228/15-3-1985 for an apparent consideration. Which is less than the fair market value of the dozenid property and I have ceased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meaner arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Ac. or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937):

- Smt. C. Manarda Wife H. B. Shivaram, 140 Ist Main Road, Rengal C. nargar, Bangalore Tal Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri K. N. Nagaraj Rao, 3/4 Late Kesa davalli Nagabhushen Rao 3rd Cross Ray'ndra Nagar, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the problection of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3228 dated 15-3-1985]. Land and building measuring 2400 q. ft. and 1215 Sq respectively situated at 4th Dn. Ravindra Nagar, Shimoga.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely ...

Date: 20-9-1985

 Shri S. Shivaswamy, M/s Mamatha Enterprises, "Annapurna" High grounds. Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. H. P. Sundaresh & Other C/o Mr. S. C. Javali No. 61, Cunningham Road Cross, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaolre, the 20th Septemebr 1985

C. R. No. 62/47158/85-86/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,0001- and bearing
No. 217, situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar under document No. 321/85-86 on 27-4-85
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 321/85-86 Dated 27-4-85).

All that property bearing No. 217 sintated at Rajmahal Vilas Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax Acquisition Range, Bangathere

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13---306 GT/85

Date: 20-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd September 1985

C. R. No. 62/46803/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAI,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No 652, s'tuated at 11th Main Road, HAL II stage Indira-Nagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 719/84-85 in Feb., 85 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Batchappa No 653, 11th Main, HAL II Stage Extension, Indiranagar, Bangalore. (Transferor)

(2) K. K. Mathew Thodiyil Puttuvedu Pattathanam, Quilon, Kerala.

(Transferee)

[PART III- SEC. 1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 719/84-85 Dated February 85).

All that property bearing No. 652, situated at 11th Main Road, HAL II stage, Indrianagar, Bangalore-38.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore, the 23th September 1985

C.R. No. 62/46519/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said-Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 582 situated at HAL II Stage Indiranagar Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 3652/84-85 on 28-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. P. Sankaranarayan Smt. Vishalakshi Shankaranagayan No. 582, HAL 11 stage Bangalore.

(Transferor)

(2) N. Jayalakshni No. 17, Srikanta Layout High Grounds, Bangalore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3652/84-85 dated 28-2-85]

All that property bearing No. 582 situated at HAL II Stage Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. R. Najam Saltana 86A, Annanagar Madras.

(Transferor)

(2) Anwar, Basha Virathamuet, Vellore-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/46334/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 15, 15A, 15B & 15C (portion) situated at Primrose Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 903 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Shivajinagar under document No. 3449/85-86 on Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetiff exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the oute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

(Registered Document No. 3449/84-85 dated Feb. 85)

All that portion of property bearing Nos. 15, 15A, 15B & 15C situated at primrose road Bangalore.

> R. BHARDWAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 27-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/46471/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWÁJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2138 situated at HAL III Stage Bangalere (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagur under document No. 3454/84-85 on 14-2 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ther for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any scome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) K. N. S. A. Habcebulla 78, Church Road, Basauangudi Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Renuka 145, Kodihalli, HAL Post, Bangalore-75.

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Charter

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3454/85-86 dated 14th Feb 85) All that property bearing No. 2138 situated at HAL III Stage Bangalore.

> R. BHARDWAJ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followand per vns namely ; ---

Pate: 27-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Santana Xavie, D'Costa, Santarbatt, Piedadi, Ilhas, Goa,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/D/R-247/37EE/84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. D/1 situated at Aguada Holiday Homes. Candoling Goa situated at Aguada Holiday Homes, Candolim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar under Registration No. 157/84-85 Dt. 6-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 157/84-85 dated 6-2-83)

Flat No. D/1 at Aguada Holiday Homes situated at Candolim, Goa.

> R. BHARDWAJ. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dato: 27-9-85

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rui Albert Rangel, Saika Vaddo, Diwar, Ilhas Goa,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 27th September 1985

C.R. No. 62/D-R-248/37FF/84-85/ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|-

and bearing No. Flat No. $\Lambda/2$ 'Aguda Holiday Homes' situated at Candolim. Goa

(and more fully described in the Schedule amexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dharwar under Document No. D.158/84-85 Dt. 6-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income;ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered document No. D.158/84-85 dated 6-2-85) Flat No. A/2, 'Aguda Holiday Homes' at Candolim, Goa.

> R. BHARDW Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date: 27-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bongalore, the 20th September 1985

C.R. No. 62/D/R-297/37EE/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. G|4B situated at Gabmar Apartments Vascodagama (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharwar under Registration No. 297/84-85 Dt 8-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, "unely:—

 M/s Kamat Real Estate Developers, F/1 India Aparments, Caetano Albuquarque Foad, Panjim Goa,

Cl'ransferor

(2) Indian Register of Shipping, 72, Naker Towers, 'F' 7th floor, Cuffe Parade, Bombay-400005.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 297'84-85 dated 8-3-85).

Flat, No. G/4B on the Ground floor at Gabmar Apartments on the property known as Mandolem situated at Vasco-da-Gama.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range. Bangalore.

Date: 20-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th September 1985

CR. No. 62/R-1617/37EE/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and begins

No. Apartment No. T-2 situated at Kadri Villaga Mangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of of the 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1398[84-85 Dt. 13-3-1985]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salw Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—306GI/85

(1) Alfred Antomy Continho, Continho Lodge, Bolcor, Mangalore.

(Transferor)

(2) 1. Kondoor Puthen Veedu George Ninan 2 Rachel George (Minor)

3. Kondoor Puthen Veedu George (Minor) Sl. No. 2 and 3 Represented by Guardan Kondoor Puthen veedu Georga Ninen all are resident of Flat No. 502 St. Leo. Road, Bandra (West) Bangalore-400 050.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid versons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1398 84-85 divided 13-3-1985]
Apartment No. E-2 on the 3rd floor measuring about 825 sq. ft. to be constructed on Land situated at R. S. No. 68[10B] and 62[8A] of Kadri Village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46281/84-85/ACQ/B.--Whe eas I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 00 0001- and hearing No.
Rs. 91—1B, TS. No. 81—1B,
situated at Attavar Village, M'lore Tq.
(and nore fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

M lore on 6-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the end Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

_____ (1) Shri Karkal Pu'keri Ramachandra Prabhu, P. A. holder Karkal Puskeri Janardhan Prabhu, Collector's Gate, Balmatta, M'lore,

(Transferor)

(2) Perdoor Ramasaya Kamath
Clo. Corporation Bank, Regional office, Harsan,
residing at K. R. Puram, Hassan,
2. Shri Perdoor Subraya Kamath
Mrs. Perdoor Rama Bai, Brindavan Compound, Balmatta Road, M'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of he suit ACI shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1744|84-85 dated 6-2-1985] Property bearing No. RS. 91-1B, TS. No. 81-1B, Attarvar Village Mangalore Taluk,

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incomet x Acquisition Range, Bangalore

Now therefore in mirstance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 4-10-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore the 3rd October 1985

Ref. C.R. No. 62/46562/84 85/ACQ, 8 --, Whireas, I, R BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 2698 of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the mismovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 500 situated at IX Block, Jayanagar, Blore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering (afficer at

1961) in the Office of the Registering Officer at

Jayanagar on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the east Act in respect of any income arising from the transferi and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaso property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri K. V. Shankar, No. 585, V Block, Jayanagar, B lore.

(Transferor)

(2) 1. K. S. Jayalakshmi, 2. Rakesh, 3. Lakshmi, (M

(Minor) No. 696, IV 'T' block,

XVI Main, 38th Cross, Jayanagar, Blore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and expressions used herein and Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULB

[Registered Document No. 4569]84-85 dated 20-2-1985] Property No. 500, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-10-1985

FORM ATNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R. No. 62|46553|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. 1-0/40(149), situated at 32nd-C-Cross, IV Block East,

Jayanagar, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at

Jayanagar on 25-2-1985

for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by 2000 than fitteen oper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no other assets which have no other assets which fact in the strength of the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. T. Palaniswamy, R-38, M.R. Lane, Manavarthapet, B'lore-53.

(Transferor)

 Shrimati P. R. Usha Rani, No. 293, II Main, III Phase, J. P. Nagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NAA or no stall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4617/84-85 dated 25-2-85).

Property bearing No. 140/40, (old No. 149), at 32ad-C-Cross, IV Block East, Jayanagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R No. 62|46316|84-85|ACO|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 9, 9|1, 9|2, 9|3, 9|4 & 9|5, situated at J. C. Road, Blore Basavanagudi on 15-2-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Besisters Office and Control of the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Besisters Office and Control of the Besisters of the Besisters Office and Control of the Besisters of the Besis of the Besi of 1908) in the office of he Registering Officer at Basavanagudi on 15th February 1985

for an appare it consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Dr. K. V. Karna, 2. Sri Rauhineya, 3. Sri Karthik, 4. Smt. Janakamma, 5. Mrs. Vasantha Karna, No. 91, J.C. Road, B'lore-2.

(Transferor)

(2) Shri L. Suresh, Managing Trustee, M|s. Balaji Auto Tower Trust, No. 20|1, Krishna Road, Basavanagudi, B'lore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4664|84-85 dated 15-2-85). Property Nos. 9, 9|1, 9|2, 9|3, 9|4 and 9|5 at J. C. Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commission Acquisition Range Bangalore

Date: 3-10-1985.

Shri K. Varadarajan,
 No. 2, Naujamba Agrahara,

Chamarajpet, B'tore

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. L. Gopalakrishna Setty, No. 757, VII Cross, Hanumanthanagar, B'lore-19.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALURE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd Octaber 1985

C.R. No. 62|46563|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 2156, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 20-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the end Act or the Wester tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cratette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4572|84-85 dattd 20-2-85). Property No. 2156, IX Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r of lnco e lax
Acquisition Range
Bangalore

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 41 the said Act, to the following persons, namely:

Date: 3-10-1985.

Sca

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th October 1985

C.R. No. 62|46397|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (4? of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property begins a foir market value exceeding Rs. 100 0001- and bearing No. Sv. 22 23. 23|1 & 24, situated at Block No. 11, College Board, Martifacti

Road, Mad keri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Mercara on 11-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tran fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. pamely:---

(1) Mrs. K. Ganeamma Muthana, w/o Kambeyanda Muthana (Decd). Mrs P Accavva Appanta w/o Pattamada Annanna (decd).
Mrs P Sothamma Ganapathy w/o Pelecanda Ganapathy. Polecanda Ganapathy,
P Dopanna Subaya and P Appanna Subaya
(Minor ss/o Dr P N Subaya by
Dr P, N Subaya as Guardian of Minor
C Shiv Jairam and C Sanaita Jairam
minor sons and daughter resulv of
Codanda Jairam C Jairam as Guardian.
All residing at Nakoor Fetate Sunikanna Post.
Mrs K Chimmy Kuttaya w/o Kuttaya w/o
Konanda Kattaya Konnanda Katteya Craismore Total Polibetta Post, South Kodagu.

Mrs. P. Virto Devayva w/o

Pandikuthira Devaya Pattikod Estate, Flatti Poet, Suntikonna, Nad All by their duly appointed attorney Pr. P. N. Subaya e/o Pandanda Nanjappa (deed) Nalacci Potate, Suntikoppa Post, N. Kodagu. (Transferors)

S. A. Halcem s/o Siddique Buhaddin,
S. b. Grasuddin s/o S.ddique Bahuddin.
Niza nuddin S.ddique s o S. A. Halcem.
K. M. Muzzamil s/o K. Mohideen.
Begum Naseema Quayyum w/o
S. A. Quayyum (dcd).
Hajira Iafran w,o S. M. Infran (decd)
S. M. Faisal s/o S. A. Quyyum (dcd).
Ancesa Nazir w/o Syyed Nazir.
Saira Quayyum daughter of S. A. Quayyum (decd)
All reside at Sandalkad Estate by their duly appointed attorney Nizamuddin Siddique abovenamed. (2) S. A. Haleem s/o Siddique Buhaddin, named.

(Transferces)

(3) 1. Ambica Electronics, Prop. A. A. Tahmmaya.
 2. M. A. Hassinar and Company.
 3. M. S. Pai and C mpany.
 4. P. C. Achayya, Philipps Radio Shewroom.
 5. Chitra Engineering: Prop. B. C. Ganapathy.
 6. K. C. Poovanna and Company.

Chartered Accountants.
7. Kannada Pennanya Accounts Practitioners.

8. New Paris Hotel.

9 B Muthan-a Pooiary and sons. 10. Sridhar and Mohan Rammanna's Garage. 11. Selwell Traders.

12. Popular Authorn biles spares dealers.
13. Sharthi Coffee Powder dealers.

14. Umbai Fruit merchants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1075 84-85 dated 11-2-85).

Property bearing Sy Nos. 22, 23, 23|1 & 24, at Block-II, College Road, Madikeri, Coorg

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commission Acquisition Range Bangalore

Date: 4-10-1985

Soul :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C R. No. 62/R-1546/37EE/84-85'ACQ/B.—Wheacas, I, R. BHARDWAJ, being the Com etent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/and bearing No.

Shop No. A-5, situated at 84 J. C. Road Bangalore.
(and more fully, described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1374/84-85 da'ed 2-2-85 for an annarent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property reaforesaid exceeds the annarent consideration therefor by more than fifteen per cent of such annarent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Manish Enterprise, 1-2, Ist floor, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road Bangalo.e-560001.

(Transferor)

(2) M/s. Pipanna Chetiar and Sons. Mr. P. Thangavelu and Mr. P. Kungumraj No. 2. A. N. Poad, Bangalore-560002,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1374/84-85 dated 2-2-85]. Shop premises No. A. S. Manish Tower, 84, J. C. Road, Bangalore-560002.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-10-1985

FORM ITNS -

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALUKE-560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C. R. No 62/R-1547/37EE/84 85/ACO/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to m the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Shop No. B-7, situated at 84 J. C. Road, Bangalore. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Banga'ore under Registration No. 1357/84-85 dated 2-2-1985 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market slue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act in respective of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any awneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrowald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following two namely:— 45-306GI/85

(1) M/s. Manish Enterprise, 1-2, Ist floor, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. Vi hal S. Bhathija Sunde Complex Armngam Mudaliar Road, Ki lasipalayam New Extension, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

-- ----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1357/84-85 dated 2-2-1985].

Shop premises No. B-7 Manish Tower situated at No. 84 J. C. Road, Bangalore-560002.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 3-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONED OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BANGLORE 560 001

Bangalore-560-001, the 3rd October 1985

C. R. No. 62/R-1585 37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. BHARLWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and b aring No.

Rs. 1,00,000/-and braing No.

Office Premiers No. H-2,
situated at 84 J. C. Road. Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
Bangalore under Registration No. 1380/84-85 Dt. 2-12-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the unnifer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor is pay tak under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Manish Enterprise, 1-2, Ist noor, Snrungar Snopping Centre, 80, M. G. Koad, Bangalo.e-560001.

(Transferor)

(2) Mrs. Sav tha Goenka, C o K. L. Raigharia, B-38 Greater Kailash, New Delh.-110048,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1380/84-85 dated 21-2-85].

Office premises No. H-2 in 7 h floor in Manish Tower at 84 J. C. Road, Bangalore-2.

> R. BHARDWAJ Competen. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Bangal re

Now, these core, in partitioner of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '11 of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :-

Date: 3-10-1985

PURM ITHS

(1) M. M. Prabadkar Kamath and Mrs. rayachree M. noning Rose Core near nonlore Well, Kankanany, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Ullal Narayan Kini and Venkatara, a K.n. Ullal B-2, Kavitha A.artments, Maliikatra, Kadri, Mangalore-575002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANJALORE

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C. R. No. 62|R-1586|37EE|84-85.—Whereas, I R. BHAKDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 and 19611 the ematter seterted to as the 'said Act'), have reason to believe the the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B-2

situated at Mallikatta, Kadri, Mangalore-575002 (and more Judy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1345|84-85 dated 21-2-1985

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be wisen that the consideration to such transfer as agreed to be wisen that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of the motive in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Cazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersing as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1345/84 85 dated 21-2-85). Flat No. B-2, Kavitha Apartments, Mallikatta, Kadri, Mangalore-575002.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 6th September 1985

No. C.R. No. 62|46239|84-85|—Whereas I R BHARDWAJ being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. 73. 25 situated at Ambalpadi village, Udupi Tq.

situated at Ambaipadi village, Udun 1q. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A t, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Udupi on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or watch ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

- (1) Dr. A. Bhaskar Rao, Prof. of Urology, 'Sunny-Side", Attavar, M love-1. (Transferor)
- (2) Shri B. Raghuram Shetty, Businessman, Ambalpady, Udupi.

(Transferee)

(3) Shri Sridhar Shetty D. No. 4-1-18, Ambalpady, Udup. 2. Mr. K. Narasimha Pai, D. No. 4-1-19, Ambalpady, Udupi. 3. Mr. K. Gopal Marakala, D. No. 4-1-19A, Ambalpady, Udupi.

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons without expires taker;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Regisetred Document No. 1840/84-35 dated 15-2-85)
Property bearing No. S. 73,25, Ambalpadi Village, Udupi
Iq.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-9-85

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 10th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46245|84-85.--Whereas, I, R. BHARDWAJ

BHARDWAI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
No. RS-4-5|A, TS. No. 701|A,
situated at Thota village, M'lore.
(and more fundy described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration A t, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Office as

1908), in the office of the Registering Office at M'lore on 13-2-1985

teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which one it to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shr mathi B. Ahalya Bal, 2. Mrs. Yamuna Devi, No. 110, Constable Road, Madras-23.

(Transferee)

(2) Syed Zuzeer Shah, S|o S. M. Shah, Kayee's Compound, Bolar Main Road, M'lore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective namous, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1785]84-85 dated 13-2-85)
Property No. RS-425|A, TS. No. 701|A, Thota village,
Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date: 6-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANJALORE

Bangalore-560 001, the 13th September 1985

Ref. No. C.R .No. 62|46324|84-85.-Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the animovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1198 situated at 100 feet Road, H.A.L. II Stage Extn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration A t. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Shivajinagar on 7 2-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the p operty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :--

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Sanax Associates, repd. by Mrs. Lavam Laulagian & others, Lavelle Heights, Lavelle Road, B'lore.

(Transferee)

(2) Shri Rajendra J. Hinduja, No. 211, Upper Palace Orchards, Bellary Road, Blore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not ce in he Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the rospective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date o the publication of this notice in the Official Gaze.te.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3372|84-85 dated 7-2-85)

Prooperty No 1198 100 feet Road, H.A.L. II Stage Extension, Indiranagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range, Bangalore

Date: 13-9-1985

Seal .

FORM TOS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62]4636]84-85.—Whereas, 1 R. ВНАКАДWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to an the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 25/65C, situated at Naranbad Mohalla, Lalitha Mahal Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed he etc.), has been transferred under the Registration At, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at

has been transferred under the Registration A t, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Mysore on 20-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pure tax under the said Act, in reserver of any moones arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Meenakshi Shetty by P.A. Holder Mr. S. Balakrisana Actty, No. 119, Rajmahal Vilus Exm. B'iore. (Transferor)

(2) Shri Vinay Kumor Maloo, "Shree Niket", No. 11, Alipore Road, Calcutta-27, P.A. Holder: Mr. M. Krishna Kumar, Clo Asian Cables Corp. Ltd., 51|A, Richmond, Road, B'lore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this matter in the Official (cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Consiste.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Reg'stered Document No. 6138[84-85 dated 20-2-85)
Property No. 25[65] Situated at Nama, ba, with mahal Road, Mysore,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 16-9-1985

Soul :

FURM IINS

- (1) Shrimati B. Jayama, 2. Mrs. Nalini Rama,handra, 3. Mr. D. G. Promod, 4. Mr. B. K. Ananda, No 237, XII Cross, Hombegowdanagar, Blote. (Tran.fe.or)
- (2) R. Venkatesh, Pr. M/s. Sambhrain Corpn. No. 28, I Main Road, Jayamahal Extn., B'lore, (Transieree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 13th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46523|84-85|ACQ|3.-- Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. D-19(136)

situated at Yadavagiri Extn., Opp. to Dasaprakash Paradiae, Devraj Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedu'e annexed he eto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mysore on 24-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6308|84-85 dated 24-2-85)

Property bearing No. D-19, (136), Yadavangiri Extension, Opp. to Dasaprakash Paradise, Devaraj Mohaila, Mysore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro erty by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-85

FORM TINS----

(1) Shrimathi Khatoon Regum, No. 4/1, Central Street Akkithinnanahally, B'lore-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri V. Srinivasamurthy, No. 1155, 26 Main road, IV T' Block, Loyanagar, B'lore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46556|84-85|ACQ|B,—Whereas, I. R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. 2015,

stueted at Akkithimanahally, Shanthinagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayanagar on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandler

(b) facilitating the concealment of any mome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4640/84-85 dated 27-2-1985)
Site No. 20₁5. Akkithinnanahally, Shanthinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE

Bangalore-560 001, the 17th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46568|84-85|ACQ|B.—Whereas, 1 R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. 1687

situated at XV Main, Banashankari II Stage, B'lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at jwith the competent authority under Section 269AB, in h's office at Jayanagar on 14-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

(1) Shri H. N. Ramachandra, No. 358, 37th Cross, V block, Jayanagar, B'lore-II.

(Transferor)

(2) Shri V. S. Jayaprakash, No. 1692, XV Main, Banashankari II Stage, B'lore-70, repd. by Mr. V. N. S. Murthy, Al[250] Safdarjung Enclave New Delhi-29, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4510/84-85 dated 14-2-85) Site No. 1687, XV Main, Banashankari II Stage, Bangalore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 17-9-85 Sault:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 19th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62[46566]84-85[ACQ]B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 890

situated at IV 'T' Block, 20th Main Road, Jayanagar Extn.,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayonagar on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in purposes of Section 2690 of the said

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

- (1) Shrimati T. K. Indumathi, No. 1-A, III Crees, Nagappa Block, Palace Guttahalli, B'lore. (Transferor)
- Shri Hussaini, 2. Smt. Nafisa, 3. Mr. Farhad,
 Mr. Abizer C|o M|s. Asical Corporation,
 No. 86, NarasimharajaRoad, P.B. No. 6760,
 B'lore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4506|84-85 dated 13-2-85)

Property No. 890, 20th Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-9-85 Scal :

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46434|84-85|ACQ|B.—Whereas, I.R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. 7|15 (Shed No. C-9), situated at Thaunernahalli Village, Blore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Blore North Taluk on 9-2-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

facilitating the reduction or evasion of the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri M. D. Kudua, Director, M|s. Jai Bharath Mills P. Ltd., Syndicate House, Manipal.
 M|s. Industrial Credit & Devpt. Syndicate Ltd., Manager Sri M. R. Neelakantan, No. 1F, Sanjeevan Apartments, 219, Rajmahal Vilas Extn., B'lore-80.' (Transferor)
- (2) M|s. Indian Twist Drills P. Ltd., No. 35, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12. M.D.:—Mr., N. V. Raman.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4873|84-85 dated 9-2-85)

Property bearing Sy. No. 7/15, (Shed No. C-9), Thauner-ahalli Village, B'lore North Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 1-10-85 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

C.R. No. 62|46631|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the imsnovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 286/48, situated at XI Cross, Wilson Garden, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Layangar on Ech. 1985 Jayanagar on Feb. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Lachmandas, (2) Mr. Chaterbhuj, (3) Mr. Maáhavadas, (4) Mr. Ramachand, No. 17, Sindhi Gol Colony, Jayachanarajandra Road, Bangalore. (Transferor)
 - (2) Shin K. E. Subharwal, (2) Gurupeet Singh (minor), repd. by father:—Joginder Singh, No. 27, XI Cross, Wilson Garden, Bangalore. (Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION : -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4708|84-85 dated Feb. 85). Property No. 286|48, XI Cross, Wilson Garden, Bangalore-27.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range. Bangalore.

Date: 3-10-85.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46589/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallel Road, Nehru Nagar,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gandhinagar on 28-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Shri Y. S. Surender, Flat No. 105, Hoyasala Apaitments, Cunningham Crescent Road, Bangalore.

(Transferor)

(1) Shri Gowthamchand, No. 2, Maramma Temple Street, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3981 84-85 dated 28-3-85).

Property bearing No. 133|23 (portion), Railway Parallel Road, Nehru Nagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1985.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62|46586|84-85|ACQ|B.--Whereas, I,

C.R. No. 62|46586|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bangalore

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gundhinagar on 25-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Y. S. Surender, No 133/23, Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Master Kishore Kumar, hepd by Mr. Ashok Kumar, No. 4|5, VI Cross, Rangaswamy Temple Street. Bangalore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3947/84-85 duted 25-3-85).

Property bearing No. 133/23 (portion). Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore.

Date: 30-9-1985.

= <u>سويت در ت</u>-مــــ

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

(.R. No. 62|47196|84-85|ACQ|B.--Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 133/23, situated at Railway Parallal Road, Nthru Nagar, Bangalore,

Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 28-3-1985, for an apparent consideration which as less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Y. S. Surender, Flat No. 105, Hoyasah Apartments, Cunningham Crescent, Bangalore,

(Transferor)

(2) Manohar Kumar (Minor) by father Champalal, No. 41, Nehru Nagar Main Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3982|84-85 dated 28-3-85). Property bearing No. 133/23, (portion), Railway Parallal Road, Nehru Nagar, Bungalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1985

Scal

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62|46349|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasen to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 1,00,000/z and bearing No. 22/3, situated at Hutchins Road III Cross, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Shivajinagar on 15-2-1985,

Shivalhagar on 13-2-13-03, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, mid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Daphne Bestion, (2) Mrs. Jeniffer Edwards, (3) Mrs. Faith Lerna Karkada, (4) E. G. Bengers, No. 22|3, Hutchins Road, III Cross, St. Thomas Town, Bangalore-84.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal D. B. Pavamani, (2) Mrs. Krupa Pavamani, No. 35, Hutchins Road Extn., Bangalore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this ratice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3508|84-85 dated 15-2-85). Property No. 22/3, Hutchins Road, III Cross, Bangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—306GI/85

Date: 30-9-1985.

Scal :

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

R. No. 62|46578|84-85|ACQ/B.--Whereas, I, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. 133/23, situated at Railway Parallal Road, Nehru Nagar Barantara

Nagar, Bangalore,

Nagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Gandhinagar on 20-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasots which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Y. S. Surender, Flat No. 101, Hoyasala Apartments, Cunningham Crescent Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal & Smt. Shantha Bai, Clo Shah Mohanlal Mukheshkumar & Co., Cloth Merchants, A. M. Lane, Chickpet Cross, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3900|84-85 dated 20-3-85). Premises No. 133[23 (portion) Railway Parallel Road, Nehrdu Nagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 30-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62|46323|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000] and bearing 23 & 3|1, & 75|1, situated at Commercial Street & Dispensary Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 6-2-1985, tor an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. V.C's Favourite Shop, No. 23/1. Commercial Street, Bangalore, (1) Prs:—Mrs, Poornima Vashdev, (2) Mr. V. C. Prakash, No. 75/1, Dispensary Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dayaram Tanoomal Chatlani, (2) Mr. Manohar Dayaram Chatlani No. 44, III Cross, Wheeler Road, CoxTown, Bangalore, (3) Mrs. Ashadevi Chellaram Kripalani, (4) Baiju Chellaram Kirpalani, No. 9-17, Grauge Heights, 15 Grauge Road, Singapore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3370/84-85 dated 6-2-85). Property bearing No. 23 & 23/1, Commercial Street & No. 75/1, Dispensary Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-9-1985.

Senl:

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. Mrs. N. Sarada Devi, 658/1, Sajjan Rao Road, V. V. Puram, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Electronics Pvt. Lt. 205, Sankey Road, Upper Palace Orchard, Bangalore-80.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62|46384|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Sy. 122/13 & 122/14, situated at Kengeri Village, Bangalore South Tq.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Feb 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said less trument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 7337|84-85 dated Feb. 85). Property No. 122|13 & 122|14, Kengeri Village, Bangalore South Tq.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1985

Sea!

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62|46314|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 249E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing G. 70-24, situated at B-Osmakharu Road, N. R. Road, Road-lets.

Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi on 14-2-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **194) (194**

(b) facilitating the concealment of any income or any sensys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ten. Act, 1957 (P7 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri Mazher Abbashhoy Calcuttawalla,
 Fakruddin Akberaly Khasamwala,
 Saifuddin Akberaly Khasamwala,
 - (4) Naymuddin Fakruddin Ranywala,
 - (5) Saifuddin Ebrahimbhoy Khasamwala,
 - (6) Shakoor Ebrahimbhoy Madhaswala, No. 30, Ranaji Rao Road.

Mahanandan Block. Bangalore-4.

(Transferor)

Sadiq Samsuddin Pachorawala, No. 40, N. R. Road, Bangalore-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4570|84-85 dated 14-2-85). Property No. G. 70-24, B-Osmankhan Road, N.R. Road Cross, Bangalore.

> R. BIŁARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46345|84-85|ACQ|B.-Whereas, I R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 19(40)

situated at 16th Main Road, Malleswaram B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri S. H. H. Srimat Suchindra Thirtha Swamy of Kashi Mutt Samasthan, 1epd, by Sri M. G. Anantha Pai, Flat No. 38, Crescent Court, Cresent Road, B'hore-1.

(Transferor)

- (2) Shri A. S. Subramanian, No. 305, VII Main, Vijayanagar, B'lore-H.O. (Transferee)
- (2) Shri Rama Shanker Tripathi S|o Late Shri Budhsen Tripathi, R/o Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4876 84-85 dated 8-2-85) Property bearing No. 19, 16th Main Road Malleswaram, Bangalore,

R. BIŁARDWAJ

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-10-85 Seal:

VEMBER 2, 1985 (KARTIKA 11, 1907) 37253

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46363|84-85|ACQ|B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding P.s. 1,00,000-] and bearing No. 630 to 633

situated at New Thippasandra, K. R. Puram Hobli, B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at B'lore South Taluk on 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A, Thimnalah Reddy, 327, I Main Crimbridge Layout, B'lore.

(Transferor)

(2) Shri Lakhamasi Megaji Patel, 2. Premaji Megaji Patel, 3. Devasi Karasan Patel, 4. Hiralal Karasan Patel, 5. Karasan Mathavaji Patel, 6. Megaji Malthavaji Patel, Indiranagar, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazaste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No .7262|84-85 dated 23 2-85)

Property No. 630 to 633, New Thippasandra, K. R. Puram Hobli, B'lore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dtae: 1-10-85

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62[46331]84-85[ACQ]B.-Wherens, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 51|19-A, situated at Coleans Barbara Bar

situated at Osborne Road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 13-2-1985

Shivajinggar on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceansient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Shrimathi T. Padmalochiniammal & Sri W. T. Kumar, No. 51 19-A, Osborne Road, Blore. (Transferor)
- (2) Shri B. P. Ramachandra Shetty & 2. B. P. Suresh, No. 65, Jewellers Street, B'lore. (Transferee)
- (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3434/84-85 dated 13-2-1985) Property No. 51/19-A, Osborne Road Cross, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-9-85

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Dang dore 560,001, the 30th September 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46445|84-85|ACO|B. -Whereas, R. BHARDWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

No. 1022.

No. 1022, situated at Thippasandra Village, H.A. Sanitary Board, Blore (and more toby described in the Schedule annexed hereto), has been to severed under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in in Chice of the Registering Officer at has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the cline of the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the cline of the Registering office at Blore South Taluk on 4-2-1985.

for an array, it consideration, which is less than the tast market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the projectly as aforeads xeeeds the agrarent consideration, therefor by more than fifteen per ocal of such ap arent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Cx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Pushpa Jain, No. 17[1, Ali Askar Road, Blore-52.

(Transferor)

(2) Shii Rajiy Khanna, No. 441 A, No. 1X Main, HAL III Stage, J.B. Nagar,

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TYPLANATION: --- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6746 84-85 dated 4-2-85)

Property beating Khata No. 1022, H.A. Sanitary Board, Thippasaadra Village, B'lore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalors

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate p occedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 48-306 G1/85

Date: 30-9-85

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Abshot Layout, Bangalore-52.

(Transferor)

M.'s Wellington Realtors,
 Central Street, Bangalore,
 Partners: Mr. Farook Mahmood,
 Mr. Farook Noor Mohd.

(1) Shrimathi Shakerah Khaleeli,

No. 26/2, Sankey Road,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th September 1985

C.R. No. 62/46520/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, situated at Wellington Street, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 2-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

tacilitating the concealment of any income or anmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3631/84-85 dated 2-2-1985) Procrty No. 7, Wellington Street, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th Sciember 1985

C.R. No. 62/46743/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 763 (2), situated at VIII Main Road,

No. 763 (2), situated at VIII Main Road,
Mahalaxmi Layout, Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Rajajingar in February 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

Shri A. Narayana Reddy, No. 107, VI Main Road, V Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shrimathi Indira Menon, No. 135, West of Chord Road II Stage, Bangalore, 2. Smt. Gayathri Deva Sharma, No. 2. Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5248/84-85 in Feb. 1985) Property No. 763 (2), VII Main Road, Mahalakshmi Layout, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-9-1985

FORM ITNS-----

(1) Shii U. S. Chandok, No. 11A 22, Cunningham, Road, bangalore-52,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shionathi Ayesha Tasneem Anwar Family Foundation, Repd. by its Managing, Trustee Dr. Syed Anwar, No. 11/1, Church Road. Basanangudi, Bangalore-4.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bangalore-560 001, the 19th September 1985

C.R. No. 62, 46338/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 96, situated at Victaoria Road Extn., Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3475/84-85 in Feb 1985) Vacant Site No. 96, Victoria Road Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 19-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 200D(1) OF THE INCOME-1 V4 ACT, 1961 (43 OF 1961)

ruger for the first of the control of of the

COVERNMENT OF INDIA

CHEEF OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the -3rd September 1985

C.R. No. 62, 995, 85-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-co... Adjunction being Assistant Commissioner of Income-co... Adjunction being, then love, being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. CIS No. 3928 statuted at Sanke hwar. (and more furly described in the Schedule annexed hereto), not been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at 1968. In the Office of the Registrating Officer at 1968. In the Office of the Aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causific with the object.

- (a) facilitating the reduction or evasion or the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or face each Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957).

(1) 1. Vishnu Maruti Suta:

2. c.m. Turabni Vlahnu Eutar

3. Srat. Shakuntala Gajanin Lohur

1. m. c.m. 11. Lanker Lohar

3. Midadevi Ede Vishnu Sutar M/G by V. M.

9. Marmada Ede Vishnu Sutar Sutar

Ad Clo Ede Fottan Thota, Namyj Mala,

Opp. College Canteen, Sankeshwar-591313,

Dist. Palgaum.

(a) Basavaraj Gonga Jhar Pattanashetti, Namaj Mala Opp. College Canteen, Sinkeshwar-591313. Dist. Belgaum.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the above-aid persons within a period of 45 days from the onte of publication of this notice in the Official Cozette or a regird of 30 days from the respective persons whichever period out resilient.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Decument No. 1262 dated 7-2-1985) A house with manualore Tiles measuring ground floor 1470 sq. ft. and first floor 450 sq. ft. on the plot 08-2 gunthas situated at Sankeshwar.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, as pursuance of cection TR of he sort Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

Notice No. 996/8586.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 55 situated Myfair Apartments Margao, Goa (and more fully described in the schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

Margao Goa under document No. 284/dt. 23-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. Assunsao Teodosia Seratino Fernandes, alias ATS Fernandes and his wife Mrs. Ephitonia Euridyke Fernandes, For both GPA Sri Escoinstico Marercio Meregolo Enterprises, Shop No. 4, Belavista Apartments, Margao, Goa and M/s. Mararcio's Enterprises, Margao, Goa,

(Trunsferor)

(2) Mrs. Ella C. D'Silva, S-5, Second floor, Myfair Apartments, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 284 Dated 23-2-1985] This is flat measuring 60 sq. mts. situated at Myfair Aparts ments, Margao, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

Ref. No. 997/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. S-1 (originally S-12) situated at Myfair Aparments Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his office at Margao Goa under document No. 283/dt. 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the properties have not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Mr. Assunsao Teodosio Serhino Fernandes, alias ATS Fernandes and vis. wife. Mrs. Ephitania Euridyke Fernandes, P.A. oldes, Sri Escolustico Marereco, Belavista Apartments, Margao, Goa, M/s. Marerelo's Enterprises, Belavista Apartments, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Irene Barros, Flat No. S-1, Myfair Apartments, Margao (Goa).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 283, Dated 23-2-1985] Flat No. S-1 (originally S-12) situated at Myfair Apartments, Margao Goa measuring 60 s. metres. Page No. 249—254

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-9-1984

FORM FUNS -- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Antonio Monteiro and his wife Smt. Maria Augusta Mastha Monteiro, as Years m, Foutolim, Salcete, Gon.

(Transferor)

(2) Shu Succh Vichyadhar Desai, Sangara sloyd, Station Road, Margao (Coa)-403601,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1985

Notice No. 998/85-85,-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

recordings Rs. 1,00,000]- and bearing

and bearing No. 539/3 and 540/0 situated at Loutlin Village Goa fand more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 c 1908) in the office of the negistering Officer at Margao viola under recurrent No. 301 dated 26-2-1985

for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have rea on to 5-lieve that the init inacket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:

technishing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian lucome tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforemod prosess when a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the null'ication of this notice in the Official Gazette.

apprayacton :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Dated 26-2-1985) (Registered Document No. 301 The house with a mangalore tile measuring 260 sq. mts., on a plot area 1875 sq. mts. situaed at Loutoim (Goa),

> R. BHARDWΛJ Competent Authority
> Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

17-40 : 3 9-1095 17-11

Compression of the Compression o

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-I BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1985

Notice No. 999/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing

Sy. No. 7, situated at Sancordem Village, Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanguon under document No. 88/dt. 26-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Sanguem under Document No. 88 dated 26 2-1985, CRef.F. .1x(2,) |hi .h., .fl.1 vbgk cmfw shrdl shrd shrdm

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following hereby a male viscosity and the said Act, to the following 49-306GI/85

 Shri Karunakal V. Mallya C/o V. S. Mallya Ganganagar Housing Colony, Curti, Ponda—Goa.

(Transferor)

(2) Shri Vidyadhar R. Mallya, C/o R S Mallya, Paji-Pond, Margao, Gos.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 88 Dated 26-2-1985)
This is an Agricultural Land situated at Sancord m Village
Sanguem Taluka Goa and measuring 37.200 sq. mts.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 3-9-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd Sectember 1985

C.R. No. 62/1000/85 86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, inspecting As i tant Commissioner of Income-tax, A quisinon Range, Etingalore, section 269B of being the Competent Authority ander the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. B. 15 s. uated at Dena Poala, Tale gad Panaii Goa. (and more fully described in the Schedule ann xed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas Goa under do um nt No. 163 d. teu 20 2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) sacditating the reduction or evalues of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insume arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

- (1) Smt. M. ria Fernanda Martine E. Monserate,
 2. M. .ia Lucinda Viegas,
 Attorney Ski Atanasio Teofilo Martine Monserate
 R/o Taleigao Goa,
 (Transferor)
 - (2) Shri Jovito Gonzaga Afonso R/of, Santo Estevam, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the
 publication of the notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerets as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 163 dated 20-2-1985)

This is an open Plot measuring 504 sq. mts. situated at Dona Paula Taleisoa Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No 62/1001/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, incacting As a tune Commissioner of Income-tax, A qualition Kange, Diliguore, being the Competent Authority under Section 269 of the Income tan Act, 1981 (45 of 1961) (hereinaties referred to as the said Act), have reason to believe that he incomb property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]. and bearing

No. 1 to 12 No. 210 "Ratnadeep' situated at Morgao, Goa, tand more fully described in the Schedule ann xed pereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salceto Goa under document No. 276 datea 22-2-1985,

tor an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties no not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incoms arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1. Sanjaya Atchut Poy Raiturcar
 - 2. Govinal Gopal Poy Ramucar (HUF)
 - 3. Manager Coral Toy Kandical (Hof).
 - 4. menue copai Poy Kanurear
 - 5. Snu. Subnada anas Subnada Achut Poy Raiturcar
 - 6. Smt. Nam Govind Poy Raitu.car
 - 7. Sin., Saidel Menagev Poy Kanurcar All residing at Margao Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Shripad Vishwanath Borkar 2. Sunand Vishwanath Borkar

 - 3. Utttamarao Vishwanath Borkar
 - 4. rakasa Sadanand Borkar
 - 5. / II K S. & B. L. B. A.I.
 6. Avinash Sadanand Borkar
 - 7. An., Pamouar Borkar
 - 8. Promod Damodar Borkar

 - 9. Vinaya Pi, bil kar bo kar. 10. Deepak Pr. balkar Bolkar, "Alankar bunding' Malgao, Goa,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 276 dated 22-2-1985)
"Patnadeep" bui'ding con isting of 7 h ps itua ed at near
Rajendra Pracad Stadium Margao measuring 353 sq. m.r.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/1002/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196.) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe the the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Rs. 1,00,000]- and bearing
R.S. No. 196/1 satuated at Hindalaga Belgaum
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of the Registering Officer Balgaum under Document No. 4925/dated 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act recover of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Shankar Bhimarao Kulkarni.

- Shri Krishnaji Bhamarao Ku ka ni.
 Shri Mohan Shankararao Ku,ka ni.
- 4. Shri Sharad Shankara.ao Kulkaini,

Shii A un Shankarait.o Ku karni. R/o Laxami Gadi Hindalaga Belgaum.

(Transferor)

(2) The Chairman. Samarth Co-operative Housing Society Ltd., Hindalaga Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm.yable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4925 dated 27-3-1935)

An Calcultural land situated at Hindah se Belgaum measuring 3 Acres 27 Guntus & Aarnas under R.S. No. 196/1.4

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Infome-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985

Scal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd September 1985

C.R. No. 62/1003/85-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting As-1 tant Commissioner of Income-tax, A quisition Range, Bengalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair murket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R.S. No. 328 1A p'us 2B situated at Bailahongal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Register ng Officer at Bai ahongal under document No. 1714 deted 4-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Gurushantappa Veerabhadrappa Yatageri,
 - 2. Sh dramappa arias Babu
 3. Nagaraj,
 4. Mahashwan
 - 4. Maheshwar. Yatageri
 5. Munantesh.

R/o Jawali Bazar Bailahongal Dist, Belgaum.
(Transfer

- (2) 1. Shri Basanvanneyya Adavayya Hiretmath
 - 2. Baiasaheb Annasaneb Padi.
 - 3. Shekharayya Sidrammayya Hiremath
 - 4. Chenabasayya Sidramayya Hiremath 802, Basavan Galli, Bailhongal, Dist. Belgaum. (Transcere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1714 dated 4-2-1985)
This is an agricultural land situated at Bailahongal measuring 3 Acres.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1985

(1) Smt. U ha S. Ea,aj, 9/5, Richmond Koad, Bangalore-25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Faihara. No. 1045, Krishna Apartments, G. Brock Poonamaree High Koud, Madras-84.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADKAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 11/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MKS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imm-vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat 1st floor bearing Door No. 2, situated at part of 460 9806 un avided share of land in Poonamatice High

Road, Ms. 84

(and note tully described in the Schedule annexed hereto), has been transfured under the Registration Act, 1908 (16 has been transl. fred under the registration Act, 1506 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pu. asawalkam/Doc. No. 158/85 in Feb. uazy 1985, for an ap, tent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and ! have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the old Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat 1st floor bearing Door No. 2, Ferming part of 460/9806 undivided there of land and situate in Poonamalee High Road, Madras-84.

Purasawalkam/Doc. No. 158/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-10-1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 24/Feb.85/R.II.-Whereas, I,

M. D. M. CZ.W. LZ, being the Competent Authornty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he emalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps 1 00 000 and bearing No

Vacant land of 1 ground 1872 sq. ft. in Kodambakkam situated at T.S. No. 6/4 and 6/3, part Block No. 33 in Puli-

yur v llage, Madras-24

Kedambakkam D c. No. 397/85

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) and of 1908 (16 of 1908) and 1908 (16 of 1908) and

Kodambakkam/Doc. No. 397/85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer mand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys in other isset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Fet, (11 of 1922) or the old Act, or the Weal nd Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. K. Tippu Sultan and Others, all M nor represented by their mother and guardian K. A. Dawood Divi, West St., Panda, avadai, Thanjavu. Dist.

(Transferor)

(2) Edida Nagesara Rao, 13. Kamdar Naga., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the page value of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein 84 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vecent land of 1 ground 1872 at ft in TS. No. 6/4, and 6/3 part, Block No. 33, in Puliyur village, United Kodambakkam/Doc. No. 397/85.

> MRS. M, SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Date: 3-10-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd Oc.ober 1985

Ref. No. 32/Feb.85.-Whereas, 1,

MRS, M. SAM_EL,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing No. Old T.S. No. 650i1. situated at New T.S. No. 1|1451 part and 1453 part—15.83 cents with bldg.—as per schedule to dee No. 487/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combutore/Doc. No. 487/85 Coimbutore/Doc. No. 487/85

on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nev tax under the said & respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. R. K. R. Karthykesan, S/o late R. K. Ra...ak shna Chettiar, 8128 Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. V jayaraja and Co., 120, Scn Gup.a Road, Ramnagar. Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-Pble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to Doc. No. 487/85. Coimbatore/Doc. No. 487/85.

> MRS. M. SAMUEI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance-II Madras-600 006

Date: 3-10-1985

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 36/Feb.85.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

as the sate Act) have leased to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Door No. 18|36, Old T.S. No. 2|1408, 1417, situated at New F. S. No. 2/2094—Big Bazaar St., Coimbatore Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore/Doc. No. 636/85

on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

50—306G1/85

(1) Sri K. Sriman, S/o C. Kunju Raman, Ismail Rowther St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A. C. Kunju Mohammed Kutty Haji, Shri K. K. Abdul Kader, Thirupangattu Amson, Kadavathur Thesam, Tellichery Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Channanore District (Kerala): Coimbatore Town. Big Bazaar St., D. No. 18/36, Old T. S. No. 2/1408, 1417, New T. S. No. 2/2094.

Coimbatore Doc. No. 636/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 37/Fcb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Thithipalayam—Agri, land at Coimbatore—T. S. No. 14/1, 15/1, 16/2, 17/2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 562/85

on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Sri Dhandapani, S/o N. Nataraja Nadar, Pètur Main Road, Komajapalayam.

(Transferor)

N2) Smt. P. Rajeswari, W/o Ponnusamy, Sri S. Sivakumar, So Sivanmalaiappagounder, 11/61, N. S. K. Veedhi, Komarapalayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: Thithipalayam: T. S. No. 14/1, 15/1, 16/1, 16/2, 17/2, Coimbatore, Combatore, Doc. No. 562/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 49/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Kanipalayam village: Poravipalayam situated at Pollachi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 371/373/374/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Sri S. Sivanadam, Sri T. Masilamani, Sivaganesan, 19, Sarojini St., M. L. Puram, Pollachi, Sri S. Thirumalaisamy, S/o Subbarayachettiar, 19, Sarojini St., Mahalingapuram, Pollachi,

(Transferer)

(2) Palanithevar,
S/o Karuppathevar,
Mariammal,
Krishnammal,
Veluchammy,
Panchalingam,
Aruohamy,
all sons of Palanithevar,
25/2, Servakanpalayam,
Majaranagoor,
Poljachi Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Poravipalayam, Kanipalayam village. Pollachi Tatuk. Pellachi/Doc. No. 371, 373, 374/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely ;—.

Date: 4-10-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 66/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Nilon Theatre situated at Nilgiris Kotagiris
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri Doc. No. 307/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

11) Sri K. Krishnan, S/o B Kakki Gowder, Sackatha, Aranemu Post. Nilgiris.

(Transferor)

(2) Dr. R. Natarajan and others, S/O R. K. Ramasamy Chettiar, Niton Estate, Kotagiri. Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Niton Theatre: 0.58 acres & the cinema theatre at Kotagiri, Nilgiris. Kotagiri/Doc. No. 307/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 3-10-1985 Seal:

(1) Smt. Ratanammal and others, No. 1. Krishna Iver St., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. N. Sajidha, W/o M. Authad, No. 7, 5th St., Dr. Thirumoorthy Nagar, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006 .

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 87/Feb.85/R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000 - and bearing

No. 1, Krishna lyer, St., Nungambakkam situated at Mad-

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Thousandlights/Doc. No. 42/85 on Feb., 1985
for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the tarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

Land and building: Door No. 1, Krishna Iyer St., Nungambakkam, Madras-34. Thousandlights/Doc No. 42/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

MRS. M. SAMUEL Competent Atuhorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

D. te: 3-10-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Subramanian, 20, Kakthavatsalam St., West Mambalam, Madras-33.

(Transferor)

(2) Smt. R. Rukmani, No. 25, Luz Church Road, Mylapore, Madras-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Rcf. No. 100/Feb.85/R.II.—Whereas, I. MRS. Mt SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. 14, Srinivasa Pillai St., WestMambalam, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Receivation Act 1008 (16).

No. 14, Srinivasa Pillai St., WestMambalom, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kodambakkam/Doc. No. 511/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Premises No. 14, Srinivasa Pillal St., West Mambalam, Madras-33, Kodambakkam/Doc. No. 511/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 186/Feb.85/R.II.-Whereas, I. MRS, M. SAMUEL,

MRS, M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Agri. lands in Pulyambedu village situated at Numbal Madura. Saidapet Tk. Chingleput Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee/Doc. No. 710/85 on Feb., 1985

on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Sri M. Murugan, 340-B. Gandhi Road, Kancheepuram. Kancheepwam.

(Transferor)

(2) Sri S. Chittibabu & P. Chakravathi, 3/3, Perumalagaram Village, Madras-600 077.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands in puliyambedu village, Numbal Madura Saidapet Tk., Chingleput Dist. Poonamallee Doc. No. 710 85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date: 3-10-1985

((1) Sri A. Ramani and A. Sudhaman, 8. Hanumantha Rao St., Theagarayanagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shanthi Thiagarajan, 20, Rajamanna St., Thiagarayanagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 189/Feb.85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 8, Hanumaotha Rao St., Thiagarayanagar situated at

Madras-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 131/85 on Feb., 1985

In Nagar/Doc. No. 131/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the somaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 8, Hanumantha Rao St., T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 131/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--1 كفتها ول ع- 10- 100 تريين

Date: 3-10-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 192/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Door No. 5(Old 1/13), Ramanathan St., situated at T.

Nagar, Madras-17

(and more fully Jescribed in the Schedule annexed has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 176/85 on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

#(1) Dr. A. R. Sreenivasan. Miss S. Sadhana, Miss A, Rajini, No. 31, Rangan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

 1. Sri D. V. Sainath Gupta,
 2. Mrs. Vyjayanthi,
 No. 45, Clemens Road, Vepery, Madras-7.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ε period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely ---

THE SCHEDULE

House and Ground Door No. 5, Ramanathan St., T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 176/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 3-10-1985

Seal:

51-306GI/85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 193/Feb.85/R.II,-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 11, Hindi Prachar Sabha Road, situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 196/85 on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. S. Srinivasan, Vikram Stiniyasan, Ajai Srinivasan, No. 11, Sir C. V. Raman Road, Madras-18,

(Transferor)

(2) Sri Suman, No. 23, Model House Road, Cl'I' Nagar, Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Old No. 12A, New No. 11, Hindi Prachar Sabha Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 196/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd October 1985

Ref. No. 197/Feb. 85.—Whereas. I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5, Parthasarathipurain Extension, situated at North T. Nagar, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 250/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee that the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Mr. J. Natarajan s/o Jagadoesa lyer,
 Parthasarathipuram Extension,
 Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mr. R. K. Lingambalraj, Mrs. K. Muthammal, 8th St., Dr. Radhakiishnan Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 5, (Old No. 7B) Parthasarathipuram Extension North T. Nagar, Madras.

T. Nagar/Doc. No. 250/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 1/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1, (Old No. 1-A) Harleys Road, situated at Kilpauk, Mad-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Purasawalkam/Doc. No. 357/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Mrs. G. Prabhavathi, Mr. G. Rup Kumar, Rep. by her registered Power of Attorney, Mr. B. Surender, 8, Manikeswari Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mr. S. A. Gaffar Alias Muneer, 9, Anderson Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 1 (Old No. 1-A) Harleys Road, Kilpauk, Madras-10.

Purasawalkam/Doc. No. 357/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 48/Feb. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Marchaickeupalayam situated at Athuppollachi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Pollachi/Doc. No. 340/85 (2 nos.) on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri L. Viswanathan, a/o Lakshmana Narayanasamy gounder, Athur, Pollachi (P.O.) Pollachi. Sri L. Sundararaj, s/o Lakshmana Narayanasamy gounder, Athu Pollachi, Athupollachi (PO) Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri L. Sundaraj, s/o Lakshmana Narayanasamy gounder, Athuppollachi (PO), Pollachi Taluk, Sri L. Viswanathan, s/o Lakshmana Narayanasamy gounder, Athupollachi (PO), Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: No. 103/3A and 93—Athupollachi. (2 nos.) 340/85/Pollachi.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-II,
> Madras-600 006

Date: 1-10-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 50/Feb./85/R.II.—Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. Nos. 149, 150, 151, 152 situated at T.S. Ward 6, Subramania Swami Pollachi Koil St., and Velalar St., (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer Pollachi/Doc. No. 175/85 on Feb. 1985

of transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. V. Chellanmal Smt. V. Chandra, w/o Dr. R. Muthukumar and another, 8, Velalar St., Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri V. Balasubramaniam, B.E., M.B.A., s/o P. A. Velliangiri, 110, Coimbatore Road, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: T.S. Nos. 149, 150, 151, 152, Door No. 8, in Subramania Swamy Koil St., and Velalar St., Pollachi.

Pollachi/Doc. No. 175/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 59/Feb. 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Anaimalai, Pollachi situated at Thiruppur S. No. 276A (and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the Office of the Registering Officer at has been transferred under the Registration Act 1903 (16 Anaimalai/Doc. No. 108/85 and 110/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

- Smt. Rajeswari, d/o C. Moraraja, Veterinary Hospital Road, Pollachi.
 - Smt. Rajathi alias Pushpavalli, w/o T. Dhandapani, Main Road, Kottur, Pollachi.

(Transferor)

- (2) Smt. Dhanalakshmi, mother and guardian of minor son, Sri Kailasagounder, Namakkal, Penakkurichi, (Now) Mahalakshmi Nilayam, Edins Road, Ooty.
- Sri K. Sureshbabu s/o Kailasugounder Mahalakshminilayani, Edins Road, Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: at Anaimalai, Pollachi. Anaimalai/Doc. No. 108 and 110/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 1-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 65/Feb. 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

Thottipalayam village, 4th ward, situated at door No. 2, Thiruppur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 281/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri S. M. Shanmugam,
 Senthil Kumaresh, Saravanarajendran,
 Mookanchettiar, Bethichettipuram, Tiruppur.

(Transferor)

(2) Sri A. Ganesan, s/o Sri Alagirisamy, Ramnagar, 4th ward, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 4th ward, Door No. 2, Thottipalayam, Tiruppur Town,

Tiruppur/Doc. No. 281/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taAcquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 1-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 72/Fcb. 85/R.H.-Whereas, I, MRS. M.

SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

Mathuvarapapuram situated at Coimbatore Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thondamuthur/Doc. No. 222/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Venkittammal, w/o Karumalchettiar and Rajappan, Krishnan, Rajendran, Krishnamurthy, Puluvapatti village Majara Chiriya goundanpalayam, No. 4/9, Puluvapatty village, Combatore Taluk.

(Transferor)

(2) Karunya Educational Trust, Trustee, S. Durasamy, 16, Greenways Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 306/2, Mathuvarayapuram, Coimbatore Taluk. Thondamuthur/Doc. No. 222/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II.
> Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

52 -306GI/85

Date: 30-9-85.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 78/Feb. 85/R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 11/415, Plot No. 16 situated at 164A, 164B, Tatabad, Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Gandhipuram/Doc. No. 507/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. #957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri T. S. Thiruvengadasamy, s/o Srinivasalu Naidu, Idigarai Coimbatore
 - Idigarai, Coimbatore.
 2. Sri T. Parthasarathi and T. Narayanan, sons of Thiruvengadasamy, Idigarai, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri M. Ramdoss,s/o R. Muthia,22, Sornambiga Lay out,Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land: Tatabad, Ward No. 11, T.S. No. 11/415, Plot No. 16, Coimbatore Town.

Gandhipuram/Doc. No. 507/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 79/Fcb. 85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Sanganur village, situated at Coimbatore taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 509/85 on Feb. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—;

 Smt. T. Baghyam, w/o Devarajan, 100A, Brindavan St., Kavarinagar, Kumbakonar Pudur, Coimbatore-38.

(Transferor)

(2) Smt. G. Ramathal, w/o M. Govindasamy Chettiar, Thondamuthur Village, Coimbatore Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Sanganoor Village, Coimbatore Taluk. Doc. No. 509/85/Gandhipuram.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 30-9-85.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 82/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00,000, and bearing No.

Sanganoor village, G.S. Nos. 345|1, 346|1, 353, 354 situated at Gandhipuram, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 901/85 on Feb. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. Dhandapani, s/o Thillaimuthu Pillai, 33, Bharathi Park Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Jagannath Chefty, s/o Neemu Chefty,
2. Sumithra Chefty, w/o Jagannath Chefty, 129, C. K. Colony, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Gandhipuram, Sanganoor village, G.S. Nos. 345[1, 346[1, 353, 354, Dry acres—5.50 in Bharathi Avenue Lay out.

Gandhipuram/Dec. No. 901/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 105/Fcb. 85/R.II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. A.44, Door No. 33, 10th Avenue Ashok Nagar, situated at

Madras-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 551/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. G. V. Krishnan and Co., No. 33, Mahadevan St., West Mambalam,

(Transferor)

(2) M/s. Rockfort Publications Pvt. Ltd., No. 33, 10th Avenue, Ashok Nagar, Madras-600 083.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. A.44. Door No. 33, 10th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83. Kodambakkam/Doc. No. 551/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-10-85 Seal:

(1) Sri K. Varadarajan, s/o Krishnammanaidu, Kulathuthottam, Singanallur.

(2) Sri M. Krishnan, s/o Marimuthu Naicker and others,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 112/Feb. 85/R.II.-Whereas, I, MRS. M.

SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Singanaltur Village, 129/3, 130/3 A1, situated at 155/1, Comparature talk

Coimbatore taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur/Doc. No. 416/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ear Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

45, Adappakadu, Onnapudur, Coimbatore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land: Singanallur village, Onnapudur, Coimbatore. Singanallur/Doc. No. 416/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 1-10-85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 118/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 0.72—7/16 acre in R. S. No. 4205/1C situated at OOTY. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uthagamandalas (Nilgiris) Doc. 191|85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such paragraph consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri C. R. Pattabiraman S/o Late C. P. Ramasamy lyer, 2. Smt. Sakuntala Jagannathan,

3. Sri A. T. Krishnakumar, 4. Lakshmi Subramanian,

5. Smt. Padmini Balagopal, by P.A. Agent ; C. R. Pattabiraman.

(Transferor)

(2) Sri D. Puckraj S/o Shri Dhanraj, Gulecha Coonoor, Sri Prakash B. Mehta S/o C. Bhawarlal, Ooty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Land: 0.72 7/16 acre in R. S. No. 4205/1C Ooty, Uthagamandalam/Nilgiris/Doc. No. 191/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π

Dates:-1-10-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 1st October 1985

Ref. No. 120|Feb. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Mathuvarayapuram situated at Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Thondamuthur/Doc. No. 193/85 in Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Ramasamy and others sons of Sri Ayyakkounder, Smt. Devakiammal, Sri Kondasamy, Shanmugam, Majara Alandurai Village, Alandurai Village, Coimbatore taluk.

(Transferor)

· (2) M/s. Karunya Educational Trust, Trustce, Sri S. Duraisamy, 16 Greenways Road, Madras-28.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Mathuvarayapuram, Coimabtore. Thondamuthur/Doc. No. 193/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIN RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 128/Fcb.85,---Whereas, I, MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 19, Venkatachala Mudali St., situated at Purasawalkam, Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Purasawalkam/Doc, No. 274/85 in Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be apparent consideration and that the consideration are consideration as a consideration and the consideration and the consideration are consideration and the consideration and the consideration and the consideration are consideration and the consideration and the consider between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the stad Act. or the White Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --53--306GI/85

(1) Sri P. S. Govindarajulu, 41, 7th Cross St., West Shenoynagar, Madras-90.

(Transferor)

(2) Sri J. Bhakthavatsalu. No. 6, Letangs Road, Purasawalkam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: No. 19, Venkatachala Mudali St., Purasawalkam, Madras-7.

Purasawalkam/Doc. No. 274/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIN RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 30th September 1985

Ref. No. 66/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F. 209, Anna Nagar, situated at Madras-102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anna Nagar (Doct. No. 244/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Lakshmi Krishnaswami 2. Dr. P. N. Krishnaswami, No. 292/A, Il Main Road, Jaya Nagar, Bangalore.

(Transferor)

Mr. Basheer Ahmed & Other,
 Cassim Sahib Street,
 Royapettah,
 Madras-600 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. F. 209, Anna Nagar, Madras-

S.R.O. Nana Nagar Doct. No. 244/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date : 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 23rd August 1985

Ref. No. F. No. 67/Fcb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E, Plot No. 269, Periakudal Village, Madras and undivided 1/6 interest in the land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 304/85) in February, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons manely:

 Smt. M. Andalammal W.o Shri L. K. Markandeyan, 'F'-77, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Motichand Daga 2. Smt. Mohini Devi Daga, W/o Shti K. Motichand Daga, 'F'-17, Second Main Road, Anna Nagar, Madras-600 102.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Flat No. 'E', Plot No. 269, Periya-kudal Village, Madras with undivided interest 1|6 in the

(S.R.O. Anna Nagar-Doc. No. 304/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras

Date: 23-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. P. Banumathy W/o Mr. K. C. Nair, Plot No. 3805, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferor)

(2) Sri K. Sudeendra Shetty, Mrs. Ashritha Shetty, 'C' Block, No. 59, Anna Nagar, Madras-600102.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 69/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 377, Arignar Anna Nagar Western Extension (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Anna Nagar (Doct. No. 346/85) in February, 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazzete or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 377, Arignar Anna Nagar Western Extension, Madras. S.R.O. Anna Nagar, Doct. No. 346/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. K. Edugiri, W/o Shii S. Krishnamurthy, AC. 102, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri S. Sampathkumar, Plot No. 3505, J-69, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 71/Feb.85,-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

seing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

No. J. 69, Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the schedule annexed hereto) thus been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Anna Nagar (Doc, No. 2130/85) in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said estimated of trapeler with the chief of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hebility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: ul/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3505, J-69, Anna Nagar, Madras-40. S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 2130/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistioin Range-1 Madras

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Rcf. No. 73/Fcb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 1917, Atinar Anna Nagar situated at Madras-40

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Anna Nagar (Doct. No. 489/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. V. Narayanan S/o Sri P. R. Viswanatha Iyer, Plot No. 1917, 'J' Block, 4th Street, Arignar Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Snr. P. Rajambal Vi/o Shri P. Periyaswamy Pillai, No. 226/2, Rohini Flats, Anna Nagar ,West), Madras-600 101.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1917, 'J' Block, 4th Street Atinar Anna Nagar, Madras-40. S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 489/85.

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistioin Range-I
Madras

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Rcf. No. 76/Feb.85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 229, Block 9A, Anna Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Officer

onter at Anna Nagar (Doct. No. 574/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ofteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri D. Santhanayaki, 30, Perumal Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. Wilson Samuel Prayraj, 25 S Block, Anna Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 229, Block 9A, Anna Nagar,

S.R.O. Anna Nagar Doct, No. 574/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 77/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2. Sai Murugan Street, Thirumangalam Road, Villivak-

kam, Madras-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anna Nagar (Doct. No. 618/85) in February, 1985

Anna Nagar (Doct. No. 618|85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sri T. G. Srinivasan S/o Shri T. G. Gopal, No. 2. Sayce Murugan Street, Thirumanglam Road, Villivakkam, Madras-600 049.

(Transferor)

(2) M. Thikku Vijaya Pandian, M.S.C. S/o Shri Murugesa Nadar, No. 38, Reddy Street, Villlivakkam, Madras-600 049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 2, Sai Murugan Street, Thirumangalam Road, Villivakkam, Madras-600 049.

S.R.O. Anna Nagar Doct. No. 618/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistioin Range-1 Madras

Date: 27-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1964 (43 OF 1961)

DUTTRUM ST. MINA

(1) Air Vice Marshal F.V.A. Scudder, Block T 91, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Sri K. Venugopalan, Represented by Attorney Mr. Y. C. Ullal, 318A, Pilknigton Road, Madras-600 023.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER AT CHOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006; the 27th September 1985

Ref. No. 78|Feb 85, --Whereas 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 4089, Mullam Village situated at (and more fully described to the Schedole annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 627/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent recond-cation therefor by more than fifteen per cent of such approent consideration and that the comideration for such draws of an agreed to between the parties has not been train stailed in the said instruments of transfer with the object.

- in) facilitation is intention of cheaten of the liabolic of the transferor to pay tax united the said Act, in respect of any income, unsing from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concentment any income or any moneys in other assets which have to a been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian (taxome-tax Act. 1972) (11 of 1922) or the work A to be the Wealth-too act 1457 (27 of 1957 it

Objection), if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 4089, T 91, Anna Nagar,

T.R.O. Anna Nagar Doct. No. 627/85,

MRS. M. SAMULE Competent Authority Inspecting Assertant Commissioner of Income-tax Acquistioin Range-I Madras

Now, therefore, in cursulation of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue in this action ander subsection (1) of Section 27, and most set to the following perfect namely:

54. 2000 (28) 54-306G1/85

Seal · 27-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 **MADRAS**

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 79/Feb:85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the 1961 (A2 of 1961) (beginn the infarred to Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing
Plot No. 1570, Anna Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 673/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any meems or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Deepika Nandlal, No. 41, Halls Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri S. N. Selvaraj and Smt. M. J. Arputhamary, Nallama Naickenpatti Post, Dindigal-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used herein EXPLANATION: -- The terms and expressions us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 1570, Anna Nagar, Madras. S.R.O., Anna Nagar, Doct. No. 673/85.

MRS. M. SAMUEI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistioin Range-I Madras

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 80/Feb./85.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable in the competent action in the competence of the comp property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

R. S. No. 1609/2 situated at Marshalls Road, Egmore,

Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Periamet (Doct. Nos. 114, 115 and 116/85) on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others, No. 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) M. Anandan, M. Amudha, No. 4, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras. S.R.O. Periamet (Doct. Nos. 114, 115, 116/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 27-9-1985

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others, No. 140. Marshalts Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) G. Annammal, 19, Lotus Ramaswamy Street, Koyapuram, Madras-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 81/Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;—and bearing No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule approach bearing)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 117/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer معالمه
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period to purce later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras. S.R.O., Periamet Doct. No. 117/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/: Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

FORM ITN9-

A. Visweswara Rao and 3 Others, No. 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

Acquisition Range-I

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Sekhar, No. 6-C, Sreeman Stinivasa Iyengar Road, Madras-18.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 82/Feb/85,-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Periamet (Doct. No. 118/85) on February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras. S.R.O., Periamet Doct. No. 118/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 27-9-1985

FORM ITNS --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 83|Feb.|85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 119/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others, 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) R. Gopal, 6C, S. S. Iyengar Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras. S.R.O., Periamet Doct. No. 119/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 27-9-1985

er or endergram comme

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) A. Visweswara Rao and 3 Others, 140, Marshalls Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 84/Fcb./85.—Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 120/85) in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free the transfer and or
- (b) farilitating the concentment of any lectme or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

G. Senthamarai,
 Mannarswami, Koil Street,
 Madras-13.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 139 & 140, Marshalls Road, Egmore, Madras, S.R.O., Periamet Doct, No. 120/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-9-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 85/Feb/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing
R. S. Noc. 91, 92, 93, 94 & 96 part of Egmore village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registering Officer
at Periamet (Doct. No. 123/85) in February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. amely:—

Kishoro Gokaldas,
 Hanumantharayan Koil Lane,
 Madras-3.

(Transferor)

1. Chanderkumar Malhotra,
 2. Sureshkumar Malhotra.
 3. Hareshkumar Malhotra,
 No. 23, Raghanayakula Street,
 Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in R. S. Nos. 91, 92, 93, 94 & 96 padt of Egmore Village S.R.O., Periament Doct, No. 123/85.

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 (i/e) Madras-600 006

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kishore Gokaldas, 4, Hanumantharayan Koil Lane, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. Mohana Kishinchand, 44, Marshalls Road, 7th Street, Madras-8.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 86/Feb 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
17. Alagappa Nagar, Halls Road, situated at Madras-10.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Dect. No. 124]85) in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat with undivided interest in the land at No. 17, Alagappa Nagar, Halls Road, Madras-10. S.R.O., Periamet Doct. No. 124/85.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 55-306GI/85

Date: 27-9-1985

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/e) Madras-600 006.

(Transferor)

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sharad L. Shah, 149/1, Broadway, Madras-600 108.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 89/Feb./85,-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

transfer with the object of :—

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,008/-

and bearing No.

9. Briethapet Road, Madras-7, shuated at Madras 9, Briefhapet Road, Madras-7, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 139/85) in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid average the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(Transferce)

(1) Padmavathi Construction Company,

7. Briethapet Road,

Madras-7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat with undivided interest in the land at No. 9, Briethapet, Madras-7. S.R.O., Periamet Doct. No. 139/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 90/Feb./85.-~Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

9. Briethapet Road, Madras-7 situated at Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under lite Registation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 140|85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Padmavathi Construction Company, 7, Briethapet Road, Madras-7.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra Anjaria, 102, Marshalls Road. Egmore, Madras-8.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Brithapet Road, Madras-7. S.R.O., Periamet Doct. No. 140/85.

> MRS. M. SAMUER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c)
> Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-9-1985

Padmavathi Construction Company,
 Briethapet Road,
 Madras-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Rajesh Mardia,
 Kalathi Pillai Street,
 Madras-600 079.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 91/Feb./85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 141|85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Briethapet Road, Madras-7. S.R.O., Periamet Doct. No. 141/85.

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c.
Madray-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

FORM ITNS

NOVICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 92/Feb./85.-Whereas, I,

Ref. No. 92/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to mu the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Brithapet Road, Madras-7 situated at Madras. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet (Doct. No. 142/85) on February 1985 at remainer (Doct. No. 142|85) on February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Padmavathi Construction Company, 7, Briethapet Road, Madras-7.

(2) Samiksha J. Patel, 7. Brietha Road, Madras-7.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 9, Briethapet Road, Madrus-7. S.R.O., Periamet Doct. No. 142/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 27-9-1985

CANDA TONG

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Challa Eswara Rao, No. 77, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt, M. Sukanya, 6, Razak arden Street, N. S. K. Nagar, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th September 1985

Ref. No. 94/Fcb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovrible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

R. S. No. 68/3(68/2) of Egmore Village situated at Madias. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 177/85) on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter

THE SCHEDULE

Flat in R. S. No. 68/3 (62/2) of Egmore Village, Madras S.R.O., Periamet Doct. No. 177/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 95/Feb./85.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 68, Woothucottan Street, Periamet, Madras-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 179/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Charles Albert Taylor,
2. Mrs. Elaine Edmonds.
3. Mrs. Theresa Mitchell
All are residing at No. 23,
Foxen Street, Perambur,
Madras-11.

(Transferor)

(2) Mr. A. Mohammed Ameen, S/o Mr. A. Habeebur Rahman Sahib, No. 51, Thalayatham Bazar, Santhapet, Gudiyattam-632 602.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovement able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 68, Woothucottan Street, Periamet, Madras-3.
S. R. O., Periamet Doot, No. 179/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

rlow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely section 1

Date: 27-9-1985

FORM I.T.N.S.-

 M/s. Universal Chemical Industries, 167. Sydenhams Road, Choolai, Madrsa.

(Transferor)

(2) Mrs. P. V. Janaki Ammal, W/o Mr. U. Krishnan Nair, No. 13/A, Ormes Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Rcf. No. 100/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harcinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 167. Sydenhams Road, Periamet, Madras-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 204/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Building at Door No. 167, Sydenhams Road, Periamet, Madras-3, S. R. O. Periamet Doct. No. 204/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 102/Feb./85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUFI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, 14th Avenue, Harrington Road, Chetpet, Madras-31. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 210/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—306GI/85

 Shri M. Sivaramakrishnan alias M. Sivaram, No. 10, 14th Avenue, Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) M/s. Aruna International (P) Ltd., represented by its Director. Sri G. Venkateswaran, No. 27, Wallace Garden III Street, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 10, 14th Avenue, Harrington Road, Chetnet, Madras-31.
(S. R. O. Periamet—Doc. No. 210/85).

MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-I (i.e.) Madras-600 006

Date : 25-9-1985

· Land State (1995) And the state of the sta

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 103/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No Door No. 484. situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the schedule approved bareto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 220/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) C. K. Chandrakanthammal, 484, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Smt. A. Rajeshwari, Kum. A. Srecdevi. No. 1. Bishop Wallers Avenue, South C. I. T. Colony, Madras-4.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No 484, Pantheon Road, Famore, Madras-8. S. R. O., Periamet Doct. No. 220/85.

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tox Acquisition Pange-I (i.e.) Madras-600 006

Date: 25-9-1985

Senl:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri G. Rajagopalan, 25. Siganna Chetty Street, Chintadripet, Madras-2.

 Smt. E. Vijayaalakshmi.
 Palani Andavar Street. Chintadripet. Madras-2.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 105/Feb./85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 32, Naval Hospital Road. *ituated at Periamet, Madras. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 237/85) on February, 1985 on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 32, Naval Hospital Road, Periamet, Madras. S. R. O., Periamet Doct. No. 237/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-I (i/c) Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

(1) Mrs. Padmam Mannadi Nayar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mis. Mira M. Ramachandani, Mr. Naresh M. Ramchandani, No. 5, 11 Cross Street. Sterling Road, Madras-600 034.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J. MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 107/Feb./85,—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No.
Flot A-77 'M' Street, K. G. Colony, Madias-10.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 (1908)) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 250/85) on February, 1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly thated in the said instrument of transfer with the object of : -

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

- (a) by any of he aforesaid persons within a period or .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Plot No. A-77, 'M' Street, K. G. Colony, Madras-10,

S. R. O., Periamet Doct. No. 250/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADKA5-600 006.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 108/Feb./85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUFL., being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40, Nammalvar Street, George Town, situated at Madric (

situated at Madras-1,

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hersto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowearpet (Doct. No. 59. 85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Vivekananda Educational Society, Represented by its Secretary Mr. B. Govindaraj, 66. Vadivelu Mudali Street, Perambur, Madras-11.

(Transferor)

(2) Smt. Susheelabai Jain, Smt. Anjankumari Jain, 13, Kalathipillai Street, Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 40, Nammalwar Street, George Town, Madras-79. S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 59/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 109. Feb./85.—Whereas,
MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/-, and bearing No.
24, Venkatarama Iyer Street, Kondithope, Madras-79.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sawcarpet (Doct. No. 66. 85) on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferses for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worldh-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) L. Ravikumar (alias)
L. Surendran,
L. Ravindran,
Sons of Lalaswami,
No. 24, Venkatarama fyer Street,
Kondithope, Madras-79.

(Transferor)

(2) Mrs. Swainammal, W/o Thirunavukkarasu Mudaliar, 24, Naianiappa Naicken 3rd Lane, Old Washermenpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons thickever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 24, Venkatarama Iyer Street, Kondithope, Madras-79. S. R. O., Sowcarpet Doct. No. 66/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 306

Date: 27-9-1985

(1) The Official Trustee of Madras High Com!, Madras-6000104.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. M. G. M. Transports (Regd.), 14. Block-II, Corporation Buildings, Kannappar Thidal, Madras-600 003.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 111/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 92, Waltax Road,

situated at Madras-3. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doct. No. 70/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the aforesaid property are decreased. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Doo, No. 92, Waltax Road, Madras-S. R. O., Soweninet Doct. No. 70/85.

> MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i'c Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to the following recesons, namely:--

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri R. Kannappa Chettiar, 18, Raghunayakulu Street, Madras-L

(Transferor)

(2) Sri Virendra Kumar Agarwal, 121. Rasappa Cheffy Street, Madras-600 003.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 118/Feb./85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.

47. Venkatachala Mudali Street. situated at Madras-?. (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doct. No. 102/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than literature of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresuld exceeds the apparent consideration therefor by more than liteon per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 47. Venkatachala Mudali Street, Madras 3.
S. R. O., Sowarpet Doct. No. 102/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following p rsons, namely :-

Date : 27-9-1985 Seaf :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

i. Smt. S. Kalavathi,
 W/o T. E. Sivaprakasam
 ii. Shri T. E. Sivaprakasam
 60. Ormes Road,
 Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. Tahera Bcgam, W/o S. F. Hussain Sahib, No. 7, Dimmasamy Dargah I Street, Madras-82.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 000.

Madras, the 23rd August 1985

Ref. No. F. No. 121/Feb/85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Prakash Avenue, Paper Mills Road, Sembiam, Madras-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam (Doc. No. 298/85) on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

57-306GI/85

THE SCHEDULE

Land and Building No. 4, Prakash Avenue, Paper Mills Road, Sembiam, Madras-11.
(S. R. O., Sembiam—Doc. No. 298/85).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Oats 23-8-1985

 Sri P. Kannappa Mudaliar, 53, Pilliar Koil Street, Tondiarpet, Madras-81.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri P. Subramaniam and Smt. S. Hamsavalli, No. 58, Coral Merchant Street, Madras-600 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006,

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 130/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 58, Coral Merchant Street, situated at Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 422/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 58. Coral Merchant Street. Madras-1.

S. R. O., Madras North Doct. N. 422/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 131/Feb /85.—Whereas, 1. MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Door No. 9, Kennet Lane, Egmore, situated at Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the RegisteringOfficer at Madras North (Doct No. 457/85) on February 1985.

at Madras North (Doct. No. 457/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P. S. Ratna Bai & 4 Others, No. 487, Pantheon Read, Egmore Madras-8.

(Transfere

(2) Harrington Hotels (P) Ltd., Represented by Managing Director: Shri P. F. Mohan Raj, No. 23. Western Wing Ist Floor, Krishna Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 9, Kennet Lane, Egmore. Madras-8. S.R.O., Madras North Doct, No. 457/85

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 134/Feb./85.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tsx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 112, Varadhamuthiappan Street, situated at Madras-1.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Madras North (Doct. No. 612/85) on February 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

 K. Venkateswaralu & Others, No. 36, Govindappa Naicken St., Madras-600 001.

(Transferor)

 Sri Padamchand Jain & Other, 11, Erulappan Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Claxette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, is
respect of any income arising from the transfer;
and or;

Land and Building at D No 112, Varadhamuthiappan Street, Madras-1 S.R.O., Madras North Dect. No. 612/85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

 M/s. Star Cold Stoarge Pvt Ltd., No. 56, Subramaniam Street, Abhiramapuram, Madras-600 018.

(Transfero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s, Sanco Ware Housing Pvt. Ltd., No. 90 Moore Street, Madras-1

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 137/Feb./85.—Whereas, I. MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 2, Flag Staff Road, Royapuram, Madras-600 013
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Royapuram (Doct. No. 183/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 2, Flat Staff Road Royapuram, Madras-600 013 S.R.O., Royapuram Doct. No. 183/85

MRS M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. (i/c)
Madras-600 006

Date: 27-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 27th September 1985

Ref. No. 139/Feb./85.-Whereas, I,

MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 7, Cross Road, situated at New Washermanpet, Madrae 21

Madras-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doct. No. 299/85) on February. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen part cent of such apparent consideration and the the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) (1) M/s. Lotur Industries Ltd., By its Director Dr. S. Mohammed Johan, 'Burma House', 97, Coral Merchant St., Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Banumathi, Mrs. D. Manikkodi, Mrs. R. Valaramathi, 96, G. A. Road, Madras-600 021.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Cross Road, New Washermanpet. Madras-81. S.R.O. Royapuram Doct. No. 299/85.

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, (i/c)
> Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-9-1985

(1) Mrs. Vijayalakshmi Marthanda & Mrs. Asha Kiron, F-71. Anna Nagar, Madras--600 020.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manickavasagan & Mr. Sundaramoorthy, 17-B, Main Road, Tillai Nagar, Trichy-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madias, the 27th September 1985

Ref No. 143/Feb./85.-Whereas, 1, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 100, Harrington Road, Chetpet, situated at Madras-600031 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct No. 167/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 100, Harrington Road, Chetpet, Madras-600 031 S.R.O., Periamet Doct 167/85

> MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act(I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 2nd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3847 Acq. 23/I/85-86.—Wheeras, I. G. K. PANDYA,
heing the Computent Authority under Section 2688 of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Ind. Land + Shed at Jetpur S. No. 35 paiki Plot No. 9 + 10 (and more fully described in the schedule appropriate there(a))

Ind. Land + Shed at Jetpur S. No. 35 paiki Plot No. 9 + 10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jetpur on 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the stid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, act, 1957 (27 of 1957))

M/s Alik Dying & Printing Works
 Partners: Vinodkumar Shivbansrai Sandhai (HUF)
 Behind Ram Chambers-Jetpur
 Rajkot Dist.

(Transferor)

(2) M/s Kalplata Tax Print Partner: Kishorbhai Becharbhai Basmiya & Ors. Chandni Chowk - Jetpur -Dist: Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial land at Jetpur S. No. 35 paiki plot No. 9 & 10 adm. 825 + 1089 sq. mtr. + Ind. Shed etc. outside Mun. limit Jetpur Junagarh High way R. o. 37/85 Dt. 4-2-85.

G. K. PANDYA
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

Date: 2-9-85

FORM ITNS----

👊 🔾 انتقابات المنافع الم

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE-1/II,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. oN. 3848 Acq. 23/I/85-86.--Whereas, I, G K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No

Flat No. 601 6th Floor Bldg. Crescent F. Adm. 1125 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 37EE filed on 4-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
58—306GI/85

(1) M/s J S. Corporation,48 - Indra Narayan Road -Santacruz West - Bombay-54

(Transfere

(2) Smt. Kumudben Jayvantbhai Udani 21 - Prahlad Plot - Udani Niwas, Raikot-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 - 6th Floor Race Course, Crescent F Bldg. Adm. 1125 sq. ft. Rajkot 37EE filed on 4-2-85

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1/II, Ahmedabad

Date: 9-9-1985

NIVILCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

37336

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1/II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3849 Acq. 23/1/85-86,---Whereas, 1, G K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovael property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000% and bearing No.
Flat No. 201 2nd floor - 'Crescent B' Bldg. Race Course
Adm. 1125 sq. yd. Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at 37EE filed on 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s J S. Corporation, 48 Indra Narayan Road -Santa Cruz (West) Bombay-54,

(Transferor)

(2) Shri Maheshchandra Muljibhai Karia C/o Cash N. Carry Crescent B Bldg Race Course - Rajkot

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor-Crescent B Bldg. Rajkot Race Course - Adm. 1125 sq. ft. 37EE filed on 4-2-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Date: 9-9-1985

van erren veren al entreen

FORM TINS ----

(1) Asudomal Bhavandas & Ors. Kalyan Park - Race Course Raikot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hasmukhlal Parshottam Kichadiya Himatlal Parshottam Kichadia Shankar Dying Wali Sheri S. No 123 Bedi para Rajkot

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3850 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G K PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta Act, 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing No.

H. P. at Rajkot S. No. 123 Adm. 180 sq. yd Plot No 42 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering officer

at Rajkot on 28-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reasfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

HP at Rajkot Shankar Dying Wali Sheri Plot No. 42 paiki S. No. 123 Adm. 180 sq. yd. Bedi para Rajkot R. No. 1455/85 Dt : 28-2-85

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3851 Acq. 23/I/85-86,--Whereas, I, G K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/,- and bearing No. HP at Rajkot Plot No. 24-Govt Servant Coop. H. Socy, Land 305 sq. yd. + Bldg.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Upendra Harshvantrai Dholakiva Flat No. A.1 Mureja Apartment Navrangpur - A'bad.9 Sharadchandra Harshavantrai Dholakiya Panchavati Socy. Redi Bandar Road, Jamnagar, (Transfero
- (2) Dilipkumar Umedlal Shah -Kaba Gnadhi Ni Sheri Gandhi Chowk - Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H.P. at Rajkot Govt Servant Co.op H. Socv. Race Course Plot No. 24 Land Adm. 305-7-0 sq. yd. + Bldg. 56 sq. mtr. 67 sq. yd R No 1143//85 Dt : 14-2-85°

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Date: 9-9-1985

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Alunedabad, the 3rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3852 Acq. 23/I/85-86.—Wheeras, I. K. PANDYA.

peing the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Shop No. 5-6-7 on G. F adm. 846 sq. ft. at Janak Chambers
Dpp: Girnar Cinema—Rajkot

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

908) in the office of the Registering Officer t Rajkot on Feb 1985.

or an apparent consideration which is less than the sir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Janak & Co. Partner Smt. Bhartiben Navinchandra Patel & Ors. Race Course Co. op. H. Socv. Opp : Race Course - Rajkot.

(Transferor)

(2) Kishorkumar Dahyalal Kotecha Bangadi Bazar, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPTANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, 6, 7, G F. Adm 846 sq. ft. Janak Chambers - Opp: Girnar Cinema Rajkot - R. No. 530 Dt: Feb. 84

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Date: 3-9-1985

FORM I'INS-

(1) Shri Keshavlal Dalpatram Joshi & Ors. 9-Parsi Bazar Street. Fort-Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Kishorsingh Amarsingh Jadeja Krishnagar Hill Drive Shant nagar Socy. Plot No. 2273/4 Bhavnagar.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 26PD (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 17th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3853 Acq. 23/1/85-86.--Whereas, G K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Plot No. 2283/B-2 at Talaja Road. Krishnagar Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 28-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair nanket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2283 B-2 at Haleja Road Krishnagar, Bhavnagar.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Date: 17-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I/II, 2nd FLLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th September 1985

Ret. No. P. R. No. 3854 Acq 23/1/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and hearing No. S. No. 260 Sub Plot No. 66-Lovanya Co. op. Hsg. Socy.

Bunglow No. 66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Form No. 37-1/E on 16-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment o may ancome or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act 1937 (27 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotion 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ajitbhai Premehand Shali, 66-Lavanya Co-op. Hsg. Socy. Ltd., New Vikas Grah Road. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kusumben Bhailal Shah.
2. Shri Bhailal Harilal Shah,
66-Lavanya Co. op. Hsg. Socy. Ltd.,
New Vikas Gruh Road, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHUDULE

Bunglow No. 66-Lavanya Co. op. Hsg. Socy. Ltd. New Vikas Gruh Road Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range I/II
> Ahmedabad-380 009.

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Meena A. Kalkarni, C/o. A. V. Rajadhyaksha, Usha Kiran Aptt. Dr. Yagnik Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri N. J. Kotak, 19-B-2-Harihar Socy. Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3855 Acq 23/1/85-86,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

H. P. at Rajkot S. No. 443-444 Land Adm. 301 sq. yd.

+ Bldg. Sp. No. 19B-Rajkot
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and for

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot S. No. 443-444 SP No. 19-Land Adm. 301 sq. yd. Bldg. R. Bo.696 Dt. Feb. 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely : --

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I/II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3856 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Flat at Amin Aptt. Adm. 1725 sq. 1725 sq. ft. Rajkot. and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the llowing persons. Called 1995. 59--306GI/85

(1) M/s. Mahavir Construction Co. Vaibhav Apartment, Ramkrushna Nagar, Sheri No. 2, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Chatrabhuj Patel & Ors. Flat No. 6-Amin Appartment, Amin Marg, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same mraning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat At Rajkot-Amin Apartment-Adm. 1725 sq. ft. Amin Marg-Rajkot R. No. 1034/85 Feb. 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range I/II
> Ahmedabad-380 009.

Date: 23-9-1985

FORM ITNS----

(1) Smt. Kusumdevi Prataprai Vora, 4-Union Socy. 25, New Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Smt. Rajjanben Dineshchandra 25-New Jagnath Plot, Rajkoot.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2nd FLLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3857 Acq 23/I/85-86.--Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. P. at Rajkot New Jagnath Plot Sheri No. 25, Union Co.op. H. Socy. Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on Feb. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Rajkot—New Jagnath Plot Sheri No. 25—Union Socy. S. No. 626 Land adm. 250 sq. yds. + Bldg. R. No. 501/1985—Feb. 85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1/Π Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal :

Date: 23-9-1985

FORM I.T.N.S.---

AOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMIN TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I/II, 2nd FLLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3858 Acq 23/1/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lucome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H. P. at Rajput para main Road Sheri No. 8 Adm. 500 sq. yd. + Bldg. Rajkot, (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 18-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert enå /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ramniklal Ambashankar Vyas & Ors. Plot No. 315 Sector No. 22 Gandhinagar-22,

(Transferor)

(2) M/s. Lotus Corporation Trade Centrer Sardar Nagar, Main Road

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Rajput Para—Main Road Sheri No. 8—Land Adm. 500 sq yd. + Bldg. R. No. 1199 Dt. 18-2-1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterestial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Seal : Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2nd FLLOOR, HANDLOOR HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3859 Acq 23/I/85-86.--Whereas, 1 G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land at Rajkot S. No. 429-436 Panchvati Socy. Adm. 433-3 sq. yd. Plot No. 56-A
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the objects of: the sald instrument of transfer with the objects of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Rajeshkumar Vasantrai Sheth Pareshkumar Vasantrai Sheth C/o D. P. Jewellers Income-tax Advocates Opp. Town Hall Dhebar Chowk Rajkot-1.

(Transferor)

(2) Smt. Manoramaben Vinodray Dhanak Co. D. P. Jewellers Manoj Chambers Soni Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein — are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 433.3 sq. yd. Plot No. 56-A Panchvati Socya Rajkot S. No. 429-436-656 plot No. 56: A-R. No. 963 Dt. 8-2-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad-380 009.

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kotak and Ahiyas Para Bazar, Rajkot 360 001.

(Transferor)

(2) Khadi Gramodyug Sangh Mavdi Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3860 Acq 23/I/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

resperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

HP at Rajkot on the way to mavdi S. No. 374/2 Land adm.

708 sq. yd. + Bldg.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Rajkot on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

HP at Rajkot S. No. 374/2 paiki Land adm. 708 sq. yd. +Bldg. Rajkot S. No. 848/85 Dt. Feb. 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3863 Acq 23/I/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the secome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhopal S. No. 293-1-3 paiki block No. 378, 379,380 Land adm. 10725 sq. mtrs.-12870 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering Officer of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad, on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) 1. Ishwarbhai Chaturbhai Patel 2. Smt. Babuben Wife of sIhwarbhai Chaturbhai Patel

Shankerbhai Ishwarbhai as a Karta and Manager of Dharmendrarao Shankarbhai Patel L. R. of Prashant Shankerbhai Patel & 10 others

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Bhikhabhai Modh Chairman of the proposed sargam Co. op. Hsg. Socy. and 26 members Jodhpur Tekra, Sattelite Road, Ahmedabad

(Transferec)

(3) Dr. Premkumar Gupta, Cashier Jodhpur Tekra, Sattelite Road, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property) (4) Dr. V. Ramanial Jodhpur Tekra, Sattelite Road,

Ahmedabad.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bopal S. No. 293-1-2-3 paiki block No. 378, 379, 380 land adm. 19725 sq. mtrs. 12870 sq. Yds.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 3 3 1985 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITTON RANGE-I AHMEDABΛD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3862 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 36, 151 & 152 in proposed bldg. 'Chinubhai Tower' opp. Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad. Form No. 37-EE filed

(and more fully described in the schedule annexed hereto) had been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registering Officer at 37-EE Filed on 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Avinash Estate owners Association through M/s. Hasmukh Shah Enterprise 1st floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Cehtan Kunjkumar Gulati, Navnit Kunjkumar Gulati Gaurant Anupkumar Gulati Manav Anupkumar Gulati C/o Gopaldas Gulati Commerce College, Opp. Falgun Socy. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein reare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36, 151 & 152 in proposed Bldg. Chinubhai Tower Opp. Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3861 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Immovable property F. P. No. 828 Part 2 TPS. 3 Adm. 736 sq. yds. in Kochrab.

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Martandray Gangashankar Shastri and seven others Nr. Pritamnagar First Dhal, Ahmedabad.

(2) Shri Babubhai Alibhai Shaikh and Smt. Fatmabibi Babubhai Shikh Opp. Gaikwad Haveli Delhiwala Block, Raikhad, Ahbedabad.

J Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same zacaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovbble properrty bearing FP No. 828 Part-2 TPS No. 3 adm. 736 sq. yds. in Kochrab Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-It
> Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Date: 27-9-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3864 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Ryperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot Nos. 936-A, 936-B, 936-C 936-D, 936-E adm. 1852.55 sq. yds. at Bhavnagar Krishna Nagar aerodrome road (and more fully described in the Schedule annexed herote), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registration Office of the registration. 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 22-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Thakkar Construction Co. Partner Shri Pravinchandra Harjivandas Thakkar, Old Manekwadi Plot No. 136, Panchamrut, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jay Jalaram Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Shri Bharatkumar Jayantilal Thakkar 720-Deri Road Bhavnagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. 936A, 936B, 936C, 936-D, 936-E adm. 1852.55 sq. yds, at Bhavnagar Krishnagar, aerodraome roadt

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-- 60-306GI/85

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAMROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3865 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Tenament No. 19 in Tulsian Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
Teevraj Park, Vejalpur Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Ahmedabad on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Kantilal Vithaldas Mistri 1-Amrutbag Socy. Jecvrajpark Vejalpur Rd. Ahmedabad-51.

(Transferor)

(2) Manguben daughter of Vajaji Narsingji 19-Tulsivan Co. op. Hag. Socy. Ltd. Jeevraj Park, Vejalpur Road, Ahmedabad-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 19 Tulsivan Co. op. Hsg. Socy. Ltd. Jeevraj Park Vejalpur Road, Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad-380 009.

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II AHMEDABAD Ahmedabad, the 1st October 1985

Ref.No. P.R. 3866 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. S. No. 133/1 land adm. 5160 sq. mtr. = 6192 sq. yds. situated at Ghatlodia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16.

in the office of the registering officer at A'bad in 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bai Surajben Chhagaji etc. legal heirs of Chhagaji Ramsingji Ghatlodiya, Tal. City. Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Ramdevprakash Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman—Arvindbhai Bhagwandas Patel, Nani Khadki, Rakhial Ahmedabad-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 133/1 Land adm. 5160 sq. mtrs. = 6192 sq. yds. in Ghatlodia.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-10-1985

(1) Smt. Dhanlaxmiben Laxmandas Patel Krishnanivas-Nr. Gujarat Vidyapith Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nutan Nagrik Co.op. Bank Ltd. Opp: Victoria Jubilee Hospital Panch Kuwa-Ahmedabad.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. 3867 Acq. 23/I/85-86.—Wehrcus, I.

G. K. PANDYA, ucing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Shekhpur Khanpur seem TPS. No. 3 SP No. 161/1/1 F.F. Office No. A adm. 1295 sq. ft.

situated at A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Shekhpur—Khanpur seem TPS. No. 3 SP No. 161/1/1 F.F. Office No. A adm. 1295 sq. ft.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

 Hazarimal Gamnaji Shah Gita Nivas Opp: Water Tak Sabarmati—A'bad-5.

(Transferor)

 Pavankumar Rambilas Agrawal B-1—Navnit Aptt. Gulbai Tekra Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. 3868 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No. Raipur Hirpur Seem TPS. No. 2 FP No. 45 Shop No. 31 in Nutan Gui—Co.op. Shops & Ware Housing Socy. Ltd. situated at A'bad.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 20-2-85

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act. in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Raipur-Hirpur seem TPS. No. 2 F.P. No. 45 Shop No. 31 in Nutan Guj. Co-op. Shops & Warehousing Socy. Ltd.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Rcf. No. P.R. 3869 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 14-2 City Tal. Naroda TPS. 1 FP 704 Tenament No. C B-1-60 adm. built up area 108 sq. yds. Indira bag Socy. Naroda Prantij High way. situated at Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 5-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a.) incoluting the reduction of evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Suman Gandabhai Patel 15—Pramanik Socy, Ranip Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Devkaran Kanaji Kavaiya Tenament No. CB 1-60 Naroda Prantij High Way— Indira Bag Socy. Naroda—A'bad.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 14-2 City Tal. Naroda TPS, 1 FP 704 Tenament No. CB 1-60 adm. built up area 108 sq. yds. in Indira Bag Soc. Naroda Prantij High Way.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. 3870 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Shop No. 141 on the Upper Plaxa

Op: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad, situated at Ahmedabad

37EE filed ∂n

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad undersign on 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Avinash Estate Owners Asson. through M/s Hasmukh Shah Enterprise
1st Floor—Chinubhai Centre, Ashram Road, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Kashiben Narayandas Patel C/o N. Rajaram Ratanpole Ahmedahad.

(Transferce)

"Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 141 on the Upper Plaza in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3871 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Office No. 'C' 2nd Floor 'Shalin' Bldg. Ashram Road, A'bad. situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Chimanlal Estate Owners Association through M/s Hasmukh Shah & Associates 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad.
 - (Transferor)
- (2) Gujarat Colour Laboratories Q-14--T.V. Industrial Estate---Bombay.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 'C' 2nd Floor 'Shalin' Bldg. Ashram Road Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 3-10-1985

 M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Rachana Kunjkumar Gulati
C/o Gopaldas Gulati Commerce College
Opp: Flagun Socy.—A'bad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3872 Acq 23/I/85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA

G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Seation 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/and bearing No. Shop No. 153 on First floor in
Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema—
Ashram Road, A'bad.

37EE in the office of the understand on 13.2.85

37EF in the office of the undersigned on 13-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the effect of:

(a) by any of the adoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or

Shop No. 153 on 1st floor in Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema Ashram Road, Ahmedabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldstax Act, 1957 (27 of 1937);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, mercrors, in pursuance of flection 269°C of the sim-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:— 61—306GI[85]

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3873 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. J on 2nd floor of A-Tower in Chinubhai Tower Opp: Nairaj Cinema

Ashuam Road, A'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
37EE Filed on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

TERRISHEL with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sold Act, or the Wealth tax Act. (937 (27 et 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashiam Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Dujodwala Resing & Terpense Pvt. Ltd. 212, Julsibhai Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. J. on 2nd Floor of 'A' Tower in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Abmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3874 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 141 on the Upper Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema

Ashram Road, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EF Filed on 14-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Avinash Estate Owners Association—through M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad. (Transferor)
- (2) Kashiben Narayandas Patel C/o N. Rajaram Ratanpole—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATIONS— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 141 on the Upper Plana in Chinubhai Tower, Opp. Natraj Cinema—Ashram Road A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3875 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 39 on Lower Plaxa in Chinubhai Tower' Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE filed on in the office of the undersigned on 13-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Hasmukhlal Shah Enterprise, Ist Floor-Chinubhai Centre Ashram Road-Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Jaykumar Nemichand Jain 2465-Manek Chowk Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 39 on Lower Plaxa in Chinubhai Tower, Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3876 Acq 23/I/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 83 in Lower Plaza in Chinubhai Tower & Opp: Natraj Cinema Ahmedabad Form No. 37EE filed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act. 1908 (16. of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersined on 15-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by motion than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Avinash Estate Owners Association Through M/s Hasmukh Shah Enterprise 1st Floor, Chinubhai Centre, Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) Pari Maganlal Hiralal Manek Chowk—Ahmedabad-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expusions.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said half have the same meaning as given to dear Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 83 in Lower Plaza in 'Chinubhai Tower' Opp: Natraj Cinema Ahmedabad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

``ate: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd October 1985

Ref. No. P.R. No. 3877 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Shop No. 63 on the Loer Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema

Ashram Road, A'bad Form No. 37EE filed

in the office of the undersigned on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Hasmukh Shah Enterprise Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferor)

(1) Vasant Gandalal Soni—
Pritamnagar—Ist Slope,
Ambalal Hirachand Chawl—Ahmedabad-6,
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 63 on the Lower Plaxa in Chinubhai Tower Opp: Natraj Cinema Ashram Road, A'bad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-10-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3878/Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing 1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 adm. 1017

sq. vards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- call facultating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferud/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslia-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dineshchandra Amablal Chokshi. C/o Century Bazar,
Ambawadi Owners Co operative Society (Proposed) 2, Harisiddha Chambers, Ashram Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Proposed Century Bazar Ambawadi Owners Co-operative Society, Promotor Harkishan Hemraj, 2, Harsiddha Chambers, E.B. Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm 508.05 sq. mtrs, out of land at TPS, 3 FP No. 674/1 adm, 1017 sq. Vards.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-10-1985

FORM LTMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1861 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3879 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 adm. 1017 sq. yards

(and more fully described in the Schedule annexed Fereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shei Dineshehandra Ambalal Chokshi, C/o L., a Home, Arthaw Ji Owners Co-operative Society (Proposed) Eslaview Compound, Opp. Gandhgram Rly Station, E.B., Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Proposed Happy Home, Ambawadi Owners Co-operative Society, Promtor— Bansidhar Purohit, Belaview Compound, Opp. Gandhigram Railay Station, E.B. Abmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.05 sq. mtrs. out of land at TPS: 3 FP No. 674/1 adm. 1017 sq. vards.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

vow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3880 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the tmmovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 74/1 Adm. 1017 sq. yards.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tensor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Shri Harendra Ambalal Chokshi, C/o Century Bazar, Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed)
 Harsiddha Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

TANAMAT TO CALL TO THE A A A A SHALL BE TO THE TANK OF THE PARTY OF

(2) Proposed Century Bazar, Ambawadi Owners Co-operative Society, Promotor Harkishan Hemraj,

2. Harsiddha Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtr. out of land at TPS 3 extended F.P. No. 674/1 adm. 1017 sq. yards.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Percely:—62—306GI|85

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3881 Acq.23/I/85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 1/2 undivided share in land ≥ Building adm. 508.5 sq. mtrs. out of land at TPS 3 extended FP No. 674/1 Adm. 1017 sq. wards.

yards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-1-85/2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manualy :--

(2) Shri Harendra Ambalal Chokshi, C/o Happy Home Ambawadi Owners Co-operative Society (Proposed), Belaview Compound, Opp. Gandhigram Railway Station, E.B. Ahmedabad. (Transferor)

(2) Proposed Happy Home Ambawadi Owners Co-operative Society. Promotor-Pramod Bansidhar Purohit, Belaview Compound, Opp. Gandhigram Railway Station. E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in land + Building adm. 508.5 sq. mtr. out of land at TPS 3 extended F.P. 3 674/1 adm. 1017 sq. vards.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-10-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Hetram Hargovind 'Krishna Kutir' 19/21 Juni, Hanuman Gali—Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Khandubhai Chhitubhai Patel, 27, Shri Niketan Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3782 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Shop No. N.8 at Bombay Market

Umarwada—Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 25-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorogaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1850 dated

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, mainely :-

Date: 10-9-1985

FORM NO. I T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX AGI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th September 1985

Ref. No. 3783 Acqq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. L3 a Bombay Market

Umarwada—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registre ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 16-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (z) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the smid, Act, in suspent of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1947 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Royal Silk Mills, Prop.: Iqbal Haji Ismail Godil, Gopipura—Momanvad, Surat,

(Transferor)

(2) Harish Textile, Amritlal Nanabhai & Ors., at Salabatpura—Lalvadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Countre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1898 dated 26-2-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985 Ref. No. P.R. No. 3784 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 6 'H' Building Ground Floor

India Textile Market, Ring Road-Surat

and Form No. 37EE is submitted on 18-1-1985 Surat on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash, S/o P. D. Kumar, 61, Krishna Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in he office of the undersigned in January 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

OF 1961) C/o Severa Muzaffarpur

(2) Shri Kamalkumar C/o Severa, Motihil, Muzaffarpur, Bihar.

Ring Road, Surat.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3785 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'salid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and hearing No.

and bearing No. Flat No. J.408—India Textile Market,

Ring Road-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

and Form No. 37EE is submitted on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which empht to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in he office of the undersigned in January 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3786 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703 'I' Building in India Textile Market.

Ring Road-Surat

and Form No. 37EE is submitted in the Office of the under-

signed on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ltd., Near Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Raj Gopal Sitaram Chaudhary & Ors., C/o Chirangilal Sitaram, 201—B.M.G. Road, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

> G, K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND THE RESIDENCE TO A STATE OF THE PARTY OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th September 1985

Ref. No. P.R. 3787 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. J. 604 India Textile Market Ring Road—Near Kinnery Cinema—Surat

and Form No. 37EE is submitted in the Office of the under-

signed on 31-1-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) theilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ltd., Near Kinnery Cinema, Sugar

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Parshottam Khetan, Kavi Apartment No. 331, Worli Sen Foca, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 6-9-1985

FORM ITNS -----

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society Ring Road, Surat.

(Transferee)

(2) Shri Bibarilal Parasrampuria, 17/18—'Raviraj' 9th Wardha Road, Nagpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3788 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

reigg the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

ds. 1,00,000/- and bearing No. 1,308—India Textile Market,

ing Road-Surat

and Form No. 37EE is submitted in the Office of the underigned on 18-1-1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and ave reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent onsideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated n the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reserve, namely:—

Date: 9-9-1985

Seal:

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

---306GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE WCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ring Road, Surat

(Transferor)

(2) Smt. Gitadevi. C/o Savera Moti Hil, Muzaverpur, Bihar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3789 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

J.407-on Forth Floor---India Textile Market

Ring Road—Surat and Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned on 18-1-1985

for an apparent consideration wheih is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-operative Housing Society

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay can under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. (wimely:--

Date: 9-9-1985

Sanjeev Premises Co.op. Hsg. Socy. Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Biharilal Parasrampuria, 17/18, 'Ravi Raj', 9th Vardha Road, Nagpur-12.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3790/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. J.307, India Textile Market, Ring Road, Surat tand more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the LT. Act, 1961, (44 of 1961)

has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961)

in the Office of the and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in itspect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

37378

(1) M/s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferee)

[PART III-SEC. 1

(2) Shri Shyamsundar Ladia, 137, Dadi, Sheth Agiary Lane, 1st floor, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3791/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

and or;

Rs, 1.00,000/- and bearing No. Office No. 444 at Ajanta Shopping at Textile Arcade Ring Rd., Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT 'OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3792/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 638 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and Form No. 37HE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

(2) M/s. Shanti Builders, Ring Road, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. T. Gandhi & Co., T. 1121, Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective versons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chamter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Enterprises, 402, Keshav Chambers, Lalgate, Surat

(Transferor)

Mr. Sanatbhai. A. Zaveri,
 Ashutosh Neapeausea Road,
 Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3793/Acq.23/II/85-86.—Whoreas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203 at River Queen Bldg., Athwa Lines, Surat

Flat No. 203 at River Queen Bldg., Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schodule annexed hereto). and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(a)
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-9-1985

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3794/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602 at River Queen, Athwa Lines, Surat

Flat No. 602 at River Queen, Athwa Lines, Surat (and more taily described in the Schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-1-85

tindersigned on 28-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Enterprises, 402, Keshav Chambers, Lalgate, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Dilip. B. Shah, 7D, Nisha Aptt., Kajinu Medan, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January, 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Carry Emermal D'cruz, 14, Ranchho Ray Socy., Harni Road, Baroda.

(Transferor)

(1) Shri Sardarsinh Gurudit Singh Anand, 'Anand Mahal' Opp. Rosary School, Pratapganj, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3795/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing C.S. No. 1533 adm. 719 sq. mtr. with old structures of iron theater 232 sq. wile at Esteveni Barreds.

sheets at 222 sq. yds. at Fateganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Baroda on 4-2-1985

for no apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A sale deed was regd. by S.R. Baroda bearing S.R. No. 1049/85 on 4-2-85 for A.C. of Rs. 3,84,850/-.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Aalok Associates, 1, Keval Aptt., Subhanpura, Baroda.

(Transferor)

(2) Natubhai Patel Family Trust. 1, Arunodaya Socy., Baroda-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3796/Acq.23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Au hority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing 62. 63 on mezzamine floor of Anurag Cem. Centre R. C.

Dutt Road, Baroda-5

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at S. R. Baroda on 19-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a seried of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as givein that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 19-2-85 for A.C. Rs. 4,15,950/- bearing Reg. No. 1540/85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-faction (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ine persons namely:— 64---306GI|85

Date: 9-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPERING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3797/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.0001- and bearing No. Property situated at Plot No. 7 Laxmi Co.op. Hsg. Socy. R.S. No. 113/ Jetalpur

Raroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the registering officer at Baroda on 28-2-85

consideration which is less than the fair for an appearent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1:157):

Now therefore, in pursuance of Section 26%; of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing persons, namely :-

(1) Shantaben Ravjibhai Patel, Power of Attorney Holder, Inako basi Umeubnai, Vadodara.

.... mar__a. .. <u>s.m</u> + m<u>_a.</u>—, ...

(Transferor)

(PART III—SEC. 1

(2) Ramaben Shravankumar, 88. Sampatrao Colony, Race Course. Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 28-2-85 for A.C. Rs. 2,40,000/- bearing reg. No. 1782/85.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-9-1985

Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kantilal Tribhovandas Patel, Mehsana.

(Transfero.)

(2) M/s. Darshan Corporation, Panja apole, Mchsana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, AJHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3798/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent Authority under Section 269B of the incomi-tax Act 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Bldg, bearing tika ino. 114 S. No. 101 municipal No. 1-23/1 to 1-23/19 at Panjara pol, Mensana

(and more curly described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office, at Mehsana on 6-2-85

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid , roporty and I have reason to believe that the fail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respict of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d sciosed by the transfe ee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said ac, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a p-ried of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with n 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

A sale deed was regd. by S.R. Mahsana on 6-2-85 bearing regd. No. 266 for A.C. Rs. 2,55,000/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-cax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 9-9-1985 Seal:

FORM TINS-

(1) Shantilal Bhogilal Shah, P.A. Holuer Vij-yakumar Shantilal Shah, Ti upan Apit., Pawa Estate, Vaqoqara.

(Transferor)

(2) Nitinkumar Ranchhodbhai Patel, A.2, Viuyutnagar socy., June Pauara Koad, Vadodara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th September 1985

Ref No. P. R. No. 3799/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot adm. area of 242 sq. mtr. being R.S. No. 114 of Jetalpur situated at FP No. 427 Plot No. 45 of Shrinagar Socy., Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha, been transferred under the Rogistering Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Baroda on 27-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 27-2-1985 bearing regd. No. 1771/85 for A.C. Rs. 71,850/1.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission o Incom-aux,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh i Shant'lal Bhogilal Shah P.A. Holder, Vijaykumar Snantilal Shan, Tirupati Aptt, Patwa Estate, Baroda.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anilkumar Jivanbhai Patel, 91-Tago, nagar Socy., Juna Padra Road, Vadodara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMI TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOW HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 23rd September 1985

Ref. No. P. R. No. 3800 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the saxt Act), have teason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot aum. area of 242 sq. mtr. bearing R.S. No. 114 of
Jetapu s.te No. 52 F. No. 427 Plot No. 45 of Sminagar
Socy, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra ion Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ba oda on 27-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hie object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been on which ough; to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 27-2-85 for A.C. Rs. 71.850/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 23-9-1985

Seal :

FORM (TNS---

(1) Hareshbhai Ishwa bhai Sheth, 3-Kr. makunj Race Course, Baroda,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kamalpark Ap't, Co-op Hsg. Socy., Pres.d nt—Smt. Namala Hanatlal Popat, 5—V thal Socy. 'Trushar' Nr. Jayratna Bldg., Navapura—Baroda. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P.R. No. 3801 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDrA,

being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinacter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Prot of land adm. 908 sq. mtr. with old construction
bearing R.S. No. 533 C.S. No. 1591, 1992, 1993, 1994,
1995 and Paikir 19575 at Race Course S.G. Baroda
(and more ruly described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ba oda on 7-2-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair to believe that in fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han affecting per concess such a spearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-Ween the parties has not been truly stated in the said instrument of humater with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 7-2-1985 for A. C. Rs. 3,23,532/-.

> G. K. PANDYA Competent Autho ity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETIAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P.R. No. 3802 Acq 83/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Fg. 100,000l- and b aring

No. Plot at Land with old construction adm. 581 sq. mtr. bea ing C.S. No. 1995/5 1999/6 R.S. No. 533 R.C. Road, Sayaji Gani Barada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Baroda on 7-2-1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Sh. Harshadbhaj Ishwarbhai Sheth, 3-Krichna Kunj-Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Kamlapark Aptt. Co-op. Hsg. Socy., President—Sint. Nirmala Hima lal Popat, 5-Vi hal Socy. 'T ushar' No. Jayaratna Bldg., Navapura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sain immersable property within 45 taxs from the last of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here(a as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Baroda on 7-2-1985 for A.C. Rs. 2,06,481/-.

G. K. PANDYA
Competent Auth rity
Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 23-9-1985

Şeal :

FORM ITNS-

(1) B'pinchandra Prabhakar Gupta-HUF, at Itola Tal. Vadodara

(Transferor)

M 2 '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Paramdham Co-op, Hsg. Socy., at Itola, Tal. Vadodara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQ ISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ahmedabad, the 23rd September 1985

Ref. No. P.R No. 3803 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G K PANDYA, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing
No The plot of land adm. 10177 sq. mtr. at the village Itola
Tal. Vadodara bearing R.S. No. 1271
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer
at Baroda on 27-2-1985 at Baroda on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than arteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period over the later. sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ora

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed for A.C. Rs. 2,02,340 was regd. by S.R. Baroda on 27-2-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 23-9-1985

Seal :

37391

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II*
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 24th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3804 Acq 23/II/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S. No. 215 paiki adm, area of 7283 with Industrial Sted of built up area of 463 sq. mtr. at Chikhodara Tal. Godhra (and more fully described in the Schedule annexed here 0), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Godhra on 23-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
65—306GI|85

 Sh. Suleman Haji Abdul Rehman Dadi & Ors., Mohmadi Mohollo, Godhra.

(Transferor)

(2) Modern Cement Co., Chikhodara, Tal. Godhra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immessable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used foren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, at by S.R. Godhra on 23-1-85 for A.C. Rs. 2.56.786/- form No. 37G is received on 8-4-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date : 24-9-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sima—Alias Shirin Jahangirji Vesuna, Bombay. Clo. Patel Corporation, Nanpura Duch House,

(Transferor)

(2) Patel Corporation, Nanpura Duch House, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3807, Acq 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-No. Ward No. 1 Nondh No. 1502 to 1503 Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a))facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisine from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzatta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are lefined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 1445, dt. 15-2-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Agaisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 27-9-1985

Seal :

FORM ITN9 -

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE I & II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRA ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3808, Acq. 23/II/85-86,--Whereas, I

Ref. No. P.R. No. 3808, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 4C—in Ravi Tej Aptt. Opp. Loudes Convent School, Athwa Lines, Surat at Form No. 37EE is submitted at Undersigned on 10-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ravi Enterprises, 101-Rajeshwar Aptt., Nanpura Athugar Street, Surat.

(2) Shri Krishnakumar, S. Bajaj & N. G. Bajaj, C/o. Bajaj Synthetics, W. 3211, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the oilice of the undersigned in Jan., 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad

Date: 27-9-1985

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3811 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act , have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land at Athwalines Ward Athwa C.S. No. 166B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Pramathesh Jerambhai Desai, Athwa Lines, Nr. Lal Bunglow, Surat.

(Transferor)

(2) Tripan Co-op. Hsg. Socy., C/o. Jayaben Prakashkumar Savani, Nisha Aptt., Kajinu medan, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1919, dt. 27-2-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 27-9-1985

FORM ITN9 -

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ravi Enterprises, 101—Rajeshwar Aptt., Nanpura Athugar Street, Surat.

(Transferor)
2) Shri Krishnakumar, S. Bajaj & N. G. Bajaj,
C/o. Bajaj Synthenes, W. 3211, Surat Textile
Market, Ring Road, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I & II
FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR,

Ahmedabad, the 27th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3808, Acq. 23/11/85-86.—Whereas, 1 G. K. PANDYA.

G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.
No. Flat No. 4C—in Ravi Tej Aptt. Opp. Loudes Convent
School, Athwa I ines, Surat
at Form No. 37FE is submitted
at Undersigned on 10-1-1985
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan., 85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE · INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I & II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 2ND FLOOR,

Ahmedabad the 27th September 1985

Rcf. No. P.R. No. 3811 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land at Athwalines Ward Athwa C.S. No. 166B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 27-2-1985
for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and enceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:-

> of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Pramathesh Jerambhai Desai, Athwa Lines, Nr. Lal Bunglow, Surat.

(Transferor)

Tripan Co-op, Hsg. Socy., C/o. Jayaben Prakashkumar Savani, Nisha Aptt., Kajinu medan, Surat

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1919, dt. 27-2-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 27-9-1985

Seal:

FORM ITNS -

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISIT!ON RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-320 009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3812.Acq.23/Π/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable picpry, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/and bearing No.
Flat No. 6 C n Ruvi Chhaya Apit. Opp. Loudes Vonvent
Hah School—Athwa Lines—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registrating Officer Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned

on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Ravi Enterprise Ist Floor—Rajesnwar Aptt.
Nanpura—Athugar Screet—Surat.

(Transferors)

(2) Shri Mayankbhai — Mehta & Ors., 904 Raj.shwar Aptt. Nanpura, Athugar Street—Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late Gr the publication of this notice in the Offical Gazette.

Ex. LANATIO :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sam Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37th is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 1880s of this notice under subsection (1) o Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 66--306GI/85

Date: 30-9-1985

Sheal : -

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOCM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-320 009

Ahmedabad 380 009, the 30th September 1985

Ret. No. P R. No. 3813. Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. It wing a tair market value exceeding

Rs. 1.00 0001- and bearing
Majura Ward, S. No. 478 TPS No 9 FP. No 54—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act. 1908 (16 of 1009 in the Office of the Registering
Officer at Surat on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said A in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurmones of the indian income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjit Singh Umrao Singh Thakot Gordhanwada—Nanpura—Surat

(Transferors)

(2) Himon Indus rial Siramiks and Himson Techno Services Pvt. Director— Shri Panalal Himalal Lal Daraja—Gudi Sheri—Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersugned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The documents are regd. at S. R. Surat vide No. 1330 & 1331 Dt: 15-2-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of incomments
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 30-9-1985

Seal :

FORM ITNS ----

(1) Sari Ranjit Singh Umrao Singh Thakor Co.dhanwada-isanpura-Su at

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1951 (43 OF 1961)

Himson Techno Services Pvt. Director-Shri Panalal Hiralal, Lar wara-und. Shere-Smat.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HALLLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD Anmerianan-and Dog

Ahmedabad 380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3814.Acq.23/11.85-86.--Whereas, I. G. K. PANLYA,

Deing the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vidue exceeding Rs. 1.00,000- and bearing
Majura ward S. No. 478 TPS. No. 9 Final Polt No. 54—situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred un in the Reinitta on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Su at on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair mark t value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration the efor by more than fifteen put cent of such apparent consideration and that the consideration for such it insteads ago did to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as the deficient of the said Act, shall have the same meaning as given in char hapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and o.
- (b) fecilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 1331 dt. 12-2-1985.

> G. K. PANDYA Com, e ent Au hority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisit on Range-II Ahmedabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the a quisition of he aforested property by the users of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, paniely :--

Date: 30-9-1985

FORM ITNS ---

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nitinkumar Thakorlal Chokshi Cnokoni Lung.ow Civil Line— Nr. R. F.O.—Bnaruch.

(Transferors)

(2) Uni ed Construction Co. 215—Commerce House, 140—Medows Street—Bombay-400 023.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3815.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing

Land at Nandeval S. No. 41/2 situated at Tal. Bharuch. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 11-1-1985.

on 17-1-1933.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egized to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have he same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

and/or

•

(3) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37FF is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Informetax
Acquisition Fange-I
Ahmedobad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the armesand property by the usue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namesy:—

Date: 30-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. o. 3816.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Au hority under Section 269B of the Ingome-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000]—and bearing No.

Shanti niketan Socy, Bungalow No. 111 situated at Surat (and more fully described in the Sch dule annexed, hereto)

Shanti niketan Socy. Bungalow No. 111 situated at Surat (and more fully described in the Sch dule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 11-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inconevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 267 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (T) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mangubhai A'ias Mane..d.akumar Ghelabhai & Others, b.side Majur Mahajan—Station Road, Naysari.

(Transferors)

(2) Gajendrakumar Gordhanbhai Pa'el, Shantin ketan Socy. Bungulow No. 11, Sumul airy oad—Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Il have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Su at vide No. 1284 Dt. 11-2-1985.

G. K. PANDYA
Commetent Au harity
Inspecting Assistant Commissioner of Inc. meetax
Acquisity or nge-I
Ahmedab.

Date: 30-9-1985

FORM LI N.S.—

(1) Shri Rajen Manubhai Desai & Ors., Natan Scey.,

Manarshi Arvind Marg, Navsasi.

(Tran:feror)

(2) Maganbhai V. Patel & Ors., At Vaghera, Tal, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

IAX ACI, 1901 (43 OF 1901)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME LAX ACQUISITION RANGE-I & II

2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED, BAD-830009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3817 Acq 23/11/85-86.--Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nerematter referred to as the 'said Act J, have reason to believe that the immovable property having a dair market value exceeding

No. Blog. No. 23 Nutan Co-op, Hig. Socy. bearing taqa No. 74 S. 180, 4187 Muni. House No. 458 o. Ward 180. I and Garaze of Mun. No. 459 or Ward No. I

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1708) in the office of the Registering Officer at

at Navsarı on 1-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair quarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as dore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be duade in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 4° days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are deliced in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A i repect of any income arising from the transfer; and/or
- vb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or whichought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Naviari on 1-2-1985 for A.C. Rs. 2,51,000/-

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the appreciated property by the issue of this notice and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-9-1985

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-1 & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3818, Acq. 23/II/85-86,—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-lax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000|- and bearing No. Flat No. A-6 3rd Floor of Kama'a Park at Vishwas

Colony behind Krishnakunj Bungalo, R. C. Dutt Road,

Form No. 37EE filed

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manster with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability In the transferor to pay tax finds, the said Ass. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income tax. Art. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697) of the said Act. to the followvia persons, namely :-

(1) M/s. Vined Builders, 400-Dalamai House, 4th Floor, January Bajaj Road, Narman Point, Bomb.ry-400 021.

(Transferor)

(2) Smt. Chandanben Chunilal Shah & Ors., 7 'Λ' Sah.! Apa tments, 14, S.K. Barcdawala Marg. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE was regd, by this on 27-2-85 for an A.C. of Rs. 3,31,000/-.

> G. K PANDVA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of in ome-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 30-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dodsal Pvt. Lad., Bombay-Matacal House, Backoay Reciamat on, Bombay.

(Transferor)

(2) Sm. Rundas Gupta, 61—Ha bhakti Co ony, Old Padra Road, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-830009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3819, Acq. 23/II/85-86.—Wherens, I G. K. PANDYA,

being the Composent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1.31 (43 of 1961) (hereinsifier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001- and bearing No. 61 Haribhakti Extension Colony Old Padra Road,

s tuated at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in F b uary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold interesting the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cozzette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Charter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Ad th respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda in Feb., 85' for A.C. Rs. 2,29,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any minoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Trata: 30-9-1985

Seal :

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3820, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. S. No. 44 paiki Plot No. D. 7 & D 8 Athwa Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) raculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—67—306GI/85

(1) Sh. Kantilal Morarji Desai, Power of Attonerney, Yogesh Champaklal, Bombay. (Transferor)

(2) Sh. Satish Dahyalal Chokshi, G. Deshmukh Marg, Bombay, &P. A. Pratap, L. Barot, Bombay).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The transactions are regd. at S.R. Surat vide No. 1944 & 1945, dt. 27-2-85.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 30-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I & II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-830009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P. R. No. 3821, Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Plot No. 107, 108 at Silvasa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on 11-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) East man Crimpers Ltd., 254-B—Nirban House, Dr. Anne Besena Road, Worli, Bombay. (Transferor)
- (2) Binodkumar & Company, 1105, Dalamal Tower, 211, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The transaction was regd, at S.R. Silvasa vide No. 31 dt. 11-2-1985,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Acquisition Range-I & II, Ahmedabad.

Date: 30-9-1985

FORM ITNS

(1) Sh. Chandulal Motilal Khandwala, Shree Aptt. Nanpura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal Bechardas Shah, Chief Promotor of Akashganga Aptt. Co. Cosy. Ltd. Surat, 7-Kiran Aptt, Nanpura, Surat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I & II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASP ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 30th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3822, Acq. 23/II/85-86.—Whereas, 1

Ref. No. P.R. No. 3822, Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. No. R.S. No. 1973/K/1 paiki opp. L.B. Theatre Bharat Road.

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 15-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

The document were retd, at S.R. Surat on 15-2-1985,

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I & II, Atimedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

(1) Asgar Ali Ganjgee, Hasan Ali Gangji & Sultan Ali Gangjl

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Choicest Construction Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; Calcutta, the 23rd September 1985

Ref. No. C.A. 145/85-86/Sl. 1068/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (dereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 216, situated at Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority us 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 145 dated 26-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period

EXPLANATIFM.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that portions of premises No. 216, Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta-17, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 145 dated 26-2-1985.

S. K. BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 23-9-1985

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION May, 1986

New Delhi, the 2nd November, 1985

No. F. 7|4|85-E.I(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 15th May, 1986 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 77th Course commencing from January, 1987.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 7 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the orders of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that they will be considered for appointment to those services only for which they express their preferences and for no other service(s). No request for addition[alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION:—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 15th April, 1986, will not be entertained under any circumstances.

- 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :--
- (a) Nationality: -A candidate must be either: --
 - (i) a citizen of India, or
 - (ii) a subject of Bhutan, or
 - (iii) a subject of Nepal, or
 - (lv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
 - (v) a person of Índian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanazania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ili).

(iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibilty has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibilty will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age limits, sex and markal status.—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1968 and not tater than 1st January, 1971 are only eligible.

Note-Date of birth as recorded in Matriculation|Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications.—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised University or equivalent, Candidates who have passed the 11th class examination under the 10-12 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or equivalent examination of the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Matriculation and /or Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110 022 by 26th December, 1986 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards [Universities have not yet issued cortificates. Certified true copics] photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1—Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is

only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending the date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION—Rs. 28/- (Rupces twenty eight). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected. Candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes are not required to pay any fee.
- 5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- (2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, viz.
 - (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's School|Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
 - (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School, with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

Note.—Applications of candidates from the Military Schools Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scruitinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, May, 1986 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011. Application forms and full particulars

of the examination can be had from the following sources.—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO,
- (ii) On cash payment of Rs. 2|- at the Counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office Military Area/Sub-Area Headquarters|Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units and Naval Establishments.

The application form and the acknowledgement card must be completed in the eandidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3, etc.). Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clere that the entries made in the application form should be clere and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received, from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Note—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their application will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previous ly known as Sainik School), Dehra Dun, student of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik School Society should submit their applications through the Principal of the College School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dhotpur House, New Delhi-110 011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 30th December, 1985 (13th January, 1986 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 30th December, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh, Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence, to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 30th December, 1985.

Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of application should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalava, Ladakh Division of J & K State etc.) otherwise they may not get he benefit of additional time.

Note (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :--

(A) By all candidates:-

(i) Fee of Rs. 281- (Rupees Twenty eight) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary. Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates belonging to Scheduled Castes Scheduled Tribes are not required to pay any fee.

Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of the India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051. Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age :-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested certified copies of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster / Principal of the Institution from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUB-MIT ONLY TWO ATTESTED CERTIFIED COPIES OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION|HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested certified copy of certificate of educational qualification:--

A candidate must submit two attested certified copies of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para

3(c). The certificate submitted must be one Issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If attested certified copies of such a certificate are not submitted the candidate must explain its absence and submit such other eidvence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

- (iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (v) Two identical copies of passport size (5 cms x 7 cms approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (vi) Three self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (B) By Scheduled Castes Scheduled Tribes candidates:—

Attested certified copy of a certificate in the form given at (a) in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Castes Scheduled Tribes. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who has migrated from one State Union Territory to another may submit in support of his claim an attested certified copy of a Certificate in the form given at (b) in Appendix IV.

- (C) By candidates claiming remission of fee:-
 - (i) An attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in position to pay the prescribed fee.
 - (ii) An attested/certified copy of certificate from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person|repatriate:—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :-
 - Camp Commandant of the Transit Centre of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate incharge of refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his Charge,

OR

- (v) Deputy/Refugee Rehabilitation Commissioner West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriate from Sii Lanka:--

High Commisssion for India in Srl Lanka.

(c) Repatriate from Burma:-

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

- (d) Displaced person from erstwhile West Pakistan :-
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

Note: Candidates are required to sign the attested certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

- 9. REFUND OF FEE:—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15|- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28|- (Rupees Twenty eight) be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination held in May 1985 or December, 1985 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations

provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination May, 1986 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 29th August, 1986.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION: -

Every application including late one received in the Commission Office is acknowledged and Application Registration No is issued to be candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgemen of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. RESULT OF APPLICATION:— If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application, one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION:—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he solds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT:—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested certified copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support of his candidature by any means,
- (ii) impersonating or
- (ili) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination or,
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination or 68-306 GI/85

(xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specihed in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period--
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them,

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.
- 14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF:—Candidates who quality at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ, Rig 6 (SP) (a), West Block III, K. A. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.
- 15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATION:—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION.
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (3) APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLUCK CAPITALS).
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii).—IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANCE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HFADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG., 6(SP) (a) WFST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNA PURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATION ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION:—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch Rtg. 6 (SP) (a) (i), West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by the Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidate who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidate shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navvy will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before Services Selection Board and undergo the tests there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injuiry which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army|Navy should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) officer potentiality, as fixed by the Commission in their discretion, and candidates for the Air in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negli-Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer postentiality test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one to the Army and the Navy and the other for the Air Force.

The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Navy Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit upto the number of vacancies available from the order to merit lists for the Army and Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respect for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or or disciplinary grounds will not be admitted to the Academy

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Acedemy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAIN-ING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY:—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. The Union Public Service Commission have brought out a period publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various molussil towns,

M. BALAKRISHNAN, Deputy Secy.

APPENDIX I

(The Scheme and syllabus of examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written exmination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Duration	Max Marks
1. English	2 hours	250
	2 hours 2 hours	125 125
3. General Knowledge		
(Paper I (Science) Paper II (Social Studies, Geog-	2 hours	200
raphy and Current Events) .	2 hours	200
		900

- 2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.
- 3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 5. The Commission have discretion to fix quantifying marks in any or all the subjects at the examination.
- 6. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside examination ball.

69~-306GI/85

B SYLLABUS OF THE ELAMINATION

ENGLISH.—The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman-like use of words. The syllabus covers various aspects like: Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended texts to test the candidate's proficiency in English.

MATHEMATICS

PAPER I

Arithmetic

Number Systems--Natural numbers, Integers, Rational and Real number, Fundamental operation--addition, substraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory, Division alogrithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Mult ples and factors, Factorisation Theorem, H.C.F. and L.O.M. Euclindean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Cocrations, simple factors. Remainder Theorem, H.C.F., I. C.M. of polynomias. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients, (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations to two unknown analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expression and conditional identities. Law of indices,

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent \times when $0^{\circ} \le \times \le 90$.

Value of $\sin X$, $\cos x$ and $\tan x$ for $x=0^\circ$, 30° , 45° , 60° , and 90° .

Simple trigonometric identities, Use of trigonometrical tables. Simple cases of heights and distances

PAPER II

Geometry

Lines and angles. Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles), (vi) Concurrence of medians and altitudes. (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, recturgle and square. (viii) Circle and he properties including tangent and normals (ix) loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Area of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics.

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts pie charts e.e.

Calculation of mean of raw and grouped data,

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Paper I-Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II Comprising Social Studies, Geography and Current Events,

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive; and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following-

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat,

Sound waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical mirrors and Lenses. Human Eye,

Natural and Artificial Magnets, Properties of a Magnet, Farth at a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating. Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells, Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:-

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Leavers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegrands, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations. Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Ovygen, Nitrogen and Carbon dioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon -- Different forms.

Fertilizers-Natural and Artificial,

Materials used in the preparations of substances like Soap, Glass Ink Paper. Coment, Paints, Safety Matches and Gun-Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom Atomic Equivalent and Molecular Weights. Valency.

(C) Difference between the living and nonliving.

Basic of Life-Cells Protoplasms and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food, Balanced Diet.

The Solar System Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminten Scientists.

Note: Out of maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 50%, 30% and 20% marks respectively.

PAPER II

SOCIAL STUDIES, GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS

General Knowledge Paper II will comprise the following:---

(A) A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administra-

Elementary knowledge of Five Years Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodava, National Integration and Welfare State, Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence, French Revolution, Industrial Revolution, and Russian Revolution, Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the Present world.

(B) The Earth, its shape and size. I attitudes and Longitudes. Concept of Time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering Mechanical and Chemical, Earthquakes, and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate, Major Natural regions of the World,

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and industrial activities. Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

Note. Out of the maximum marks assigned to the paper, questions on Parts (A), (B) and (C) will generally carry, 40%, 40% and 40% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Test, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to gave brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interest in current affairs.

APPENDIX II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

NOTE:—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW:—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THERLFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE F!NAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporary unfit will be intimated by the President of the Medical Boards and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—

- (a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- (b) There should be no evidence of weak constitution bodily defects of under-weight.
- (c) The minimum acceptable height is 157.5 cms. (157 cms. for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to bills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable heights will be 5 cms. less. In

case of candidates from I accadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below:—

HEIGHT WEIGHT STANDARDS

Ho	i ce ha	in Car		l Page		Weight in Kgs.			
Height in Centimetres - (without shoes)						15—16 years	16—17 years	17—18 years	
152	,					41 .0	42 · 5	44 .0	
155						42 .0	43 · 5	45 -3	
157					4	43 .0	45 -0	47 -0	
160						45 -0	46 - 5	48 -0	
162						46 - 5	48 .0	50 -0	
165						48 .0	50 -0	52 -0	
167						49 -0	51 ·0	53 -0	
170						51 .0	52 .5	55 0	
173						52 • 5	54·5	57 0	
175						54 · 5	56 -0	59 ⋅0	
178						56 ⋅0	58 ∙0	61 •(
180						58 -5	60.0	63 -0	
183			,			61 .0	62 · 5	65 0	

 $A\pm10\%$ (±6 Kgs. (or Navy) departure—from the average weight given in the table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy—bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1:—Height relaxation upto 2.5 cm. (5 cm for Navy may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

Note 2:—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under:—

	 	 		
		 	Minimum	Maximum
Leg Length .		,	99 -00	120 ·00 cms
Thigh Length			_	64 ·00 cms
Sitting Height			81 -50	95.00 cms

On account of lower age of NDA candidates, a margin of upto 5.0 cm in height, 2.5 cm in leg length (minimum) and 1.0 cm sitting height (minimum) may be given provided it is certified by the medical board that the candidate is likely to grow and come upto the required standard on completion of his training in NDA.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tace so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-ray of spine of candidates will not be carried out as a routine. It will, however, be done on the advice of surgical specialist wherever clinically indicated. Minor congenial defects which

are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

For Air Force

Spinal Conditions

- (f) The following past medical history is disqualifying for Air Force duties;
 - (i) Disease or injury of the spine or sacroiliac joint either with or without objective s.gn, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life.
 - (ii) prolapse intervertebral disc and surgery for that condition.
- (g) Thorough Clinical examination of the spine including its shape, local tenderness it any, spinal movements etc. is to be carried out. For cand, dates for aircrew duties only. X-ray of lumbosacral vertebrae (AP and Lateral views), is to be carried out.
- (h) Mild Kyphosis or Lordosis where deformity is barely noticeable and there is no pain or restriction of movement, will not precaude acce; tance,
- (i) In case of noticeable Scoliosis or suspicion of any other abnormality or spinal deformity, more than mild, appropriate X-rays of the spine are to be taken and the Examinee referred for specialist's advice.
- (j) The following conditions detected on X-ray examination will be disqualifying for entry to Air Force:
 - (i) Granulomatious disease of spine.
 - (ii) Arthritis/spondylosis.
 - (iii) Scoliosis more than 15 degree as measured by Cobb's Method.
 - (iv) More than mild Kyphosis/Lordosis.
 - (v) Spondylosthesis/Spondyloysis.
 - (vi) Herniated nucleus pulposus.
 - (vii) Compression fracture of Vertebra.
 - (viii) Scheurman's Disease.
 - (ix) Cervical ribs with demonstrable neurological or Circulatory deficit.
 - (x) Any other spinal abnormality, if so considered by the Specialist.
- (k) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (1) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audiometric test will be done for AP.

Audiometric loss should not exceed + 10db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz.

(m) There should be no right of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal

- (n) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (o) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.
- (p) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
- (q) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
- (r) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
- (s) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses. (For Navy 6/6; 6/9 without glasses and Air Force without glasses only). Myopia, should not be mere than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP III for Army. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have CPI by MLT and normal night vision acuity. They will be required to give certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenial night blindness.

Vision standard for Naval candidates

Distant vision . . . 6/6 6/9 Correctable to 6/6

Near vision . . . N-5 each eye

Colour vision CPI by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Occular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed

(i) at 6 metres . . Exophoria 8 prism diopters
Esophoria 8 prism diopters
Hyperphoria 1 prism diopters

(ii) at 30 cm . . . Exophoria 1 prism diopter Esophoria 6 prism diopter Hyperphoria 1 prism diepter

For Air Force, the criteria are :-

Distant Vision . . 6/6 6/9 correctable to 6/6

Near Vision . . N-5 each eye

Colour Vision . . . CPI (MLT)

Manifest Hypermetropia , must not exceed 2.10

Myopia . . . Nil

Astigmatism . . . +0.75 D Cyl

Occular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod must not exceed-

(i) at 6 menes . Lxophoria 6 prism dioptres Esophoria 6 prism dioptres Hyper/Hypophoria 1 prism

dioptre,

(ii) at 33 cms. . . . Exophoria 16 prism diop r Esophoria 6 prism diopurtes Hyper/Hyperphoria 1 prism

diopure,

(iii) Binocular Vision . Must possess good binocula vision (fusion and sterwopsis with good amplitude and

depth.

- (t) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.
- (u) Routine ECG and EEG for Air Force Candidates must be within normal limits.

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

- 1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign:—
 - (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
 - (b) a bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Goyenment. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 75.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 75.00 p.m. for the 1st and 2nd years. Rs. 80.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 90.00 p.m. for further specialist training in Army Navy/Air Force Training Establishments may be grapted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son, ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will fortward the application with his recommendation to the Commandant Nanonal Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

- 3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:
 - (a) Pocket allowance for five months at Rs. 75:00 per month Rs. 375:00
 - (b) for items of clothing and equipment. Rs. 650-00
 - (c) Incidental Expenditure during I Rs. 150 00

 Total Rs. 1175 00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 75.00 per month Rs. 375.00
- 4. The following scholarships are tenable at the National Detence Academy:
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is granted to buys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parents' income is between Rs. 350,00 and 500,00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishment subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his patients' income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.
- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.
- (3) KUAR SINGH MI MORIAL Scholarship.—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Khadakwasha and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College; and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progres at the above institution.
- (4) ASSAM GOVERNMENT Scholarship -Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs, 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (5) UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outift stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on ment-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial ussistance from Government.
- (6) KERALA GOVERNMENT Scholarships.—One merit scholarship of the value of Rs, 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Ketala to a Cadet who is a tomiciled resident of the State of KEKALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/gundian is not taken into consideration.
- (7) BIHARI LAL MANDAKINI Prize.—This is a cach prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.
- (8) ORISSA GOVERNMENT Scholarships.—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of meritcum-means of the cadets whose parents or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.
- (9) WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL:—
 - (a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in a didition for those cadets with an initial outfit of the content of the conte
 - (b) Category 2.—The scholarship of a lampsum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.
- (10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL scholarships.—One Scholarship of Rs. 420.00 per anuum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of ment amongst An Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipions is relegated or withdrawn during the period of its receipts the Cadet who is already in receipt of any such ment scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.
- (11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarship will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 ter month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parents income is below he 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

- (12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of tainl Nadu has instituted at NDA one scholarship in course of the value of Rs. 30/- per month pius an outhit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of caders training) to be awarded to a cader canninging to the scate of TAMIL NADU whose parents/guardians monthly income does not exceed Rs. 500/-. The apprecation by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.
- (13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships teighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School, Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The value of the scholarship shall be Rs. 480/- (rupces four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School. B jopur/RIM College, Dehta Dun have been awarded.

(14) ALBERT ERKA Scholarship.—The Government of Binar has instituted at NDA 25 Merit Scholarship at Rs. 50/per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/per month for entire towards clothing and equipment. The cafet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Covernment. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

Terms and conditions gole mag these scholarship are obtainable from the Commandant. National Defence Academy KHADAKWASIA, Pune (411023).

- 5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects.—
 - (a) English;
 - (h) Mathematics;
 - (c) Science;
 - (d) Hindi.

The Pandrad of the examination is the subjects, at (a), (b) and (c) will not be higher dam that of the becomdary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is introlled to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Constitute, are therefore advised not to neglect their Studies after the commetitive examination

Training

6. The selected candidate, for the three service viz., Army, Navv and Air Force to given a sluminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the enters of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./BA, degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi

- 7. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to the Cadets Trainingship and Air Force cadet to EFS BIDAR.
- 8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd/Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".
- 9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches to which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.
- 10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

II, ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Sc le	Rank	Pry Scale
	Rs.	,	Rs.
2nd Lieut	. 750790	Lt. Colonel (time scale)	1900 fixed
Lieut .	830 - 950	Colonel	1950—217 5
Captain	. 11001550	Brigadier	2200-2400
Major	. 1450—1800	Major- General	2500—125/2 —2750
Major (Selec	tion		
Grade)	1800 501900		
Lt. Colonel			
by selection	. 17501950	Lt. General	3000 p.m.
Lt. Col	2000—50 -2100		
(Selection	,	Lt. General	3250 p.m.
Grade Pay)		(Army Commender)	

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank Lt. Col, and below possessing certain prescribed qualification are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/- 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances:-

(a) Compensatory (City) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.

- the A kit maintenance allowance of Rs 75 pm
- (c) expatriation Allowance is admissible when serving outside Ind'a. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance.—Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.
- (e) Outfit Allowance.—Initial outfit allowance is Rs. 2100/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1800/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commussion.
- Five rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve any where in India and abroad,

(v) PROMOTION

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substrative promotion to higher ranks.

(i) By Time Scale	Minimum Service Limi
Lt	2 years of Commissioned service
C ptain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt, Col. from Major if not promoted by selection	25 ye rs of commissioned service
(ii) By selection	
Lt. Col. ,	16 years of commissioned service
Col	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen. , .	25 years of commissioned service
Lt. Gen	28 years of commissioned service
Gen	No restriction.

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following immunum service limits subject to av ill bility of vicancies:

Captain .			3 years
Major .			6 ye .18
Lt. Colonel			6 1/2 years
Col, .			8 1/2 years
Brigadier			12 years
Maj. General			20 years
Li: General			25 vents

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

					Pay Sca	les
Rank				•	General service	Naval Aviation and Submarine
					Rs.	Rs,
Midshipman .					560/-	560/-
Ag. Sub. Lieut					750/-	825/-
Sub Lieut					830—870	910—950
Licut					1100-1450	1200-1550
Lieut Cdr					1450—1800	1450—1800
Lieut Cdr. (Selection	on G	rade)			1800-1900	1800-1900
Cdr.					1750—1950	17501950
Cdr. (Time Scale) .					1900 (Fixed)	(Fixed)
Cdr. (Selection Gra	de)				2000—2100	20002100
Captain		•		•	to which ent	1950—2400 receives pay itled record- ority as Cap
Rear Admiral					2500125/	2-2750
Vica-Ad miral					3000/- p. m	
Vice Admiral (VC)	NS/F	OC-li	ι·C)		3250/- p. m.	

Qualifications pay|grant is also admissible to-

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600|-, 2400|-, 4500|- or 6000|- based on the qualification held by them. Flying Navigator instructor categories A & B are authorised to qualification pay of Rs. 100|- and Rs. 70|-p.m. respectively.

(ii) ALLOWANCES

- (a) Compensatory (City) Allowance, Dearness Allowances and interim relief are admissible at the same rates and under same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) Kit Maintenance Allowance at the rate of Rs. 75-p.m.
- (c) Expatriation Allowance when serving ashore ex-India or afloat outside certain longitudinal and latitudinal limits. The rates vary from Rs. 50|- p.m. to Rs. 250|p.m. depending on ranks.
- (d) Separation Allowance at the Rate of Rs. 140|- p.m. to married officers serving affoat during the period their ship is away from its base port.
- (e) Outfit Allowance at Rs. 2400|- on first Commissioning and Renewal Outfit Allowance of Rs. 2100|- after every seven years of effective service.
- (f) Free rations are provided upto the level of Commodore in the Navy.
- (g) Encashment or unavailed Annual Leave @ of 30 days per year for a maximum of 180 days on super-annuation

Navai Aviation Officers are entitled to Flying Pay at monthly rates and under the conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers and Officers of Engineering and Electrical Branches are entitled to Technical Pay ranging from Rs. 75]- to 250]- p.m.

In addition to above, Naval Officers are also entitled to certain special concessions; like hardlying money submarine allowance, submarine pay, diving pay and survey bonty on fulfilment of certain conditions attached to each.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

By time Scale

Sub, Lt. ,		, 1 у о аг
Lt	•	, 3 years (subject to gain forefeiture of seniority)
Lt. Cdr		. 8 years seniority as Lt.
Cdr		. 24 years commissioned ser-
		vice (if not promot-
		ed by selection)

By Selection

Cmdr. Executive Branch .	2—8 years of seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Engineering Branch .	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmdr. Electrical Branch .	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attrined 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank							Pay Scale
				_			Rs.
Plt. Offr.							8 2.5— 865
Fg. Offt.							9101030
Flt. Lt							1300—1550
Sqn, Ldr,							1650—1800
Wg. Cdr. (Se	electio	n)					1750—1950
Wg. Cdr. (T	me Sc	в le)					1900 (fixea)
Gp. Capt.					-		1950-2175
Air Cdr.							2200 2400
Air Vice-Ma	rshal					,	2500—2750
Air Marshal							3000
Air Marshal		San	i AO	SC-in-	C)		3250
Air Chief M							4000

PART III—SEC. 1]	THE GAZETTE OF INI
(ii) ALLOWANCES	
	of the Flying Branch (Pilots and itted to get flying pay at the fol-
	Rs.
Plt. Offr. to Wg. Cdr	. 750 ·00 p.m.
Gp. Capt. and Air Cdr.	. 666 ·00 p.m
Air Vice Marshal & abov	ve 600 ·00 p.m.
(b) Qualification Pay/(Branch Officers por fication at the rate	Grant—Admissible to Flying assessing certain prescribed qual-
Qualification Pay .	Rs. 100 p.m .or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6000/- or Rs. 4500/- Rs. 2400/- or Rs. 1600/-
(c) Kit Maintenance A	llowance at the rate of Rs. 75]-

- (d) Expatriation Allowance—Ranging from 25% to 40% ((depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single. Third Secretary Second Secretary First Secretary Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.
- (e) Separation Allowance—Married Officers of the rank of Air Vice Marshal and above posted to Units Formations locoted at Non-family stations areas notified as such by Government for this puopose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Pa. 1401, p. m. receive separation allowance of Rs. 140 - p.m.
- (f) Outsit Allowance—Rs. 2100|- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform|equipment which an officer has to possess; Rs. 1800 - for renewal after every seven years.
- (g) Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Premotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks.

By Time Scale

Flying Officer	1 year commissioned service.
Fit. Lt.	5 years Commissioned service.
Sqn La	1 year commissioned service
Wg Cdr	On completion of 24 years of commissioned service if not promoted by selection
By Selection	
Wg. Cdr.	16 years reckonable total commissioned service.
Gp. Cpt.	22 years reckonable total commissioned service

Air Cmdr	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice-Marshal .	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

The following are the minimum service limit required for acting promotion of officers-

Flt, Lt.				2 years
Sqn .Ldr				5 years
Wg. Cdr.		٠	•	6 years (After serives of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp. Captal	in .			8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr			•	11-1/2 years (After service of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp. Captain).
Air Vịce-M	[arsha]	•		of 5 years (After service of 5 years* in the ranks of Wg. Cdr., Gp. Capi and Air Cdr.)
Air Marsh	al .			23 years

^{*}Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension, gratuity and casually pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India

duled Tribe* under :--

the	Constitution	(Scheduled	Castes) Ore	der, 1950	@
the	Constitution	(Scheduled	Fribes) Ord	der, 1950	@
	Constitution er, 1951@	(Scheduled	Castes)	(Union	Termories)
,	Constitution ler, 1951@	(Scheduled	Tribes),	(Union	Territories)

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976)

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Ordor, 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act 1976@
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@
the Constitution (Goa, Daman Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@
the Constitution (Sikkiii) Scheduled Titles Older, 1978
2. Applicable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes persons who have migrated from one State Union Territory Administration.
This certificate is issued on the basis of the Scheduled Caste Scheduled Tribes certificate issued to Shri Shrimati* Father mother* of Shri Shrimati* Kumari* of Village town* in District Division of the State Union Territory* who belong to the Caste Tribe which is recognised as a Scheduled Caste Scheduled Tribe, in the State Union Territory* issued by the
dated
%3, Shri]Shrimati Kumari*and or* his her* family ordinarily reside(s) in village town*ofDistrict Division* of the State Union Territory* of
Signature
**Designation
(with seal of office)
PlaceState Union Territory*
Date
*Please delete the words which are not applicable.
@Please quote Specific Presidential order.
%Delete the Paragraph which is not applicable.
Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Represen- tation of the People Act, 1950.
**List of authorities empowered to issue Caste Tribe certificates:

(i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Commissioner Deputy Collector 1st Class Stipendiary Magistrate City Magistrate † Sub-Divisional Magistrate Taluka Magistrate Executive Magistrate Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate|Additional Chief Presidency Magistrate|Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and or his family normally resides.
- (v) Administrator Secretary to Administrator Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the eramination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

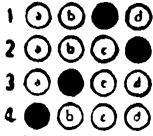
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d, your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items") at the end. In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. MEHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c. d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

I. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes beofre the prescribed time for commercement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- 3. No candidate will be allowed to leave the examination ball until 45 minutes have clapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet, Instructions about this will be sent to you alongwith your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When, the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer Sheet at the end of the tests.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiency as possible. Work steadily and as rapidly as you can without becoming earliess. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them, Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Bookiet, the nswer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: *denotes the correct best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :---

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting to the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V2O5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of tabour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (a) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric or relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propogation in free space, the velocity of propogation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclaso
- *(b) Labradorito
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$
(a) $y = ax + b$
(b) $y = ax$
 $x - x$

(c) y=ae+be x-a

•(d) y=ac

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperature 400° K and 300° K its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4—3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of binomial variation is 5. The variance can be
(a) 4

- *(b) 3
- (c) a
- (d) —5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentions religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrifical fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:—

- (a) Buddhism, Nyaya Carvaka, Mimamsa
- (b) Nyāya Valsesika Jainism and Buddhism Cārvakyā
- (c) Advalta, Vedānta, Sāmkhya, Cārvaka Yoga
- *(d) Buddhism, Samkhya, Mimāmsa, Cārvāka

14. (Political Science)

Functional representation means

- *(a) election of representatives of the legislatur, on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:—

- *(a) formal representation of women and weaker section in village government
- (b) Untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note.—Candidate should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.